



अध्ययन मंत्र



Rohit Vaidwan Notes

Quick Revision

Topic: रिमझिम CLASS -1

Scan Me & Download
Rohit Vaidwan Notes



Available Platform



Rohit Vaidwan Notes

Connecting Platforms





CONTENT

Ch. No.	Topic	Page No.
Chapter 1	झूला.....	03
Chapter 2	आम की कहानी.....	09
Chapter 3	आम की टोकरी.....	11
Chapter 4	पत्ते ही पत्ते.....	12
Chapter 5	पकौड़ी.....	19
Chapter 6	छुक-छुक गाड़ी.....	21
Chapter 7	रसोईघर.....	24
Chapter 8	चूहो! म्याऊँ सो रही है.....	28
Chapter 9	बंदर और गिलहरी.....	31
Chapter 10	पगड़ी.....	35
Chapter 11	पतंग.....	37
Chapter 12	गेंद-बल्ला.....	39
Chapter 13	बंदर गया खेत में भाग.....	41
Chapter 14	एक बुढ़िया.....	43
Chapter 15	मैं भी.....	44
Chapter 16	लालू और पीलू.....	46
Chapter 17	चकई के चकदुम.....	47
Chapter 18	छोटी का कमाल.....	49
Chapter 19	चार चने.....	51
Chapter 20	भगदड़.....	53
Chapter 21	हलीम चला चाँद पर.....	55
Chapter 22	हाथी चल्लम चल्लम.....	57
Chapter 23	सात पूँछ का चूहा.....	59

• Chapter wise Summary

Disclaimer: The content team has done their best job of verify the questions, content and answers, but do not take any responsibility for its absolute accuracy.

Refrence: NCERT Text Books, Guide Books & Website (diffrent internet sources)



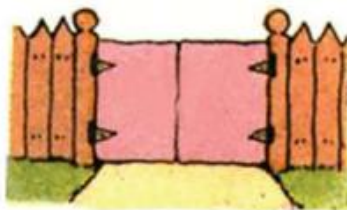
CHAPTER -1 झूला

Question 1:

(क) बताओ, इनमें किन चीज़ों पर तुम झूले की तरह झूल सकते हो?



टायर



फाटक



झाड़ू



दरी



मेज़



डाली



पैर वाला झूला



अलमारी

(ख) मुझे पर झूलने में मज़ा आता है।

मुझे पर झूलने में डर लगता है।

मुझे पर झूलने पर डाँट पड़ती है।

(ग) तुम इन झूलों पर भी झूले होगे। इन झूलों को तुमने कहाँ-कहाँ देखा है?

मेला

घर का आँगन

स्कूल

पार्क

बगीचा





6.

Answer:

(क) **टायर**- टायर को हम रस्सी के सहारे पेड़ पर लटका सकते हैं और इसमें बैठकर झूल सकते हैं।

फाटक- फाटक पर खड़े हो सकते हैं और फिर इसमें झूल सकते हैं।

डाली- डाली पर हम लटक सकते हैं या फिर इस पर रस्सी डालकर झूल सकते हैं।

पैरों- पैरों पर बैठ सकते हैं और दूसरे का हाथ पकड़कर झूल सकते हैं।

(ख) मुझे **फाटक** पर झूलने में मज़ा आता है।

मुझे **डाली** पर झूलने में डर लगता है।

मुझे **फाटक** पर झूलने पर डौंट पड़ती है।

(ग)



घर के आँगन में और पार्क में



घर के आँगन में



मेले में



पार्क में



मेले में



पार्क में

Page No 16:

Question 1:

(क)



ढेला



झूला



पेड़

गठरी



(ख) खाली जगह भरओ और फिर छुपने की इन जगहों पर बच्चों के चित्र बनाओ।



.... पेड़.... के पीछे



..... के नीचे

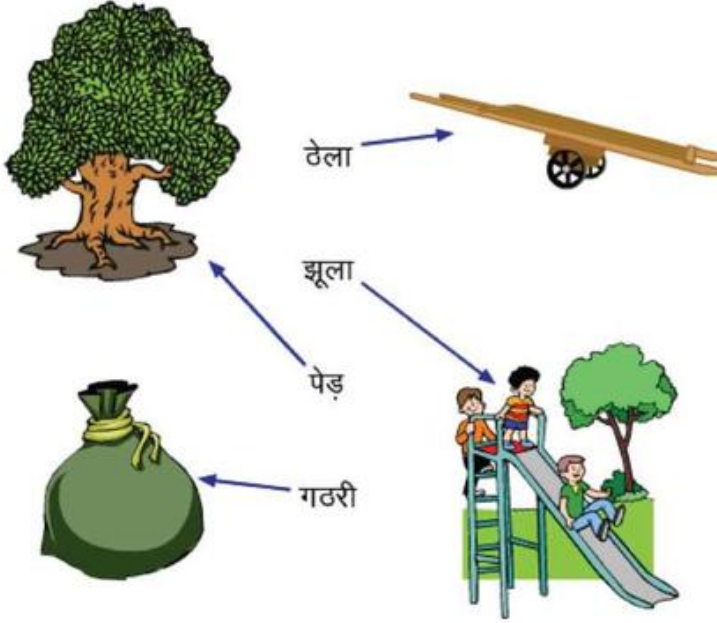


..... के नीचे



..... के पीछे

Answer:



(ख)



....पेड़..... के पीछे



.....मेज़..... के नीचे



.....चारपाई..... के नीचे

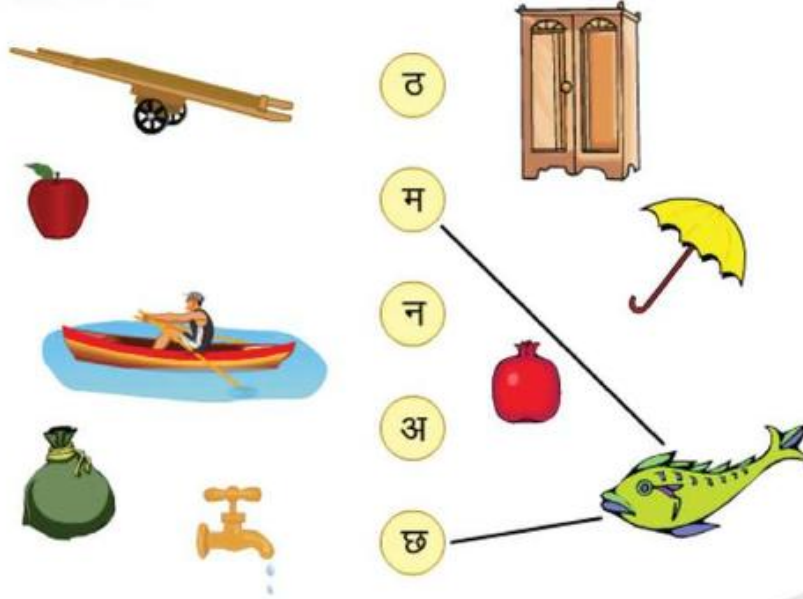


.....झाड़ी..... के पीछे



Page No 17:

Question 1:



ऊपर बनी चीज़ों के नाम उन अक्षरों के नीचे लिखो जो उनमें आते हैं।

ठ	छ	म	अ	न
	मछली	मछली		

यहाँ मछली दो बार लिखा गया है। क्या किसी और चीज़ का नाम भी तुमने दो बार लिखा है?

Answer:

ठ	छ	म	अ	न
ठेला गठरी	मछली छतरी	मछली अलमारी	अनार अलमारी	अनार नल नाव

हाँ हमने अलमारी और अनार का नाम भी दो बार लिखा है।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

**KVS
MOCK INTERVIEW**

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

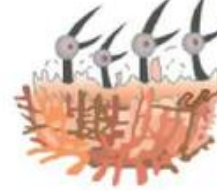


CHAPTER -2 आम की कहानी

Question 1:



1. लड़की



2.



3.



4.



5.



6.

Answer:

1. लड़की
2. कौआ
3. गुलेल
4. छत्ता
5. घोंसला
6. सोता आदमी

Question 1:



1. के हाथ में

2. के ऊपर



3. में



4. पेड़ के



5. के सिर पर



Answer:



1. लड़के के हाथ में

2. डाली के ऊपर



3. घोंसले में



4. पेड़ के ऊपर



5. आदमी के सिर पर





CHAPTER -3 आम की टोकरी

Question 1:

यह लड़की सिर पर क्या लेकर जा रही होगी? चित्र बनाओ।



Answer:



(नोट: विद्यार्थी इस प्रकार चित्र बना सकते हैं।)

-
-



CHAPTER -4 पत्ते ही पत्ते

Question 1:



(क) मैंजाती हूँ।

(ख) तुमने इनमें से किसकी सवारी की है? सही जगह पर हाँ ✓ या नहीं ✗ का निशान लगाओ।

सवारी	मैंने सवारी की है	मैंने सवारी नहीं की है
रिक्शा		
बस		
रेलगाड़ी		
बैलगाड़ी		
साइकिल		
ऊँट		
स्कूटर		
भैंस		

Answer:

(क) मैं रिक्शे से जाती हूँ।

(ख)



सवारी	मैंने सवारी की है	मैंने सवारी नहीं की है
रिक्शा	✓	
बस	✓	
रेलगाड़ी	✓	
बैलगाड़ी		✗
साइकिल	✓	
ऊँट		✗
स्कूटर	✓	
भैंस		✗

(नोट: विद्यार्थी अपने अनुभव के आधार पर इसी तरह स्वयं भरने का प्रयास करें।)

Question 1:

- दादी के घर-
- सिनेमा देखने-
- स्कूल-

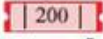


4. हाट/बाज़ार-

Answer:

1. दादी के घर- ट्रेन से और बस से
2. सिनेमा देखने- बस से
3. स्कूल- रिक्शे से
4. हाट/बाज़ार- रिक्शे से

Question 1:

सवारी	 टिकट लगेगा	 पैसा लगेगा	 मुफ्त
 रेलगाड़ी			
 भैंस			
 रिक्शा			
 साइकिल			
 ऊँट			
 बैलगाड़ी			
 बस			
 गोदी			

Answer:

सवारी	 टिकट लगेगा	 पैसा लगेगा	 मुफ्त
 रेलगाड़ी	टिकट लगेगा		



 भैंस			मुफ्त
 रिक्शा		पैसा लगेगा	
 साइकिल			मुफ्त
 ऊँट		पैसा लगेगा	
 बैलगाड़ी		पैसा लगेगा	
 बस	टिकट लगेगा		
 गोदी			मुफ्त

Question 1:

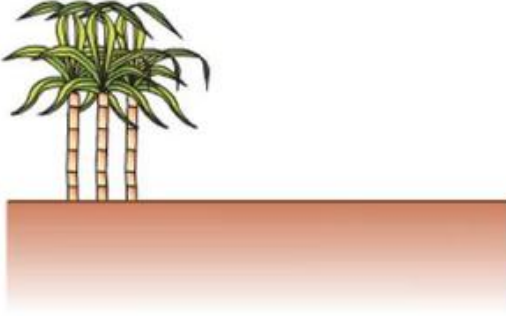
गन्ना ज़मीन के ऊपर उगता है और मूली नीचे। सही जगह पर कुछ और चीज़ों के चित्र बनाओ।

1.



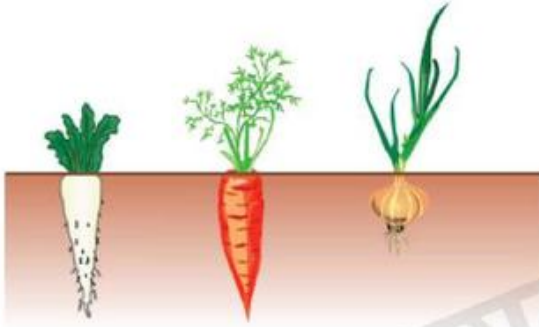


2.



Answer:

1.



मूली, गाजर, प्याज़, शकरकंदी, आलू, अदरक, हल्दी इत्यादि चीज़ें ज़मीन के नीचे लगती हैं। विद्यार्थी इसी तरह चित्र बनाकर दिखा सकते हैं।

2.



जन्ना, बैंगन, गेहूँ, चावल, भिंडी, सीताफल, तोरी इत्यादि ज़मीन के ऊपर लगते हैं। विद्यार्थी इसी तरह चित्र बनाकर दिखा सकते हैं।

Question 1:



	लाल	हरा	
	बैंगनी	पीला	
			
			
	नीला	काला	
			
			

Answer:



	लाल	हरा	
टमाटर	टमाटर	बोड़ा	अदरक
गाजर	गाजर	पालक	बोड़ा
धनिया	धनिया	घनिया	बोड़ा
खीरा	खीरा	खीरा	बोड़ा
	बैंगनी	पीला	
टमाटर	प्याज़	मकई	धान (चावल)
खीरा	बैंगन	मूँगफली	आलू
	नीला	काला	
खीरा	गाजर	गाजर	गाजर
	प्याज़	पालक	पालक
प्याज़	पालक	पालक	पालक
			
आलू	बैंगन	मूँगफली	मकई

(नोट: विद्यार्थी इसी तरह स्वयं भरें।)



CHAPTER -5 पकौड़ी

Question 1:

चीज़ें	मज़े से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नहीं खाएँगे
जलेबी 			
पकौड़ी 			
बैंगन 			
चुस्की 			
करेला 			
घीया (लौकी) 			
आलू 			
आम 			

Answer:

चीज़ें	मज़े से खाएँगे	खाना पड़ेगा	बिल्कुल नहीं खाएँगे
जलेबी 	✓		
पकौड़ी 	✓		
			



बैंगन 		✓	
चुस्की 	✓		
करेला 			✓
घीया (लौकी) 			✓
आलू 		✓	
आम 	✓		

(नोट: विद्यार्थी अपनी पसंद के अनुरूप दी गई तालिका को इस तरह भरें।)

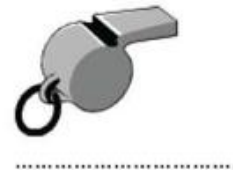
Question 1:

(क) खाली जगह में आवाज़ें लिखो।



सीटी

रोता हुआ बच्चा





CHAPTER -6 छुक-छुक गाड़ी

Question 1:

पिछले पन्नों में इन रंगों को ढूँढो। इन रंगों वाली चीज़ों के चित्र बनाओ।



Answer:



(नोट: छात्र स्वयं इसी प्रकार चित्र बनाएँ।)

Question 1:





Answer:



झंडा



रेल



टी.टी.



रेल का डिब्बा



पटरी

Question 1:

छूटी मेरी रेल, रे बाबू

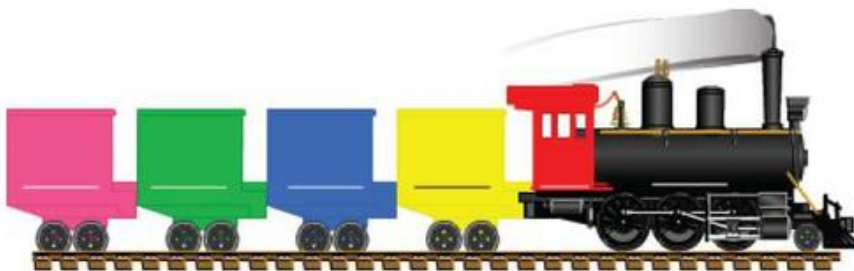
सुनो गार्ड ने दे दी

Answer:

छूटी मेरी रेल, रे बाबू छूटी मेरी रेल।

सुनो गार्ड ने दे दी टिकट देखता फिरता टीटी।

Question 1:





CHAPTER -7 रसोईघर

Question 1:

मैं चाकू हूँ।
मैं सब्जी



हम हैं।
हम बेलते हैं।

मैं हूँ।
मैं छानती हूँ।



मैं हूँ।
मुझमें खाओ।

मैं छीलनी हूँ।
मुझसे छिलका



Answer:

मैं चाकू हूँ।
मैं सब्जी काटता हूँ।



हम चकला बेलन हैं।
हम रोटी बेलते हैं।



मैं छलनी हूँ।
मैं चाय छानती हूँ।



मैं थाली हूँ।



मुझमें खाना खाओ।



मैं छीलनी हूँ।
मुझसे छिलका निकालो।

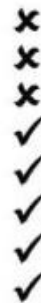
Question 1:

रसोईघर का चित्र देखो और बताओ।

1. पतीला चूल्हे के नीचे है।
2. चूहा अँगीठी के अंदर है।
3. टोकरी में आम रखे हैं।
4. अक्षय चावल बीन रहा है।
5. माँ खाना बना रही हैं।
6. आले में लालटेन रखी है।
7. दादी किताब पढ़ रही है।
8. सुहानी खिड़की से झाँक रही है।

Answer:

1. पतीला चूल्हे के नीचे है।
2. चूहा अँगीठी के अंदर है।
3. टोकरी में आम रखे हैं।
4. अक्षय चावल बीन रहा है।
5. माँ खाना बना रही हैं।
6. आले में लालटेन रखी है।
7. दादी किताब पढ़ रही है।
8. सुहानी खिड़की से झाँक रही है।



Question 1:

यहाँ क्या काम हो रहा है? गोला लगाओ
सेंकना



बेलना

तलना



Answer:

चित्र में तलने का काम हो रहा है।

Question 1:



चाकू

पहँसुल



सिलबट्टा

दाव



छीलनी

कैंची



हथौड़ा



गुलेल



ढक्कन

Answer:

चाकू, कैंची, पहँसुल तथा दाव से काटेंगे।

Question 1:



कपड़ा



बैंगन



कागज़



रस्सी



सेब



गन्ना



आम



कैंची से	चाकू से

Answer:

कैंची से	चाकू से
कपड़ा कागज़ रस्सी	आम बैंगन सेब गन्ना

Question 1:





CHAPTER -8 चूहो! म्याऊँ सो रही है

Question 1:

घर के पीछे, पाँव पसारे,
छत के नीचे, पूँछ सँवारे,
भरे पतीले, उलटा मटका,
चने रसीले, देकर झटका
मुँछ मरोड़ो, नीचे उतरो,
पूँछ सिकोड़ो, चीज़ें कुतरो

Answer:

सभी छात्र इन पंक्तियों को पढ़ने का प्रयास करें और बोल-बोलकर याद करें।

Question 1:

तीन लिखो

3

मुँछ कान बनाओ



आँखें और पैर बनाओ



पूँछ बनाओ

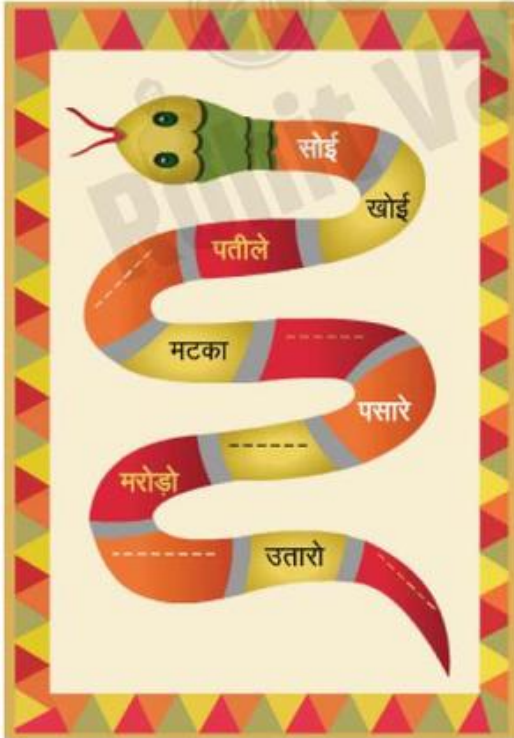


Answer:



(नोट: छात्र इसी तरह स्वयं बनाने का प्रयास करें।)

Question 1:



Answer:



(नोट: छात्र इसमें स्वयं इसी तरह अन्य शब्द डालने का प्रयास करें।)

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App

India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -9 बंदर और गिलहरी

Question 1:

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे सड़क
चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे।
भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे।
ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे।
चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,
इतनी छोटी थी जैसे।
कुत्ते की पूँछ इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे।
कोयल की इतनी थी जैसे।

Answer:

बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,
इतनी लंबी जैसे सड़क
चूहे की मूँछ इतनी घनी थी, इतनी घनी थी,
इतनी घनी थी जैसे घनी झाड़ी।
भालू इतना मोटा था, इतना मोटा था,
इतना मोटा था जैसे गुब्बारा।
ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,
इतना ऊँचा था जैसे इमारत।
चुहिया इतनी छोटी थी, इतनी छोटी थी,



इतनी छोटी थी जैसे कण।
कुत्ते की पूँछ इतनी टेढ़ी थी, इतनी टेढ़ी थी,
इतनी टेढ़ी थी जैसे जलेबी।
कोयल की आवाज़ इतनी मीठी थी जैसे चीनी।
(नोट: सभी छात्र इन पंक्तियों को इसी प्रकार भरने का प्रयास करें।)

Question 1:

कहानी में बंदर को गुदगुदी हुई। अपने दोस्त को गुदगुदी करो। पेट पर, पीठ पर, गर्दन पर, हथेली पर, तलवे पर। क्या हुआ? अब खुद को गुदगुदी करके देखो। अब क्या हुआ?

Answer:

छात्र इस प्रश्न का उत्तर स्वयं करके दें।

Question 1:

गिलहरी ने बंदर की पूँछ से झूला झूला, तुम इन चीज़ों से क्या-क्या करोगी? करके दिखाओ।

रुमाल



पेंसिल



फुट्टा



Answer:

रुमाल
पेंसिल





फुट्टा

(नोट: विद्यार्थी स्वयं इसी तरह से कुछ और क्रियाएँ करके दिखाओ।)

Question 1:

- तुम तो कितनी सारी चीज़ें खाते हो, जैसे दूध-भात, संतरा, केला। इनके अलावा तुम और क्या-क्या खाते हो?

.....

.....

.....

.....

.....

- गिलहरी क्या-क्या खा लेती होगी?

.....

.....

.....

.....

.....

- बंदर क्या-क्या खा लेता होगा?

.....

.....



Answer:

- मैं दाल-चावल, रोटी, सब्जी, पिज्जा, बर्गर, मैगी, फल इत्यादि खाता हूँ।
- गिलहरी मूंगफली, सूखी रोटी, सब्जी, फल, अनाज के दाने, छोटे-छोटे फल इत्यादि खाती है।
- बंदर केला, रोटी, आम, अंगूर, चावल इत्यादि खा लेता है।

Question 1:

जानवरों में कौन-कौन उछल-कूद करता होगा?

गाय
खरगोश

शेर
बिल्ली

गधा
चूहा

गिलहरी
कुत्ता

हाथी
ऊँट

उछल-कूद करते हैं
.....
.....
.....
.....

उछल-कूद नहीं करते
.....
.....
.....
.....

Answer:

उछल-कूद करते हैं
गिलहरी
कुत्ता
चूहा
बिल्ली
खरगोश

उछल-कूद नहीं करते
गाय
शेर
गधा
हाथी
ऊँट

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER -10 पगड़ी

Question 1:

• मालकिन ने मैली पगड़ी खूब रगड़ी। तुम इन चीज़ों को किससे साफ़ करोगे?

1. कागज़
2. बर्तन
3. पत्ते
4. जूते
5. दाँत

• पगड़ी को खूब रगड़ा तो पगड़ी फट गई। बताओ, इनको खूब रगड़ोगे तो क्या होगा?

1. कागज़
2. बर्तन
3. जूते
4. स्वेटर
5. फ़र्श चमक जाएगा।.....

Answer:

• हम इन चीज़ों को इससे साफ़ करेंगे-

1. कागज़- रबड़ से
2. बर्तन- जूना, विम बार, राख आदि से
3. पत्ते- पानी या कपड़े से
4. जूते- पॉलिश-ब्रश या कपड़े से
5. दाँत- द्रातुन या ब्रश से

• इन चीज़ों को खूब रगड़ेंगे तो ये होगा-

1. कागज़- फट जाएगा।



2. बर्तन- चमक जाएगा।
3. जूते- चमक जाएंगे।
4. स्वेटर- फट जाएगा।
5. फर्श- चमक जाएगा।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -11 पतंग

Question 1:

Answer:



(नोट: छात्र इसी तरह स्वयं पतंग का चित्र बनाएँ और उसमें विभिन्न तरह के रंग भरें।)

Question 1:

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग

घंटी बोली

उड़ता कपड़ा

..... खन-खन-खन

Answer:

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग

घंटी बोली टन-टन-टन मुझे से खेलो तुम हरदम

उड़ता कपड़ा फर-फर-फर लहराए हवा में फर

बजती चूड़ी खन-खन-खन



Question 1:

- तुम पतंग के साथ सैर-सापटे पर गई। वहाँ तुमने क्या क्या देखा?

.....
.....

- पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

.....
.....

Answer:

- एक दिन मैं पतंग के साथ सैर-सापटे पर गई। मैंने देखा कि धरती की हर वस्तु आकाश से बहुत छोटी दिखाई देती है। आसमान से लोग चींटियों के समान लग रहे थे। धरती पर खेत हरी चादर के समान प्रतीत हो रहे थे। बादल तथा पक्षी आकाश में हमारे साथ उड़े रहे थे। मैं पतंग के साथ आकाश में उड़ने का आनंद ले रही थी। हवा बहुत तेज़ थी। चारों ओर दूर-दूर तक आकाश दिखाई दे रहा था।
- पतंग कटकर पेड़ के ऊपर, बिजली के खंभे पर, बिजली की तारों पर, ज़मीन पर, इमारतों की छतों इत्यादि पर गिर सकती है।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

India's No.1



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

Teaching Institute



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

DSSSB | SUPER-TET

CTET & UPTET

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -12 गेंद-बल्ला

Question 1:

गिल्ली डंडे के खेल में गिल्ली को डंडे से मारते हैं। कुछ और खेल बताओ, जिनमें एक चीज़ को दूसरी से मारा जाता है।

.....
.....
.....

.....
.....
.....

Answer:

क्रिकेट
बेस-बॉल
चिड़ी-छक्का

पिटू
टेनिस
-

Question 1:

गेंद खो गई तो गेंद-बल्ला नहीं खेल पाएँगे।

गुल्ली खो गई तो

माँझा खो गया तो

पासा खो गया तो

चिड़ी खो गई तो

Answer:

गुल्ली खो गई तो- गिल्ली-डंडा नहीं खेल पाएँगे।

माँझा खो गया तो- पतंग नहीं उड़ा पाएँगे।

पासा खो गया तो- लूडो नहीं खेल पाएँगे।

चिड़ी खो गई तो- चिड़ी-छक्का (बैडमिंटन) नहीं खेल पाएँगे।

Question 1:

अगर तुम्हारे घर में गेंद खो गई तो कहाँ-कहाँ ढूँढ़ोगे?



Answer:

पलंग के नीचे
सोफे के नीचे
परदों के पीछे

दरवाज़ों के पीछे
बगीचे में
अलमारी के नीचे

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER -13 बंदर गया खेत में भाग

Question 1:

बंदर चलनी बिछाकर, सूप ओढ़कर सो गया। लिखो, ये कैसे सोएँगे?

	क्या बिछाएँगे?	क्या ओढ़ेंगे?
हाथी :		
चींटी :		
गिलहरी:		
शेर:		

Answer:

	क्या बिछाएँगे?	क्या ओढ़ेंगे?
हाथी :	बहुत सारे पत्ते	बड़ा कंबल
चींटी :	घास, पत्ता	पत्ता
गिलहरी:	पत्ता	पत्ता
शेर:	पत्ते	केले के कुछ पत्ते

Question 1:

साग पकाया खदर..बदर.....
खाया सबने
पानी पिया
मारे खरटि
गिरे पलंग से

Answer:

साग पकाया खदर... बदर.....
खाया सबने झटपट-झटपट.....
पानी पिया सुपूड़-सुपूड़.....
मारे खरटि खर-खर.. खर-खर.....
गिरे पलंग से धड़ाम-भड़ाम.....



Question 1:

बंदर खेत से साग तोड़कर भागा। कौन-कौन से काम करने के बाद तुम्हें भागना पड़ता है?

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

- जब घर में कुछ टूट जाता है।
- जब कुत्ते को मारे और वह हमारे पीछे पड़ जाता है।
- जब पड़ोसी के बाग से आम चुराते हैं।
- जब मित्र का खाना बिना बताए खा जाते हैं।

Question 1:

इसमें कितनी तरह की टोपियाँ और पगड़ियाँ हैं? बताओ।



Answer:

इसमें तीन तरह की टोपियाँ हैं और नौ तरह की पगड़ियाँ हैं।



CHAPTER -14 एक बुढ़िया

Question 1:

- बिना नामवाली बुढ़िया का कोई नाम रखो।

.....

- वह दिन भर खाली रहती थी। उसके लिए कुछ काम सुझाओ।

.....

.....

.....

Answer:

- बुढ़िया का नाम कमला हो सकता है।

- बुढ़िया इस प्रकार के काम कर सकती है-

1. वह झाड़ू लगा सकती है।
2. वह दाल-चावल बीन सकती है।
3. वह बाज़ार से सामान ला सकती है।
4. वह बच्चों की देखभाल कर सकती है।
5. वह खाना बना सकती है।
6. वह पानी भर सकती है।

Question 1:

- तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा काम कौन करता है?

.....

- तुम्हारे घर में सबसे ज़्यादा आराम कौन करता है?

.....

Answer:

- हमारे घर में सबसे ज़्यादा काम माँ करती है।
- हमारे घर में मैं सबसे ज़्यादा आराम करती हूँ।



CHAPTER -15 मैं भी...

Question 1:

चूज़ा बार-बार बत्तख के बच्चे की नकल करता रहता था। उसे चिढ़ानेवाला एक नाम दो।

.....चूज़ा।

Answer:

हम उसे चिढ़ानेवाला नाम देंगे नकलची चूज़ा।

Question 1:

चीज़ें

चॉक

पत्थर

रूई

कागज़

टहनी

पेंसिल

छीलनी

डूबेगा

तैरेगा

✓	

Answer:

चीज़ें	डूबेगा	तैरेगा
चॉक	✓	
पत्थर	✓	



रुई		✓
कागज़		✓
टहनी		✓
पेंसिल		✓
छीलनी	✓	

(नोट: विद्यार्थी यह जानने के लिए क्या डूबेगा और क्या तैरेगा इसके लिए एक पानी से भरा टब ले और उसमें इन सभी चीज़ों को डालकर देखें। जो देखें उसके अनुसार इस प्रश्न का उत्तर दें।)

Question 1:



Answer:

डूबेगा	नहीं डूबेगा
पत्थर	टहनी
चॉक	पत्ता

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -16 लालू और पीलू

Question 1:

- अगर लालू और पीलू को सफ़ेद और हरी चीज़ें पसंद होतीं तो क्या उनके नाम अलग-लग होते?

.....

- फिर वे क्या-क्या खाते?

.....

.....

.....

.....

- लालू मिर्च खाते ही लालू की जीभ जल गई। तुम्हारी जीभ क्या-क्या खाने-पीने से जलती है?

.....

.....

- जीभ जलने पर तुम क्या करते हो?

.....

.....

.....

Answer:

- कहानी को देखा जाए तो लालू और पीलू यदि सफ़ेद और हरी चीज़ें पसंद करते, तो उनके नाम अलग-अलग होते। उनके नाम उनकी खाने की आदतों के कारण ही रखे गए हैं।

- लालू तब चावल, खीर, साबूदाना आदि खाता और पीलू हरी सब्जियाँ, मूंगदाल, खीरा, घास, आदि खाता।

- लालू मिर्च, हरी मिर्च, गरम दूध पीने या गरम खाना खाने से मेरी जीभ जलती है।

- जीभ जलने पर हम पानी पीते हैं। इससे थोड़ा आराम मिलता है। मिठाई या कुछ मीठा खाने से भी बहुत ही आराम मिलता है।



CHAPTER -17 चकई के चकदुम

Question 1:

चकई के चकदुम, कवि बनें हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

अम्माँ की रसोई, खाना खाएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

.....

चकई

चकई के

Answer:

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

अम्माँ की रसोई, खाना खाएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

खूब मौज़ उड़ाएँ हम-तुम।

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

चकई के चकदुम, चकई के चकदुम

Question 1:

पढ़ो और उसका चित्र बनाओ।

कागज़ की नैया,

पार करें हम-तुम।

गाँव की मड़ैया,

साथ रहे हम-तुम।

फुलवा की बगिया,

फूल चुनें हम-तुम।



Answer:

कागज़ की नैया,
पार करें हम-तुम।



गाँव की मड़ैया,
साथ रहे हम-तुम।



फुलवा की बगिया,
फूल चुनें हम-तुम।



(नोट: विद्यार्थी इसी तरह स्वयं चित्र बना सकते हैं।)



CHAPTER -18 छोटी का कमाल

Question 1:

मोटा-तगड़ा समरसिंह नीचे रह गया।

पतली-दुबली छोटी ऊपर पहुँच गई।

बताओ इनमें से कौन ऊपर जाएगा, कौन नीचे रह जाएगा?



तुम

तुम्हारा दोस्त/सहेली

Answer:

ऊपर जाएगा	नीचे रह जाएगा
चूहा	हाथी
बिल्ली	शेर
मैं	दोस्त

Question 1:



समरसिंह बहुत अकड़ते थे। इनमें से कौन-कौन अकड़ेंगे?

राजा
पहलवान

कक्षा का मॉनीटर
शेर चोर

सुहानी
तुम्हारा दोस्त

Answer:

इनमें से राजा, पहलवान, कक्षा का मॉनीटर तथा शेर बहुत अकड़ेंगे।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

India's No.1

Teaching Institute

DSSSB | SUPER-TET

CTET & UPTET

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

KVS | DSSSB | NVS | Super-TET

CTET & STET Exams

Bilingual



CHAPTER -19 चार चने

Question 1:

- चार चने देकर इनसे क्या-क्या करवाया जा सकता है?

माली-

हलवाई-

दीदी-

दोस्त-

- किसने खाया?

चार चने में से

एक चना को खिलाया।

दूसरा चना।

तीसरा चना।

- एक चना बच गया, तो किसे खिलाओगे?

.....

.....

Answer:

- माली- माली से बाग में सुंदर-सुंदर फूल लगवाए जा सकते हैं।

हलवाई- हलवाई से अच्छी-अच्छी मिठाइयाँ बनवायी जा सकती है।

दीदी- दीदी से अपना काम करवाया जा सकता है।

दोस्त- दोस्त को अपने साथ खेलने के लिए तैयार किया जा सकता है।

- एक चना तोते को खिलाया।

दूसरा चना घोड़े को खिलाया।

तीसरा चना चूहे को खिलाया।



- एक चना बच गया, तो मैं उसे अपनी माँ को खिलाऊँगी। क्योंकि वह मेरा हमेशा ध्यान रखती है और मुझे बहुत प्यार करती है।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



India's No.1
Teaching Institute
**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**
Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App



अध्ययन
Rohit Vaidwan Notes

E-Notes
**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**
Bilingual



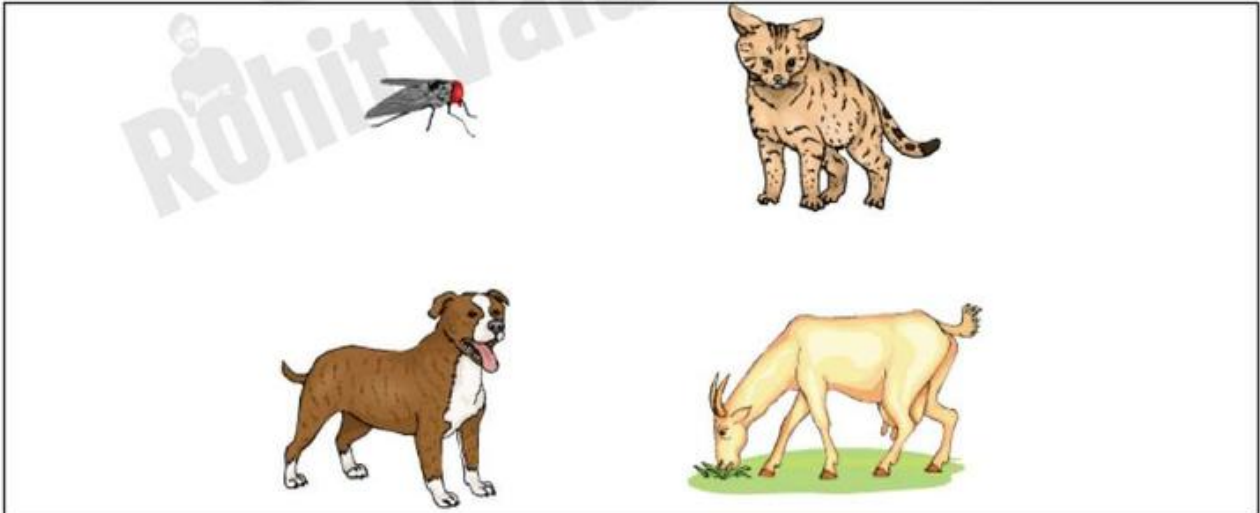
CHAPTER -20 भगदड़

Question 1:

बुढ़िया को परेशान करने कौन-कौन आया? चित्र बनाओ।



Answer:



Question 1:

कौन किसके साथ? मिलाओ।

बुढ़िया

पकौड़ी



मक्खी
बिल्ली
कुत्ता

रोटी
चक्की
मिठाई

Answer:

बुढ़िया
मक्खी
बिल्ली
कुत्ता

चक्की
मिठाई
पकौड़ी
रोटी

Question 1:

कविता में किसके बाद कौन आया?

सबसे पहले

उसके बाद

उसके बाद

अंत में

Answer:

1. सबसे पहले मक्खी आयी।
2. उसके बाद बिल्ली आयी।
3. उसके बाद कुत्ता आया।
4. अंत में बकरा आया।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER -21 हलीम चला चाँद पर

Question 1:

हलीम को रास्ते में क्या-क्या दिखा होगा?

.....

.....

.....

.....

Answer:

हलीम जैसे-जैसे ऊपर गया होगा उसे रास्ते में बड़ी-बड़ी इमारतें, बादल, हवाई जहाज़, तारे, उपग्रह इत्यादि दिखाई दिए होंगे।

Question 1:

हलीम चाँद पर जाना चाहता था। तुम कहाँ जाना चाहती हो? कैसे जाओगी?

कहाँ	कैसे
------	------

Answer:

कहाँ	कैसे
बादल पर	हवाई जहाज़ से
पहाड़ों पर	बस से
नानी के यहाँ	बस से

(नोट: विद्यार्थी इसे अपने अनुसार भरें।)

Page No 111:

Question 1:

हलीम को अँधेरे से डर लगता था।

- तुम्हें कब-कब डर लगता है?

.....

.....

- फिर तुम क्या करते हो?

1



Answer:

- जब घर में कोई न हो और बिजली चली जाए, तो मुझे डर लगता है। छिपकली देखकर मुझे डर लगता है। रात को अकेले घूमने में डर लगता है।
- मैं तुरंत ही सारे घर में मोमबत्ती जला लेती हूँ। छिपकली दिखने पर तुरंत पापा को बुला लेती हूँ और वे उसे भगा देते हैं। पापा और माँ के साथ ही बाहर जाती हूँ।

(नोट: विद्यार्थी इसे अपने अनुसार करें।)

Question 1:

चाँद और सूरज का चित्र बनाओ।



Answer:



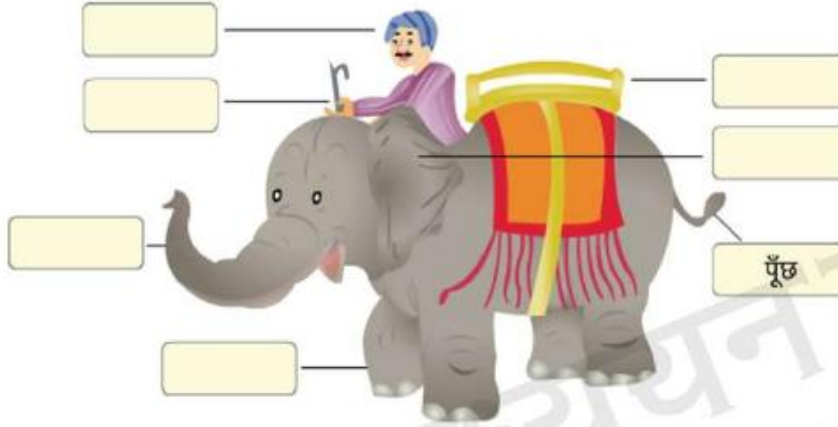
(नोट: विद्यार्थी इसे अपने अनुसार इस प्रकार बना सकते हैं।)



CHAPTER -22 हाथी चल्लम चल्लम

Question 1:

बताओ तो जानें!



Answer:



Question 1:

कविता पढ़कर बताओ।

हाथी चल्लम चल्लम

सूँड़

दाँत

सूँड़

देह



पाँव _____

बच्चे _____

Answer:

सूँड़ फटाफट, फट्टर फट्टर

लंबे लंबे दाँत

लंबी लंबी सूँड़

देह थुलथुली, थल्लल थल्लल

पाँव धपाधप, बढ़ते घम्मम,

बच्चे बीच सभी हम, डगम डगम।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

The banner features a central illustration of an interview room with three people sitting on chairs and two people at a desk. The text 'KVS MOCK INTERVIEW' is prominently displayed in large, bold letters. Below it, a yellow button says 'Registration Open'. The banner is decorated with multiple Adhyayan Mantra logos.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -23 सात पूँछ का चूहा

Question 1:

चूहे ने बेकार ही सातों पूँछें कटवा लीं। सोचो तो, सात पूँछों से वह कितना सारा काम कर लेता। बताओ ये क्या-क्या कर पाते अगर-

- हाथी के पास चार सूँड़ होती तो.....

.....
.....

- बंदर की तीन पूँछ होती तो

.....
.....

- ऊँट की गर्दन खूब-खूब लंबी होती तो....

.....
.....

- तुम्हारे चार हाथ होते तो तुम क्या-क्या कर लेते?

.....
.....

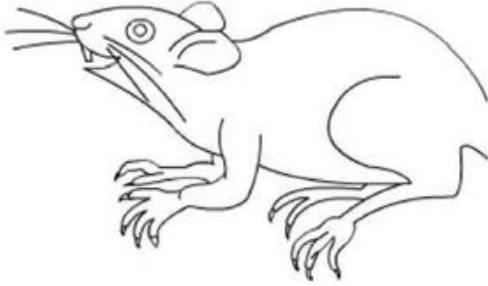
Answer:

- हाथी के पास चार सूँड़ होती तो वह अपनी सूँड़ से बच्चों के लिए बरसात कर पाता। अलग-अलग फल खा पाता। बहुत सारे बच्चों को उठाकर ऊपर बिठा पाता।
- बंदर के पास तीन पूँछ होती तो वह एक साथ तीन डालों को पकड़ लेता।
- ऊँट की गर्दन खूब-खूब लंबी होती तो वह दूर-दूर तक देख पाता। ऊँचे-ऊँचे पेड़ों से अच्छे फल खा लेता।
- मेरे चार हाथ होते तो मैं एक साथ सभी विषयों का कार्य कर पाती। एक साथ चार अलग-अलग आइसक्रीम खा लेती।

Question 1:



- रंग-बिरंगे कागज़ के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।



- चूहा तो पूँछकटा चूहा हो गया। बिना पूँछ के वह क्या नहीं कर पाएगा?

.....

.....

.....

.....

Answer:

- बच्चे चूहे के चित्र में स्वयं छोटे-छोटे कागज़ के टुकड़े करके चिपकाएँ।
- चूहे के लिए पूँछ बहुत महत्वपूर्ण होती है। इससे वह अपने शरीर का तापमान नियंत्रित करता है तथा शरीर का संतुलन भी बनाए रखता है। यदि चूहा पूँछकटा होगा तो उसके शरीर का तापमान बिगड़ जाएगा साथ ही उसे संतुलन बनाए रखने में कठिनाई होगी।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



Chapter 1 - झूला

प्रस्तुत कविता 'झूला' में कवि ने एक बच्चे की कोमल भावनाओं को व्यक्त किया है। इस कविता में एक बच्चा अपनी माँ से झूले की माँग कर रहा है। बच्चा अपनी माँ से कहता है कि वह उसके लिए एक झूला लगवा दे। बच्चा कहता है कि मैं इस पर झूलूंगा। झूले पर बैठकर और ऊपर बढ़कर आसमान को छू लूंगा।" कवि कहता है कि पेड़-पौधों की डालियाँ झूले की तरह झूल रही हैं। पत्ते-पत्ते तक झूल रहे हैं। बच्चा सोचता है कि इस झूले पर झूलने में कितने मजे हैं। झूले पर बैठकर झूलते हुए वह कल्पना- लोक में कभी दिल्ली तो कभी कलकत्ता की सैर कर आता है। झूले में झूलते बच्चे को ऐसा प्रतीत हो रहा है, जैसे उसके झूले के साथ-साथ नीचे की धरती भी झूला झूल रही है। बच्चा झूले से और ऊपर उड़ने के लिए कहता है। रिमझिम रिमझिम वर्षा हो रही है। झूले पर बैठे बच्चे के मन में आसमान पर उमड़ते-धुमड़ते बादलों के दल को लूटने के विचार आ रहे हैं।

Chapter 2 - आम की कहानी

एक लड़की ने आम के एक पेड़ पर लटका हुआ एक पका आम देखा। उसके मुँह में पानी भर आया। सामने के पेड़ पर बैठा एक कौआ भी ललचाई नजरों से इस आम को देख रहा था। लड़की ने अपने भाई को बुलाया और गुलेल से उस पके हुए आम को पेड़ से तोड़ने के लिए कहा। लड़की के भाई ने गुलेल से आम पर निशाना लगाया। आम पेड़ की डाली से नीचे गिरने लगा। तभी सामने के पेड़ पर बैठा कौआ फुर्ती से उड़ा और उसने गिरते हुए आम को अपनी चोंच में दबोच लिया। किंतु पके आम को अपनी चोंच में दबाए कौआ जैसे ही आगे बढ़ा, मधुमक्खियों के एक छत्ते से टकरा गया। कौए की चोंच से आम छूट गया और पेड़ पर बने एक घोंसले में जा गिरा। घोंसले में कौए ने अंडे दे रखे थे। पेड़ पर बैठी एक गिलहरी ने घोंसले में गिरे आम को उठा लिया। तभी घोंसले के अंडे फूट गए तथा उनमें से कौए के बच्चे निकल आए और काँव-काँव करके शोर मचाने लगे। इस शोर के कारण गिलहरी के मुँह से आम छूटकर पेड़ के नीचे बैठकर सोते हुए आदमी की पगड़ी पर गिर गया। लड़की और लड़का खुश हो गए। लड़की ने उस आदमी की पगड़ी से आम उठा लिया। वह बहुत खुश थी। लड़का भी अपनी गुलेल को देखकर बहुत खुश हो रहा था।

Chapter 3 - आम की टोकरी

प्रस्तुत कविता 'आम की टोकरी' में सिर पर टोकरी रखकर आम बेचती एक छह साल की बच्ची के मनोभावों का बड़ा ही सुंदर चित्रण किया गया है। इस कविता के कवि रामकृष्ण शर्मा 'खदर' हैं। कवि कहता है कि एक छह साल की बच्ची टोकरी में आम रखकर बेच रही है, किंतु उनका दाम नहीं बताती। वह आम से भरी टोकरी सबको दिखाकर अपने पास बुला रही है। वह लड़की सबको आम तो दे रही है, पर अपना नाम नहीं बता रही है। कवि कहता है कि अब हमें उस बच्ची का नाम नहीं पूछना। अब तो हमें केवल उसके रसीले आम चूसने है।



Chapter 4 - पत्ते ही पत्ते

इस कहानी की लेखिका वर्षा सहस्रबुद्धे हैं। यह कहानी मौज मस्ती का खेल खेलते बच्चे और उनकी दीदी की है। खेल प्रारंभ होता है। दीदी बच्चों से कहती हैं कि मैं पाँच तक गिनती करूंगी और तुम लोग एक-एक करके गोला बनाकर बैठ जाओगे। दीदी के गिनती पूरी करते ही सभी बच्चे गोला बनाकर बैठ गए। आज दीदी पत्ते लेकर आई थीं और बच्चों को उनके बारे में जानकारी देना चाहती थीं। दीदी अपने साथ तरह-तरह के पत्ते लेकर आई थीं। कुछ पत्ते लंबे, कुछ गोल, कुछ छोटे और कुछ बड़े थे। एक पत्ता लाल, एक पीला और एक कथई रंग का था। एक पत्ते पर नसें दिख रही थीं, एक पत्ता कतरीला था। एक पत्ते का डंठल एकदम सीधा था तो एक पत्ता झालवाला था। बच्चों ने जब पत्तों को छूकर देखा तो कोई पत्ता एक तरफ से मुलायम था तो दूसरी तरफ से खुरदरा। कुछ पत्ते बंदनवार जैसे लग रहे थे।

Chapter 5 - पकौड़ी

प्रस्तुत कविता 'पकौड़ी' के रचयिता सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इस कविता में कवि ने गरमा-गरम पकौड़ी के तलने से लेकर उसे मुँह में जाने तक का वर्णन बड़े ही रोचक शब्दों में किया है। जब पकौड़ी को तेल में छाना जाता है तो ऐसा लगता है कि वह तेल में छुन छुन करके नाच रही हो। तली पकोड़ी प्लेट में आने पर शर्मायी सी लगती है। दौड़ती हुई पकोड़ी हाथ से उछलकर सीधे पेट तक जा पहुँचती है। कवि कहता है कि पेट में जाकर पकौड़ी घबरा-सी जाती है। कवि के मन को पकौड़ी खूब भाती है।

Chapter 6 - छुक-छुक गाड़ी

इस कविता के रचयिता सुधीर जी हैं। 'छुक-छुक गाड़ी' नामक इस कविता में सुधीर जी एक ऐसी रेल के बारे में बता रहे हैं, जो स्टेशन से खुल चुकी है। वे लोगों को सावधान करते हुए कहते हैं कि सामने से हट जाओ, क्योंकि मेरी रेल खुल चुकी है और यदि टक्कर हो गई तो मेरी ज़िम्मेदारी नहीं होगी। रेल धक-धक, छू-छू, भक-भक, चू-चू, धक-धक, धू-धू करती आ चुकी है। कवि कहते हैं कि रेल का इंजन भारी-भरकम है तथा धम-धम, गम-गम करता आगे बढ़ता जाता है। गाड़ी ने सीटी दे दी है तथा टीटी टिकट देखता फिर रहा है कवि कहते हैं कि मेरी रेल पेलम पेल करती हुई छूट चुकी है। छूटी मेरी रेल, रे बाबू, छूटी मेरी रेल। हट जाओ, हट जाओ भैया! मैं न जानें, फिर कुछ भैया! टकरा जाए रेल।



Chapter 7 - रसोईघर

रसोईघर' मधु पंत द्वारा लिखित एक रोचक कविता है। इस कविता के माध्यम से कवयित्री बड़े ही रोचक शब्दों में रसोईघर की चीजों का वर्णन कर रही हैं। खेलते हुए मुन्ना मुन्नी जब रसोईघर की खिड़की को खोलकर देखते हैं तो पाते हैं कि अंदर चकला - बेलन, चाकू-छलनी आदि बातें कर रहे हैं। चाकू कहता है कि मैं फल और सब्जियाँ काटता और टुकड़े टुकड़े करके सभी को बाँटता हूँ। गाजर-मूली, प्याज टमाटर आदि को मैं काटता तथा छीलता हूँ और लोग इसे सजाकर रखते हैं। थाली कहती है कि मेरा आकार गोल चौड़ा-सा है और मैं ताली की तरह बज भी सकती हूँ। मुझमें रोटी-सब्जी डालकर सब झटपट खाते हैं।

Chapter 8 - चूहो! म्याऊँ सो रही है

चूहो । म्याऊँ सो रही है' नामक इस कविता के रचयिता धर्मपाल शास्त्री हैं। इस कविता में कवि ने एक दिन बिल्ली मौसी के सो जाने पर चूहों को स्वच्छंदतापूर्वक मनमानी करने हेतु ललकारा है। इस कविता में कवि कह रहे हैं कि घर के पीछे तथा छत के नीचे पाँव पसारे, पूँछ सँवारे बिल्ली मौसी सो रही है। उसकी साँसों से 'घर घर घर घर' की आवाज़ आ रही है। बिल्ली सोई है और रसोई में खाने-पीने की चीजों से भरे हुए पतीले और रसीले चने रखे हैं। कवि चूहों से कहता है कि झटका देकर मटके को उलट दो तथा जो कुछ मिले, उसे चट कर जाओ। आज तुम्हें किसी बात का डर नहीं है। आज तुम किसी भी चीज़ को कुतर सकते हो। तुम अपनी पूँछ मरोड़ों, पूँछ सिकोड़ों या कितना भी तबाही मचा दो, आज कोई कुछ कहनेवाला नहीं है, क्योंकि आज बिल्ली सो रही है। आज घर पर तुम्हारा ही राज है।

Chapter 9 - बंदर और गिलहरी

एक बंदर पेड़ पर बैठा था। उसकी पूँछ काफ़ी लंबी थी और जमीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी ने बंदर की पूँछ को देखा। उसने सोचा कि यह कोई झूला है। वह उस पर चढ़ कर झूलने लगी। बंदर को गुदगुदी होने लगी। उसने गिलहरी से हँसकर कहा कि उसे गुदगुदी हो रही है। इस पर गिलहरी चौक गई। उसने बंदर से कहा कि यह तुम हो बंदर भैया, मैं तो समझ रही थी कि कोई झूला है। मुझे तो बड़ा मज़ा आ रहा था। यह कहकर हँसती हुई गिलहरी पेड़ की डाल पर चढ़ गई।



Chapter 10 - पगड़ी

'पगड़ी' एक बड़ी रोचक कविता है, जिसके रचनाकार सर्वेश्वरदयाल सक्सेना हैं। इस कविता में विचित्र स्थितियों का सामना करती एक पगड़ी का वर्णन किया गया है। कवि कह रहा है कि एक पगड़ी को रगड़-रगड़कर इतना साफ़ किया गया कि मैल तो रह गई, किंतु, पगड़ी फट गई। इस पर पगड़ी की हट्टी-कट्टी मालकिन इतनी झगड़ी कि मैल और पगड़ी दोनों ही तर-बतर हो गए।

Chapter 11 - पतंग

पतंग' कविता सोहनलाल द्विवेदी द्वारा लिखी गई है। इस कविता में कवि ने पतंग के गुणों को बताया है। कवि कहता कि पतंग आसमान में सर सर सर सर, फर फर फर-फर करके उड़ती है। एक पतंग दूसरी पतंग को काटती हुई आकाश में खूब सैर-सपाटा करती है। पतंगें एक-दूसरे से लड़ती हैं और फिर कटकर लुट जाती हैं। सर-सर, फर-फर करती पतंग आसमान में उड़ान भरती है।

Chapter 12 - गेंद-बल्ला

प्रस्तुत कहानी गेंद और बल्ले की है। गेंद ने बल्ले से कहा कि तुम मुझे क्यों मारते हो? बल्ले ने उत्तर दिया कि यदि मैं तुम्हें मारूंगा नहीं तो खेल कैसे होगा? फिर जब गेंद बल्ले के पास आई तो उसने जोर से उसे मारा। गेंद कूदती फुदकती दूर जाकर एक झाड़ी में छिप गई। बल्ला गेंद को ढूंढता रहा, किंतु गेंद नहीं मिली। शाम हो गई। बल्ले को परेशान देखकर गेंद खुश हो रही थी। जब अँधेरा घिरने लगा तो बल्ला निराश होकर लौटने लगा। तभी झाड़ी से गेंद ने चिल्लाकर कहा कि मैं यहाँ हूँ। बल्ले ने झाड़ी से खींचकर गेंद को उठा लिया। गेंद ने बल्ले से कहा कि अब मुझे मत मारना।

Chapter 13 - बंदर गया खेत में भाग

बंदर गया खेत में भाग' कविता के रचयिता सत्यप्रकाश कुलश्रेष्ठ हैं। इस कविता में उन्होंने एक बंदर के क्रियाकलापों का बड़े ही रोचक ढंग से वर्णन किया है। एक बंदर एक साग के खेत में गया और ढेर सारा साग तोड़ा। फिर उसने आग जलाकर साग पकाया और उसे सापड़ - सूपड़ करके खूब मजे से खाया। उसके बाद उसने दूब उखाड़कर अपना मुँह पोंछा। फिर बंदर राजा चलनी बिछाकर और सूप ओढ़कर मजे से सो गए।



Chapter 14 - एक बुढ़िया

कविता 'एक बुढ़िया' के रचयिता निरंकारदेव 'सेवक' हैं। इस कविता में कवि ने एक ऐसी बुढ़िया के बारे में बताया जिसके पास कोई काम न था। वह दिनभर खाली रहती और कोई काम नहीं करती थी। काम रहने के कारण वह दिनभर बैठी रहती और थक जाती थी। इसलिए उसे आराम भी नहीं था। काम न रहने के कारण उसके लिए सुबह, दोपहर, शाम और रात सब बराबर थे।

Chapter 15 - मैं भी...

एक अंडे में से बत्तख का एक बच्चा निकला। उसने निकलकर कहा कि मैं बाहर आ गया। एक और अंडे में से मुर्गी का चूजा निकला। बाहर निकलकर उसने भी कहा कि मैं भी आ गया। अब बत्तख का बच्चा घूमने के लिए जाने लगा तो चूजा भी उसके साथ जाने को तैयार हो गया। बत्तख का बच्चा गड्ढा खोदने लगा तो उसके साथ-साथ चूजा भी गड्ढा खोदने लगा। बत्तख का बच्चा बोला कि मुझे एक केंचुआ मिला तो चूजे ने भी कहा कि मुझे भी एक केंचुआ मिला। अब बत्तख का बच्चा जब तितली पकड़ने लगा तो नकलची चूजा भी तितली पकड़ने लगा। बत्तख का बच्चा जब तैरने के लिए गया तो चूजे ने कहा कि वह भी तैरेगा। किंतु चूजा पानी में नहाने के लिए जाते ही डूबने लगा और 'बचाओ- बचाओ' चिल्लाने लगा। तब बत्तख के बच्चे ने चूजे को बाहर निकाला।

Chapter 16 - लालू और पीलू

एक मुर्गी के दो चूजे थे। एक का नाम लालू और दूसरे का नाम था पीलू। लालू लाल चीजें तथा पीलू पीली चीजें खाता था। एक दिन लालू ने पौधे पर लाल-लाल कोई चीज देखी और उसे खा लिया। वह लाल मिर्च थी। लालू की जीभ जलने लगी और वह रोने लगा। मुर्गी और पीलू उसके पास दौड़े-दौड़े आए। उनके पास पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा था। लालू ने झट से गुड़ का टुकड़ा खाया और उसके मुँह की जलन ठीक हो गई। मुर्गी ने अपने दोनों चूजों को प्यार से लिपटा लिया।

Chapter 17 - चकई के चकदुम

चकई के चकदुम' कविता के रचयिता रमेश तैलंग हैं। इस कविता के माध्यम से कवि ने ग्रामीण परिवेश का चित्रण बड़े ही सुंदर और सहज शब्दों में किया है। कवि बच्चों से कहता है कि आओ, हम तुम मिलकर गाँव में बनी झोंपड़ी में साथ-साथ रहें। ग्वाले की गाय का दूध हम-तुम मिलकर पिएँ। कवि कहता है कि हम तुम मिलकर पानी में कागज़ की नाव तैराएँ और फुलवा की बगिया से फूल चुनें। अंत में वे खेल समाप्ति की घोषणा करते हैं और घर चलने को कहते हैं।



Chapter 18 - छोटी का कमाल

'छोटी का कमाल' कविता के कवि सफ़रदार हाशमी हैं। इस कविता में उन्होंने एक मोटे लड़के और एक पतली लड़की का बड़े ही चुटीले शब्दों में वर्णन किया है। कवि कहता है कि समरसिंह नामक एक लड़का अपने मोटापे पर बहुत घमंड करता था। वह 'छोटी' नामक एक दुबली-पतली लड़की को हेय दृष्टि से देखता था। वह अपने को आलू भरा पराँठा और छोटी को पतली रोटी कहता था। वह अपने को लंबा, मोटा-तगड़ा तथा मोटा पटसन का रस्सा समझता था, जबकि छोटी को दुबली-पतली तथा छोटी कच्ची सुतली। लेकिन जब दोनों सी-साँ पर बैठे तो समरसिंह के होश ठिकाने आ गए। हल्की होने के कारण छोटी झूले के दूसरे हिस्से में चोटी पर पहुँच गई और समरसिंह भारी होने के कारण झूले के दूसरे छोर पर नीचे रह गया। समरसिंह की अकड़ दूर हो गई।

Chapter 19 - चार चने

'चार चने' कविता के रचयिता निरंकारदेव सेवक हैं। इस कविता में कवि ने यह बताया है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह क्या करता। कवि कहता है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह चार चने लाता। उनमें से एक चना वे तोते को खिलाते। चना खाते ही तोता टॉय-टॉय गाता और उन्हें बड़ा मज़ा आता। कवि फिर कहता है कि एक मुर्गी के दो चूजे थे। एक का नाम लालू और दूसरे का नाम था पीलू। लालू लाल चीजें तथा पीलू पीली चीजें खाता था। एक दिन लालू ने पौधे पर लाल-लाल कोई चीज देखी और उसे खा लिया। वह लाल मिर्च थी। लालू की जीभ जलने लगी और वह रोने लगा। मुर्गी और पीलू उसके पास दौड़े-दौड़े आए। उनके पास पीले-पीले गुड़ का टुकड़ा था। लालू ने झट से गुड़ का टुकड़ा खाया और उसके मुँह की जलन ठीक हो गई। मुर्गी ने अपने दोनों चूजों को प्यार से लिपटा लिया।

Chapter 20 - भगदड़

प्रस्तुत कविता 'भगदड़' के कवि पटुमलाल पुत्रालाल बख्शी हैं। इस कविता में उन्होंने घर के जीव-जंतुओं से परेशान साठ वर्ष की एक बुढ़िया का वर्णन किया है। कवि कहता है कि बुढ़िया चक्की चला रही थी, तभी दोने में रखी मिठाई पर मक्खी आकर बैठ गई। बुढ़िया जैसे ही बाँस उठाकर मक्खी को भगाने के लिए दौड़ी, बिल्ली पकोड़े खाने लगी। बुढ़िया घर के अंदर बिल्ली को भगाने के लिए झपटी, तभी कुत्ता रोटी लेकर भाग गया। तब बुढ़िया बाहर निकली। उसके बाहर निकलते ही एक बकरा घर के अंदर घुस गया। बुढ़िया जैसे ही बाहर निकली, मटका गिर गया। इससे बकरा भाग खड़ा हुआ। तब बुढ़िया थककर बैठ गई तथा बिल्ली को ही पूरा घर सौंप दिया।



Chapter 21 - हलीम चला चाँद पुर

हलीम नाम के एक लड़के को एक दिन चाँद पर जाने की इच्छा हुई। वह एक रॉकेट के कारखाने में बैठ गया। उसने एक रॉकेट लिया और रॉकेट पर बैठकर चाँद की तरफ चल पड़ा। रास्ते में चलते-चलते अँधेरा हो गया। अब हलीम को डर लगने लगा, क्योंकि उसे चाँद पर जाने के रास्ते का पता नहीं था। थोड़ी देर में उसने चाँद देखा और वह खुश हो गया। चाँद पर ढेर सारे बड़े-बड़े गड्ढे और बड़े-बड़े पहाड़ थे। लेकिन वहाँ कोई पेड़-पौधा, जानवर या मनुष्य नहीं था। हलीम को यह जगह बिलकुल ही पसंद नहीं आई और वह रॉकेट पर बैठकर अपने घर लौट आया।

Chapter 22 - हाथी चल्लम चल्लम

कविता 'हाथी चल्लम चल्लम' के रचयिता श्रीप्रसाद हैं। इस कविता में कवि ने एक हौदे में बैठकर बच्चों द्वारा की गई हाथी की सवारी का वर्णन किया है। बच्चे एक हौदे में बैठकर हाथी पर सवार होकर खूब मजे कर रहे हैं। हाथी हौले-हौले चल रहा है। हाथी की सैड लंबी है और दाँत भी लंबे-लंबे हैं। अपने सिर को मटकाता, नखरे दिखाता हाथी अपनी मस्त चाल में चला जा रहा है। जब हाथी चलता है। तो उसकी पर्वत जैसी देह थुलथुल कर हिलती है। हाथी के पाँव खंभे की तरह भारी हैं। हाथी अपने पैरों की 'धम्म - धम्म' की आवाज़ के साथ आगे बढ़ रहा है। बच्चे कह रहे हैं कि हाथी के जैसी कोई सवारी नहीं है। हाथी का महावत पगड़ी बाँधकर बैठा है। हम बच्चे हाथी पर हौदे में बैठे हैं। बच्चे कह रहे हैं। कि हम हाथी पर सवार होकर दिनभर घूमेंगे। पहले तो बच्चे हाथी को नाचने के लिए कहते हैं, फिर यह कहकर वे मना कर देते हैं कि कहीं वे गिर न जाएँ।

Chapter 23 - सात पूँछ का चूहा

एक चूहा था। उसके सात पूँछे थीं। सब उसे सात पूँछोंवाला चूहा कहकर चिढ़ाते थे। तंग आकर चूहे ने नाई से अपनी एक पूँछ कटवा ली। अब उसके पास केवल छह पूँछे बची। अगले दिन चूहा जैसे ही बाहर निकला तो फिर उसे सब मिलकर चिढ़ाने लगे- छह पूँछ का चूहा, छह पूँछ का चूहा।

तंग आकर चूहा पुनः नाई के पास पहुँचा और उसने एक-एक करके अपनी सारी पूँछे कटवा दीं। अब चूहे की एक भी पूँछ नहीं बची। लेकिन फिर भी सब चूहे को चिढ़ाते - बिना पूँछ का चूहा, बिना पूँछ का चूहा।



अध्ययन मंत्र



LIKE



SHARE



SUBSCRIBE



Connecting Platforms



Portal: live.adhyayanmantra.com

Web: www.adhyayanmantra.com

 **Rohit Vaidwan Notes**



Important links available given below:

CHILD DEVELOPMENT & PEDAGOGY BOOK:

<https://amzn.to/3w44NqC>

Selection Book- CTET & STET Bilingual Solved Practice Sets for Paper-1

<https://amzn.to/3De7ycq>

KVS MASTER BOOK FOR PRT, TGT, PGT

<https://amzn.to/3eJfNng>

KVS PASSBOOK HINDI Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3H2TTXU>

KVS PASSBOOK ENGLISH Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3ixgPVa>

यह BOOKS आपके सभी { KVS EXAM } को ध्यान में रख कर बनाई गई है

Online Batch JOIN करने के लिए

Download
Adhyayan Mantra
ConnectedApp

Available on the
Google Play





अध्ययन मंत्र



Rohit Vaidwan Notes

Quick Revision

Topic: रिमझिम CLASS -2

Scan Me & Download
Rohit Vaidwan Notes



Available Platform



Rohit Vaidwan Notes

Connecting Platforms





CONTENT

Ch. No.	Topic	Page No.
Chapter 1	ऊँट चला	03
Chapter 2	भालू ने खेली फुटबॉल.....	08
Chapter 3	म्याऊँ, म्याऊँ!!	12
Chapter 4	अधिक बलवान कौन?.....	15
Chapter 5	दोस्त की मदद	18
Chapter 6	बहुत हुआ	23
Chapter 7	मेरी किताब.....	26
Chapter 8	तितली और कली	29
Chapter 9	बुलबुल	33
Chapter 10	मीठी सारंगी.....	37
Chapter 11	टेसू राजा बीच बाज़ार.....	40
Chapter 12	बस के नीचे बाघ.....	44
Chapter 13	सूरज जल्दी आना जी.....	49
Chapter 14	नटखट चूहा	52
Chapter 15	एक्की-दोक्की.....	56
• Chapter wise Summary		

Disclaimer: The content team has done their best job of verify the questions, content and answers, but do not take any responsibility for its absolute accuracy.

Refrence: NCERT Text Books, Guide Books & Website (diffrent internet sources)



CHAPTER - 1 ऊँट चला

Question 1:

..... कुछ ऊँट ऊँचा

कुछ पूँछ ऊँची

कुछ ऊँचे ऊँट की

पीठ ऊँची

अब जल्दी-जल्दी बोलकर देखो। जीभ लड़खड़ा गई न! कैसी लगी कविता? अब इस कविता को अपने मन से नाम दो। ऊपर दी गई जगह में लिख भी दो।

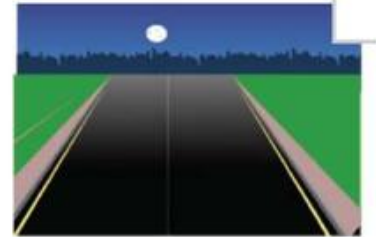
Answer:

यह कविता हमें बहुत अच्छी लगी। इस कविता का नाम 'ऊँचा ऊँट' होना चाहिए।

(नोट: विद्यार्थी इन पंक्तियों को स्वयं मन में दोहराएँ तथा इसका शीर्षक देने का प्रयास करें।)

Question 1:

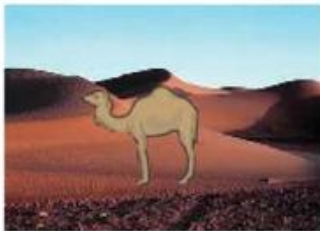
(क) ऊँट रेगिस्तान में ज्यादा मिलते हैं। नीचे दो चित्र बने हैं। सही जगह पर ऊँट का चित्र बनाओ।



(ख) बालू या रेत कहाँ-कहाँ पर मिलती है।

Answer:

(क) इस प्रकार बनाएँ-



(ख) बालू या रेत समुद्र किनारे या रेगिस्तान में प्राप्त होती है।



Question 1:

हिलता डुलता ऊँट चला

इतना ऊँचा ऊँट चला

अब बताओ

(क) ऊँट कितना ऊँचा?

तुम्हारी कक्षा की दीवार जितना	हाथी जितना	बिजली के खंभे जितना	 जितना
-------------------------------	------------	---------------------	----------------

(ख) हाथी कितना मोटा?

तुम्हारी माँ के संदूक जितना	ऊँट जितना	पहाड़ जितना	 जितना
-----------------------------	-----------	-------------	----------------

(ग) चींटी कितनी छोटी?

चीनी के दाने जितनी	चावल के दाने जितनी	इलायची के दाने जितनी	 जितनी
--------------------	--------------------	----------------------	----------------

Answer:

(क) ऊँट मेरी कक्षा की दीवार जितना ऊँचा होता है।

(ख) हाथी माँ के संदूक जितना मोटा होता है।

(ग) चींटी चीनी के दाने जितनी छोटी होती है।

Question 1:

(क) ऊँट से ऊँची चीज़ों के नाम पर गोला लगाओ।

- बछिया
- बिजली का खंभा
- आम का पेड़

- तुम्हारी कक्षा की छत
- हाथी

(ख) ऊँट के नीचे से क्या-क्या निकल सकता है?

(ग) किन-किन चीज़ों की मदद से ऊँट पर चढ़ोगे?

Answer:

(क) बिजली का खंभा, हाथी तथा आम का पेड़।

(ख) एक छोटा बच्चा, एक बछिया, एक भेड़ या बकरी, कुत्ता और सभी छोटी चीज़ें।

(ग) सीढ़ी, बड़े डिब्बे आदि।

Question 1:



ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए ऊँट चला
बताओ, ये सब क्या उठाकर चलेंगे।

हाथी			
टीचर जी			
पिताजी			
शेर			
दादा जी			

Answer:

हाथी	लकड़ी	सवारी	सामान
टीचर जी	बेंत	किताब	कॉपियाँ
पिताजी	बैग	मुझे	सामान
शेर	शिकार	शावक	-
दादा जी	छड़ी	पोते-पोती को	सामान

Question 1:

(क) नीचे कुछ शब्द लिखे हैं। इन्हें बोलकर देखो। अब मिलते-जुलते शब्दों को सही खानों में लिखो।

जूट, सूट, भला, धँस, हँस, तब, कब, गला, आलू, चालू				
ऊँट	बालू	फँस	चला	जब
.....जूट.....				
.....				
.....				

(ख) ऐसे ही और शब्द सोचकर लिखो।

Answer:

(क)

ऊँट	बालू	फँस	चला	जब
जूट	आलू	धँस	भला	कब
सूट	चालू	हँस	गला	तब

(ख)

आग	दाम	नग
साग	राम	जग
राग	आम	लग



Question 1:

(क) कविता में ब से शुरू होने वाले शब्द कौन-कौन से हैं? उनके नीचे रेखा खींचो।

(ख) तुम्हारा नाम किस अक्षर से शुरू होता है? उस अक्षर से चार शब्द और लिखो।

.....
.....

Answer:

(क) बालू, बोझ, बैठेगा, बता

(ख) मेरा नाम सुनिता है और यह 'स' से शुरू होता है।

सरगम
सरोज

सरिता
सुमेर

(नोट: विद्यार्थी अपने नाम के अनुसार पहले वर्ण से इस प्रकार लिखें।)

Question 1:

बालू है तो होने दो

बोझ ऊँट को ढोने दो

(क) बहुत से जानवरों को बोझा ढोने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। क्या तुम्हें यह ठीक लगता है? क्यों?

(ख) तुम्हारे आसपास कौन-कौन बोझ उठाते हैं?

Answer:

(क) जानवरों से बोझा ढोने का काम करवाना हमें ठीक नहीं लगता। मनुष्य कभी यह नहीं सोचता है कि उसके कारण जानवरों को कितनी परेशानी उठानी पड़ती है। हमें चाहिए कि जानवरों से इस प्रकार के काम न करवाएँ। उन्हें भी हमारी तरह जीने के अधिकार दिए जाएँ।

(ख) गाय, बैल, गधा, खच्चर, घोड़ा, भैंसा इत्यादि हमारे यहाँ बोझ उठाते हैं।

Question 1:

अक्की बक्की
करें तरक्की

.....
.....
.....
.....

Answer:

अक्की बक्की



अध्ययन मंत्र



Join Now

Adhyayan Mantra अध्ययन मंत्र

करेंतरक्की
इक्की द्दक्की
बनें पढ़क्की

(नोट: विद्यार्थी इसे स्वयं आगे बढ़ाएँ।)

Question 1:

(क) इस कविता में कुल कितनी बार ऊँट शब्द आया है? बिना देखे बताओ।

..... बार

(ख) नीचे चित्र में कितने ऊँट छिपे हैं? ध्यान से देखकर बताओ।

Answer:

(क) तेरह बार ऊँट शब्द आया है।

(ख) इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं करें।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 2 भालू ने खेली फुटबॉल

Question 1:

- (क) शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी?
- (ख) शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा?
- (ग) भालू साहब किस बात पर पछताए?
- (घ) भालू ने क्यों कहा-ओह! किस आफ़त में आ फँसा?

Answer:

- (क) शेर के बच्चे ने ज़मीन पर गिरने से बचने के लिए पेड़ की डाल पकड़ी थी।
- (ख) डर के मारे शेर का बच्चा दहाड़ा।
- (ग) शेर के बच्चे को फुटबॉल समझकर उछालने के लिए भालू साहब पछताए। क्योंकि उनके कारण उसे चोट लग सकती थी।
- (घ) भालू ने ओह इसलिए कहा क्योंकि उसने स्वयं को मुसीबत में फँसा लिया था। शेर का बच्चा उसे बार-बार उछालने के लिए कह रहा था। उसे अनेक बार उछालते-उछालते भालू थक गया था।

Question 1:

- (क) भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता?
- (ख) शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता?

Answer:

- (क) भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता, तो शेर का बच्चा गिर जाता और उसे चोट लग सकती थी।
- (ख) शेर का बच्चा यदि नौ दो ग्यारह न होता, तो माली उसे हर्जने के तौर पर काम करवाता या जुर्माना भरवाता।

Question 1:

- (क) भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।
- (ख) शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।
- (ग) भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।
- (घ) भालू साहब सैर को निकले।
- (ङ) भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।

Answer:

- (क) भालू साहब सैर को निकले।



- (ख) भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।
(ग) शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।
(घ) भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।
(ङ) भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।

Question 1:

- (क) जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा। उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।
(ख) नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं? कक्षा में करके बताओ।

लपकना
कंघी करना
दबे पाँव चलना

फेंकना
मोज़ा पहनना
धुले कपड़े निचोड़ना

Answer:

- (क) इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी अपनी कक्षा में स्वयं करके दिखाएँ।
(ख) इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी अपनी कक्षा में स्वयं करके दिखाएँ।

Page No 13:

Question 1:

- (क) फुटबॉल को फुट बॉल क्यों कहते होंगे?
(ख) ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें बॉल (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

.....पिट्रू.....

Answer:

- (क) फुटबॉल शब्द अंग्रेज़ी के दो शब्दों फुट तथा बॉल से मिलकर बना है। फुट का अर्थ है पैर तथा बॉल का अर्थ है गेंद अर्थात् ऐसी गेंद जो पैरों के द्वारा खेला जाती है। इसलिए इसे फुटबॉल कहते हैं।

(ख)

.....पिट्रू..... टेनिस..... क्रिकेट..... टेबल टेनिस....

Question 1:

- ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल-मटोल सिमटकर बैठ गया था।
तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या-क्या कर सकता था?

Answer:



वह अपने माता-पिता के मध्य जाकर बैठ सकता था। खेल सकता था क्योंकि खेलने से ऊर्जा निकलती है, जिससे ठंड नहीं लगती। धूप में बैठ सकता था क्योंकि इससे भी हमें गर्मी मिलती है।

Question 1:

(क) शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता-पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या-क्या सुनाया होगा? बताओ।

Answer:

(क) उसने सुनाया होगा कि आज वह मुसीबत में फँसते-फँसते रह गया। भालू ने उसे फुटबॉल समझकर उछाला था। पहले तो वह भालू की इस हरकत से घबरा गया। बाद में भालू का ऐसा करना उसे आनंद देने लगा। कुछ देर बाद भालू थक गया और उसे उछाल कर भाग गया। भालू के जाते ही बाग का मालिक आ पहुँचा और उससे हर्ज़ाना माँगने लगा। परन्तु वह बाग के मालिक को चकमा देकर भाग आया।

Question 1:

सर्दियों का मौसम। चारों ओर कोहरा ही कोहरा।

गर्मियों का मौसम। चारों ओर धूप ही धूप।

उदाहरण के अनुसार शब्दों को उलट कर लिखो।

- शेर का बच्चा फिर से उछालने को कह रहा था।
- शेर का बच्चा फिर से को कह रहा था।
- पेड़ की एक डाल पकड़ ली।
- पेड़ की एक डाल ली।
- पिट्ट को सतौलिया भी कहते हैं।
- को सतौलिया भी कहते हैं।

Answer:

- शेर का बच्चा फिर से उछालने को कह रहा था।
- शेर का बच्चा फिर से हवा में फेंकने को कह रहा था।
- पेड़ की एक डाल पकड़ ली।
- पेड़ की एक डाल लपक ली।
- पिट्ट को सतौलिया भी कहते हैं।
- पिट्टू को सतौलिया भी कहते हैं।

Question 1:



भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या-क्या करती हो: (✓) का निशान लगाओ।

- दौड़ लगाती हो।
- गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठती हो।
- रज़ाई ओढ़ती हो।
- आग तापती हो।
- ठंडा पानी पीती हो।
- गर्म पानी में नहाती हो।
- गर्म-गर्म चाय पीती हो।

Answer:

- गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठती हो।✓
- रज़ाई ओढ़ती हो।✓
- आग तापती हो।✓
- गर्म पानी में नहाती हो।✓
- गर्म-गर्म चाय पीती हो।✓

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

KVS | DSSSB | NVS | Super-TET CTET & STET Exams

Bilingual



CHAPTER - 3 म्याऊँ, म्याऊँ!!

Question 1:

(क) तुम्हें अपनी दोस्त सुहानी याद है न? उसका एक दोस्त भी था। उस नटखट दोस्त का नाम लिखो।

.....

(ख) इस कविता में बिल्ली की आवाज़ किसने निकाली है? उसका भी नाम सोचो।

.....

(ग) अगर सुहानी इस लड़की की दोस्त होती तो क्या करती?

.....

Answer:

(क) विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर स्वयं सोचकर लिखिए।

(ख) इस कविता में बिल्ली की आवाज़ एक लड़की ने निकाली है। उसका नाम झिलमिल हो सकता है।

(ग) अगर सुहानी इस लड़की की दोस्त होती तो वह चुहिया को समझती और उसे तंग करने से मना करती। इसके अतिरिक्त यदि देखा जाए तो बिल्ली चूहे को खा जाती है परंतु सुहानी एक अच्छी बिल्ली है। इस कारणवश वह चुहिया को नहीं मारेगी।

Question 1:

(क) कविता में लड़की ने म्याऊँ की आवाज़ निकाली थी। म्याऊँ की आवाज़ सुनकर चुहिया पर क्या असर हुआ होगा?

(ख) तुम्हें सबसे ज़्यादा डर किससे लगता है? तब तुम क्या करते हो?

(ग) अब बताओ तुम्हें अगर उसे डराना हो तो कैसे डराओगे? क्या करोगे?

Answer:

(क) म्याऊँ की आवाज़ सुनकर चुहिया डर गई होगी। वह डर के मारे काँपने लगी होगी। इसका असर यह हुआ होगा कि वह दोबारा लड़की को तंग करने नहीं आई होगी।

(ख) मुझे सबसे ज़्यादा डर छिपकली से लगता है। जब छिपकली दिखती है, तो मैं डर के मारे सन्न रह जाती हूँ। जब तक कोई उसे भगा नहीं देता कमरे में नहीं जाती हूँ।

(ग) अगर मुझे उसे डराना होगा, तो झाड़ू लेकर उसके आसपास हिलाऊँगी या ताली बजाऊँगी, जिससे वह कमरे से बाहर चली जाए।

Question 1:

बन गया वाक्य

नीचे लिखे शब्दों का वाक्यों में इस्तेमाल करो-



- (क) सूझा -
 (ख) धीरे से-
 (ग) सचमुच-
 (घ) बहाना-

Answer:

- (क) सूझा - तुम्हें इस प्रश्न का उत्तर सूझा।
 (ख) धीरे से- रमेश ने मेरे कान में धीरे से कहा।
 (ग) सचमुच- तुम सचमुच गाना जानते हो।
 (घ) बहाना- हमारा बहाना काम कर गया।

Question 1:

चुहिया ने नाक की नोक पर चूँटी भरी।

किन-किन चीज़ों की नोक होती है? लिखो और उसका चित्र बनाओ।

.....

Answer:



Question 1:

चूँटी अँगूठे और उँगलियों से भरी जाती है।

अँगूठे और उँगलियों से और कौन-कौन से काम किए जा सकते हैं?

....चुटकी बजाना...



Answer:

चुटकी बजाना
सुई के माध्यम से कपड़े सिलना

नमक डालना
करछी चलाना

Question 1:

सूझा मुझको एक बहाना
मुझको सूझा एक बहाना

कविता में कही गई इस बात को बातचीत में इस तरह कहेंगे-

मुझको एक बहाना सूझा।

नीचे लिखी बातों को दो तरीकों से लिखो।

खड़ी गाय थी चौराहे पर

घुस गया शेर जंगल में

Answer:

गाय थी खड़ी चौराहे पर
गाय चौराहे पर खड़ी थी।

जंगल में शेर घुस गया
शेर जंगल में घुस गया।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App

India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 4 अधिक बलवान कौन?

Question 1:

- (क) हवा को ऐसा क्यों लगा होगा कि वह सूरज से अधिक बलवान है?
(ख) हवा आदमी का कोट कैसे उतरवा सकती थी? कोई तरकीब सोचो।

Answer:

- (क) हवा अपने वेग से सारी पृथ्वी में आंतक मचा देती है। पेड़-पौधे, घर इत्यादि उसके प्रभाव से उखड़ जाते हैं या टूट जाते हैं। इसलिए उसे लगा होगा कि वह सूरज से अधिक बलवान है।
(ख) यदि वह इतने ज़ोर से चलती कि आदमी को कपड़ों का ध्यान नहीं रहता, तो शायद हवा उसके कोट को उतरवा सकती थी। बटन हवा के तेज़ वेग से टूट जाते हैं और वह उतर जाता।

Question 1:

- आदमी ने गर्मी लगने पर कोट उतार दिया। तुम गर्मी लगने पर क्या-क्या करती हो?

.....
.....
.....

Answer:

मैं गर्मी लगने पर सूती कपड़े पहनती हूँ। पंखे, कूलर या ए.सी. के पास बैठती हूँ। बाहर जाने से बचती हूँ और खूब पानी पीती हूँ।

Question 1:

बताओ, इनमें से कौन अधिक बलवान है? तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?

(क) सूरज या हवा?

मुझे लगता है किअधिक बलवान है।

क्योंकि

(ख) हाथी या शेर?

मुझे लगता है किअधिक बलवान है।

क्योंकि

(ग) गर्मी या सर्दी?



मुझे लगता है किअधिक बलवान है।

क्योंकि

Answer:

(क) सूरज या हवा?

मुझे लगता है किसूरज.... अधिक बलवान है।

क्योंकि उसकी तपन मनुष्य को जला सकती है। तेज़ आँधी से तो घर में बैठकर बचा सकता है। परन्तु सूरज की गर्मी से तो घर में भी चैन नहीं मिलता है।

(ख) हाथी या शेर?

मुझे लगता है किशेर.... अधिक बलवान है।

क्योंकि हाथी शेर से अधिक विशालकाय क्यों न हो परन्तु ताकत में वह शेर को पछाड़ नहीं सकता है। शेर हाथी तक का शिकार कर लेता है।

(ग) गर्मी या सर्दी?

मुझे लगता है कि गर्मी अधिक बलवान है।

क्योंकि गर्म कपड़े से तथा घर में रजाई में बैठकर सर्दी से बचा जा सकता है। परन्तु गर्मी में तो कहीं भी चैन नहीं मिलता।

Question 1:

(क) हवा ने अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या किया?

(ख) सूरज ने अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या किया?

(ग) ये सब अपनी ताकत दिखाने के लिए क्या करेंगे?

- पानी
- बादल
- पहाड़
- सर्दी

Answer:

(क) हवा ने अपनी ताकत दिखाने के लिए ज़ोर-ज़ोर से चलना आरंभ कर दिया। धीरे-धीरे इसने आँधी का रूप ले लिया, जिससे पेड़-पौधे उखड़ने लगे।

(ख) सूरज अपनी ताकत दिखाने के लिए तपने लगा, जिससे गर्मी बढ़ गई। इसकी तपन से पूरी पृथ्वी तथा वहाँ रहने वाले लोग जलने लगे।

(ग)

- पानी प्रलय ले आएगा।
- बादल गर्जना करेंगे और खूब पानी बरसाएँगे।
- पहाड़ अपनी चट्टानें गिराने लगेंगे।
- सर्दी अत्यधिक ठंड पैदा करेगी।



Question 1:

मान लो कि हवा ने कहा- जो मिट्टी में गड़े इस तंबू को उखाड़ दे, वह ज़्यादा ताकतवर होगा। ऐसा होता तो कहानी में आगे क्या होता? सोचो और बताओ।

Answer:

हवा यदि ऐसा कहती कि जो मिट्टी में गड़े इस तंबू को उखाड़ दे, वह ज़्यादा ताकतवर होगा। इस कहानी में हवा जीत जाती क्योंकि हवा के वेग से गड़े तंबू जल्दी उखड़ जाते। सूरज अपनी तपन से तंबू के रंग को उड़ा सकता था परन्तु खड़े तंबू को वह गिरा नहीं सकता था। अतः हवा की जीत निश्चित थी।

Question 1:

ता	ज	म	ह	ल
----	---	---	---	---

यहाँ पर छह शब्द छिपे हैं-

ताज, महल, जम, हल, ताल, मल

नीचे लिखे शब्द में तुम भी इसी तरह आठ शब्द ढूँढ़ो।

क	म	ल	क	क	डी
---	---	---	---	---	----

Answer:

कमल, ककड़ी, मल, कड़ी, कल, मकड़ी, लड़ी, लकड़ी इत्यादि।

Question 1:

बलवान की जगह हम ताकतवर शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं। नीचे लिखे शब्दों की जगह और कौन-से शब्द चुन सकती हो।

अधिक

शरीर

फ़ायदा

झगड़ा

नमस्कार

सर्दी

Answer:

अधिक
फ़ायदा
नमस्कार
शरीर

ज़्यादा
मुनाफ़ा
नमस्ते
तन



CHAPTER - 5 दोस्त की मदद

Question 1:

- (क) लोमड़ी ने कछुए को बचाने का क्या उपाय सोचा?
(ख) तेंदुए ने क्या मूर्खता की?
(ग) तेंदुए की इस मूर्खता से कछुए को क्या फ़ायदा हुआ?

Answer:

- (क) लोमड़ी ने कछुए को बचाने के लिए तेंदुए को यह सुझाव दिया कि वह उसे पानी में फेंक दे। इससे उसकी खाल नरम हो जाएगी और उसे आराम से खाया जा सकेगा।
(ख) तेंदुआ लोमड़ी की बातों में आ गया और उसने हाथ आए कछुए को पानी में फेंक दिया। इससे कछुआ तो बच गया परन्तु तेंदुआ हाथ मलता रह गया।
(ग) तेंदुए की मूर्खता से कछुए की जान बच गई और वह सकुशल अपने घर तालाब में पहुँच गया।

Question 1:

जब तेंदुआ आया तब कछुआ और लोमड़ी गपशप कर रहे थे। सोचो वे क्या बातें कर रहे होंगे? यह तुम अपने दोस्त के साथ मिलकर सोचो।
सोची गई गपशप पर तुम नाटक भी कर सकते हो।

Answer:

इस प्रश्न का उत्तर सभी विद्यार्थी कक्षा में मिलकर करें।

Question 1:

कछुआ बहुत धीरे-धीरे चलता है। इसलिए जो बहुत धीरे चलता है उसके लिए हम कहते हैं-

वह कछुए की तरह चलता है।

अब बताओ इनके लिए क्या कहेंगे-

- जो तेज़ भागता हो।

वह की तरह भागता है।

- जो बहुत अच्छा तैराक हो।

वह की तरह तैरता है।



Answer:

- जो तेज़ भागता हो।
वहघोड़े... की तरह भागता है।
- जो बहुत अच्छा तैराक हो।
वहमछली... की तरह तैरता है।

Question 1:

जब तेंदुए ने कछुए को पकड़ा तब

- वह क्या सोच रहा होगा?
- उसने उस समय किसे याद किया होगा?

Answer:

- वह सोच रहा होगा कि बुरे फंसे। अब लोमड़ी ही मुझे बचा सकती है।
- उसने उस समय भगवान को या अपनी मित्र लोमड़ी को याद किया होगा।

Question 1:

- बताओ कछुए के खोल जैसी सख्त चीज़ें और क्या हो सकती हैं?
- लोमड़ी ने तेंदुए को कछुए का खोल तोड़ने का आसान तरीका बताया था। क्या तुम नारियल का तोड़ने का तरीका सुझा सकते हो?

Answer:

- नारियल का बाहरी कवच, अखरोट का बाहरी कवच आदि सख्त चीज़ें हो सकती हैं।
- उसे सही तरह से सिल पर पटकना चाहिए ताकि वह टूट जाए।

Question 1:

एक कछुआ पानी से बाहर निकल आया।
तीन कछुए पानी से बाहर निकल आए।

अब नीचे दिए शब्दों को बदलकर लिखो-

- | | | |
|------------|--------|-------|
| • एक कपड़ा | तीन | |
| • एक रुपया | पंद्रह | |
| • एक खंभा | चार | |
| • एक पौधा | आठ | |



- | | | |
|------------|----|-------|
| • एक पतीला | दो | |
| • एक संतरा | दस | |

Answer:

- | | | |
|------------|--------|-------|
| • एक कपड़ा | तीन | कपड़े |
| • एक रुपया | पंद्रह | रुपए |
| • एक खंभा | चार | खंभे |
| • एक पौधा | आठ | पौधे |
| • एक पतीला | दो | पतीले |
| • एक संतरा | दस | संतरे |

Question 1:

बताओ, ऐसे कौन-कौन चलता है?

फुदक-फुदक कर	
चौकड़ी भरकर	
छलाँग लगाकर	
रेंग-रेंग कर	

Answer:

फुदक-फुदक कर	कोयल	मैना
चौकड़ी भरकर	हिरण	गाय का बछड़ा
छलाँग लगाकर	कंगारू	तेंदुआ
रेंग-रेंग कर	साँप	केंचुआ

Question 1:

लोमड़ी ने तेंदुआ को बताया था कि पानी में फेंकने से कछुए का खोल मुलायम हो जाएगा।

नीचे लिखी चीज़ों में से कौन-कौन सी चीज़ें पानी में फेंकने से मुलायम हो जाएँगी? सही जगह पर लिखो।

कागज़, लकड़ी, गिलास, रोटी,
बिस्किट, प्लेट, पत्ता, मोम, रूई, पापड़



मुलायम हो जाएँगी	मुलायम नहीं होंगी
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

मुलायम हो जाएँगी	मुलायम नहीं होंगी
कागज़	लकड़ी
रोटी	गिलास
बिस्किट	प्लेट
रूई	पत्ता
पापड़	मोम

Question 1:

एक और कहानी

एक मगरमच्छ था। वह लोमड़ी को खाना चाहता था। पर लोमड़ी थी बहुत चालाक। वह मगरमच्छ की पकड़ी में ही नहीं आती थी। मगरमच्छ ने एक बार कछुए से मदद माँगी। कछुए ने कहा-लोमड़ी हमेशा नदी पर पानी पीने आती है। क्यों न तुम उसे वहीं पकड़ी लो! मगरमच्छ उस दिन नदी पर लोमड़ी का इंतज़ार करता रहा। पूरी रात काट दी। फिर पता चला कि.....

- कहानी को अपने मन से आगे बढ़ाओ।
- कहानी का अपने मन से कोई नाम रखो।

Answer:



चतुर लोमड़ी

एक मगरमच्छ था। वह लोमड़ी को खाना चाहता था। पर लोमड़ी थी बहुत चालाक। वह मगरमच्छ की पकड़ी में ही नहीं आती थी। मगरमच्छ ने एक बार कछुए से मदद माँगी। कछुए ने कहा-लोमड़ी हमेशा नदी पर पानी पीने आती है। क्यों न तुम उसे वहीं पकड़ी लो! मगरमच्छ उस दिन नदी पर लोमड़ी का इंतज़ार करता रहा। पूरी रात काट दी। फिर पता चला कि लोमड़ी तो उसके इरादों को पहले से ही भाँप गई थी। अतः वह नदी की दूसरी ओर पानी पीकर चली गई। मगरमच्छ हाथ मलता रह गया। एक दिन लोमड़ी को किसी कारणवश नदी के पार जाना पड़ा। मगरमच्छ इसी अवसर की ताक पर था। उसने जैसे ही लोमड़ी को खाना चाहा, तो लोमड़ी बोली, "तुम मुझे खाना चाहते हो परन्तु मुझे खाओगे, तो तुम्हें बड़ी परेशानी होगी। मुझे खाते समय मेरी पूँछ यदि तुम्हारे गले में फँस गई तो तुम मर जाओगे।" मगरमच्छ यह सुनकर परेशान हुआ और बोला, "अब तुम ही बताओ मैं क्या करूँ।" लोमड़ी बोली, "तुम मुझे कुछ समय दो मैं अपनी पूँछ कटवाकर तुम्हारे पास आती हूँ।" मगरमच्छ उसकी बातों में आ गया और उसने लोमड़ी को छोड़ दिया। बस फिर क्या था लोमड़ी झट से भाग गई और उससे बोली- "मूर्ख दिमाग तो लगाता यदि मेरी पूँछ कट जाएगी, तो मैं तो वैसे ही मर जाऊँगी।"

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App





India's No.1

Teaching Institute

DSSSB | SUPER-TET

CTET & UPTET

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

KVS | DSSSB | NVS | Super-TET

CTET & STET Exams

Bilingual



CHAPTER - 6 बहुत हुआ

Question 1:

(क) बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन-कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।

.....

.....

(ख) जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलती हो? कौन-कौन से खेल खेलती हो?

.....

.....

(ग) खूब तेज़ बारिश होगी तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देगा?

(घ) बारिश में कितना पानी बरसता है? वह सब पानी कहाँ-कहाँ जाता होगा?

(ङ) ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ।

-लोग

-कबूतर

-केंचुआ

-कुत्ता

-मछली

-मोर

Answer:

(क) बादल, पानी, रिमझिम, बूँदे, कागज़ की नाव इत्यादि शब्द मन में आते हैं।

(ख) जब बहुत बारिश होती है, तो हम अपने घर के अंदर खेलते हैं। जैसे- लूडो, विडियो गेम, घर-घर, व्यापार, गुडियों का खेल इत्यादि।

(ग) खूब तेज़ बारिश होगी, तो चारों ओर बारिश ही बारिश दिखाई देगी। इतनी तेज़ बारिश में लोग भीग रहे होंगे। गड्डे पानी से भर जाएँगे। पेड़-पौधे हवा और बारिश के ज़ोर से लहरा रहे होंगे।

(घ) बारिश में औसतन एक दिन में 25 सेंटीमीटर के करीब पानी बरसता है। वह पानी नदी, नालों, खेतों आदि में चला जाता है।

(ङ) ये सब बारिश से बचने के लिए निम्न कार्य कर सकते हैं- लोग- छाते या रेनकोट लेंगे।

कबूतर – किसी खिड़की या ओट का सहारा लेंगे।



केंचुआ- मिट्टी में गहराई तक घुस जाएगा।
कुत्ता- किसी आँगन या पेड़ के नीचे बैठ जाएगा।
मछली- गहराई में चली जाएगी।
मोर- पेड़ के नीचे चले जाएँगे।

Question 1:

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

- (क) तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।
(ख) सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

Answer:

(क) तेज़ बारिश होने पर सड़कों में से पानी की निकासी नहीं हो पाती है। जिसके कारण बरसात का पानी सड़कों पर भर जाता है। इसलिए नदी जैसा पानी वहाँ दिखाई देने लगता है। कविता में ऐसा इसलिए कहा गया है कि तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।

(ख) बारिश में पानी के कारण कीचड़ हो जाता है, ऐसे में चलने वालों को बहुत तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनके कपड़े, जूते गंदे हो जाते हैं। उन्हें बार-बार बदलना संभव नहीं होता। इसलिए कविता में कहा गया है कि सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

Question 1:

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं-

- बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो!

जब हम

- बहुत हुआ, अब अंदर चलो!

जब हम

- बहुत हुआ, अब सो जाओ!

जब हम

- बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!

जब हम

Answer:

- बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो!

जब हम बोलते रहते हैं और चुप ही नहीं होते।

- बहुत हुआ, अब अंदर चलो!



जब हम किसी से बात नहीं करने देते या हमें चोट लग जाती है।

- बहुत हुआ, अब सो जाओ!

जब हम पढ़ने के स्थान पर शैतानी कर रहे होते हैं।

- बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!

जब हम बहुत देर तक टी.वी. देख रहे होते हैं।

Question 1:

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ, तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ, तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिलकुल बंद। फिर क्या हुआ होगा? कहानी को आगे बढ़ाओ।

Answer:

बादल जब बहुत दिनों तक नहीं बरसा, तो पानी नहीं बरसने के कारण लोग परेशान होने लगे। किसानों की खड़ी फसल पानी की कमी से सूखने लगी। लोग गर्मी से परेशान होने लगे। नदियों में भी पानी सूखने लगा। चारों ओर कोहराम मचने लगा। फिर क्या था लोगों ने मिलकर बादल को मनाने की सोची। वे सब बादल के पास गए और उससे अपनी गलती के लिए माफी माँगी। बादल लोगों की प्रार्थना से पिघल गया और उसने तुरंत ही वर्षा कर लोगों को सूखे और गर्मी से मुक्ति दिलाई।

Question 1:

कविता के साथ जो चित्र दिया गया है, उसमें कौन क्या कर रहा है?

एक बच्चा	चित्र बना.....	रहा है।
दूसरा बच्चा		रहा है।
बिल्ली		रही है।
आदमी		रहा है।
एक बच्ची		रही है।
कुत्ता		रहा है।

तुमने देखा कि चित्र में कई काम हो रहे हैं। इन वाक्यों में जो शब्द किसी काम के बारे में बता रहे हैं उनके नीचे रेखा खींचो। इन्हें काम वाले शब्द कहते हैं।

Answer:

एक बच्चा	चित्र बना	रहा है।
दूसरा बच्चा	छाता पकड़	रहा है।
बिल्ली	खिड़की में बैठ	रही है।
आदमी	छाता पकड़कर बारिश में चल	रहा है।
एक बच्ची	टब में नाव चला	रही है।
कुत्ता	शरीर पर लगा पानी झाड़	रहा है।



CHAPTER - 7 मेरी किताब

Question 1:

बाप रे! इतनी किताबें!

(क) क्या तुमने भी बहुत सारी किताबें एक साथ देखी हैं? कहाँ?

(ख) तुम्हारे बस्ते में भी बहुत सारी किताबें होंगी। उन सभी किताबों में से तुम्हारी मनपसंद किताब कौन-सी है? क्यों?

(ग) यहाँ कुछ किताबों के पन्नों के चित्र दिए गए हैं और उनके नाम लिखे हैं। (कृपया इसके लिए किताब में देखें) तुम इनमें से कौन-सी किताब पढ़ना चाहोगे? क्यों?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

(क) हाँ मैंने बहुत सारी किताबें एक साथ देखी हैं। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में बहुत सारी किताबें रखी हुई हैं।

(ख) मेरे बस्ते में मेरे पाठ्यक्रम (syllabus) से संबंधित बहुत सारी किताबें हैं। मुझे हिन्दी तथा अंग्रेज़ी की किताब अच्छी लगती है क्योंकि इसमें बहुत सारी कहानियाँ और मज़ेदार कविताएँ होती हैं।

(ग) "नाम था उसका आसमानी" नामक किताब पढ़ना चाहूँगा। अन्य किताबों के चित्र से कहानी का अनुमान लग रहा है। परन्तु इस नाम से नहीं लग पा रहा है। यह किताब एक मछली पर आधारित है, जो मुझे बहुत पसंद है।

Question 1:

(क) मौसी ने वीरू को फुट्टा लाने के लिए क्यों कहा?

(ख) अलग-अलग चीज़ों को नापने या तौलने के लिए अलग-अलग चीज़ों का इस्तेमाल करते हैं। तुम नीचे दी गई चीज़ों को किन चीज़ों से मापोगे?



- कपड़े को
- आम को
- मेज़ को
- कागज़ को
- पानी को

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

(क) मौसी ने वीरू को इसलिए फुट्टा लाने को कहा ताकि वह उससे नापकर किताब ले जाए। इस तरह उसे अपने पंसद की कम मोटी किताब मिल जाएगी।

(ख)

- कपड़े को इंचटेप के माध्यम से मापेंगे।
- आम को इसे तोलने वाले बाट से मापेंगे।
- मेज़ को इंचटेप से मापेंगे।
- कागज़ को फुट्टे की सहायता से नाप सकते हैं।
- पानी को लीटर से मापेंगे।

Question 1:

अब तक तो तुमने बहुत सारे शब्द सीख लिए होंगे। आओ शब्दों की अंत्याक्षरी खेलें। देखें तुम कितने शब्द बना पतो हो। शुरुआत हम कर देते हैं-

किताब-बंदर-रस्सी-.....-.....-.....-.....-.....

Answer:

किताब-बंदर-रस्सी-सीमा-माता-ताला-लगती

Question 1:



वीरू को मौसी ने किताबें चुनने के लिए कहा तो वह नहीं चुन पाई।
तुम्हें अपनी पसंद की चीज़ें चुनने को कहा जाए तो तुम क्या-क्या चीज़ें चुनोगे?

.....
.....

Answer:

खिलौने कपड़े कहानियों की किताबें
विडियो गेम चॉकलेट पिज़्ज़ा

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



The banner features a dark blue background with a central illustration of an interview room. On the left, a clock shows 1:50. In the center, three people are seated at a table, engaged in conversation. On the right, three people are seated on a bench, waiting. The text 'KVS' is in large yellow letters, and 'MOCK INTERVIEW' is in large white and yellow letters. Below this, a yellow button says 'Registration Open'. The banner is framed by a border of small Adhyayan Mantra logos.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 8 तितली और कली

Question 1:

- (क) तितली कली के पास क्यों गई थी?
(ख) तितली और कली ने क्या खेल खेला?
(ग) तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

Answer:

- (क) तितली कली के पास उसे जगाकर खेलने गई थी।
(ख) तितली और कली ने पकड़म-पकड़ाई का खेल खेला।
(ग) तितली द्वारा खेल खेलने की बात सुनकर कली खुश हो गई।

Question 1:

गली-गली का मतलब है सारी गलियाँ
कली-कली का मतलब है सारी कलियाँ।

अब नीचे लिखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ-

घड़ी-घड़ी
घर-घर

जगह-जगह
डाल-डाल

Answer:

- (1) घड़ी-घड़ी=घड़ियाँ- तुम घड़ी-घड़ी बाहर क्यों देख रही हो? (2) जगह-जगह=जगहें- लोग जगह-जगह थूकने से बाज़ नहीं आते हैं। (3) घर-घर=घरों- नेताजी के भाषण घर-घर सुने जाते थे। (4) डाल-डाल=डालियाँ- बंदर डाल-डाल में जाकर कूद रहा था।

Question 1:

- (क) तितली कली के पास कब गई होगी?
सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐
(ख) तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

Answer:

- (क) तितली कली के पास सुबह गई होगी।



(ख) सुबह के समय सारे फूल-पौधे, जीव-जन्तु, पुश-पक्षी उठ जाते हैं। अतः हमने अंदाज़ा लगाया कि तितली भी उसी समय गई होगी।

Question 1:

(क) कविता में से वे शब्द ढूँढो जो सुनने में **कली** जैसे लगते हैं। जैसे- कली, भली।

(ख) नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

.....बोलो.....	तितली.....	डाल.....
.....		
.....		

Answer:

(क) गली, खिली, चली।

(ख)

.....बोलो.....	तितली.....	डाल.....
.....तोलो.....	मितली.....	बाल.....
.....खोलो.....	तिल्ली.....	ढाल.....

Question 1:

(क) महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे

(ख) ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है

पसंद नहीं है

.....	
.....	
.....	
.....	

ग) तुम्हारे आसपास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।

(घ) तुम्हारे घर में किस-किस तरह की महक आती है? (जैसे- साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)



Answer:

(क) अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे खुशबू।

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे बदबू।

(ख)

पसंद है
नहाने के साबुन की
चमेली के फूलों की
कॉफी की
खाने की

पसंद नहीं है
कपड़े धोने वाले साबुन की
पसीने की
गंदी जुराबों की
कूड़े की

(ग) हमारे आसपास मोगरा, गुलाब के फूल खिलते हैं। इनकी बहुत तेज़ महक होती है।

हमारी भाषा बांग्ला है। बांग्ला भाषा में इन्हें इन नामों से पुकारते हैं-

बांग्ला भाषा में फूलों के नाम
बेली फूल (मोगरा)
गुलाप (गुलाब)

(नोट: विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर अपने माता-पिता से पूछकर करें।)

(घ) हमारे घर में इस तरह की महक आती है-

रसोईघर- विभिन्न तरह के खाने की, सरसों के तेल की, कड़ी पत्ते की, अदरक-लहसुन की।

बगीचे- मोगरे तथा अन्य फूलों की।

कमरे- फिनाइल की, पिताजी के इत्र की, सिर पर लगाने वाले तेल की।

Question 1:

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगी और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगी? क्यों?

जागेंगे

नहीं जागेंगे

.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....

Answer:

जागेंगे

नहीं जागेंगे



बाहर खेलने के लिए
खाना खाने के लिए
बाज़ार जाने के लिए
स्कूल जाने के लिए

छुट्टी के दिन नहाने के लिए
कुत्ते को घुमाने के लिए

-

-

छुट्टी के दिन नहाने के लिए- छुट्टी के दिन सुबह उठकर नहाने के लिए नहीं जाएंगे। आराम से देर तक सोएँगे और छुट्टी का आनंद उठाएँगे।

कुत्ते को घुमाने के लिए- कुत्ते को घुमाने के लिए रोज़ ले जाना पड़ता है। यह मुझे अच्छा नहीं लगता है।

(नोट: इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं करें।)

Question 1:

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है। नीचे लिखी चीज़ें किन-किन रंगों की हो सकती हैं?

.....	तितली		सूरजमुखी
.....	बैंगन		लड्डू
.....	पेंसिल		प्याला
.....	कुर्ता		साग
.....	संतरा		मिट्टी

Answer:

तितली- हल्के हरे, गुलाबी, पीली, काली-भूरी बहुत से रंग की होती हैं।

बैंगन- बैंगनी और हल्के हरे रंग के होते हैं।

पेंसिल- फूलों वाली काली-लाल, तथा बहुत से रंगों की होती हैं।

कुर्ता- सफ़ेद, लाल, पीला, बहुत से रंग का होता है।

संतरा- संतरी रंग का होता है।

सूरजमुखी- यह फूल गहरे पीले रंग का होता तथा इसके बीज काले रंग के होते हैं।

लड्डू- यह पीले रंग का होता है।

प्याला- यह काले, सफ़ेद, लाल बहुत से रंग में मिलते हैं।

साग- यह हरे रंग का होता है।

मिट्टी- यह भूरे, लाल, स्लेटी, पीली बहुत से रंग की होती है।



CHAPTER - 9 बुलबुल

Question 1:

इनमें से बुलबुल कौन है? उसके चित्र के ऊपर गोला लगाओ।



तुमने बुलबुल को कैसे पहचाना?

मैंने बुलबुल को पहचाना

.....

Answer:

पहला चित्र बुलबुल का है। अतः उस पर गोला लगाओ।

मैंने बुलबुल को उसकी पूँछ से पहचाना। वह आगे से लाल रंग थी तथा पूँछ का आखिरी सिरा सफ़ेद रंग का था। साथ ही उसके सिर को देखा, जो काले रंग का था। इन सब बातों से बुलबुल को पहचानना सरल हो गया।

Question 1:

(क) सिपाही बुलबुल के सिर पर काले रंग की कलगी होती है। ऐसे कुछ और पक्षियों के नाम सोचो जिनके सिर पर कलगी होती है। बताओ उनकी कलगी का रंग क्या होता है?

पक्षी

.....

कलगी का रंग

.....

(ख) कलगी वाली बुलबुल को सिपाही बुलबुल क्यों कहते होंगे?

(ग) पाठ में बुलबुल के बारे में बहुत-सी बातें बताई गई हैं। उनमें से कोई तीन बातें लिखो।

Answer:

(क)

पक्षी
मोर

कलगी का रंग
गहरा नीला



हुदहुद
मुर्गा

गहरी पीली और काली धारियाँ
लाल

(ख) सिपाही बुलबुल की गर्दन तथा कान के नीचे लाल रंग के निशान पाए जाते हैं। इसे कवि कुर्बानी तथा बलिदान के प्रतीक स्वरूप लेते हैं इसलिए इन्हें सिपाही बुलबुल कहा जाता है।

(ग) इसमें निम्नलिखित तीन बातें होती हैं-

1. इसकी पूँछ का आखिरी भाग सफ़ेद रंग का होता है।
2. इसके पूँछ का भीतरी भाग लाल रंग का होता है।
3. इसका शरीर भूरा और सिर का रंग काला होता है।

Question 1:

(क) बुलबुल अपना घर घास और जड़ों से बनाती है। तुम्हारा घर किन चीज़ों से बना है? पता करो।

(ख) बुलबुल क्या खाना पसंद करती है? तुम्हें क्या-क्या पसंद है?

(ग) बुलबुल ऊँची आवाज़ में बोलती है।

तुमसे से कौन-कौन ऊँची आवाज़ में बोलता है? कब-कब?

नाम	कब-कब
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

(क) हमारा घर ईंट, बजरी, रोड़ी, सीमेंट, लोहे की मोटी-पतली सलाखों से बनता है।

(ख) बुलबुल खाने में कीड़े, फल आदि खाना पसंद करती है। मुझे गाजर, मटर, गाजर का हलुवा, गोभी के परांठे, पिज़्ज़ा आदि खाना पसंद है।

(ग)

नाम	कब-कब
तरूण	जब उसकी कोई बात नहीं सुनता, वह तब ऊँची आवाज़ में बोलता है।
माला	जब उसे कुछ माँगना होता है, तब वह ऊँची आवाज़ में बोलती है।
श्वेतिका	जब वह गाना गाती है, तो ऊँची आवाज़ में गाती है।
गोपाल	जब उसे गुस्सा आता है, तब वह ऊँची आवाज़ में बोलता है।
जावेद	जब उसे कुछ समझ नहीं आता है, तब वह ऊँची आवाज़ में बोलता है।

(नोट: सभी विद्यार्थी इसे अपने मित्रों तथा भाई-बहनों से बात करके भरें।)



Question 1:

- मैं काली हूँ। मीठा गाना गाती हूँ।
- मैं हरा हूँ। लाला मेरी चोंच है। हरी मिर्च खाता हूँ।
- सूप जैसे कान हैं। मोटे-मोटे पाँव हैं, लंबे-लंबे दाँत हैं।
- सिर पर ताज है। दुम पर पैसा है। बादल देखकर नाचता हूँ।
- घरों में आता हूँ। सारी चीज़ें कुतर जाता हूँ।

Answer:

- मैं काली हूँ। मीठा गाना गाती हूँ। कोयल
- मैं हरा हूँ। लाला मेरी चोंच है। हरी मिर्च खाता हूँ। तोता
- सूप जैसे कान हैं। मोटे-मोटे पाँव हैं, लंबे-लंबे दाँत हैं। हाथी
- सिर पर ताज है। दुम पर पैसा है। बादल देखकर नाचता हूँ। मोर
- घरों में आता हूँ। सारी चीज़ें कुतर जाता हूँ। चूहा

Question 1:

बुलबुल या किसी और पक्षी पर कविता लिखो। तुम अपनी सहेलियों या दोस्तों के साथ मिलकर भी कविता लिख सकते हो।

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

तोता

टें-टें का शब्द सुना,
झट से बाहर मैं निकला,
देखा पेड़ पर बैठा,
हरे रंग का एक तोता,
लाल चोंच पर मिर्ची थी,
उसके चोंच की जैसी थी,
मेरे मन भाया वो,
पर हाथ नहीं आया वो।

(नोट: इसी तरह विद्यार्थी अपने मित्रों के साथ कविता लिखने का प्रयास करें।)



Question 1:

बुलबुल, तोता, चिड़िया, कबूतर **पक्षी** कहलाते हैं। नीचे लिखी चीज़ों को क्या कहते हैं? लिखो।

गोभी, आलू, भिंडी
संतरा, केला, सेब
गाय, हाथी, कुत्ता
मूँग, चना, अरहर

नाम

.....
.....
.....
.....

Answer:

गोभी,	नाम
आलू, भिंडी	सब्ज़ी
संतरा,	फल
केला, सेब	
गाय, हाथी,	जानवर
कुत्ता	
मूँग, चना,	दालें
अरहर	

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER -10 मीठी सारंगी

Question 1:

- (क) भोला ने क्यों सोचा कि सभी झूठ बोल रहे हैं?
(ख) भोला को सारंगी का स्वाद क्यों नहीं आया?
(ग) भोला ने किस-किस तरह से यह जानने की कोशिश की कि सारंगी मीठी है?

Answer:

- (क) भोला ने जब सारंगी को चाट कर देखा, तो वह उसे मीठी नहीं लगी। इसलिए उसे लगा कि सब झूठ बोल रहे हैं।
(ख) भोला को सारंगी का स्वाद इसलिए नहीं आया क्योंकि सारंगी लकड़ी की बनी थी। लकड़ी बेस्वाद होती है।
(ग) भोला ने सारंगी को पूरा चाटा, उसके बात उसके छेद पर मुँह लगाकर इंतज़ार करता रहा कि वहाँ से कुछ मीठा रस गिरे परन्तु उसे कुछ हासिल नहीं हुआ।

Question 1:

- (क) गाँव वाले कहते थे- कैसी मीठी सारंगी है! इसका क्या मतलब है? सही बात पर (✓) निशान लगाओ।



सारंगी चखने पर मीठी थी।



सारंगी से निकलने वाली आवाज़ सुनने में अच्छी लगती थी।



सारंगी के आसपास मधुमक्खियाँ भिनभिना रही थीं।

- (ख) अब तुम समझ गए होंगे कि गाँव वाले सारंगी को मीठी क्यों कहते थे। अब बताओ कड़वी बात का क्या मतलब होगा?

Answer:

(क)



सारंगी चखने पर मीठी थी।



सारंगी से निकलने वाली आवाज़ सुनने में अच्छी लगती थी।



सारंगी के आसपास मधुमक्खियाँ भिनभिना रही थीं।

- (ख) जब कोई किसी को ऐसी बात कह दे जिससे किसी का दिल दुख जाए, उसे कड़वी बात कहना कहते हैं।



Question 1:

सारंगी वाले ने सारंगी पर खोल चढ़ाया और अपने सिरहाने रखकर सो गया।

(क) सारंगी वाले ने अपनी सारंगी पर खोल क्यों चढ़ाया होगा?

(ख) और किन-किन चीज़ों पर खोल चढ़ाया जाता है

Answer:

(क) सारंगी वाले ने अपनी सारंगी को टूटने-फूटने तथा गंदगी से बचाने के लिए खोल चढ़ाया। खोल चढ़ाकर चीज़ों को खराब होने से बचाया जा सकता है।

(ख) रजाई, गद्दे, सोफ़े, तबला, गिटार, वीणा, बजाने वाला ड्रम इत्यादि पर खोल चढ़ाया जाता है।

Question 1:

सारंगी, ढोलक, इकतारा, तबला, बाँसुरी,
शहनाई, डफली, सितार, गिटार, हारमोनियम

(क) ऊपर संगीत के बाजों के नाम लिखे हैं। इनमें से कुछ तार छेड़ कर बजाए जाते हैं और कुछ हाथ से थाप देकर। इनके नाम सही जगह पर लिखो।

तार वाले	थाप वाले	अन्य
.....		
.....		
.....		
.....		
.....		

कुछ नाम बच भी गए होंगे। उन्हें **अन्य** के नीचे लिखो।

(ख) ऊपर लिखे बाजों को जगह-जगह पर बजाया जाता है। सोच कर लिखो इन जगहों पर क्या-क्या बजाया जाता है।-

रेलगाड़ी या बस में
घर पर किसी अवसर पर
भजन-कीर्तन में
स्कूल में किसी अवसर पर

Answer:

तार वाले	थाप वाले	अन्य
सारंगी	तबला	बाँसुरी
सितार	ढोलक	हारमोनियम
इकतारा	डफली	शहनाई
गिटार	-	-

(ख) इन्हें निम्नलिखित स्थानों पर बजाया जाता है।-

रेलगाड़ी या बस में इकतारा, डफली, बाँसुरी



घर पर किसी अवसर पर
भजन-कीर्तन में
स्कूल में किसी अवसर पर

गिटार, ढोलक, हारमोनियम, शहनाई
बाँसुरी, हरमोनियम, ढोलक, डफली, सितार
सितार, गिटार, तबला, ढोलक, डफली, बाँसुरी, हारमोनियम

Question 1:

- (क) इस कहानी में मिठास की बात है। तुम्हें कौन-कौन सी मीठी चीज़ें अच्छी लगती हैं?
(ख) क्या खाने की चीज़ें सिर्फ़ मीठी ही होती हैं? मीठे के अलावा उनका और क्या-क्या स्वाद होता है?
(ग) अब नीचे लिखी खाने-पीने की चीज़ों को स्वाद के हिसाब से लगाओ-

आम, मिर्च का अचार, जलज़ीरा, नींबू, शहद,
चीनी, नमक, दूध, आँवला, करेला, अदरक

.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....

तुम इस तालिका में कुछ नाम अपने मन से भी जोड़ सकते हो।

(घ) नीचे लिखे शब्दों को बोलकर देखो-

बाँसुरी

बंसी

हँस

हंस

(ङ) अब नीचे दिए गए शब्दों में (—) या (—) लगाओ-

चाद	चदन
मगलवार	मागना
सुदर	साप

झासी	झझट
ककड़	कापना
अधा	आधी

Answer:

- (क) चॉकलेट, टॉफी, फल, आइस्क्रीम, हलवा हमें मीठा लगता है।
(ख) खाने की चीज़ें सिर्फ़ मीठी नहीं होती हैं। मीठे के अलावा खट्टा, तीखा, कड़वा इत्यादि स्वाद भी होते हैं।
(ग)

आम
नींबू
आँवला
जलज़ीरा

मिर्च का अचार
अदरक
करेला
नमक

चीनी
शहद
दूध
—

(घ) विद्यार्थी इस प्रश्न को स्वयं करें।



CHAPTER -11 टेसू राजा बीच बाज़ार

Question 1:

कुछ चीज़ें ऐसी होती हैं जिन्हें गिना जा सकता है और कुछ चीज़ों को नहीं।

जिन चीज़ों को गिन सकती हो उनके आगे **हाँ** लिखो। जिन्हें नहीं गिन सकती हो उनके आगे **नहीं** लिखो।

कंबल के खाने		पेड़ के पत्ते	
सिर के बाल		आसमान के तारे	
घर के लोग		कॉपी के पन्ने	
चींटी के पैर		अपने कपड़े	
कमीज़ के बटन		स्कूल के बच्चे	

Answer:

कंबल के खाने	नहीं	पेड़ के पत्ते	नहीं
सिर के बाल	नहीं	आसमान के तारे	नहीं
घर के लोग	हाँ	कॉपी के पन्ने	हाँ
चींटी के पैर	हाँ	अपने कपड़े	हाँ
कमीज़ के बटन	हाँ	स्कूल के बच्चे	नहीं

Question 1:

नीचे दी गई कविता को ध्यान से पढ़ो-

एक पेड़ पर कितने पत्ते?
जितने गोपी के घर लत्ते।
गोपी के घर लत्ते कितने?
कलकत्ते में कुत्ते जितने।

अब तुम कविता को आगे बढ़ा कर लिखने की कोशिश करो।

.....
.....

Answer:

एक पेड़ पर कितने पत्ते?
जितने गोपी के घर लत्ते।
गोपी के घर लत्ते कितने?
कलकत्ते में कुत्ते जितने।
कलकत्ते में कुत्ते कितने?



लड्डू में हैं, दाने जितने।
लड्डू में दाने कितने?
पुलाव में चावल जितने।
पुलाव में चावल कितने?
माँ की माला में मोती जितने।
माँ की माला में मोती कितने?
जीवन में सुख हो जितने।

Question 1:

बीस लाख तेईस हज़ार
दाने वाला एक अनार।

क्या सचुमच अनार में इतने दाने होते हैं? अंदाज़े से बताओ-

- एक अनार में कितने दाने होते होंगे?
- एक मटर में कितने दाने होते होंगे?
- एक भुट्टे में कितने दाने होते होंगे?
- एक मूँगफली में कितने दाने होते होंगे?

मौका मिलने पर ज़रूर जाँच करना कि तुम्हारा अंदाज़ा कितना सही था।

Answer:

मेरे अनुसार अनार में इतने दाने नहीं होते होंगे।

- एक अनार में लगभग चार सौ से पाँच सौ दाने होते होंगे।
- एक मटर में छह से सात दाने होते होंगे।
- एक भुट्टे में दो सौ तीन सौ दाने होते होंगे।
- एक मूँगफली दो से तीन दाने होते होंगे।

Question 1:

(क) टेसू राजा बाज़ार अनार लेने गए थे।

- तुम बाज़ार क्या-क्या लेने जाती हो?
- बाज़ार कैसे जाती हो?
- उस बाज़ार का क्या नाम है?
- अपने घर के पास के कुछ और बाज़ारों के नाम पता करो।

(ख) बाज़ार अलग-अलग तरह के होते हैं।

जैसे- मंडी, हाट, सोम बाज़ार, मॉल, पैठ, किनारी बाज़ार आदि।



कक्षा में बात करो कि इन सब बाज़ारों में क्या अंतर है। तुम्हारे घर के पास में किस तरह के बाज़ार हैं।

Answer:

(क) टेसू राजा बाज़ार अनार लेने गए थे।

- हम बाज़ार में कपड़े, राशन, घर का सामान, आभूषण, जूते, बर्तन इत्यादि लेने जाते हैं।
- बाज़ार हमारे घर के पास है इसलिए पैदल ही जाते हैं।
- बेगम ज़ेदी तथा बसरुरकर मार्किट।
- मुनिरका, सरोजनी नगर, शुक्र बाज़ार, संडे मार्किट, मोहन सिंह मार्किट इत्यादि।

(नोट: विद्यार्थी इन प्रश्नों का उत्तर अपने घर के आस-पास के बाज़ारों की जानकारी एकत्र करके दें।)

(ख)

- मंडी- यहाँ पर सब्ज़ियाँ थोक के भाव में मिलती है। सभी सब्ज़ीवाले यहाँ से सब्ज़ी खरीदकर ले जाते हैं।
- हाट- यह ऐसा स्थान है, जहाँ हर प्रकार का सामान मिलता है। यह गाँव में अधिक होता है।
- सोम बाज़ार- यह सोमवार को लगने वाला बाज़ार है। प्रायः यह हर गली मोहल्ले में लगने वाला बाज़ार है। इसमें हर प्रकार का सामान मिलता है।
- मॉल- यह नए प्रकार का बाज़ार है। पश्चिमी सभ्यता से प्रेरणा लेकर बनाया गया है। भव्य इमारत में हर प्रकार की बड़ी कंपनियाँ अपने कपड़े, गहने, जूते इत्यादि बेचती हैं। यहाँ विभिन्न प्रकार का खाना मिलता है तथा सिनेमा हॉल भी होते हैं।
- पैठ- यह सप्ताह के एक दिन लगने वाला बाज़ार है, जहाँ सभी फुटकर व्यापारी आकर अपना सामान बेचते हैं। यह सोम बाज़ार जैसा ही होता है। यहाँ भी सब प्रकार का सामान मिलता है।
- किनारी बाज़ार- यह चांदनी चौक का एक मुख्य बाज़ार है। यहाँ पर दुपट्टे, साड़ियाँ, लहंगा तथा फ्रॉक पर लगने वाले ज़री, गोटे, लेस, बेल-बूटे मिलते हैं। इसके अतिरिक्त सोने तथा चाँदी के आभूषण भी यहाँ मिलते हैं। यहाँ पर हर छोटे-बड़े, व्यापारी तथा साधारण जन अपनी आवश्यकता के अनुसार सामान खरीदते हैं।

Question 1:

जितने हों कंबल में खाने।

इस वाक्य को इस तरह भी लिख सकते हैं

कंबल में जितने खाने हों।

इसी तरह नीचे लिखे वाक्यों को बदलकर लिखो-

- कितने हैं कंबल में खाने?

.....

- एक झुंड में भेड़ें कितनी

.....

- टेसू राजा कहे पुकार, लाओ मुझको दे दो चार।

.....

- फूलों से बनाओ होली के रंग



Answer:

- कंबल में कितने खाने हैं?
- भेड़ें कितनी एक झुंड में
- कहे पुकार टेसू राजा, लाओ दे दो मुझको चार।
- होली के रंग फूलों से बनाओ

Question 1:

टेसू राजा बीच बाज़ार,
खड़े हुए ले रहे अनार

अनार, आम, अमरूद, पपीता- ये सब फलों के नाम हैं। बताओ ये सब किसके नाम हैं?

कोलकता, दिल्ली, भोपाल

भेड़, बकरी, हाथी

कमीज़, कुरता, साड़ी

मोर, कबूतर, उल्लू

आलू, बैंगन, भिंडी

Answer:

कोलकता, दिल्ली, भोपाल

भेड़, बकरी, हाथी

कमीज़, कुरता, साड़ी

मोर, कबूतर, उल्लू

आलू, बैंगन, भिंडी

महानगर

जानवर

परिधान

पक्षी

सब्जी

Question 1:

इन शब्दों को बोलकर देखो। ज़ा और जो बोलने में अलग-अलग लगते हैं न! नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। उन्हें बोलो और खोजो कि अक्षर के नीचे बिंदु होने और न होने से आवाज़ में क्या फ़र्क पड़ता है। दो-दो शब्द खुद जोड़ो।

जाड़ा

गाज़र

.....
.....

ज़मीन

ज़िद

.....
.....

Answer:

जाड़ा

गाज़र

बाज़ा

ज़मीन

ज़िद

बाज़ार



CHAPTER -12 बस के नीचे बाघ

Question 1:

अगर बाघ बस की छत पर चढ़ जाता तो

(क) उसे दुनिया कैसी दिखाई देती?

(ख) आसपास के लोग क्या करते?

Answer:

(क) उसे सब कुछ बहुत अच्छा और स्पष्ट दिखाई देता। वह महसूस करता कि वह सबसे ऊँचा है।

(ख) आसपास के लोग बस के अंदर बैठ जाते थे और दरवाज़ा अंदर से बंद कर लेते।

Question 1:

(क) बस के नीचे पहुँचकर छोटे बाघ को अच्छा क्यों नहीं लगा?

(ख) क्या तुमने कभी किसी बस या जीप से नीचे झाँककर देखा है? तुम्हें वहाँ क्या दिखाई दिया?

(ग) बस के अगले हिस्से से घर-घर की आवाज़ क्यों आ रही थी?

(घ) बस में ज़्यादातर लोग दायीं तरफ़-क्यों बैठे थे?

(ङ) बस में इतने सारे लोग बैठे थे पर बाघ का ध्यान दो छोटी लड़कियों पर ही गया। क्यों?

Answer:

(क) बस के नीचे पहुँचकर छोटे बाघ को इसलिए अच्छा नहीं लगा क्योंकि वहाँ देखने के लिए कुछ नहीं था। उसे बस के नीचे से स्पष्ट नहीं दिखा पा रहा था। साथ ही वह पथरीला स्थान था।

(ख) 'हाँ' मैंने कई बार खड़ी बस के नीचे झाँककर देखा है। वहाँ से इंजन का हिस्सा दिखाई देता है।

(ग) बस के अगले हिस्से से घर-घर की आवाज़ इसलिए आ रही थी क्योंकि वहाँ बस का इंजन था और किसी कारणवश वह खराब हो गया था। बस चालक चाबी डालकर उसे चलाने का प्रयास कर रहा था, जिससे यह आवाज़ आ रही थी।

(घ) बस में ज़्यादातर लोग दायीं तरफ़ बैठकर जंगल के अंदर देखने का प्रयास कर रहे थे।

(ङ) बस में बाघ का ध्यान दो छोटी लड़कियों पर इसलिए गया क्योंकि उसे वे दोनों अपनी जैसी दिखी थीं।

Question 1:

बाघ दुबक कर बैठ गया था। करके बताओ, नीचे लिखे काम वह कैसे करेगा?

दुबकना	कीचड़ में चलना
काँपना	दूध पीना
लड़खड़ा	नहाना
सोना	दवाई खाना



Answer:

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं करके देखें और अन्य को दिखाएँ

Question 1:

सामने की सीट पर बैठा आदमी उठा और अपनी दाहिनी ओर वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया।

(क) यह व्यक्ति कौन था?

(ख) बस में कितने दरवाज़े थे?

(ग) आगे क्या हुआ होगा? कहानी सुनाओ।

Answer:

(क) सामने की सीट पर बैठा आदमी उठा और अपनी दाहिनी ओर वाला दरवाज़ा खोलकर बाहर कूद गया था। वह व्यक्ति बस चालक था।

(ख) बस में तीन दरवाज़े थे। दो यात्रियों के चढ़ने-उतरने के लिए और एक बस चालक के उतरने-चढ़ने के लिए।

(ग) बाघ जब दोबारा बस में चढ़ा होगा, तो सारे यात्री सामने से आती बस को रोककर उसमें चढ़ गए होंगे। थोड़ी देर बस में खेलने के बाद बाघ का बच्चा जंगल की ओर चल पड़ा होगा। तब जाकर यात्रियों ने राहत की साँस ली होगी।

Question 1:

(क) बस में बैठे लोग बाघ के बच्चे से डर रहे थे। बाघ भी उन लोगों से डर रहा था। सोचो, इन्हें कैसा लगता होगा जब कोई इनसे डर जाता है-

- छिपकली
- चूहा
- कुत्ता
- साँप

(ख) बाघ डरकर बस के नीचे दुबक गया। तुम डर लगने पर क्या करते हो? कहाँ दुबकते हो?

(ग) बाघ से सब डरते हैं, पर इस कहानी में लोग बाघ के बच्चे से भी डर गए? ऐसा क्यों हुआ?

Answer:

(क)

• छिपकली- वह स्वयं कहीं छुप जाती होगी और मन ही मन सोचती होगी कि यह तो नाहक ही मुझसे डर रहा है। मैं तो खाना तलाश रही थी और यह मुझे देखकर डर रहा है। मैंने ऐसा क्या किया जो यह मुझसे डर रहा है।

• चूहा- अरे मैं तो अपनी मस्ती में चल रहा था। परन्तु यही बीच में आ गया। इसने मुझे डरा दिया और दोष मुझ पर मड़ रहा है। मैं अकारण किसी को नहीं काटता। फिर मुझसे यह व्यक्ति क्यों डर रहा है।

• कुत्ता- मनुष्य हमसे डरते क्यों हैं। हमें इनके साथ खेलना-कूदना अच्छा लगता है। मैं इस बच्चे के पास खेलने जा रहा था और यह डर कर भाग रहा है।

• साँप- मानता हूँ कि कई साँप ज़हरीले होते हैं परन्तु मैं ज़हरीला नहीं हूँ आखिरी मुझसे डरने का क्या कारण है।



(ख) मैं डर लगने पर माँ के पीछे दुबक जाती हूँ।

(ग) लोगों ने डर के मारे इतना ध्यान ही नहीं दिया होगा कि यह बाघ का बच्चा है। वे बस सुनकर ही भाग रहे होंगे या फिर यह भी हो सकता है कि उनको भय हो कि इसके पीछे इसकी माँ भी आ रही हो। इसलिए वे डर रहे हों।

Question 1:

बस के सामने वाली दीवार अलग तरह की थी। उसके आर-पार देखा जा सकता था।

(क) वह दीवार क्या थी?

(ख) किन-किन चीज़ों के आर-पार देखा जा सकता है?

(ग) किन-किन चीज़ों के आर-पार नहीं देखा जा सकता है?

Answer:

(क) वह दीवार काँच से बनी थी। बस के सामने का शीशा था।

(ख) काँच से बनी दीवार के, पारदर्शी प्लास्टिक की चादर से, बर्फ़ से बनी चादर से, पानी के आर-पार देखा जा सकता है।

(ग) लकड़ी, इस्पात, चट्टानें, धातुओं इत्यादि के आर-पार नहीं देखा जा सकता है।

Question 1:

तुम्हारे घर या स्कूल के आसपास कौन-कौन से जानवर या पक्षी नज़र आते हैं? पता करो।

जानवर				
पक्षी				

Answer:

जानवर	गाय	बंदर	कुत्ता	घोड़ा
पक्षी	कबूतर	तोता	कौवा	कोयल

Question 1:

आओ शब्दों की अंत्याक्षरी खेलें।

अंत्याक्षरी की शुरुआत हम कर देते हैं। उसे आगे बढ़ाओ।

बाघ->घर->रूमाल->लेकिन

Answer:

बाघ->घर->रूमाल->लेकिन->नाता->तार->रात->तमगा->गाना->नाला->लाज->जीवन->नीर->रोग

Question 1:



कुछ गाड़ियों में दो पहिए होते हैं, कुछ में तीन और कुछ में चार। कक्षा में बातचीत करो और नीचे सही खानों में गाड़ियों के नाम लिखो।

दो पहिए	तीन पहिए	चार पहिए
.....		
.....		
.....		

Answer:

दो पहिए	तीन पहिए	चार पहिए
स्कूटर	छोटा टैम्पो	कार
मोटर साइकिल	आटो-रिक्शा	ट्रक
साइकिल	रिक्शा	बस

Question 1:

(क) क्या तुम बता सकते हो कि

- यह घटना किस जगह घटी?
- घटना किस दिन घटी?
- उस दिन क्या तारीख थी?

(ख) तुमने तेंदुए के बच्चे की यह खबर पढ़ी। तुम्हारे घर आस-पड़ोस या स्कूल में आनेवाले कुछ अखबारों के नाम पता करो और लिखो।

.....

.....

.....

.....

Answer:

(क)

- मुंबई के बोरीवली पार्क में यह घटना घटी थी।
- यह घटना सुबह के समय घटी थी।
- 12 मार्च के दिन यह घटना घटी थी।

(ख) नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स, दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी इत्यादि।

Question 1:

(क) तुम्हारे विचार से यह तेंदुए का बच्चा बस के पास कहाँ से पहुँचा होगा?



(ख) कुछ लोग लाठी और कुल्हाड़ी लेकर क्यों पहुँच गए थे? तुम होते तो क्या करते?

Answer:

(क) मेरे विचार से यह तेंदुए का बच्चा जंगल से भटकर मुख्य सड़क पा आ गया होगा। वहाँ खड़ी बस देखकर उसके नीचे छुप गया होगा।

(ख) कुछ लोग बाघ के बच्चे को मारने के लिए लाठी और कुल्हाड़ी लेकर पहुँचे थे। उन्हें लगा था कि यदि यह ज़िंदा रहा, तो लोगों को मार देगा। हम होते तो शायद अपनी प्राण रक्षा के लिए यही करते।

Question 1:

(क) क्या तुम अपनी कक्षा या घर की किसी घटना को एक खबर की तरह समाचार पत्र के लिए लिख सकते हो।

जगह, दिन, तारीख, लिखना मत भूलना।

यह घटना कुछ भी हो सकती है जैसे-

- किसने किससे की लड़ाई
- खोज-खोज कर मैं तो हारी, चीज़ हो गई गुम
- घर में शादी, वाह भाई वाह!
- कौन हारा कौन जीता!

(ख) यहाँ नीचे बाघ का चित्र दिया गया है। तुम भी अपनी पसंद का कोई जानवर बनाकर उसमें इसी तरह के डिज़ाइन बनाओ और रंग भरो।

(चित्र किताब में देखें)

Answer:

(क) दिल्ली, 21 फरवरी

आज हमारे घर में माताजी का सोने का हार खो गया है। माताजी ने इसके लिए मुझे दोषी ठहराया क्योंकि कल मेरे जिद्द करने पर उन्होंने इसे कुछ देर के लिए मुझे पहनने को दिया था। उन्हें लगा मैंने हार खो दिया है। मुझे यह याद था कि मैंने माताजी को हार लौटा दिया था। माताजी ने यह बात नहीं मानी। हमने सारे घर में देखा परन्तु हमें कहीं नहीं मिला। इस कारण मुझे सबसे डांट खानी पड़ी। थोड़ी देर बाद हमारी कामवाली बाई ने आकर बताया कि यह हार उन्हें कल की बची दाल के भरे बर्तन में मिला था। फिर क्या था पिताजी ने माताजी को आड़े हाथों लिया और बहुत डांटा। इसके लिए माताजी ने आकर मुझसे माफ़ी माँगी।

(ख) यह चित्र गोंडी शैली में बना है। गोंडी शैली आदिवासियों द्वारा बनायी जाने वाली शैली है। इस शैली में जानवरों को विभिन्न रंगों से चित्रित किया जाता है।



CHAPTER -13 सूरज जल्दी आना जी

Question 1:

कविता में धूप का रंग गोरा बताया गया है। तुम्हें धूप का रंग कैसा लगता है?

Answer:

मुझे धूप का रंग सुनहरा लगता है।

Question 1:

कौन-से मौसम में धूप बिल्कुल नहीं सुहाती।

तब तुम धूप से बचने के लिए क्या-क्या करती हो?

- छाता लेकर जाते हैं।
-
-
-
-

Answer:

गर्मी के मौसम में हमें धूप बिल्कुल नहीं सुहाती है। धूप से बचने के लिए निम्नलिखित कार्य करते हैं-

- छाता लेकर जाते हैं।
- साथ में पानी लेकर जाते हैं।
- सिर को कपड़े से ढक कर रखते हैं।
- सनस्क्रीम लगा कर ही बाहर जाते हैं।
- सूती कपड़े पहनते हैं।

Question 1:

नीचे दिए शब्दों के आगे चार-चार शब्द लिखे हैं। इन चारों में से एक-एक शब्द अलग है। बताओ कि अलग शब्द कौन-सा है? वह शब्द बाकी सबसे अलग क्यों है?

बारिश- पानी, गीला, बादल, पटना

घर- दरवाज़ा, खिड़की, साबुन, दीवार

सूरज- धरती, धूप, पसीना, गरमी

कटोरी- कहाड़ी, तश्तरी, चूल्हा, गिलास



Answer:

बारिश-	पानी, गीला, बादल	पटना इसलिए अलग है क्योंकि यह शहर का नाम है।
घर-	दरवाज़ा, खिड़की, दीवार	साबुन इसलिए अलग है क्योंकि यह नहाने के काम आता है। बाकी सब मकान के हिस्से हैं।
सूरज-	धूप, पसीना, गरमी	धरती इसलिए अलग है क्योंकि इसका सूरज से कोई संबंध नहीं है।
कटोरी-	कड़ाही, तश्तरी, गिलास	चूल्हा इसलिए अलग है क्योंकि यह खाना बनाना के काम आता है। बाकी सब बर्तन हैं।

Question 1:

- अगर धूप न हो तो क्या होगा?

.....

.....

- अगर हवा न हो तो क्या होगा?

.....

.....

- अगर पानी न हो तो क्या होगा?

.....

.....

- अगर पेड़-पौधे न हों तो क्या होगा?

.....

.....

Answer:

- अगर धूप न हो तो पेड़-पौधे और हम मर जाएँगे। धूप से पेड़-पौधे भोजन बनाते हैं तथा हमारे शरीर को महत्वपूर्ण विटामिन प्राप्त होता है।
- अगर हवा न हो तो सभी साँस नहीं ले पाएँगे और सारे मर जाएँगे।
- अगर पानी न हुआ, तो हम सब मर जाएँगे क्योंकि पानी पृथ्वी के हर प्राणी की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।
- अगर पेड़-पौधे न हो तो हम सबको भोजन प्राप्त नहीं होगा। सभी एक-दूसरे को मारने लगेंगे। वातावरण में प्रदूषण फैल जाएगा हमें शुद्ध हवा नहीं मिल पाएगी। अतः इन कारणों से सभी मर जाएँगे।

Question 1:

सूरज का अभी आने का मन नहीं है। वह बच्चों को क्या बहाने बनाकर मना करेगा?

आज



Answer:

आज मेरी तबीयत ठीक नहीं है। मैं ठंडा पड़ गया हूँ और मेरी सारी रोशनी चली गई है। यही कारण है कि मैं नहीं आ पा रहा हूँ।

Question 1:

कुहासे का मतलब है कोहरा या धुँध। कोहरा किस मौसम में छा जाता है?

Answer:

कोहरा सर्दी के मौसम में छा जाता है।

Question 1:

मान लो कल स्कूल से घर आते हुए तुम तेज़ बारिश में भीग गई। तुम इन्हें कहाँ सुखाओगी?

- कमीज़
- बस्ता
- जूते

Answer:

- कमीज़- इसे घर के आँगन में तार में सुखाऊँगी। यदि धूप होगी, तो यह एक से दो घंटे में सूख जाएगी।
- बस्ता- इसे घर के आँगन में तार में सुखाऊँगी। यदि धूप होगी, तो इसे सूखने में पूरा दिन लगेगा।
- जूते- इसे आँगन में वहाँ रख दूँगी जहाँ धूप अच्छी आ रही हो। इसे सूखे में दो दिन लगेंगे।

Question 1:

फ़ीता-फीका

फ़ीता और फीका दोनों शब्दों में अंतर है न! इन्हें बोला भी अलग-अलग तरह से जाता है। पहले फ़ी में बिंदी लगी है जबकि दूसरे फी में बिंदी नहीं है। नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। उन्हें बोल और सुनकर अंतर समझो। दोनों तरह का एक-एक शब्द खुद भी जोड़ो

काफ़ी	फिर
सफ़ेद	फैलना
तारीफ़	फटना
—	—

Answer:

काफ़ी	फिर
सफ़ेद	फैलना
तारीफ़	फटना
शरीफ़	फूल



CHAPTER -14 नटखट चूहा

Question 1:

- (क) दर्ज़ी चूहे की किस बात से डर गया?
- (ख) चूहा टोपी क्यों पहनना चाहता था?
- (ग) चूहा टोपी पर सितारे क्यों लगवाना चाहता था?
- (घ) दर्ज़ी ने चूहे की टोपी सिलने से क्यों मना कर दिया?

Answer:

- (क) चूहे ने दर्ज़ी को कहा कि वह रात को अपनी सेना लेकर आएगा और उसके सारे कपड़े कुतर डालेगा। उसकी यह बात सुनकर दर्ज़ी डर गया।
- (ख) चूहा स्वयं को अच्छा दिखाने के लिए टोपी पहनना चाहता था।
- (ग) चूहे की टोपी सिलने के बाद सादी लग रही थी। वह उसे सुंदर बनाना चाहता था इसलिए उसमें सितारे लगवाना चाहता था।
- (घ) दर्ज़ी को लगा होगा कि एक छोटा-सा चूहा क्या कपड़े पहनेगा इसलिए उसने टोपी सिलने से मना कर दिया।

Question 1:

- (क) बारिश के मौसम में ऐसा क्या होता है जिससे चूहा अपने बिल में से निकल नहीं पाया होगा?
- (ख) क्या तुम्हें भी चूहा नटखट लगा? क्यों?
- (ग) कपड़े वाले ने, दर्ज़ी ने, सितारे वाले ने चूहे की बात पर ध्यान नहीं दिया। तुम्हें इसका क्या कारण लगता है?

Answer:

- (क) बरसात के कारण सड़कों पर चारों तरफ़ पानी ही पानी भर गया होगा इसलिए चूहा अपने घर से नहीं निकल पाया होगा।
- (ख) 'हाँ' चूहा हमें भी नटखट लगा। उसने अपने नटखटपन से राजा, दुकानदार, दर्ज़ी तथा सितारे वाले तक को परेशान कर दिया था।
- (ग) कपड़े वाले ने, दर्ज़ी ने तथा सितारे वाले ने चूहे की बात पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि वह छोटा सा जीव था। उन्हें लगा होगा कि यह हमारा क्या बिगाड़ लेगा।

Question 1:

- (क) चूहा राजा के दरबार में गया।
- (ख) दर्ज़ी ने चूहे की टोपी सिल दी।
- (ग) चूहा दुकानदार के पास सितारे लेने गया।
- (घ) चूहे को रेशमी कपड़े की कतरन मिली।



- (ङ) चूहा सिंहासन पर बैठ गया।
(च) चूहा तैयार होकर शहर की तरफ़ निकल पड़ा।

Answer:

- (क) चूहा तैयार होकर शहर की तरफ़ निकल पड़ा।
(ख) चूहे को रेशमी कपड़े की कतरन मिली।
(ग) दर्जी ने चूहे की टोपी सिल दी।
(घ) चूहा दुकानदार के पास सितारे लेने गया।
(ङ) चूहा राजा के दरबार में गया।
(च) चूहा सिंहासन पर बैठ गया।

Question 1:

पिछले साल तुमने अँगूठे की छाप से चिड़िया, अनार, गठरी, कठपुतली बनाई थी। अँगूठे की छाप से अपनी पसंद के कुछ और चित्र बनाओ।

Answer:

इसे विद्यार्थी स्वयं करके देखें।

Question 1:

चूहा अपने कामों के लिए बहुत से लोगों के पास गया। इन कामों के लिए तुम किसके पास जाओगे?

काम	नाम
कपड़ा खरीदने	
लकड़ी की कुर्सी बनवाने	
किताब पर जिल्द चढ़वाने	
बाल कटवाने	
मोहल्ले की रखवाली करवाने	
मिट्टी के दीए और सुराही खरीदने	
माँ की घड़ी ठीक करवाने	

Answer:

काम	नाम
कपड़ा खरीदने	कपड़े बेचने वाले दुकानदार के पास
लकड़ी की कुर्सी बनवाने	बढ़ई के पास
किताब पर जिल्द चढ़वाने	पुस्तक विक्रेता के पास
बाल कटवाने	नाई के पास
मोहल्ले की रखवाली करवाने	चौकीदार के पास
मिट्टी के दीए और सुराही खरीदने	कुम्हार के पास
माँ की घड़ी ठीक करवाने	घड़ीसाज़ के पास



Question 1:

खाली जगह भरो।

- इस कमरे में दो हैं। (खिड़की)
- बुआ समीना के लिए ढेरों लाई। (कॉपी)
- मैदान में फुटबॉल खेल रही हैं। (लड़की)
- गोविंद तेज़ी से चढ़ रहा था। (सीढ़ी)
- गंदी जगह पर भिनभिनाती रहती हैं। (मक्खी)

Answer:

- इस कमरे में दो खिड़कियाँ हैं। (खिड़की)
- बुआ समीना के लिए ढेरों कॉपियाँ लाई। (कॉपी)
- लड़कियाँ मैदान में फुटबॉल खेल रही हैं। (लड़की)
- गोविंद तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ रहा था। (सीढ़ी)
- गंदी जगह पर मक्खियाँ भिनभिनाती रहती हैं। (मक्खी)

Question 1:

(क) तुम बजाज होते तो चूहे को कपड़ा देते या नहीं? क्यों?

(ख) चूहा राजा बनकर देखना चाहता था। तुम्हारे विचार से राजा दिन भर क्या करते होंगे?

(ग) तुम चूहा बनना पसंद करोगे या राजा? क्यों?

Answer:

(क) यदि मैं बजाज होता तो चूहे को कपड़ा दे देता क्योंकि कपड़ा नहीं देकर मेरा बहुत नुकसान होता है। थोड़ा-सा कपड़ा देने में मेरा नुकसान नहीं होता।

(ख) राजा दिनभर प्रजा की देखभाल व सुरक्षा संबंधी बातों पर विचार-विमर्श करते होंगे। उन पर पूरी प्रजा की देखभाल और सुरक्षा की ज़िम्मेदारी होती होगी। अतः वह इन्हीं सभी कामों में उलझे रहते होंगे।

(ग) मैं चूहा बनना पसंद करूँगा। राजा का जीवन बहुत कठिन होता है। उसकी अधिकतर उम्र युद्ध करने में ही बीत जाती है। वह अपने राजमहल तक में सुरक्षित नहीं रहता है। उसके विद्रोही उसे मारने को आतुर रहते हैं। अतः वह कैदी जैसा जीवन जीता है। चूहा एक स्वतंत्र प्राणी होता है। इसलिए मैं चूहा बनाना चाहता हूँ।

Question 1:

दर्जी अपने काम में कैंची, फ़ीते, मशीन, धागे आदि का इस्तेमाल करता है। ये लोग किन चीज़ों की मदद से अपना काम करते हैं-

बढ़ई
रसोइया

.....
.....

.....
.....



डॉक्टर
कुम्हार
चित्रकार
किसान

.....
.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....

Answer:

बढ़ई
रसोइया
डॉक्टर
कुम्हार
चित्रकार
किसान

आरी
करछी
स्टेथोस्कोप
चाक
रंग
हल

हथौड़ा
चिमटा
दवाइयाँ
मिट्टी
ब्रश
बैल

Question 1:

दर्जी शब्द में र की आवाज़ है जिसे ऊपर (५) निशान लगाकर लिखा जाता है। ऐसे ही कुछ और शब्द लिखो।

.....
.....

.....
.....

.....
.....

Answer:

मर्ज़ी
घर

सर्दी
धर्म

गर्मी
कर्म

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App

India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -15 एक्की-दोक्की

Question 1:

- (क) क्या बूढ़ी अम्मा पहले से जानती थीं कि एक्की और दोक्की उनके घर आने वाली हैं? तुम्हें कैसे पता चला?
- (ख) दोक्की का मेहँदी की झाड़ी और गाय पर ध्यान क्यों नहीं गया?
- (ग) एक्की ने झाड़ी और गाय की मदद कैसे की?

Answer:

- (क) हाँ बूढ़ी अम्मा पहले से जानती थीं कि एक्की और दोक्की उनके घर आने वाली हैं। बूढ़ी अम्मा ने एक्की तथा दोक्की के लिए पहले से नहाने का पानी और तेल रखा था। इससे हमें पता चला।
- (ख) दोक्की को बाल पाने की जल्दी थी इसलिए उसे मेहँदी की झाड़ी और गाय पर ध्यान नहीं दिया।
- (ग) एक्की ने प्यासी झाड़ी को पानी पिलाया और भूखी गाय को घास खिलाकर मदद की।

Question 1:

- (क) मेहँदी की झाड़ी ने एक्की को लगाने को मेहँदी दी। मेहँदी की झाड़ी से लगाने के लिए मेहँदी कैसे तैयार की जाती है? पता करो और सही क्रम में लिखो।

पहले मेहँदी की झाड़ी से

.....

.....

.....

.....

- (ख) मेहँदी जब रची जाती है तब उसका रंग गाढ़ा होता है और धीरे-धीरे फीका पड़ता जाता है। किन-किन चीज़ों का रंग कुछ समय बाद फीका हो जाता है?

मेहँदी सूती कपड़े

.....

- (ग) नीचे दी गई जगह में अपनी हथेली को रखो। अब इसके चारों ओर पेंसिल फिराओ। लो बन गया तुम्हारा हाथ। मेहँदी से जो डिज़ाइन तुम अपनी हथेली पर बनाना चाहते हो वह बनाओ।



Answer:

(क) पहले मेहँदी की झाड़ी से मेहँदी के पत्ते तोड़ते हैं। उसके बाद उन्हें अच्छी तरह से धो लेते हैं। उसके पश्चात सिलबट्टे पर उन्हें पानी के साथ पीस लेते हैं। बस मेहँदी तैयार है। इसे आप हाथों पर या सिर पर लगा सकते हो।

(ख) सूती कपड़ों का, रंगीन कागज़ों का।

(ग)



Question 1:

कहानी में दोनों बहनों का नाम उनके बालों की संख्या पर पड़ा। सोच कर खाली जगह में नाम लिखो।

बालों की संख्या	पूरा नाम	छोटा नाम
1	एककेसवाली	एक्की
2	दोकेसवाली	दोक्की
100		
0		

Answer:

बालों की संख्या	पूरा नाम	छोटा नाम
1	एककेसवाली	एक्की
2	दोकेसवाली	दोक्की
100	सौकेसवाली	सौक्की
0	शून्यकेसवाली	शून्यक्की

Question 1:

नीचे कुछ वाक्य लिखे हैं। हर वाक्य में एक मोटा शब्द छपा है, उनकी मदद से तुम अपने मन से सोचकर वाक्य बनाओ और कक्षा में बताओ।

- जंगल में चारों तरफ़ सन्नाटा था।

- बाबा को सोचने की **फुर्सत** ही कहाँ, काम में जो उलझे रहते थे।
- वह **सरपट** घर की तरफ़ दौड़ चली।
- मेहँदी की झाड़ी **मुरझा** गई थी।

Answer:

- सन्नाटे के कारण हमें डर लगा रहा था।
- फुर्सत के क्षणों में ही मैं कविता लिखता था।
- माँ सरपट चली आई।
- माँ को खाली हाथ आता देखकर रमा का चेहरा मुरझा गया।

Question 1:

एक्की ने देखा कि एक मरियल-सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी। **एक्की**, गाय और पेड़ नाम वाले शब्द हैं।

देखा और बँधी काम वाले शब्द हैं।

कहानी में से ऐसे पाँच-पाँच शब्द और छाँटकर लिखो।

नाम वाले शब्द

काम वाले शब्द

Answer:

नाम वाले शब्द

दोक्की
माँ
रस्सी
घास
मेहँदी

काम वाले शब्द

खोला
डाला
बह
लगी
रुकी

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययनमंत्र) YouTube Channel

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



Chapter 1 - ऊँट चला

कविता का सारांश

प्रस्तुत कविता 'ऊँट चला प्रयाग शुक्ल द्वारा रचित है। इस कविता में कवि ने एक ऊँट के क्रियाकलापों का वर्णन किया है। कवि कहता है कि ऊँचा ऊँट हिलता डुलता चला जा रहा है। ऊँची गर्दन तथा ऊँची पीठ उठाए ऊँट चल रहा है। ऊँट बोझ लेकर बालू में भी चल सकता है। कवि कहता है कि जब ऊँट थककर बैठेगा तो यह किस करवट बैठेगा, किसी को नहीं मालूम।

Chapter 2 - भालू ने खेली फुटबॉल

कहानी का सारांश

सर्दियों का मौसम था। चारों तरफ कोहरा छाया हुआ था। एक शेर का बच्चा गोल-मटोल बनकर जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था। तभी एक भालू सैर करता हुआ जामुन के पेड़ के नीचे जा पहुँचा। वहाँ उसने जामुन के पेड़ के नीचे शेर के बच्चे को पड़ा देखा। उसने शेर के बच्चे को समझा कि यह फुटबॉल है। उसने जोर से अपने पैरों से उसे उछाल दिया। घबराया शेर का बच्चा दहाड़ा और उसने पेड़ की एक डाल पकड़ ली। परंतु डाल टूट गई। भालू को मामला समझ में आ गया। उसने दौड़कर फुर्ती से शेर के बच्चे को पकड़ लिया। किंतु यह क्या? शेर का बच्चा भालू को फिर से उछालने के लिए कह रहा था। इस प्रकार से, भालू ने शेर के बच्चे को एक नहीं, दो नहीं, बल्कि कई बार अपने पैरों से मारकर उछाला। शेर के बच्चे को उछालने में मजा आ रहा था, किंतु भालू थककर परेशान हो गया था। बारहवीं बार शेर के बच्चे को उछालकर भालू अपने घर की ओर भाग खड़ा हुआ। इस बार शेर का बच्चा धड़ाम से जमीन पर आ गया और पेड़ की डाल भी टूट गई। पेड़ की टूटी डाली देखकर माली शेर के बच्चे पर बरस पड़ा और उससे हर्जाने की माँग करने लगा। शेर के बच्चे ने माली से कहा कि ठीक हो जाने पर मैं तुम्हें हर्जाना दे दूँगा। माली ने कहा कि ठीक है, मैं अभी आती हूँ। माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो गया। उसने सोचा कि जान बची तो लाखों पाए।

Chapter 3 - म्याऊँ म्याऊँ !!

कविता का सारांश

'म्याऊँ म्याऊँ' शीर्षक कविता के कवि धर्मपाल शास्त्री हैं। इस कविता में कवि ने एक छोटी बच्ची के मन में एक चुहिया के प्रति उपजे डर का वर्णन किया है। एक चुहिया ने एक सोई हुई बच्ची की नाक की नोक पर चूँटी काट ली। लड़की बिलख-बिलखकर रोने लगी। वह सामने चुहिया को देखकर डर के मारे काँपने लगी। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। तभी उसे चुहिया को डराने की एक तरकीब सूझी। वह चुहिया को डराने के लिए बिल्ली की आवाज़ में म्याऊँ म्याऊँ करने लगी।



Chapter 4 - अधिक बलवान कौन?

एक बार हवा और सूरज में बहस छिड़ गई। हवा ने सूरज से कहा- मैं तुमसे अधिक बलवान हूँ। सूरज ने हवा से कहा- मुझमें तुमसे ज्यादा ताकत है। इतने में हवा की नज़र एक आदमी पर पड़ी। हवा ने कहा- इस तरह बहस करने से कोई फ़ायदा नहीं है। जो इस आदमी का कोट उतरवा दे, वहीं ज्यादा बलवान है।

सूरज हवा की बात मान गया। उसने कहा- ठीक है। दिखाओ अपनी ताकत। हवा ने अपनी ताकत दिखानी शुरू की।

आदमी की टोपी उड़ गई। कोट उसने अपने दोनों हाथों से शरीर से लपेटे रखा और जल्दी-जल्दी कोट के बटन बंद कर लिए। हवा और ज़ोर से चलने लगी। अंत में आदमी नीचे ही गिर पड़ा, पर कोट उसके शरीर पर ही रहा। अब हवा थक गई थी।

सूरज ने कहा- हवा, अब तुम मेरी ताकत देखो। सूरज तपने लगा। आदमी ने कोट के बटन खोल दिए। सूरज की गर्मी और बढ़ी। आदमी ने कोट उतार दिया और उसे हाथ में लेकर चलने लगा। सूरज ने कहा- देखी मेरी ताकत? उतरवा दिया न कोट? हवा ने सूरज को नमस्कार किया और कहा- मान गई तुम्हारी ताकत को।

Chapter 5 - दोस्त की मदद

कहानी का सारांश

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था। तालाब के पास माँद में रहने वाली एक लोमड़ी से उसकी दोस्ती हो गई। एक दिन दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे कि अचानक एक तेंदुआ वहाँ आएगी। दोनों वहाँ से जान बचाकर भागे। लोमड़ी तो सरपट दौड़ती हुई अपनी माँद में पहुँच गई, किंतु धीमी चाल के कारण कछुआ तालाब तक नहीं पहुँच पाया। तेंदुए ने छलाँग लगाकर कछुए को पकड़ लिया। तेंदुए ने अपने दाँतों तथा नाखूनों से उसे खाना चाहा, किंतु सफल नहीं हो पाया क्योंकि कछुए की खोल बहुत मोटी थी। उसके सख्त खोल पर खरोंच तक नहीं आई। लोमड़ी अपनी माँद से यह सब देख रही थी। उसने कछुए को बचाने की एक तरकीब सोची। उसने तेंदुए से कहा- तेंदुआ जी, कछुए की खोल को तोड़ने का सबसे आसान तरीका यह है कि इसे पानी में फेंक दो। पानी में इसका खोल नरम हो जाएगा। चाहे तो आजमाकर देख लो! तेंदुए ने लोमड़ी की बात मानकर कछुए को पानी में फेंक दिया। इस प्रकार, कछुआ पुनः पानी में पहुँच गया और उसकी जान बच गई।

Chapter 6 - बहुत हुआ

कवि हरीश निगम हैं। इस कविता में कवि ने वर्षा के कारण बच्चों को होने वाली बच्चों के माध्यम से कवि कहता है कि हे बादल भइया, अब पानी बरसाना बंद करो। कारण घर के चूने से हम सब को नानी याद आ गई है। हम कहाँ जाएँ और कहाँ खेलें। चारों तरफ कीचड़ और पानी है। घर में फँसकर हमारी स्थिति पिंजरे में बंद सुग्गे (तोते) की तरह हो गई है। बच्चे सूरज दादा से प्रार्थना करते हैं कि वे जल्दी धूप खिलाएँ। बच्चे अपने दोस्तों से कहते हैं कि सब मिलकर सड़कों से पानी हटने की दुआ करें।



Chapter 7 - मेरी किताब

माँ ने वीरू को एक संदेश देकर अपनी बहन के पास भेजा। मौसी प्यार से वीरू को अंदर ले गई। बैठक में जाते ही वीरू अचरज से ठिठक गई। बैठक में नीचे से ऊपर तक किताबों से भरे खानों वाली दो लंबी दीवारें थीं। वीरू इन किताबों को आँखें फाड़-फाड़ कर देखती रही। बाद में साहस करके वीरू ने मौसी से पूछा- क्या आपके पास बच्चों के लिए भी किताबें हैं? मौसी ने वीरू को ढेर सारी किताबें दिखाई और कहा कि जिस तरह की किताबें तुम्हें पसंद हैं, मैं तुम्हें दे सकती हूँ। वीरू ने अपनी मौसी से कहा कि मुझे नहीं मालूम कि मुझे कौन- सी किताब पसंद है।

सब गौशी ने वीरू को एक किताब पकड़ाई और उसे पढ़ने के लिए कहा। वीरू इतनी मोटी किताब देखकर घबरा बहुत बड़ी है। मिरे बस्ते में नहीं यह गई। मौसी ने उसे एक दूसरी किताब दी, इस पर वीरू, बोली- यह बहुत बड़ी है। मेरे बस्ते में नहीं आएगी। तब मौसी ने वीरू को एक तीसरी किताब दिखाई और पूछा- इसके बारे में क्या ख्याल है? वीरू ने किताब देखते हुए कहा कि यह किताब बहुत पतली है और इसमें पढ़ने के लिए भी बहुत कम है। इसकी तस्वीरें भी छोटी-छोटी हैं।

तब तंग आकर मौसी ने कहा- मैं तुम्हारे लिए किताबें नहीं चुन सकती। अगली बार जब तुम आओ तो अपने साथ एक फुट्टा लेती आना। वीरू ने आश्चर्य से पूछा- फुट्टा, क्यों? मौसी ने हँसकर कहा कि तुम्हें जितनी मोटी किताब चाहिए, उसे नापकर ले लेना। मौसी का जवाब सुनकर वीरू ने माँ के भेजे हुए कागज़ को मेज़ पर रखा और भाग खड़ी हुई।

Chapter 8 तितली और कली

'तितली और कली शीर्षक कविता की कवयित्री शोभा देवी मिश्र हैं। इस कविता में कवयित्री कहती हैं कि पौधे की हरी डाल पर एक नन्ही सुंदर-सी कली लगी हुई थी। एक तितली ने उस कली के पास आकर कहा कि तुम बड़ी सुंदर लग रही हो। अब तुम जागो, अपनी आँखें खोलो और हमारे संग खेलो। अपनी सुगंध गली-गली में फैलाओ। खेलने की बात सुनकर कली छिटककर खिल उठी। कली को खिलता देख कर तितली उसे छूने के लिए चल पड़ी।

Chapter 9 बुलबुल

प्रस्तुत पाठ में बुलबुल चिड़िया के विषय में जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि बुलबुल की पहचान हम कैसे कर सकते हैं। जो चिड़िया काफ़ी तेज़ आवाज़ में बोलती है और उसकी पूँछ के नीचे वाली जगह लाल होती है, तो समझना चाहिए कि वह चिड़िया बुलबुल है। बुलबुल की पूँछ के सिरे का रंग सफेद होता है। उसका बाकी शरीर भूरा और सिर का रंग काला होता है। बुलबुल तेज़ आवाज़ में बोलती है तथा उसे मनुष्य से बिलकुल ही डर नहीं लगता।



किसी किसी बुलबुल के सिर पर काले रंग की कलगी होती है। उसे 'सपाही' बुलबुल कहते हैं। बुलबुल पीपल या बरगद के पेड़ पर कीड़े ढूँढकर खाती है तथा सब्जी और फल भी खाती है। वह अमरूद या मटर के खेत पर हमला भी करती की पतली बड़ी से बनाती है।

बुलबुल अपना घोंसला सूखी हुई घास तथा छोटे पौधों की पतली जड़ों से बनाती है। उसका घोंसला एक सुंदर कटोरे के जैसा दिखता है। बुलबुल एक बार में दो या तीन अंडे देती है। उसके अंडे हल्के गुलाबी रंग के होते हैं। इन अंडों व ध्यान से देखने पर कुछ लाल, कुछ भूरी और कुछ बैंगनी बिंदिया दिखाई देती है।

Chapter 10 मीठी सारंगी

एक गाँव में एक सारंगीवाला आया। वह सारंगी बहुत अच्छी बजाता था। एक रात जब उसने अपनी सारंगी बजानी शुरू की तो गाँववाले इकट्ठे हो गए। सभी सारंगीवाले की प्रशंसा करने लगे। गाँववाले कहने लगे- कैसी मीठी सारंगी है? अब कितना आनंद आ रहा है। पास ही भोला नामक एक व्यक्ति बैठा हुआ था। वह सोचने लगा- यदि सारंगी मीठी तो उसका मुँह मीठा क्यों नहीं हुआ? सारे गाँववाले झूठ बोल रहे हैं। थोड़ी देर के बाद वह सारंगीवाले के पास बैठ गया, ताकि उसका मुँह मीठा हो सके। रात के तीन-चार बजे सारंगीवाले ने गाना-बजाना बंद कर दिया। गाँववाले पुनः मीठी सारंगी की प्रशंसा करने लगे। उनकी बात सुनकर भोला ने सोचा- सारे गाँववाले झूठ नहीं बोल सकते। रात में गाँववाले सो गए तथा सारंगी वाला भी अपनी सारंगी को सिरहाने रखकर सो गया। तब भोला चुपके से उठा तथा उसने सारंगी उठा ली और उसे चुपके से चाटा।

पर उसे कुछ भी मिठास नहीं प्राप्त हुआ। फिर उसने सारंगी के छेद को मुँह के पास ले जाकर उसे उड़ेली। पर सारंगी से एक भी मीठी बूंद नहीं निकली। वह गाँववालों की बेवकूफी पर बहुत झुंझलाया और सारंगी को गाँव के बाहर ले जाकर फेंक दिया। सवेरा होने पर जब सब लोगों ने सारंगी को अपने स्थान पर नहीं पाया तो बड़े ही दुखी हुए। लोग कहने लगे कि बड़ी ही मीठी सारंगी थी, पता नहीं कौन ले गया। गाँववालों की बात सुनकर भोला बिफर पड़ा- क्या खाक मीठी थी। मैंने तो उसे अच्छी तरह चाटा भी था। उसमें जरा-सी भी मिठास नहीं थी। तुम लोग झूठ-मूठ ही बाबा जी की तारीफ़ कर रहे थे। लोगों ने पूछा कि सारंगी कहाँ है तो उसने कहा कि गाँव के बाहर पड़ी है। गाँववालों ने भोला की बेवकूफी पर सिर पीट लिया।

Chapter 11 टेसू राजा बीच बाज़ार

निरंकार देव 'सेवक' द्वारा रचित कविता 'टेसू राजा बीच बाजार' एक लोकगीत पर आधारित कविता है। इस कविता में टेसू राजा बाजार में अनार ले रहे हैं। वे प्रश्न करते हैं कि अनार में कितने दाने हैं, तो उन्हें उत्तर मिलता है कि जितने कंबल में खाने हैं। तब कंबल में कितने खाने हैं, इसको भला भेड़ क्यों बताने लगी? एक झुंड में उतनी ही भेड़ें होती जितने कि एक पेड़ पर पत्ते। अब टेसू राजा प्रश्न करते हैं कि एक पेड़ पर कितने पत्ते होते हैं, तो इसका उत्तर मिलता है कि जितने गोपी के घर कपड़े। गोपी के घर उतने ही कपड़े हैं, जितने कलकत्ते में कुत्ते हैं। निष्कर्ष निकलता है कि कुल बीस लाख तेईस हजार दाने वाला एक अनार है। टेसू राजा कहते हैं कि मुझे भी चार अनार दे दो।



Chapter 12 बस के नीचे बाघ

बस के नीचे बाघ किसी जंगल में एक छोटा बाघ खेल रहा था। खेलते-खेलते वह जंगल के पासवाली सड़क पर निकल आया। वहाँ एक बस खड़ी थी। बस का दरवाजा खुला था। बाघ अपने पंजे को सीढ़ी पर रखकर बस के भीतर देखने लगा। उसने देखा कि बस के भीतर आगे की तरफ से घर-घर की आवाज़ आ रही है और उसके पास एक आदमी बैठा है। बाघ ने देखा कि उस आदमी के सामने एक दीवार में से बाहर की हर चीज़ साफ़ दिखाई दे रही है। बाघ ने देखा कि बस में कई लोग बैठे हैं। आगेवाली सीट पर छोटी लड़कियाँ बैठी थीं। बाघ को लगा कि लोग उससे डर रहे हैं और उसे भगाना चाहते हैं।

हर कूद गया। बाकी लोग भी बस तभी सामने की सीट पर बैठा आदमी दरवाजा खोलकर बाहर कूद गया। बाकी लोग भी बस के पीछेवाले दरवाजे से बाहर भागने लगे। लोगों को भागता देखकर बाघ घबरा गया और बस के आगेवाले पहिये के पास जाकर दुबक गया।

किंतु वहाँ उसे अच्छा नहीं लगा। थोड़ी देर के बाद वह बाहर निकला तथा बस के सामने वाली सीट पर बैठकर बाहर देखने लगा। सामने से काफी लोगों से भरी बस आ रही थी। बाघ सोचने लगा कि आखिर उसे देखकर लोग क्यों भाग गए।

Chapter 13 सूरज जल्दी आना जी

प्रस्तुत कविता सूरज जल्दी आना जी के कवि रमेश तैलंग हैं। इस कविता में बच्चे सूरज से जल्दी निकलने का आग्रह कर रहे हैं। बच्चे कह रहे हैं कि चारों तरफ कुहासा (कोहरा) फैला है तथा आर-पार कुछ भी दिखाई नहीं पड़ रहा। क्या ऐसे कोई किसी के घर टिकता है? बच्चे सूरज से सच सच बताने के लिए कह रहे हैं। कल की बारिश में जो कपड़े भीग गए थे, वे अब तक गीले हैं। दीवार तथा दरवाजे सब-के-सब सीले हैं। बच्चे सूरज से कह रहे हैं कि बहाना छोड़कर जल्दी आ जाओ।

Chapter 14 नटखट चूहा

एक बड़ा ही नटखट, शरारती तथा चालाक चूहा था। वह हमेशा कुछ-न-कुछ शरारत करता रहता था। एक दिन उसने सोचा- बारिश के कारण बिल में रहते बहुत दिन हो गए। आज मैं शहर जाऊँगा। यह सोचकर नटखट चूहा झटपट तैयार होकर शहर की तरफ चल पड़ा। रास्ते में उसे एक कपड़े की दुकान दिखाई पड़ी। वह चुपचाप दुकान के अंदर चला गया। दुकानदार ने जब चूहे को देखा तो उसने चूहे से पूछा कि वह उसकी दुकान में क्या कर रहा है। चूहे दुकानदार को बताया कि वह अपनी टोपी के लिए कुछ कपड़ा खरीदने आया है। दुकानदार ने कहा कि वह चूहे को कुछ भी नहीं बेचता। इस पर चूहा क्रोधित हो उठा तथा एक गीत गाने लगा रातों रात मैं आऊँगा अपनी सेना लाऊँगा तेरे कपड़े कुतरूँगा।



यह सुनकर दुकानदार डर गया और उसने चूहे को रेशमी कपड़े का एक टुकड़ा दे दिया। कपड़े का टुकड़ा लेकर चूहा दर्जी की दुकान में जा पहुँचा। चूहे ने दर्जी को रेशमी कपड़ा दिया और एक अच्छी टोपी सिल देने को कहा। दर्जी ने चूहे को डाँटा और कहा कि इसके लिए उसके पास समय नहीं है। इस पर चूहा गुस्से में फिर वही गीत गाने लगा। इस पर दर्जी भी घबरा गया। उसने डर कर तुरंत चूहे के लिए एक सुंदर-सी टोपी तैयार कर दी। नटखट चूहे ने उस टोपी को पहना और आइने में अपने चेहरे को निहारा। यह टोपी तो एकदम सादी है। मैं इस पर चमकीले सितारे लगवाऊँगा चूहे ने सोचा। चूहा कूदता-फाँदता एक छोटी-सी दुकान में पहुँचा, जहाँ सुनहरे तथा रुपहले सितारे बिक रहे थे। चूहे ने दुकानदार से कहा कि मैं अपनी टोपी के लिए सुनहरे और रुपहले सितारे खरीदने आया हूँ। इस पर दुकानदार ने क्रोधित होकर कहा कि यहाँ से भाग जाओ, मुझे बेवकूफ बनाने की कोशिश मत करो। इस पर चूहे ने गुस्से में इस वाक्य को दोहराया रातों-रात मैं आऊँगा अपनी सेना लाऊँगा सारे सितारे बिखेरूँगा।

चूहे की इस धमकी से दुकानदार डर गया उसने चूहे से कहा कि वह उसकी टोपी में रंग-बिरंगे सितारे टाँक देगा। जब टोपी तैयार हो गई तो चूहे ने टोपी पहनकर खुद को आइने के सामने निहारा। उसने सोचा- मैं किसी राजा से कम नहीं लग रहा। चलकर अपनी चमकीली टोपी राजा को दिखाता हूँ। चूहा राजा के पास जा पहुँचा। उसने राजा से पूछा कि वह कैसा लग रहा है। इस पर राजा ने उत्तर दिया- वाह ! तुम तो एकदम राजकुमार लग रहे हो। इस पर चूहा झटपट बोला- अच्छा, तो फिर उतरो सिंहासन से। यहाँ मैं बैठेगा। यह सुनकर राजा चूहे पर हँसी। उसने चूहे से भाग जाने को कहा। उसने कहा कि यह सिंहासन चूहे के लिए नहीं है। केवल राजा ही इस पर बैठ सकता है। इस पर चूहे ने कहा रातों-रात मैं आऊँगा। अपनी सेना लाऊँगा तेरे कान कुतरूँगा।

यह सुनकर राजा डर से काँपने लगा। उसने सोचा, चूहों की फ़ौज तो पूरे महल को तहस-नहस कर देगी। भयवश उसने चूहे को सिंहासन पर बैठने की अनुमति दे दी। चूहा काफी देर तक सिंहासन पर बैठा रहा। फिर खुशी-खुशी घर की ओर चल पड़ा। उसने अपनी चमकीली टोपी अपने सभी साथियों को दिखाई। उसके सभी साथी उसकी कहानी सुनना चाहते थे।

Chapter 15 एक्की - दोक्की

एककेसवाली और दोनकेसवाली नामक दो बहनें थीं। दोनों अपनी अम्मा और बाबा के साथ एक छोटे घर में रहती थीं। एककेसवाली के एक ही बाल था, इसलिए सब उसे एक्की कहकर बुलाते थे। दोनकेसवाली के दो बाल थे, इसलिए सब उसे दोक्की कहकर बुलाते थे। दोनकेसवाली बड़ी घमंडी थी। अम्मा दोनकेसवाली को दुनिया की सबसे सुंदर लड़की समझती थी। किंतु बाबा को इन चीजों के बारे में सोचने की फुरसत नहीं थी। दोक्की हमेशा अपनी बहन पर रौब जमाती रहती थी। एक दिन एक्की घने जंगल में गई। चलते-चलते वह घने जंगल के बीच जा पहुँची। चारों तरफ़ सन्नाटा था। अचानक उसने एक आवाज़ सुनी-पानी ? मुझे प्यास लगी है। कोई पानी पिला दो। एक्की ने चारों तरफ़ घूमकर देखा, तो वहाँ कोई नहीं था। फिर उसने देखा कि एक सूखी हुई मुरझाई मेंहदी की एक झाड़ी के पत्ते फरफरा रहे थे। पास ही पानी की धारा बह रही थी। एक्की ने चुल्लू में पानी भरकर कई बार झाड़ी के ऊपर डाला। मेंहदी की झाड़ी ने एक्की को धन्यवाद दिया और कहा कि इस मदद को मैं हमेशा याद रखेंगी।

एक्की आगे बढ़ी तो उसने सन्नाटे में एक आवाज़ सुनी- मुझे भूख लगी है। कोई मुझे खाना खिला दो। एक्की ने देखा कि एक मरियल-सी गाय पेड़ से बँधी हुई थी। एक्की ने घास-फूस इकट्ठा करके गाय को खिलाया। उसके बाद उसने गाय के गले में बँधी रस्सी को खोल दिया। गाय ने एक्की को धन्यवाद दिया और कहा कि वह उसकी



मदद को हमेशा याद कहा वह रखेगी। कि एक्की आगे चलता बनी। वह चलते-चलते बहुत थक गई। तभी उसे दूर एक झोंपड़ी दिखाई दी। एक्की दौड़कर झोंपड़ी तक गई और आवाज़ लगाई-कोई है? एक बूढ़ी अम्मा ने दरवाजा खोला और बोली- आ गई मेरी बच्ची? मैं तुम्हारी ही राह दे अंदर आ जाओ। एक्की को झोंपड़ी में आकर बहुत अच्छा लगा। तब बूढ़ी अम्मा ने कहा- आओ बेटी, तुम्हारे लिए नहाने का पानी तैयार है। पहले अच्छी तरह से तेल लगाओ और उसके बाद नहा लो। फिर हम खाना खाएँगे। एक्की ने बूढ़ी अम्मा की बात मान ली। फिर जैसे ही एक्की ने अपने सिर से तौलिया। हटाया, उसके सिर पर एक नहीं बहुत सारे बाल थे। एक्की की खुशी का ठिकाना न था। उसने बूढ़ी अम्मा को धन्यवाद किया। बूढ़ी अम्मा ने मुस्कराते हुए कहा- अब तुम घर जाओ बेटी और हमेशा खुश रहो एक्की सरपट अपने घर की तरफ चल पड़ी। रास्ते में उसे गाय ने मीठा-मीठा दूध दिया तथा झाड़ी ने हाथों पर रचाने के लिए मेंहदी दी।

घर पहुँचकर एक्की ने जब सारी कहानी सुनाई तो दोक्की कहानी सुनते ही सीधे जंगल की तरफ भागी। भागती दोक्की को न तो प्यासी झाड़ी की पुकार सुनाई पड़ी और न हीं भूखी गाय। वह धड़धड़ाती हुई झोंपड़ी में घुस गई और बूढ़ी अम्मा को हुक्म दिया- मेरे नहाने के लिए पानी तैयार करो। हाँ, आओ मैं तुम्हारी ही राह देख रही थी। पानी तैयार है, नहा लो। बूढ़ी अम्मा ने दोक्की से कहा। झटपट नहाने के बाद जैसे ही दोक्की ने तौलिया सिर से हटाया, उसकी चीख निकल गई। उसके बचे दो बाल भी झड़ गए थे। रोते-रोते दोक्की घर की तरफ चलने लगी। रास्ते में उसे गाय ने सींग मारा और मेंहदी की झाड़ी ने काँटे चुभो दिए। दोक्की को सबक मिल चुका था। इसके बाद एक्की- दोक्की अपने अम्मा-बाबा के साथ खुशी-खुशी रहने लगीं।

अध्ययन मंत्र
Rohit Vaidwan Notes



अध्ययन मंत्र



LIKE



SHARE



SUBSCRIBE



Connecting Platforms



Portal: live.adhyayanmantra.com

Web: www.adhyayanmantra.com

 **Rohit Vaidwan Notes**



Important links available given below:

CHILD DEVELOPMENT & PEDAGOGY BOOK:

<https://amzn.to/3w44NqC>

Selection Book- CTET & STET Bilingual Solved Practice Sets for Paper-1

<https://amzn.to/3De7ycq>

KVS MASTER BOOK FOR PRT, TGT, PGT

<https://amzn.to/3eJfNng>

KVS PASSBOOK HINDI Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3H2TTXU>

KVS PASSBOOK ENGLISH Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3ixgPVa>

यह BOOKS आपके सभी { KVS EXAM } को ध्यान में रख कर बनाई गई है

Online Batch JOIN करने के लिए

Download
Adhyayan Mantra
ConnectedApp

Available on the
Google Play





अध्ययनमंत्र



Rohit Vaidwan Notes

Quick Revision

Topic: रिमझिम CLASS -3

Scan Me & Download
Rohit Vaidwan Notes



Available Platform



Rohit Vaidwan Notes

Connecting Platforms





CONTENT

Ch. No.	Topic	Page No.
Chapter 1.	कक्कू	03
Chapter 2.	शेखीबाज़ – मक्खी	07
Chapter 3.	चांद वाली अम्मा	14
Chapter 4.	मन करता है.....	20
Chapter 5.	बहादुर बितो.....	24
Chapter 7.	टिपटिपवा.....	31
Chapter 8.	बंदर – बांट	35
Chapter 9.	अक्ल बड़ी या भैंस	40
Chapter 10.	क्योंजीमल और कैसे -कैसलिया.....	47
Chapter 11.	मीरा बहन और बाघ	52
Chapter 12.	जब मुझको साँप ने काटा	58
Chapter 13.	मिर्च का मज़ा	63
Chapter 14.	सबसे अच्छा पेड़.....	70
• Chapter wise Summary		

Disclaimer: The content team has done their best job of verify the questions, content and answers, but do not take any responsibility for its absolute accuracy.

Refrence: NCERT Text Books, Guide Books & Website (diffrent internet sources)



CHAPTER - 1 कक्कू

Question 1:

तुम्हें लोग और किन-किन नामों से बुलाते हैं?

		
प्यार वाला नाम	चिढ़ाने वाला नाम	दोस्तों का दिया नाम
.....		
.....		

Answer:

प्यार वाला नाम	चिढ़ाने वाला नाम	दोस्तों का दिया नाम
टिक्कू	कालिया	भोलू
नोनू	लम्बू	लड़इ

Question 2:

सोचो और लिखो कि किसी-किसी को नीचे दिए गए नामों से क्यों बुलाया जाता होगा?

गप्पू	
भोली	
छुटकी	
गोलू	

Answer:

गप्पू	गप्पू हांकने वाला
भोली	जो कुछ न बोले, सीधी-सादी
छुटकी	जो कद में छोटी हो, छोटी लगे
गोलू	जो मोटा गोल-मटोल हो



Question 1:

तुम अपना नाम लिखो और बताओ कि तुम्हारे नाम का क्या मतलब है?

Answer:

मेरा नाम विशाल है। विशाल का अर्थ बड़ा होता है।

(नोट: इसी तरह हर विद्यार्थी को अपना नाम लिखकर उसका अर्थ लिखना पड़ेगा।)

Question 1:

कक्कू वह जो सदा हँसाए

रोना उसे ज़रा न

चिड़िया के संग गाना

संग मोर के

इसीलिए तो कभी-कभी हम

कहते उसको

Answer:

कक्कू वह जो सदा हँसाए

रोना उसे ज़रा न आए

चिड़िया के संग गाना गाए

संग मोर के नाचे-गाए

इसीलिए तो कभी-कभी हम

कहते उसको सभी हैं मिष्ट।

Question 3:

अब बताओ तुम्हारा कौन-सा दोस्त, कौन-सी सहेली

भक्कू है

झक्कू है

गप्पू है

Answer:

भक्कू है

झक्कू है

गप्पू है

मधुर, गीत

सुरेश, रवि

नीरज, गीता



(नोट: इसी तरह हर विद्यार्थी को अपने दोस्त का नाम लिखना पड़ेगा।)

Question 1:

कक्कू कोयल जैसा क्यों नहीं है? लिखो।

.....

.....

.....

Answer:

कोयल मिश्री जैसा मीठा गाती है। उसकी आवाज़ सुनकर सब प्रसन्न हो जाते हैं। कक्कू इसके उल्टा है। वह न तो प्रसन्न रहता है, बात-बात पर चिढ़ जाता है। उसके साथ लोग प्रसन्न नहीं रह पाते हैं इसलिए वह कोयल जैसा नहीं है

Page No 5:

Question 1:

पाँच-पाँच बच्चों की टोली बना लो। अब अपनी-अपनी टोलियों के बच्चों के नाम रेल के डिब्बों में लिखो।



वर्णमाला याद है न? चलो, अब इन नामों को वर्णमाला के हिसाब से क्रम में लगाते हैं।

.....

Answer:





Question 1:

क्या तुम्हें भी कोई चिढ़ाता है? तब तुम्हें कैसा लगता है? कक्षा में चर्चा करो।

Answer:

हमें जब कोई चिढ़ाता है, तो हमें अच्छा नहीं लगता है। कभी तो हम उसे हँसी में उड़ा देते हैं और कभी बहुत बुरा दिल करता है कि उसे कोई करारा जवाब दे या बहुत मारें। परन्तु अक्सर कुछ नहीं कर पाते। मेरा मानना है कि व किसी को चिढ़ाना नहीं चाहिए। इससे हम दूसरे को दुखी करते हैं जोकि अच्छी बात नहीं है।

(नोट: अपने मित्रों के साथ इस प्रकार से चर्चा कीजिए।)

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 2 शेखीबाज़ – मक्खी

Question 1:

कक्षा में साथियों के साथ बातचीत करो।

(क) तुम्हें कहानी में कौन सबसे अच्छा लगा? क्यों?

(ख) मक्खी मकड़ी के जाल में फँस गई थी। फिर क्या हुआ होगा? कहानी आगे बढ़ाओ।

Answer:

(क) हमें कहानी में सबसे अच्छी लोमड़ी लगी क्योंकि उसने बड़ी ही समझदारी से घमंडी मक्खी को मकड़ी के जाल में फँसाकर मार दिया और सबको बचा लिया।

(ख) मक्खी, मकड़ी को पकड़ने जब उसके जाल में घुसी तो वहाँ फँस गई। उसने जाल से निकलने की बहुत कोशिश की परन्तु जितनी कोशिश करती उतना ही फँसती जाती। इस तरह से उसका घमंड चूर-चूर हो गया और आखिर में वह मर गई।

(नोट: इन प्रश्नों के उत्तर स्वयं देने का प्रयास करें।)

Question 1:

अगर कहानी का नाम मक्खी को ध्यान में न रखकर लोमड़ी और शेर को ध्यान में रखकर लिखा जाता तो उसके क्या-क्या नाम हो सकते थे?

Answer:

यदि लोमड़ी को ध्यान में रखकर कहानी का नाम दिया जाता तो चतुर लोमड़ी, समझदार लोमड़ी आदि होता। यदि शेर को ध्यान में रखकर कहानी का नाम दिया जाता, तो मूर्ख शेर, आलसी शेर होता।

Question 2:

अब तुम कहानी के लिए एक और नया शीर्षक सोचो। यह शीर्षक कहानी के किसी पात्र पर नहीं होना चाहिए। (कहानी की किसी घटना के बारे में शीर्षक हो सकता है।)

Answer:

कहानी का अन्य शीर्षक घमंडी का सिर नीचा, जैसी करनी, वैसी भरनी हो सकता है।

Question 1:

मक्खी ने जब शेर को जगाया तो वह आग बबूला हो गया। तुम्हें जब कोई गहरी नींद से जगाता है तो तुम क्या करते हो?

Answer:

जब हमें कोई गहरी नींद से जगाता है, तो हम गुस्सा नहीं करते बल्कि उसे कहते हैं कि हमें सोने दो नींद आ रही है या अभी थोड़ी देर में उठते हैं।

Question 2:



मक्खी उड़ते-उड़ते शेर ऊब गया था। तुम क्या करते-करते ऊब जाते हो?

Answer:

1) हम खाली बैठे-बैठे ऊब जाते हैं। 2) कभी-कभी बहुत देर तक पढ़ते-पढ़ते ऊब जाते हैं। 3) कई बार बहुत देर तक खेलते-खेलते भी ऊब जाते हैं। 4) कभी हमारा दोस्त अपनी एक ही बात कई बार सुनाता है, तो भी ऊब जाते हैं।

Question 3:

मान लो तुम शेर हो। मक्खी ने तुम्हारे साथ जो कुछ भी किया वह लोमड़ी को बताओ।

Answer:

लोमड़ी बहन देखो इस मक्खी ने मुझे कितना तंग किया हुआ है। इसने मुझे पूरे दिन सोने नहीं दिया। मेरे मना करने पर और भी तंग कर रही है। जब मैंने मारने की धमकी दी, तो वह लड़ने को तैयार हो गई। वह कभी मेरे माथे, कभी हाथ, कभी नाक, कभी कान पर बैठ जाती है। अपने पंजे से उसे मारने की कोशिश करते-करते मैं खुद ही घायल हो गया हूँ। मैं उससे बड़ा परेशान हूँ। मुझे इससे बचाओ।

Question 4:

शेर तो भोजन करके आराम कर रहा था। तुम खाना खा कर क्या करते हो?

- अक्सर
- कभी-कभी

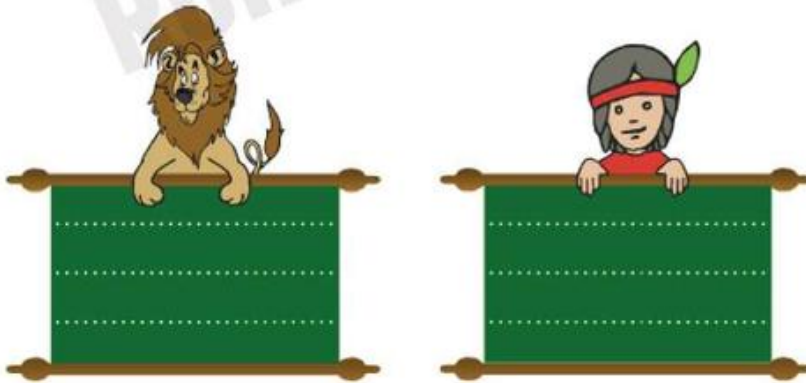
Answer:

अक्सर स्कूल से आकर खाना खाकर आराम करते हैं।

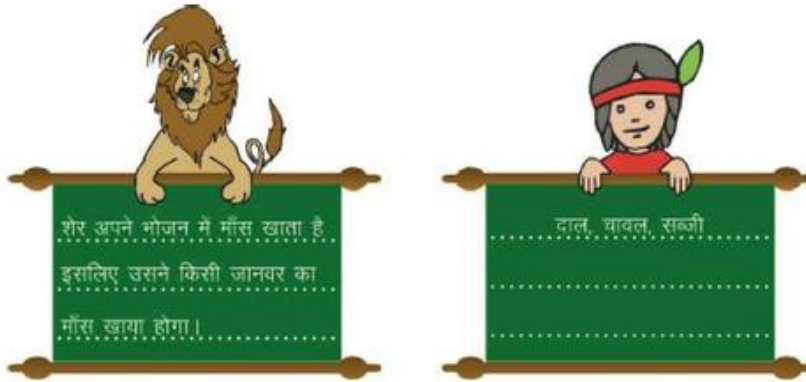
कभी-कभी आराम करते हुए टेलीविज़न भी देखते हैं।

Question 5:

शेर ने भोजन में क्या खाया होगा? तुम क्या-क्या खाते हो?

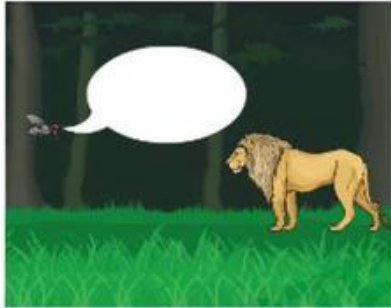


Answer:



Question 1:

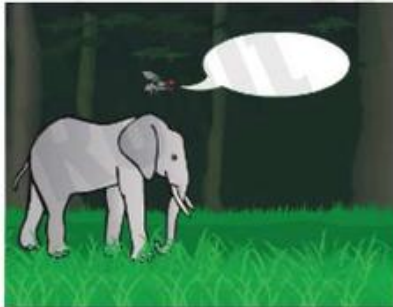
नीचे कहानी से जुड़ी तस्वीरें गई हैं। उसमें कुछ न कुछ बोला जा रहा है। सोचो और लिखो कौन क्या बोल रहा है?



.....
.....



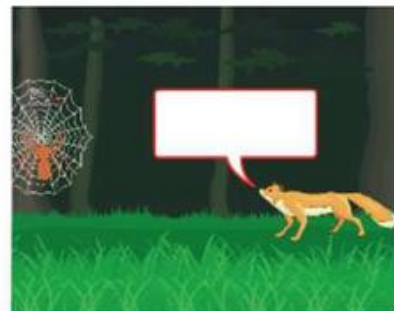
.....
.....



.....
.....



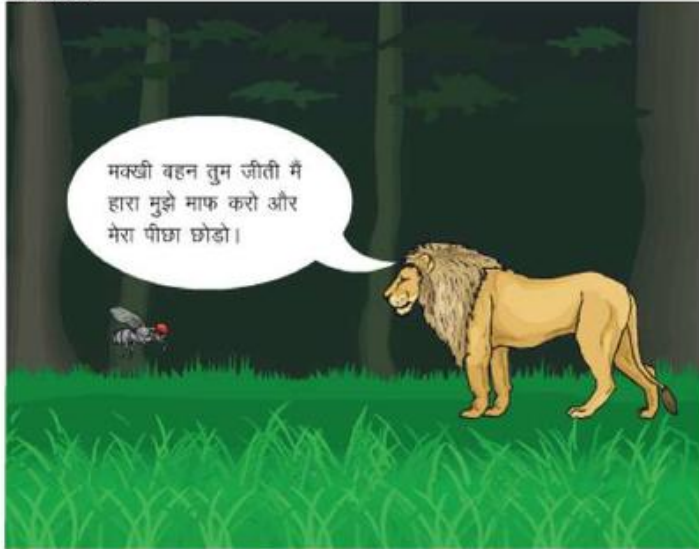
.....
.....



.....
.....



Answer:



अध्ययन मंत्र
an Notes



Question 1:

कहानी के हिसाब से बताओ।

घमंडी
चतुर
समझदार
डरपोक
सबसे चतुर
आलसी

.....
.....
.....
.....
.....
.....

Answer:

घमंडी
चतुर
समझदार
डरपोक
सबसे चतुर
आलसी

मक्खी
हाथी
हाथी
शेर
लोमड़ी
हाथी

Question 1:

चुटकी बजाने का मतलब होता है 'बहुत जल्दी कर लेना।'

(क) तुम कौन-कौन से काम चुटकी बजाते ही कर लेते हो? बताओ।

(ख) अब तुम अपनी एक टोली बनाओ। तुममें से एक लीडर बनेगा। वह बाकी बच्चों को करने के लिए काम देगा जिसे चुटकी बजाते ही करना होगा। जैसे- बाहर से पाँच पत्तियाँ लाओ और उनके नाम बताओ या शेखीबाज़ मक्खी के पात्रों के नाम बताओ। जो सबसे जल्दी कर



ले वह लीडर बने।

Answer:

(क) मैं कंधा करना, जूते पहनना, दूध पीना, आइस्क्रीम खाना आदि काम चूटकी बजाते ही पूरे कर लेता हूँ।

(ख) हमने गीता, सीता, मोहन, मनन, विमल को लेकर टोली बनाई इसमें पाँच जगहों के नाम, पाँच सींग वाले जानवरों के नाम, पाँच रस वाले फलों के नाम लिखने के लिए कहा। एक-एक पर्ची हर एक को दी गई। सबसे पहले मनन ने बताया उसे लीडर बना दिया गया।

(नोट: विद्यार्थियों को दूसरे प्रश्न को अपने सहपाठियों की सहायता से पूरा करना है।)

Question 1:

यह मकड़ी उस रास्ते से जाना चाहती है, जिस पर चलकर सबसे ज़्यादा जाले मिलें। अंदर जाने के लिए 1, 2, 3, 4 और 5 में से कौन-सा रास्ता होगा?

Answer:

चित्र में न. 4 वाला रास्ता ज़्यादा जाले वाला है। इसमें आठ जाल आते हैं।

(नोट: विद्यार्थी किताब में चित्र देखकर स्वयं करें।)

Question 1:

इन वाक्यों को अपने ढंग से लिखकर बताओ।

(क) शेर आग-बबूला हो उठा।

(ख) उसकी ज़रा खबर लो न।

(ग) उस मकड़ी को तो मैं चूटकी बजाते ही खत्म कर देती हूँ।

(घ) जंगल के राजा के मुँह से ऐसी भाषा कहीं शोभा देती है।

Answer:

(क) शेर गुस्से से पागल हो गया।

(ख) उसके बारे में पता करो या उसे जा कर ठीक से समझाओ।

(ग) उस मकड़ी को शीघ्र ही मार देती हूँ।

(घ) जंगल के राजा को ऐसा नहीं कहना चाहिए।

Question 1:

इनके पास तुमने अक्सर किन-किन को उड़ते-मँडराते देखा है?

(क) जलते बल्ब के आसपास

(ख) खेतों में

(ग) इकट्ठे पानी के ऊपर

(घ) फूलों पर

(ङ) कचरे के ढेर पर

(च) हलवाई की मिठाइयों पर



Answer:

- | | |
|--------------------------|----------------------------|
| (क) जलते बल्ब के आसपास | मच्छर, छिपकली, पतंगे |
| (ख) खेतों में | टिड्डियाँ, मच्छर, चिड़ियाँ |
| (ग) इकट्ठे पानी के ऊपर | मच्छर, मक्खी |
| (घ) फूलों पर | भंवरे, तितलियाँ, |
| (ङ) कचरे के ढेर पर | मच्छर, मक्खियाँ |
| (च) हलवाई की मिठाइयों पर | मक्खियाँ, मधुमक्खियाँ |

Question 1:

क्या तुम किसी शेखीबाज़ को जानते हो? कौन है वह? वह किस चीज़ के बारे में शेखी बघारता है?

Answer:

मेरी एक सहेली है जो अपनी हर चीज़ की शेखी बघारती है। वह अपनी हर चीज़ को कीमती व विदेशी बताती रहती है। अपने हर काम को बढ़ा-चढ़ा कर बताती है।

(नोट: विद्यार्थी इसे अपने अनुसार लिखें।)

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

KVS | DSSSB | NVS | Super-TET CTET & STET Exams

Bilingual



CHAPTER - 3 चांद वाली अम्मा

Question 1:

बूढ़ी अम्मा चाँद पर क्यों चढ़ गई होगी?

Answer:

बूढ़ी अम्मा को आसमान ऊपर उड़ाये जा रहा था। अम्मा चाँद पर चढ़ गई होगी ताकि वह गिरने से बच जाए और आसमान से पीछा छूट जाए।

Question 2:

चाँद वाली अम्मा झाड़ू क्यों नहीं छोड़ना चाहती थीं?

Answer:

चाँद वाली अम्मा के पास केवल वही एक झाड़ू थी। इसलिए वह उसे नहीं छोड़ना चाहती थी।

Question 3:

चित्रों को देखकर बताओ कि अम्मा के साथ कौन-कौन रहता होगा?

Answer:

चित्रों के अनुसार अम्मा के साथ, बिल्ली, चिड़िया, कबूतर व आसमान रहते थे।

Question 4:

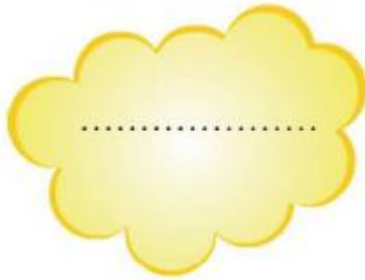
आसमान बार-बार आकर अम्मा की कमर से क्यों टकराता था? तुम्हें क्या लगता है?

Answer:

उस समय आसमान ऊपर नीचे हो सकता था। उसे अम्मा से छेड़खानी करना अच्छा लगता था इसलिए वह अम्मा की कमर से टकराता होगा। ताकि अम्मा उसे डाँटें और वह उन्हें तंग करे।

Question 1:

जब बूढ़ी अम्मा उड़ी जा रही थी तो उन्होंने आसमान को हर तरह से मनाने की कोशिश की। बताओ, उन्होंने क्या-क्या कहा होगा?



घबराकर



गिड़गिड़ाकर



गुस्से से



तरकीब सूझने पर

Answer:



छोड़ दे बेटा

घबराकर



माफ़ कर दे

गिड़गिड़ाकर



अभी बताऊँ तुझे शैतान

गुस्से से



अब तंग करके बता

तरकीब सूझने पर

Page No 24:

Question 1:

घर की सफ़ाई करने के लिए किन-किन चीज़ों का इस्तेमाल होता है?



Question 2:

किन-किन मौकों पर तुम्हारे घर का सारा सामान हटाकर खूब ज़ोर-शोर से सफ़ाई होती है?

Answer:

त्योहार (दीपावली), विवाह, जन्मदिन तथा किसी खास मेहमानों के आने पर हमारे घर में सामान हटाकर खूब ज़ोर-शोर से सफ़ाई होती है।

Question 3:

ये मौके खास क्यों हैं?

Answer:

त्योहार, विवाह तथा जन्मदिन आदि ऐसे अवसर हैं, जो जब आते हैं घर प्रसन्नता और आनंद से भर जाता है। इसलिए ये मौके हमारे लिए खास होते हैं।

Question 4:

सफ़ाई के काम से जुड़े हुए शब्द सोचो और लिखो। जैसे – झाड़ना।

.....,,

Answer:

धोना, पोंछना, चमकाना, रगड़ना, धूल हटाना आदि।

Question 1:

अम्मा उसे घूरकर देखती तो आसमान थोड़ा हट जाता।

कब-कब ऐसा होता है जब तुम्हें कोई घूरकर देखता है।

जैसे : मेरा दोस्त घूरकर देखता है जब मैं उसका मज़ाक उड़ाता हूँ।

मेरे पिता

मेरे शिक्षक

मेरी बहन/मेरा भाई

Answer:

मेरे पिता मुझे घूरकर देखते हैं, जब मैं किसी के सामने जिद्द करता हूँ।

मेरे शिक्षक घूरकर देखती हैं, जब मैं पढ़ाई के स्थान पर कुछ और काम कर रहा होता हूँ।

मेरी बहन/भाई मुझे घूरकर देखते हैं जब मैं उनकी बात नहीं सुनता हूँ।

Question 1:



रस्साकशी के खेल में दो टोलियों के बीच में खूब खींचातानी होती है। कुछ और खेलों के नाम लिखो जिनमें दो टोलियाँ खेलती हों।

Answer:

कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल, बालीबॉल, क्रिकेट इत्यादि।

Question 1:

बूढ़ी अम्मा अकेली रहती थीं। उन्हें घर का सारा काम अकेले ही करना पड़ता होगा। उन कामों की सूची बनाओ जो उन्हें सुबह से शाम तक करने पड़ते होंगे। यह भी बताओ कि तुम्हारे घर में ये काम कौन-कौन करता है?

बूढ़ी अम्मा के काम	मेरे घर में कौन करता है
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

बूढ़ी अम्मा के काम	मेरे घर में कौन करता है
पानी भरना	माता-पिता या घर के अन्य बड़े सदस्य
सफ़ाई करना	सफ़ाई वाली, माता-पिता या अन्य बड़ा
कपड़े और बर्तन धोना	सफ़ाई वाली या माताजी
खाना बनाना	माताजी या दादीजी

Question 2:

तुम कौन-से काम करते हो? अपने कामों के बारे में बताओ।

घर के काम	घर से बाहर के काम
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	



Answer:

घर के काम	घर से बाहर के काम
हर चीज़ जगह पर रखना	दादाजी को बाग में ले जाना
बर्तन उठाना	छोटे भाई को छोड़ने तथा लेने जाना
मेहमानों को बिठाना	घर के लिए ज़रूरी सामान बाज़ार से लाना
जूते पालिश करना	पड़ोसियों को बुलाने जाना।

Question 1:

इस कहानी में नाम वाले और काम वाले कई शब्द आए हैं। छाँटकर नीचे तालिका में लिखो।

नाम वाले शब्द	काम वाले शब्द
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

नाम वाले शब्द	काम वाले शब्द
आसमान	झाड़ू लगाना
अम्मा	पानी भरना
चाँद	उठाना
झाड़ू	खाना बनाना

Question 1:

अपनी किसी शरारत के बारे में लिखो।

अरे, आसमान की शरारत तो कुछ भी नहीं! मैंने तो एक बार.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....



Answer:

अरे, आसमान की शरारत तो कुछ भी नहीं! मैं तो एक बार अंधेरे में सीढ़ियों के पास छिपकर खड़ा हो गया क्योंकि थोड़ी देर बाद मेरे भाई-बहन को वहाँ से आना था। जैसे ही वे आए। मैं जोर से चिल्लाया पड़ा। वे डर गए और गिरते-गिरते बचे। इसके बाद माताजी ने मेरी बहुत पिटाई की।

Question 2:

तुम्हें चाँद में क्या दिखाई देता है? बनाओ।

Answer:

पुस्तक में दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और उसके आधार पर स्वयं चित्र बनाइए।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



The banner features a dark blue background with a central illustration of an interview room. On the left, a clock shows 1:50. In the center, a large yellow and white text reads 'KVS MOCK INTERVIEW'. Below it, a yellow button says 'Registration Open'. On the right, three people are sitting in chairs, waiting for an interview. The banner is decorated with multiple Adhyayan Mantra logos and text in Hindi.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 4 मन करता है

Question 1:

तुम पर कौन-कौन धौंस जमाता है? क्यों?

(क) घर में

(ख) स्कूल में

Answer:

(क) घर में – माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि हम पर धौंस जमाते हैं। अक्सर हमारी शरारतों के कारण हम पर धौंस जमाई जाते हैं।

(ख) स्कूल में – क्लास मॉनीटर, टीचर और प्रधानाचार्य जी हम पर धौंस जमाते हैं। जब हम स्कूल में शरारत करते हैं या उनका काम पूरा करके नहीं लाते।

Question 2:

मन करता है चिड़िया बनकर

चीं-चीं चूँ-चूँ शोर मचाऊँ

तुम्हारा मन कब-कब चिड़िया बन जाने को करता है?

Answer:

जब मेरा मन इधर-उधर घूमने को करता है या चिड़िया को उड़ते देखता हूँ, तब मन चिड़िया बन जाने का करता है।

Question 3:

कौन किस पर अकड़ जमाता होगा?

- आसमान में
- जंगल में
- नदी में
- खेल में
- स्कूल में
- घर में

Answer:

- आसमान में चाँद या पक्षी आसमान पर अकड़ जमाते होंगे।



- जंगल में शेर जंगल का राजा होने के कारण अकड़ जमाता होगा।
- नदी में नदी में मगरमच्छ अकड़ जमाता होगा।
- खेल में खेल में कप्तान या बड़े लड़के छोटे पर अकड़ जामते होंगे।
- स्कूल में स्कूल में मॉनिटर, अध्यापक या प्रधानाचार्य सब पर अकड़ जमाते होंगे।
- घर में घर में माता-पिताजी, बड़े भाई-बहन अकड़ जमाते होंगे।

Question 1:

तुमने तरह-तरह की मूँछें देखी होंगी।

यहाँ तुम्हारे लिए एक मूँछ बनी है। कुछ मूँछें तुम भी बनाओ और सभी मूँछों को अपने मन से नाम दो।



Answer:



राजपूती मूँछें



तलवार कट मूँछें



मुगलाई या चीनी मूँछें

Question 1:

तुम्हारे घर और स्कूल में किसका क्या करने का मन करता है? लिखो और अपनी सूची अपने साथियों से मिलाकर देखो।

नाम	मन करता है
-----	------------

Answer:

नाम	मन करता है
दीदी	खेलना व टी.वी. देखना।



गीता	हर समय बाहर घूमना।
साक्षी	हवाई जहाज़ में सैर करना।
रोहित	खिलौने तोड़ना।

Question 1:

सामान – तुम्हें चाहिए कोई पतला कागज़, झाड़ू की तीलियाँ, गोंद, टेप, कैंची।
तरीका–

- कागज़ को चौकोर काटो।
- उसमें गोंद या टेप से दो तीलियाँ चिपका लो, जैसा चित्र में दिखाया गया है।
- तीली के निचले हिस्से में पूँछ के लिए एक तिकोना टुकड़ा काटकर चिपका दो।
- पतंग तैयार है।

Answer:

(नोट: इस प्रश्न का उत्तर जैसे पुस्तक में दिया गया है, वैसे ही करना है।)

Question 1:

सूरज आसमान में दौड़ क्यों लगाता होगा?

Answer:

रोज़ संसार को प्रकाश मिल सके इसलिए सूरज आसमान में दौड़ लगाता होगा।

Question 2:

चिड़ियाँ शोर क्यों मचाती होंगी?

Answer:

चिड़ियाँ पेड़ों पर उछल-कूद करके खुश होती होंगी इसलिए शोर मचाती होंगी।

Question 3:

चंदा तारों पर क्यों अकड़ता होगा?

Answer:

चंदा बाकि तारों से बड़ा व ज़्यादा चमकदार है इसलिए अकड़ता होगा।



Question 4:

दादा घर में कैसे धौंस जमाते होंगे?

Answer:

दादा घर में शरारत करने को मना करके, कहीं आने-जाने पर रोक लगाकर धौंस जमाते होंगे।

Question 1:

एक मिनट के लिए आँखें बंद करके बिल्कुल चुपचाप बैठ जाओ। ध्यान से आसपास की आवाज़ें सुनो।

अब आँखें खोलो। क्या याद है, तुमने किस-किसकी आवाज़ सुनी थी? नीचे उनके नाम लिखो।

Answer:

हमें पक्षियों की आवाज़, पंखे, टी.वी. या ए. सी. की आवाज़, खेलते या रोते बच्चों की आवाज़, गाड़ियों के हार्न की आवाज़ इत्यादि सुनाई देती हैं।

Question 2:

एक मिनट के लिए आँखें बंद करके बिल्कुल चुपचाप बैठ जाओ। ध्यान से आसपास की आवाज़ें सुनो।

इनमें से कौन-कौन बहुत शोर मचा रहे थे?

Answer:

हवाई जहाज़, शोर करते बच्चे, रोता बच्चा इत्यादि बहुत शोर मचा रहे थे।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER - 5 बहादुर बित्तो

Question 1:

शेर किसान से क्या लेने गया था?

Answer:

शेर किसान से उसका बैल लेने गया था।

Question 2:

शेर ने बित्तो को राक्षसी क्यों समझ लिया?

Answer:

बित्तो ने एक चाल चली उसने किसान से कहा कि तुमने तो चार शेर फाँस रखे थे, यहाँ तो एक ही है। चलो कोई बात नहीं एक ही शेर नाशते के लिए काफ़ी है। यह सुनकर शेर ने बित्तो को राक्षसी समझ लिया। बित्तो का पहनावा भी ऐसा था। उसने सिर पर पगड़ा और हाथ में दरौती पकड़ रखी थी, जिसे देखकर शेर डर गया।

Question 3:

बैल की जान कैसे बच गई?

Answer:

बैल की जान बित्तो की समझदारी व चतुराई से बच गई। उसने चार शेरों के नाशते की बात कही, तो शेर अपनी जान बचाकर भाग गया और बैल बच गया।

Question 1:

नीचे कुछ शब्दों के नीचे रेखा खिंची हुई है। उन्हें ध्यान में रखते हुए नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो।

- (क) बित्तो घोड़े पर सवार हो गई।
- (ख) तुम घर की गाय को शेर के हवाले कर रहे थे।
- (ग) आज एक राक्षसी से पाला पड़ गया।
- (घ) अगर बैल आपके हाथ न आए तो मेरा नाम भेड़िया नहीं।
- (ङ) शेर को देखते ही किसान के होश-हवास गुम हो गए।

Answer:

(क) घोड़े पर बित्तो सवार हो गई।



- (ख) घर की गाय को ही तुम शेर के हवाले कर रहे थे।
(ग) एक राक्षसी से आज पाला पड़ गया।
(घ) आपके हाथ बैल न आए तो मेरा नाम भेड़िया नहीं।
(ङ) जैसे ही किसान ने शेर को देखा उसके होश हवास गुम हो गए।

Question 1:

शेर तो डर कर भाग गया। सोचो तो भेड़िए का क्या हुआ होगा?

Answer:

शेर की पूँछ भेड़िए की पूँछ से बंधी थी। जब शेर डर कर भागा होगा, तो उसके साथ ही भेड़िया भी घसीटता गया होगा। इससे भेड़िया बहुत घायल हो गया होगा। उससे चोटें आई होंगी, उसकी कई हड्डियाँ टूट गई होंगी।

Question 2:

शेर किसान के पास कितनी बार गया था? कहानी देखे बिना बताओ।

Answer:

शेर किसान के पास दो बार गया था।

Question 1:

मेरी छत पर मोर आया।

मेरी छत पर मोरनी आई।

मोर-मोरनी की तरह नीचे लिखे शब्दों के भी रूप बदलो।

औरत	-	
शेर	-	
बच्चा	-	
घोड़ा	-	
मछुआरा	-	
राजा	-	

Answer:

औरत	-	आदमी
शेर	-	शेरनी
बच्चा	-	बच्ची
घोड़ा	-	घोड़ी
मछुआरा	-	मछुआरन



राजा

–

रानी

Question 1:

शेर ने बित्तो को राक्षसी समझ लिया। वह खेत में नहीं जाना चाहता था पर भेड़िए के समझाने पर वह राज़ी हो गया। सोचो, शेर और भेड़िए के बीच क्या बातचीत हुई होगी?

- शेर – भेड़िए, तुम क्यों हँस रहे हो?
 भेड़िया – महाराज, वह तो
 शेर – नहीं नहीं। वह सचमुच राक्षसी थी।
 भेड़िया – मैंने अपनी आँखों से देखा है महाराज। वह

 शेर –
 भेड़िया –
 शेर – ठीक है.....।

Answer:

- शेर – भेड़िए, तुम क्यों हँस रहे हो?
 भेड़िया – महाराज, वह तो एक औरत थी।
 शेर – नहीं नहीं। वह सचमुच राक्षसी थी।
 भेड़िया – मैंने अपनी आँखों से देखा है महाराज। वह तो बित्तो नामक एक औरत थी, जिसे आपने राक्षसी समझ लिया।
 शेर – तुम सच कह रहे हो?
 भेड़िया – हाँ, महाराज मैं ठीक कह रहा हूँ। आप मेरे साथ चलें।
 शेर – ठीक है लेकिन तुम अपनी पूँछ मेरी पूँछ से बाँध लो।

Question 1:

भेड़िए ने शेर को भोले महाराज क्यों कहा? क्या शेर सचमुच भोला था?

Answer:

शेर ने किसान की पत्नी को राक्षसी समझ लिया था इसलिए शेर भोला था। वह भूल गया कि एक मनुष्य की पत्नी राक्षसी नहीं हो सकती है। यदि वह राक्षसी होती, तो सबसे पहले पति व बैल को ही खा जाती।

Question 2:

शेर ने भेड़िए की पूँछ के साथ अपनी पूँछ क्यों बाँध ली?



Answer:

शेर ने डर के कारण अपनी पूँछ भेड़िए की पूँछ से बाँध ली ताकि भेड़िया उसे छोड़कर भाग न जाए और राक्षसी उसे खा न जाए।

Question 3:

क्या शेर फिर कभी बित्तो के खेत की तरफ़ गया होगा? हाँ, तो क्यों? नहीं, तो क्यों?

Answer:

शेर फिर कभी खेत की तरफ़ नहीं गया होगा क्योंकि वह बित्तो को सचमुच राक्षसी समझ रहा था।

Question 4:

बित्तो की हिम्मत तुम्हें कैसी लगी? अगर तुम बित्तो की जगह होतीं तो शेर से कैसे निपटतीं?

Answer:

हमें बित्तो की हिम्मत से प्रेरणा मिलती है कि कठिन समय में भी समझदारी से काम लेना चाहिए। अगर मैं बित्तो की जगह होती, तो शायद डर कर भागती और शोर मचाती। इस तरह लोग इकट्ठे हो जाते और शेर डर कर भाग जाता।

Question 1:

शेर जंगल पर राज करता था।

मेरा राज किसी से न कहना।

राज और राज को बोलकर देखो।

दोनों के बोलने में फ़र्क है न?

कहानी में से ऐसे ही ज़ पर लगे नुक्ते वाले शब्द ढूँढ़ो।

Answer:

सिर्फ़, ज़ोर, ताज़ा, तरफ़, काफ़ी, फ़ौरन।

Question 2:

अब अपने मन से सोचकर ज़ पर लगे नुक्ते वाले पाँच शब्द लिखो।

Answer:

रफ़्तार, ज़्यादा, ख़ानदान, ज़रूरत, सफ़ेद।

Question 1:



अगर तुम शेर की जगह होतीं तो क्या करतीं?

Answer:

अगर मैं शेर की जगह होती तो शायद तुरन्त ही बैल पर छलांग लगा देती। किसान घर पहुँच ही नहीं पाता उससे पहले ही मैं बैल को ले आती।

Question 2:

अगर तुम बित्तो की जगह होतीं तो शेर से कैसे निपटतीं?

Answer:

अगर मैं बित्तो की जगह होती तो शेर मचा कर किसानों को इकट्ठा करके शेर को पकड़ने की कोशिश करती ताकि हमेशा के लिए शेर का डर समाप्त हो जाता।

Question 1:

कहानी में तुमने दराँती का चित्र देखा। नीचे ऐसे ही कुछ और औज़ारों के चित्र दिए गए हैं। उन्हें पहचानो और बॉक्स में दिए शब्दों में से सही शब्द ढूँढ़कर लिखो।

पेचकस	खुरपी	करनी	हथौड़ी	आरी
-------	-------	------	--------	-----



.....



.....



.....



.....



.....

Answer:



Question 1:

शेर ने किसान से कहा – अपना बैल मुझे दे दो वरना मैं तुझे खा जाऊँगा। वरना शब्द का इस्तेमाल करते हुए तुम भी तीन वाक्य बनाओ।

.....

.....

.....

Answer:

1. चले जाओ वरना माँ को बता दूँगी।
2. मुझे भी खाने को दो वरना सब गिरा दूँगी।
3. जल्दी तैयार हो जाओ वरना देर हो जाएगी।

Question 1:

कई जगहों पर गाँवों में औरतें खेतों में भी काम करती हैं। तुम्हारे आसपास की औरतें और लड़कियाँ क्या-क्या काम करती हैं?

Answer:

हमारे आसपास की कई औरतें और लड़कियाँ बच्चों को पढ़ती हैं, कुछ घर की साफ़-सफ़ाई या खाना बनाने का काम करती हैं, कुछ दुकान चलाती हैं और कुछ कपड़े सीलने का काम करती हैं।

Question 1:

शेर और घोड़े में कई अंतर होते हैं।



ध्यान से सोचकर नीचे लिखो।

शेर	घोड़ा
खाना	
घर	
रंग	
आदतें	

Answer:

शेर	घोड़ा
खाना	मांस
घर	जंगल की गुफा
रंग	भूरा और सुनहरा
आदतें	जानवरों को मारकर खाना

Question 1:

नीचे दिए गए शब्दों को सही तालिका में लिखो।

किसान, बोटल, लता, कक्कू, केला, कलम, राजू, रानू, चूहा, नीना, शेर, जूता, चारपाई, पगड़ी, खरगोश, करेला, छलनी, बित्तो, घोड़ा, गौरैया, बाल्टी, पीपल, कोयल, नीम, किताब, दराँती।

जानवर	चीज़ें	नाम
-------	--------	-----

Answer:

जानवर	चीज़ें	नाम
चूहा	बोटल	लता
शेर	कलम	कक्कू
खरगोश	केला	किसान
घोड़ा	जूता	राजू
गौरैया	चारपाई	नीना
कोयल	पगड़ी	बित्तो
	करेला	कोयल
	छलनी	नीम
	बाल्टी	
	किताब	
	दराँती	



CHAPTER - 7 टिपटिपवा

Question 1:

इस कहानी में लगता है सभी परेशान थे। बताओ कौन-किससे परेशान था?

..... -

..... -

..... -

..... -

Answer:

- बुढ़िया - झोपड़े में टपकते पानी से
बाघ - टिपटिपवा शब्द से और वर्षा से
धोबी - अपने गधे से
पंडित - घर में पानी भरने और उसे निकालने से
जी

Question 1:

नीचे कहानी में से कुछ वाक्य दिए गए हैं। इन्हें अपने शब्दों में लिखो।

(क) टिपटिपवा कौन-सी बला है?

.....

(ख) पत्नी की बात धोबी को जँच गई।

.....

(ग) बाघ बिना चूँ-चपड़ किए भीगी बिल्ली बना धोबी के पीछे-पीछे चल दिया।

.....

(घ) ज़रा पोथी बाँच कर बताइए वह कहाँ है?

.....

Answer:

- (क) ये क्या बला है टिपटिपवा।
(ख) धोबी को पत्नी की बात समझ में आ गई।



- (ग) बाघ चुपचाप भीगी बिल्ली बनकर धोबी के पीछे चल दिया।
(घ) ज़रा पोथी में देखकर बताइए वह कहाँ है।

Question 1:

पोता दादी की गोद में कहानी सुनने के लिए मचल रहा था। तुम किन-किन चीज़ों के लिए मचलते हो?
मैं

Answer:

मैं अपनी दादी के साथ सोने, उनके साथ अपना टी. वी. कार्यक्रम देखने तथा उनके साथ घूमने जाने के लिए मचलती हूँ।

Question 1:

हाँ बचवा, न शेरवा के डर, न बघवा के डर। डर त डर, टिपटिपवा के डर।
(क) तुम्हारे घर की बोली में इस बात को कैसे कहेंगे?

(ख) कहानी में टिपटिपवा कौन था? तुम किस-किस को टिपटिपवा कहोगे?

Answer:

(क) बेटा न तो मुझे शेर का डर है न बाघ का (मुझे तो इस टिपटिप करेत पानी से डर लागत है। (नोट: विद्यार्थी इस प्रश्न के उत्तर को अपनी भाषा में लिखें।)

(ख) इस कहानी में टिपटिपवा झोपड़ी में बारिश का टपकता हुआ पानी था। लेकिन यहाँ धोबी और उसके लट्टू ने टिपटिपवा का काम किया है। अतः हम इन्हें ही टिपटिपवा कहेंगे।

Question 1:



यह कहानी एक ऐसे दिन की है जब मूसलाधार बारिश हो रही थी। अगर मूसलाधार बारिश की बजाए बूँदा-बाँदी होती, तो क्या होता? यदि उस रात बूँदा-बाँदी होती तो

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

अगर बूँदा-बाँदी होती तो बुढ़िया की झोपड़ी में पानी नहीं गिरता। दादी पोते को टिपटिपवा वाली कहानी नहीं सुनाती जिसे सुनकर बाघ भाग गया था। यदि बाघ टिपटिपवा से नहीं डरता, तो धोबी के साथ चुपचाप नहीं चला जाता। इस तरह तो कहानी का रूख ही बदल जाता।

Question 1:

पानी के टपकने की टिपटिप-टिपटिप आवाज़ आ रही थी। सोचो और लिखो ये आवाज़ें कब सुनाई पड़ती हैं।

खर-खर	भिन-भिन	टक-टक
घर-घर	भक-भक	तड़-तड़

Answer:

खर-खर तेज सांस आने पर	भिन-भिन मक्खी के आस पास मड़राने पर	टक-टक दरवाजा खटखटाने पर
घर-घर पुराना दरवाजा खुलने पर	भक-भक बहुत तेज आग लगने पर	तड़-तड़ वर्षा की तेज व बड़ी बूँदें टिन की छत पर गिरने से



Question 1:

धोबी ने बाघ को खूँटे से बाँध दिया। सोचो और बताओ, खूँटे से क्या-क्या बाँधा जाता है?

.....

.....

.....

.....

.....

.....



Answer:

खूँटे से गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा, बैल, ऊँट सभी पालतू जानवर बाँधे जाते हैं।

Question 1:

- | | |
|-----------|----------------|
| एक कहानी | - सभी कहानियाँ |
| एक तितली | - कई |
| एक | - दस |
| एक चूड़ी | - ढेरों |
| एक खिड़की | - चार |

Answer:

- | | |
|-----------|------------------|
| एक कहानी | - सभी कहानियाँ |
| एक तितली | - कई तितलियाँ |
| एक पत्ती | - दस पत्तियाँ |
| एक चूड़ी | - ढेरों चूड़ियाँ |
| एक खिड़की | - चार खिड़कियाँ |



CHAPTER - 8 बंदर – बांट

Question 1:

दोनों बिल्लियों के बीच झगड़े की जड़ क्या थी?

(क) उनके झगड़े का हल कैसे निकाला गया?

Answer:

दोनों बिल्लियों के झगड़े की जड़ रोटी का टुकड़ा था। दोनों उस पर अपना हक जता रही थीं। बंदर ने तराजू निकाला और समान बाँटवारा करते हुए सारी रोटी स्वयं खा ली।

Question 2:

तुम किस-किस के साथ अक्सर झगड़ते हो?

(क) झगड़ते समय तुम क्या-क्या करते हो?

(ख) जब तुम किसी से झगड़ते हो तो तुम्हारा फैसला कौन करवाता है?

Answer:

अक्सर हम अपने बराबर के भाई-बहनों या दोस्तों के साथ लड़ते हैं।

(क) लड़ते या झगड़ते समय एक-दूसरे की चीज़ ले लेते हैं, उन्हें मारते हैं, धक्का दे देते हैं या उनकी शिकायत करते हैं।

(ख) जब हम झगड़ते हैं, तो हमारा फैसला हमारे बड़े लोग करते हैं।

Question 1:

लेह में लोग एक-दूसरे से मिलने पर एक-दूसरे को जूले कहते हैं। मिलने पर दोनों बिल्लियाँ एक-दूसरे को नमस्ते कहती हैं।

(क) तुम इन लोगों से मिलने पर क्या कहती हो?

- तुम्हारी सहेली/दोस्त
- तुम्हारे शिक्षक
- तुम्हारी दादी/नानी
- तुम्हारे बड़े भाई/बहन

(ख) अब पता लगाओ तुम्हारे साथी कक्षा में कितने अलग-अलग तरीकों से नमस्ते कहते हैं?

Answer:

(क)



- तुम्हारी सहेली/दोस्त- हैलो, हाय, कैसे हो आदि कहते हैं।
 - तुम्हारे शिक्षक- नमस्ते या गुडमॉर्निंग सर कहते हैं।
 - तुम्हारी दादी/नानी- नमस्ते/ चरण स्पर्श/ राम-राम/ जय श्री कृष्णा कहते हैं।
 - तुम्हारे बड़े भाई बहन- नमस्ते/ गुडमॉर्निंग/ हैलो कहते हैं।
- (ख) गुडमॉर्निंग, हाय, हैलो, हाय बडी, नमस्ते, इत्यादि कहते हैं।

Question 1:

अगर बंदर बीच में नहीं आता तो तुम्हारी राय में रोटी किस बिल्ली को मिलनी चाहिए थी?

Answer:

अगर बंदर बीच में न आता तो रोटी काली बिल्ली को ही मिलनी चाहिए थी क्योंकि उसने हिम्मत दिखा कर रोटी उठा ली थी।

Question 2:

बंदर ने बिल्लियों से यह सवाल क्यों पूछा होगा कि उन्होंने रोटी

- एक आँख से देखी थी या दोनों आँखों से?
- एक टाँग से झपटी थी या दोनों टाँगों से?

Answer:

बंदर दोनों बिल्लियों को मूर्ख बनाकर यह बताना चाहता था कि वह सही न्याय करेगा।

Question 1:

कहानी का शीर्षक बंदर-बाँट क्यों है?

Answer:

कहानी का शीर्षक बंदर बाँट रखा गया है क्योंकि बंदर दोनों बिल्लियों में रोटी बराबर बाँटने वाले की भूमिका निभाता है। बंदर अपनी चतुराई से रोटी भी खा जाता है और दोनों का भला भी बन जाता है। इस तरह कहानी का मुख्य पात्र वह बन जाता है।

Question 2:

तुम नाटक को क्या नाम देना चाहोगी?

Answer:

हम नाटक को दो की लड़ाई में तीसरे का फ़ायदा, लड़ाई का फल, बंदर बना जज इत्यादि नाम भी दे सकते हैं।

Question 3:



जो शीर्षक तुमने दिया, उसे सोचने का कारण बताओ।

Answer:

इस शीर्षक को रखने का कारण यह है कि दो बिल्लियों के झगड़े में बंदर रोटी खा जाता है। बिल्लियाँ यदि आपस में नहीं लड़तीं, तो बंदर को यह मौका नहीं मिल पाता।

Question 1:

बंदर ने रोटी बराबर बाँटने के लिए तराजू का इस्तेमाल किया। तराजू का इस्तेमाल चीज़ों को तोलने के लिए करते हैं। नीचे दी गई चीज़ों में से किन चीज़ों को तोलकर खरीदा जाता है?



Answer:

तरबूज़, काशीफल, चावल।

Question 2:

तोलते वक्त एक पलड़े में तोली जाने वाली चीज़ रखी जाती है और दूसरे में तोलने के लिए बाट। बाट किस धातु या चीज़ का बना होता है?

Answer:

आमतौर पर बाट लोहे का बना होता है। इसके अतिरिक्त सुनार लोग सोने-चाँदी की धातुएँ तोलने के लिए पीतल के छोटे-छोटे बाट इस्तेमाल करते हैं।

Question 3:

बाट तोली जाने वाली चीज़ का वज़न बताता है। वज़न किलोग्राम या ग्राम में बताया जाता है। पता करो बाज़ार में कितने किलोग्राम या ग्राम के बट्टे मिलते हैं। (फलवाले, सब्ज़ीवाले या परचून की दुकान से पता कर सकते हो।)

Answer:



1 किलो, 2 किलो, 5 किलो, 500 ग्राम, 250 ग्राम, 100 ग्राम, 50 ग्राम, 20 ग्राम, 10 ग्राम, 10 व 20 किलो व 50 किलो।

Question 1:

बिल्लियों को रोटी की महक आ रही थी।

(क) तुम्हें किन-किन चीज़ों के पकने की महक अच्छी लगती है?

(ख) और किन-किन चीज़ों की महक आती है जो खाने से जुड़ी नहीं हैं। जैसे – साबुन की सुगंध, जूते की पॉलिश की गंध आदि।

Answer:

(क) हमें खाने, हलवा, पूड़ी, सब्जी, रोटी, चावल आदि की महक अच्छी लगती है।

(ख) पाउडर, क्रीम की सुगंध, फिनाइल, मिट्टी के तेल की गंध, गैस या पेट्रोल की गंध इत्यादि।

Question 1:

मुझे महक रोटी की आती।

इस वाक्य को इस तरह भी लिख सकते हैं –

मुझे रोटी की महक आती।

तुम भी इसी तरह नीचे दिए वाक्यों के शब्दों को आगे-पीछे करके लिखो–

• उसी खोज में मैं भी निकली।

मैं भी

• रखी मेज़ पर है वो रोटी।

वो रोटी

• डरती थी उस तक जाने में।

.....

• मैं ले जाने तुझे न दूँगी।

.....

• जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर।

.....

Answer:

• उसी खोज में मैं भी निकली।

मैं भी उसी खोज में निकली।

• रखी मेज़ पर है वो रोटी।



वो रोटी मेज पर रखी है।

• डरती थी उस तक जाने में।

उस तक जाने में डरती थी।

• मैं ले जाने तुझे न दूँगी।

मैं तुझे ले जाने न दूँगी।

• जो पहले देखे हक उसका है रोटी पर।

रोटी पर उसका हक है जो पहले देखे

Question 1:

अगले दिन दोनों बिल्लियों को एक तरबूज मिला। दोनों सोचने लगीं, इस तरबूज को कैसे बाँटा जाए कि तभी फिर से बंदर आ गया। आगे क्या हुआ होगा?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

अगले दिन तरबूज लेकर बिल्लियाँ जा रही थीं तभी बंदर आ गया। वह बोला- "लाओ बाँटवारा कर दूँ।" अब की बार बिल्लियाँ बंदर के झाँसे में नहीं आईं। वे तुरंत बोलीं- "तुम्हारा न्याय हम देख चुके हैं। तुम जा सकते हो हम अपने आप ही बाँटकर खा लेगीं।" यह कहकर वे चली गईं। बंदर अपना-सा मुँह लेकर रह गया।

Question 1:

कट्टो बिल्ली बगीचे में अपने भाई-बहनों के साथ खेल रही थी। इतने में बंदर ने उसकी तस्वीर खींच ली। तस्वीर देखकर बताओ इनमें से कट्टो बिल्ली कौन-सी है?

(चित्र: दोनों तस्वीर पुस्तक में से देखें)

Answer:

बीच में एक अकेली बिल्ली खड़ी है, वह कट्टो बिल्ली है।

(चित्र: छात्र चित्र में स्वयं ढूँढने का प्रयास करें।)



CHAPTER - 9 अक्ल बड़ी या भैंस

Question 1:

सेठ ने किस रंग में कपड़ा रंगने को कहा?

Answer:

सेठ ने अवंती को ऐसे रंग में कपड़ा रंगने को कहा जिसमें कोई रंग न हो क्योंकि वह कपड़ा रंगवाने नहीं उसे परेशान करने आया था।

Question 2:

अवंती ने कपड़ा अलमारी में बंद कर दिया। क्यों?

Answer:

अवंती को सेठ का इरादा समझ में आ गया इसलिए उसने कपड़े को अलमारी में बंद करके रख दिया।

Question 3:

सेठ कपड़ा लेने किस दिन आया होगा?

Answer:

सेठ समझ गया कि अवंती को उसकी चाल पता चल गई है इसलिए वह कपड़ा लेने नहीं आया होगा।

Question 1:

नीचे के वाक्यों में कुछ हरी-भरी सब्जियों के नाम छुपे हैं। ढूँढ़ो तो ज़रा –

- अब भागो भी, बारिश होने लगी है।
- मामू लीला मौसी कहाँ है?
- शीला के पास बैग नहीं है।
- रानी बोली – हमसे मत बोलो।
- गोपाल कबूतर उड़ा दो।

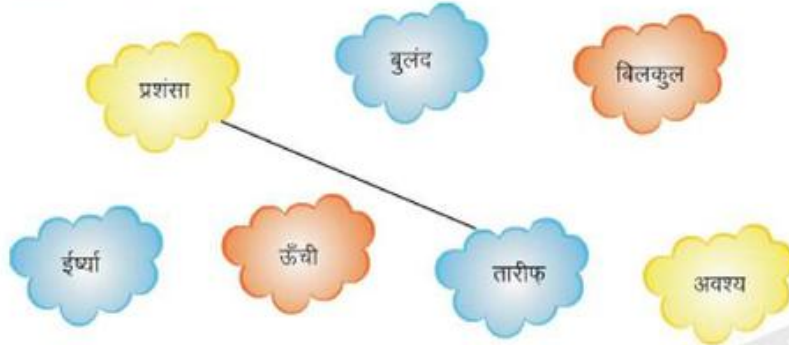
Answer:

अब भागो भी बारिश होने लगी है – गोभी

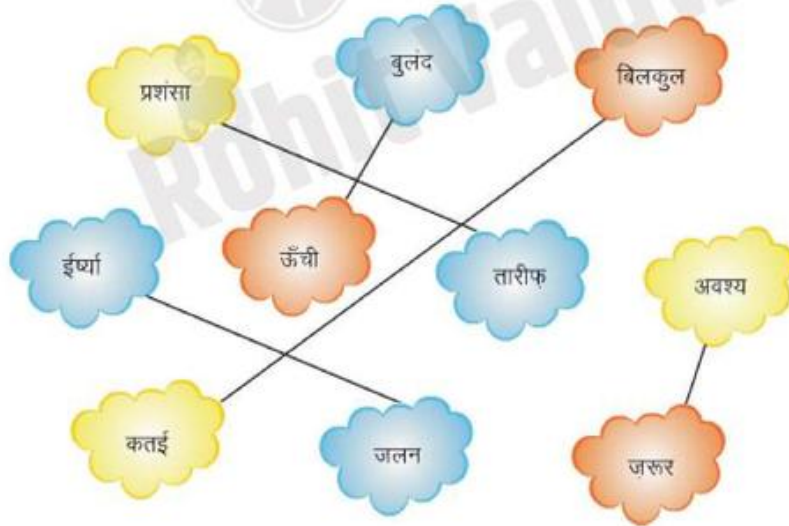


मामू लीला मौसी कहाँ है – मूली
शीला के पास बैग नहीं है। – बैगन
रानी बोली-हमसे मत बोलो – सेम
गोपाल कबूतर उड़ा दो – पालक

Question 1:



Answer:



Question 1:

चित्रों को देखो। क्या इन्हें देखकर तुम्हें कुछ मुहावरे या कहावतें याद आती हैं? उन्हें लिखो।



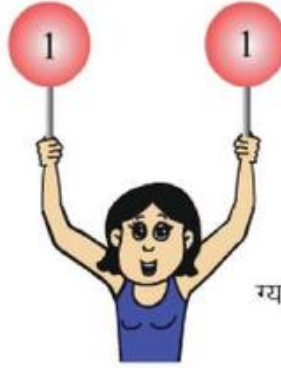
अँधेरा



आरसी



आस्तीन



ग्यारह

Answer:



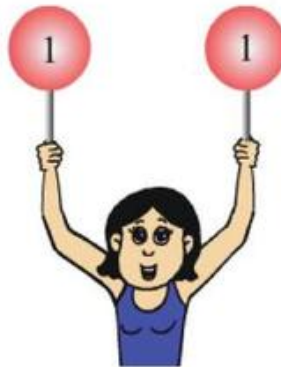
दिया तले अँधेरा



हाथ कंगन को आरसी क्या,
पढ़े लिखे को फारसी क्या



आस्तीन का साँप



एक और एक ग्यारह

Question 1:



विद्यालय, गुरुजी, छुट्टी, बंदर, डंडा, पेड़, केला, ताली, बच्चे, भूख। इन शब्दों को पढ़कर तुम्हारे मन में कुछ बातें आई होंगी। इन सब चीज़ों के बारे में एक छोटी-सी कहानी बनाओ और अपने साथियों को सुनाओ।

Answer:

एक बार विद्यालय में गुरुजी कक्षा में पढ़ा रहे थे। उसी समय छुट्टी की घंटी बज गई। सभी बच्चे अपना बस्ता समेटने लगे। अचानक खिड़की के पास स्थित पेड़ से एक बंदर कक्षा में आ गया। बच्चे उसे देखकर चिल्लाने लगे। गुरुजी के पास एक डंडा रखा था। वह उसी डंडे से बंदर को भगाने लगे परन्तु बंदर नहीं भागा। एक बच्चे के पास केला रखा था। उसने तुरंत अपना केला बंदर के पास फेंक दिया। बंदर भूखा था इसलिए केला उठाकर भाग गया। सभी बच्चे ताली बजाते घर चले गए।

Question 1:

एक रुमाल या कोई छोटा-सा कपड़ा उछालकर देखो। किसका रुमाल सबसे ऊँचा उछलता है?

Answer:

रुमाल हल्का होता है इसलिए ज़्यादा ऊँचा नहीं उछाल सकते।

(नोट: विद्यार्थी इसे अपने मित्रों के साथ मिलकर करें और स्वयं इस प्रश्न का उत्तर लिखें।)

Question 2:

रुमाल के साथ बिना कुछ बाँधे इसे और ऊँचा कैसे उछाला जा सकता है?

Answer:

बिना कुछ बाँधे केवल छोटी सी तह बनाकर उछाला जा सकता है।

Question 1:

रंगाई शब्द रंग से बना है। इसी तरह और शब्द बनाओ –

रंग	रंगाई
साफ़	
चढ़	
बुन	

Answer:

रंग	रंगाई
साफ़	सफ़ाई
चढ़	चढ़ाई
बुन	बुनाई
धोना	धुलाई
महंगा	महंगाई



Question 1:

जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका मतलब बताओ –

- मुझे बैंगनी रंग कतई अच्छा नहीं लगता।
- अवंती ने सेठ का मंसूबा भाँप लिया।
- मैं तुम्हारा हुनर देखना चाहता हूँ।
- सेठ बुलंद आवाज़ में बोला।
- सेठ को ईर्ष्या होने लगी।
- रंग के बारे में मेरी कोई खास पसंद तो है नहीं।

Answer:

- | | |
|--|---------------|
| • मुझे बैंगनी रंग <u>कतई</u> अच्छा नहीं लगता। | बिल्कुल |
| • अवंती ने सेठ का <u>मंसूबा</u> भाँप लिया। | इरादा |
| • मैं तुम्हारा <u>हुनर</u> देखना चाहता हूँ। | निपुणता, खूबी |
| • सेठ बुलंद <u>आवाज़</u> में बोला। | स्वर, बोली |
| • सेठ को <u>ईर्ष्या</u> होने लगी। | जलन, चिढ़न |
| • रंग के बारे में मेरी कोई <u>खास</u> पसंद तो है नहीं। | विशेष |

Question 1:

आफ़ंती के बारे में कुछ वाक्य लिखो। तुम उसके कपड़ों, शक्त-सूरत, पालतू पशु, बुद्धि आदि के बारे में बता सकती हो।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

आफ़ंती लम्बा चोगा पहनता था। चेहरे पर दाढ़ी-मूँछे और सिर पर टोपी थी। उसने गधा पाल रखा था। वह बड़ा बुद्धिमान था। वह बुद्धि को ताकत से बड़ा मानता था।



Question 1:

दिन – दीन, मेला – मैला।

ऊपर दिए गए शब्दों के जोड़ों में केवल एक मात्रा बदली गई है। किसी भी मात्रा को बदलने से अर्थ भी बदल जाता है। ऐसे और जोड़े बनाओ। देखें, कौन सबसे ज़्यादा जोड़े ढूँढ़ पाता है।

.....

.....

.....

.....

Answer:

सुत	—	सूत
जाति	—	जाती
कुल	—	कूल
मिल	—	मील
पीला	—	पिला
छिन-छिन	—	छीन
हरी	—	हरि
पीत	—	पित्त
मगर	—	मगरमच्छ
पाती	—	पाति

Question 1:

कब आऊँ वाले किस्से को चित्रकथा के रूप में लिखो।

Answer:

इस प्रश्न का उत्तर छात्रों ने स्वयं चित्र बनाकर करना है।

Question 1:

कभी-कभी हम अपनी बात करते हुए ऐसे शब्द भी बोल देते हैं, जिनकी कोई ज़रूरत नहीं होती। इसी तरह इन वाक्यों में कुछ शब्द फ़ालतू हैं। उन्हें ढूँढ़कर अलग करो –

- बाज़ार से हरा धनिया पत्ती भी ले आना।
- एक पीला पका पपीता काट लो।
- अरे! रस में इतनी सारी ठंडी बर्फ़ क्यों डाल दी?



- ज़ेबा, बगीचे से दो ताज़े नींबू तोड़ लो।
- बेकार की फ़ालतू बात मत करो।

Answer:

- बाज़ार से हरा धनिया पत्ती भी ले आना। (पत्ती)
- एक पीला पका पपीता काट लो। (पीला)
- अरे! रस में इतनी सारी ठंडी बर्फ क्यों डाल दी। (ठंडी)
- ज़ेबा, बगीचे से दो ताज़े नींबू तोड़ लो। (ताज़े)
- बेकार की फ़ालतू बात मत करो। (फ़ालतू)

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 10 क्योंजीमल और कैसे -कैसलिया

Question 1:

गुरुजी थैली में क्या लिए जा रहे थे?

Answer:

गुरुजी थैली में गेहूँ लिए जा रहे थे।

Question 2:

क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया से मिलने पर तुम दोनों के बीच में क्यों भटकते रह जाओगे?

Answer:

क्योंजीमल और कैसे-कैसलिया से मिलने पर हम भटकते रह जायेगें क्योंकि इनके क्यों और कैसे के प्रश्न समाप्त ही नहीं होंगे।

Question 3:

शिवदास ने गुरुजी की थैली देखकर अपनी गाड़ी क्यों दे दी?

Answer:

शिवदास ने भारी थैली ले जाते देखा और सोचा गुरुजी थक जायेगें इसलिए उसने गाड़ी दे दी।

Question 1:

रोटी को अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है। कुछ और नाम पता करके लिखो।

.....,,,

Answer:

चपाती, फुल्का, रूटी (बंगाली) आदि।

Question 2:

तुम्हारे घर में आटा सानने को क्या कहते हैं?

आटा गूँधना, आटा गलाना, आटा मलना, या कुछ और?

Answer:

आटा माढ़ना, आटा लगाना।



Question 3:

गुरुजी कौन-से आटे की रोटी खाते थे? अपने साथियों, घर के बड़ों से पता करो कि क्या किसी और चीज़ की रोटी भी बनती है? उनके नाम लिखो। यदि उसका दाना या बाली मिलती है तो उसे भी अपनी कॉपी में चिपका दो।

Answer:

गुरुजी गेहूँ के आटे की रोटी खाते थे। मक्का, जौ, ज्वार, चावल, क्काद की भी रोटी बनती है।

(नोट: विद्यार्थी बड़ों की सहायता से स्वयं चित्र लगाएँ।)

Question 4:

रोटी क्या ऐसे बनेगी?

आटे को सानेंगे, गेहूँ को पिसवाएँगे, आग पर फुलाएँगे, तवे पर पकाएँगे, चकले पर बेलेंगे, गरम-गरम खाएँगे।

नहीं? तो फिर कैसे?

तो फिर, कैसे? सही क्रम बताओ।

Answer:

गेहूँ को पिसवायेगें, आटे को सानेंगे, चकले पर बेलेंगे, तवे पर पकाएँगे, आग पर फुलाएँगे, गरम-गरम खाएँगे।

Question 1:

नीचे कुछ आटों के नाम लिखे हैं। उनके दाम पता करो।

नाम	वज़न	दाम
मक्की		
बाजरा		
चना		

Answer:

नाम	वज़न	दाम
मक्की	1 किलो	15 – 20 रुपये
बाजरा	1 किलो	10 – 15 रुपये
चना	1 किलो	20 – 22 रुपये



Question 5:

गुरुजी ने कैसे-कैसेलिया को समझाया कि आटा कैसे साना जाता है। जब तुम घर पर किसी को रोटी बेलते देखो और लिखो कि रोटी कैसे बेली जाती है।

Answer:

मले हुए आटे की गोल-गोल पेडियाँ बनाकर उन्हें चकले-बेलन पर गोल-गोल बेलते हैं।

(नोट: अपनी माताजी के पास जाकर उन्हें रोटियाँ बनाते देखो और फिर इस प्रश्न का उत्तर स्वयं लिखो।)

Question 6:

रोटी बनाने के लिए कितना कुछ काम करना पड़ता है जैसे सानना, बेलना आदि। पता करो और लिखो कि इन्हें बनाने के लिए क्या करना पड़ता है –

(क) चाय बनाने के लिए।

(ख) सब्जी बनाने के लिए।

(ग) दाल बनाने के लिए।

(घ) हलवा बनाने के लिए।

(ङ) लस्सी बनाने के लिए।

Answer:

(क) चाय बनाने के लिए – बर्तन में पानी गर्म करेंगे। पानी के उबलने पर चायपत्ती, चीनी व दूध डालेंगे। उबलने के बाद छलनी से कप में चाय छानेंगे और चाय तैयार।

(ख) सब्जी बनाने के लिए – पहले सब्जी को छीलते, काटते व धोते हैं। फिर कड़ाही में तेल या घी गर्म करके उसमें जीरा, हींग, प्याज़ तथा लहसुन डालें। हल्का भूरा होने पर कटा टमाटर डाल दें। उसमें नमक, मिर्च, धनिया, हल्दी तथा पानी डालकर थोड़ी देर पकने दें। मसाले पक जाने पर उसमें सब्जी डाल दें। फिर पानी डालकर कुछ देर तक और पकाएँ। सब्जी तैयार है।

(ग) दाल बनाने के लिए – जिस दाल को बनाना है, उसे धोकर थोड़ी देर के लिए भिगो दें। फिर दाल को कूकर में डालकर चूल्हे पर पकने के लिए रख दें। उसके अंदर नमक व हल्दी डाल दें। जब चार सीटी आ जाए और आपको लगे की दाल अच्छे तरह गल गई है, तो उसे आँच से उतार लें। एक अलग बर्तन में थोड़ा घी या तेल गर्म करके उसमें हींग, जीरा, प्याज़, टमाटर, मिर्च, अदरक तथा लहसुन डाल दें। उसे थोड़ी देर तक पकाएँ। जब ये सब सामग्री पक जाए, तो दाल को इसमें ऊपर से डाल दें। पाँच मिनट पकाएँ और दाल तैयार है।

(घ) हलवा बनाने के लिए – कड़ाही में घी डालें, उसके बाद सूजी को उसमें सुनहरा होने तक भूने। जब मसाला भून जाए, तो इसमें चीनी और गरम पानी डालते हुए करछी चलाते जाएँ। जब कड़ाई घी छोड़ दे, तो ऊपर से मेवा व इलायची डालकर परोस दें।

(ङ) लस्सी बनाने के लिए – दही को गहरे बर्तन में डालकर मथनी से बिलोये। थोड़ा पानी डाले और चीनी डाले फिर चलाएँ। झाग आने लगे तो लस्सी तैयार है।

Question 1:



(क) हम गेहूँ पिसवाने आटा-चक्की पर जाते हैं। हम इन कामों के लिए कहाँ जाते हैं?

- आटा खरीदने
- पंचर बनवाने
- दूध खरीदने
- जूते की मरम्मत करवाने
- सुराही खरीदने
- कॉपी-किताब खरीदने
- बाल काटवाने

(ख) अपने घर के पास की आटा-चक्की पर जाओ और पता करो कि –

- वहाँ क्या-क्या पिसता है?
- आटा-चक्की किस चीज़ से चलती है?
- दिन में चक्की को कितनी बार रोका जाता है?

Answer:

(क)

- | | |
|-------------------------|--|
| • आटा खरीदने | <u>परचून की दुकान या चक्की पर</u> |
| • पंचर बनवाने | <u>पंचर लगाने वाली दुकान पर</u> |
| • दूध खरीदने | <u>मिल्क बूथ पर या हलवाई की दुकान पर</u> |
| • जूते की मरम्मत करवाने | <u>मोची के पास</u> |
| • सुराही खरीदने | <u>कुम्हार के पास</u> |
| • कॉपी-किताब खरीदने | <u>स्टेशनरी की दुकान पर</u> |
| • बाल काटवाने | <u>नाई की दुकान पर</u> |

(ख)

- वहाँ पर गेहूँ, सभी अनाज दालें तथा मसाले पिसते हैं।
- आटा चक्की बिजली से चलती है।
- कार्य समाप्त होने पर इसे रोक दिया जाता है। ऐसा कई बार किया जाता है।

Question 1:

नीचे रसोई की कुछ चीज़ों के चित्र बने हैं उन्हें देखकर बताओ कि रोटी बनाने में कौन-कौनसी चीज़ इस्तेमाल नहीं होती। तो ऐसी चीज़ों का इस्तेमाल किस काम के लिए किया जाएगा? लिखो।



सामान का नाम	इस्तेमाल
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

सामान का नाम	इस्तेमाल
कप प्लेट	चाय पीने के लिए
अचार का डिब्बा	अचार रखने के लिए
कड़ाही	सब्जी और पूरी बनाने के लिए
करछी तथा चमचा	सब्जी चलाने और लेने के लिए/खाना खाने के लिए
चूल्हा	खाना पकाने के लिए
थाली और कटोरी	खाना रखने के लिए



CHAPTER - 11 मीरा बहन और बाघ

Question 1:

कहानी में बाघ को खतरनाक जानवर बताया गया है। नीचे दी गई सूची में सबसे खतरनाक चीज़ तुम्हारी समझ में क्या है और क्यों?

चाकू, बिजली, टूटा हुआ काँच, आग

Answer:

इन सभी चीज़ों में सबसे खतरनाक आग है। एक जगह लगती है तो पूरे घर में फैल सकती है। इससे सब कुछ भस्म हो सकता है।

Question 2:

मीरा बहन की बात सुनकर गाँव के लोगों को निराशा हुई होगी। उन्होंने मीरा बहन से क्या कहा होगा? सोचकर गाँव के लोगों की बातें लिखो।

Answer:

गाँव वाले मीरा बहन से नाराज हुए होंगे। उन्हें मीरा बहन से ये बातें कही होंगी।- 1. किसी ने कहा होगा आपने ठीक नहीं किया। 2. किसी ने कहा होगा कि ऐसे जानवर के लिए दया रखना मूर्खता है। 3. किसी ने कहा होगा कि अब बाघ किसी जानवर या आदमी को ले गया, तो उसकी ज़िम्मेदार आप होंगी।

Question 1:

गेंवली गाँव के आसपास के जंगलों में बाघ जैसे खतरनाक जानवर भी रहते थे। तुम्हारे हिसाब से नीचे लिखे जंतुओं में से कौन-कौन खतरनाक हो सकते हैं? उन पर गोला लगाओ।

भैंस, चीता, बकरी, कुत्ता, बिल्ली, चूहा, साँप, बिच्छू, कछुआ, केंचुआ, तिलचट्टा, कबूतर, भालू।

जिनके नाम पर तुमने गोला लगाया, वे कब खतरनाक हो सकते हैं?

Answer:

- चीता – जब कोई उनको नुकसान पहुँचाता है या वे बहुत दिनों तक भूखे होते हैं, तब ये खतरनाक हो सकते हैं।
- साँप – जब कोई चलते हुए उन पर पैर रख दे, तब ये अचानक काट लेते हैं।
- बिच्छू – जब इन्हें लगे कि कोई नुकसान पहुँचा रहा है या इसके रास्ते पर आ जाए, तब ये खतरनाक हो सकते हैं।
- भालू – आदमियों से जब इन्हें खतरा लगे, तब ये खतरनाक हो सकते हैं।



• तिलचट्टा – ये गंदगी में रहते हैं। अतः बहुत से रोगाणुओं के वाहक होते हैं। इनसे रोगाणु भोजन में आ सकते हैं और तब ये हमारे लिए खतरनाक हो सकते हैं।

Question 1:

चूहा पकड़ने का पिंजड़ा देखकर बताओ कि वह अपने आप कैसे बंद हो जाता है और एक बार कैद हो जाने के बाद चूहा उससे बाहर क्यों नहीं आ पाता?

Answer:

चूहा पकड़ने का पिंजड़ा तारों का बना होता है। इसमें बारीक जाली लगी होती है ताकि चूहा वापस न निकल सके। बाहर का कुंडा निकल जाता है और दरवाजा बन्द हो जाता है। चूहा फंस जाता है।

Question 2:

गाँव वालों ने बाघ को पिंजड़े में बंद करने की योजना बनाई थी। किसी आज़ाद पशु या पक्षी को पिंजड़े में बंद करके रखना सही है या गलत? क्यों?

Answer:

किसी आज़ाद पशु-पक्षी को पिंजड़े में बंद करना ठीक नहीं है। आज़ादी सभी को अच्छी लगती है। सभी चाहते हैं कि वह आज़ादीपूर्वक चलें, घूमें और खाएँ। इसमें हस्तक्षेप करने का किसी को अधिकार नहीं है।

Question 1:

अपने मन से सोचकर लिखो, ऐसा कैसे किया होगा?

(क) बाघ की खबर पूरे गाँव में फैल गई। कैसे?

(ख) लोग मीरा बहन के पास पहुँचे। क्यों?

(ग) पिंजड़ा बिना बाघ के बंद हो गया। कैसे?

Answer:

(क) गाँव बहुत छोटे व कम आबादी वाले होते हैं। भाईचारा भी लोगों के मध्य अच्छा होता है इसलिए तुरंत ही बात फैल जाती है। इसलिए बाघ की खबर भी पूरे गाँव में फैल गई।

(ख) लोग मीरा बहन के पास अपनी परेशानी बताने गए थे। उन्हें यकीन था कि मीरा बहन उनकी समस्या का कोई न कोई हल निकाल लेगी।

(ग) पिंजड़ा बिना बाघ के ही बन्द हो गया क्योंकि मीरा बहन ने उसे रात में जाकर बंद कर दिया था।

Question 1:

सोचो, अगर यह कहानी बकरी सुनाती, तो क्या-क्या बताती। उसकी कहानी मज़ेदार होती न?

Answer:



1. बकरी बताती कि उसे कैसे बाघ का चारा बनाकर बाँधा गया। 2. रातभर वह कैसे बाघ के बारे में सोच-सोचकर डर से काँप रही थी। 3. उस काली रात में मीरा बहन कैसे उसके लिए देवता के समान आयीं और उन्हें देखकर कैसे उसकी जान में जान आयी।

Question 2:

बकरी अपनी कहानी में क्या-क्या बताती?

Answer:

बकरी ने कहानी सुनाई कि वह एक रात गाय के पास ही बंधी थी। अचानक बाघ आया और गाय पर झपटा। देखते-ही-देखते उसने गाय की गर्दन दबा डाली। यह देखकर मैं इतना डर गई कि मुझे होश ही नहीं रहा। थोड़ी देर बाद जब होश आया, तो देखा बाघ गाय को खा रहा था। मैं तो डरकर एक कोने में छिप गई। सुबह सारे लोग इकट्ठा हो गए। वे ये सब देखकर परेशान हो उठे। सब मिलकर मीरा बहन के पास आए। मीरा बहन ने बाघ को पकड़ने के लिए ऐसा पिंजड़ा बनवाया, जिसमें घुसते ही पिंजड़ा बंद हो जाता था। बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरे में मुझे बांध दिया गया। मैं तो बहुत ही डर गई और ज़ोर-ज़ोर से मिमियाने लगी। डर के मारे मैं काँपने लगी। मैं ठंड भरी रात में भी पसीने से भीग गई थी। इतने में आधी रात में मीरा बहन ने पिंजड़े का दरवाजा बंद कर दिया। तब मेरी जान में जान आई और मैं बच गई। वह एक देवी की तरह मेरी सहायता के लिए आयी थीं।

Question 1:

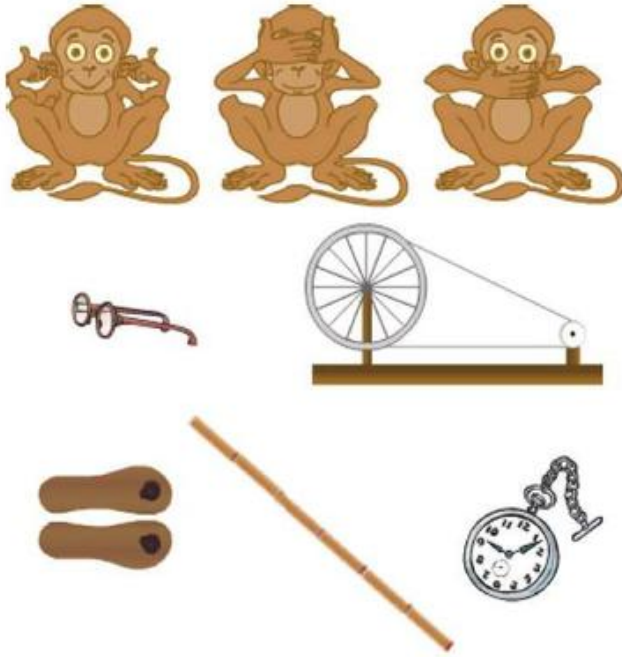
गाँववालों ने बाघ को पकड़ने के लिए एक योजना बनाई थी। कक्कू के घर में रोज़ बिल्ली आकर दूध पी जाती है। कक्कू की मदद करने के लिए कोई योजना बनाओ।

Answer:

गाँववालों की तरह कक्कू को बिल्ली पकड़ने के लिए एक पिंजरा बनाना पड़ेगा। उसमें कटोरी भर कर दूध रख देंगे या एक चूहा बाँध देंगे जैसे ही बिल्ली चूहा खाने या दूध पीने आयेगी पिंजरा बंद हो जायेगा और बिल्ली पिंजरे में बंद हो जायेगी।

Question 1:

ये सभी चित्र किसी एक व्यक्ति से जुड़े हुए हैं? पता करो कौन?



Answer:

ये सभी चीज़ें महात्मा गाँधी से जुड़ी हुई हैं।

Question 1:

बाघ, गाय, बकरी, हाथी और हिरण जानवर हैं। नीचे लिखी हुई चीज़ें क्या है? खाली जगहों में लिखो।

- अगरतला, अल्मोड़ा, रायपुर, कोच्चि, वडोदरा
- जलेबी, लड्डू, मैसूरपाक, कलाकंद, पेड़ा
- नर्मदा, कावेरी, सतलुज, ब्रह्मपुत्र, यमुना
- बरगद, नारियल, पीपल, चीड़, नीम
- गेहूँ, बाजरा, चावल, रागी, मक्का
- कुर्ता, साड़ी, फ़िरन, लहँगा, कमीज़

Answer:

- अगरतला, अल्मोड़ा, रायपुर, कोच्चि, वडोदरा नगर
- जलेबी, लड्डू, मैसूरपाक, कलाकंद, पेड़ा मिठाइयाँ
- नर्मदा, कावेरी, सतलुज, ब्रह्मपुत्र, यमुना नदियाँ
- बरगद, नारियल, पीपल, चीड़, नीम पेड़
- गेहूँ, बाजरा, चावल, रागी, मक्का फसल/ अन्न
- कुर्ता, साड़ी, फ़िरन, लहँगा, कमीज़ वस्त्र



Question 1:

जानवरों की बोलियाँ तो तुमने सुनी ही होंगी। कोयल की बोली को जैसे कूकना कहते हैं और मक्खी की बोली को भिनभिनाना, वैसे ही अन्य जानवरों की बोलियों के भी नाम हैं।

नीचे दिए गए खाने में एक तरफ़ जानवरों के नाम हैं, दूसरी तरफ़ बोलियों के। ढूँढ़ निकालो कौन-सी बोली किसकी है?

जानवर	बोलियाँ
भैंस	मिमियाना
घोड़ा	रँभाना
हाथी	चिंघाड़ना
बकरी	हिनहिनाना
शेर	रेंकना
गधा	रँभाना
गाय	भौंकना
कुत्ता	दहाड़ना

Answer:

जानवर	बोलियाँ
भैंस	रँभाना
घोड़ा	हिनहिनाना
हाथी	चिंघाड़ना
बकरी	मिमियाना
शेर	दहाड़ना
गधा	रेंकना
गाय	रँभाना
कुत्ता	भौंकना

Question 1:

हवाई जहाज़ आसमान उड़ रहा है।

तुम्हें यह वाक्य कुछ अटपटा लग रहा होगा। इस वाक्य को फिर से पढ़ो।

हवाई जहाज़ आसमान में उड़ रहा है।

(क) अब इसी तरह इन वाक्यों को ठीक करो।

- धूप बैठकर ढोकला खाया।
- पुतुल काम करने मना कर दिया।



- लता सब मूँगफली खिलाई।
 - पहाड़ी गाँवों बाघ डर बना रहा है।
- (ख) अब वे सभी शब्द फिर से लिखो जिन्हें तुमने जोड़ा है।

Answer:

- (क)
- धूप में बैठकर ढोकला खाया।
 - पुतुल ने काम करने से मना कर दिया।
 - लता ने सब को मूँगफली खिलाई।
 - पहाड़ी गाँवों में बाघ का डर बना रहा है।
- (ख) में, ने, से, ने, को, में, का।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER - 12 जब मुझको साँप ने काटा

Question 1:

नाना मुझे झाड़-फूँक वाले आदमी के पास क्यों ले गए?

Answer:

नाना ने मेरी उँगली पर नीला निशान देखकर सोचा कि मुझे साँप ने काट लिया है और इसका इलाज केवल तंत्रमंत्र ही है। अतः वह मुझे झाड़-फूँक से इलाज करने वाले आदमी के पास ले गए।

Question 2:

मैं बूढ़े आदमी को क्या बताना चाहता था?

Answer:

मैं बूढ़े आदमी को बताना चाहता था कि मुझे साँप ने नहीं बर्र ने काटा है।

Question 3:

जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तो मैंने क्या किया था? मैंने ऐसा क्यों किया होगा?

Answer:

जब साँप नारियल के खोल में घुस गया तो मैंने उसे एक पत्थर से बन्द कर दिया। ऐसा मैंने खेल-खेल में किया था फिर जब वह बन्द हो गया तो मैंने पकड़ लिया।

Question 4:

क्या बूढ़े आदमी ने सचमुच मेरा इलाज कर दिया था? तुम ऐसा क्यों सोचते हो?

Answer:

उस बूढ़े आदमी ने मेरा इलाज नहीं किया था क्योंकि मुझे साँप ने काटा ही नहीं था।

Question 5:

मुझे असल में साँप ने नहीं काटा था। फिर मैंने अपनी कहानी का नाम जब मुझको साँप ने काटा क्यों रखा है? तुम इससे भी अच्छा कोई नाम सोचकर बताओ।

Answer:



यह पूरी कहानी साँप के काटने पर ही घूमती रहती है। दादाजी के मन में साँप का भय विद्यमान था। अतः जब लेखक को बर् काट लेता है, तो उन्हें लगता है कि इसे साँप ने काटा है। सारा घर इस बात से परेशान हो जाता है और आन-फान में वे झाड़-फूंक करने वाले के पास जा पहुँचते हैं। इस कहानी का और भी शीर्षक हो सकता है। अन्धविश्वास, नाना का डर, गाँव का डाक्टर आदि।

Question 1:

मैं बूढ़े को कुछ बताना चाहता था पर बता नहीं सका। क्या तुम्हारे साथ भी कभी ऐसा हुआ है?

Answer:

एक बार मेरे दोस्त से मेरी लड़ाई हो गई थी। मैंने लड़ाई का सारा दोष अपने दोस्त पर मड़ दिया। उसके माता-पिता ने उसे बहुत मारा। उस समय मैं बताना चाहता था कि इसमें मेरा भी दोष है। परन्तु पिटाई के डर से कुछ बोल न पाया।

Question 2:

क्या तुमने कभी साँप देखा है? तुमने साँप कहाँ देखा? उसे देखकर तुम्हें कैसा लगा?

Answer:

मैंने साँप कई बार देखा है। जब हमारी गली में सपेरा साँप का खेल दिखता है, मैंने तब साँप देखा है। उसे देखकर डर लगता है।

Question 3:

अपने घर पर पूछो कि अगर किसी को साँप काट ले तो वे क्या करेंगे?

Answer:

घर पर पूछने पर पता चला कि अगर साँप काट ले, तो जहाँ साँप काटे उसके ऊपर नीचे कसकर पट्टियाँ बाँध दे ताकि जहर आगे न बढ़े और तुरन्त अस्पताल ले जाएँ।

(नोट: इन सभी प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर दें।)

Question 1:

कहानी में लड़के को बर् काट लेती है। बर् का डंक होता है। कुछ और कीड़ों (जंतुओं) का नाम लिखो जो डंक मारते हैं।

.....।

Answer:

मधुमक्खी, मच्छर, ततैया, बिच्छू।

Question 1:

तुम क्या करोगी अगर तुम्हें या तुम्हारे आसपास:



(क) किसी को बर्र काट ले?

(ख) किसी को चोट लग जाए?

(ग) किसी की आँख में कुछ पड़ जाए?

(घ) किसी की नाक में खून बहने लगे?

कक्षा में इन पर बातचीत करो। हो सके तो किसी नर्स या डॉक्टर को कक्षा में आमंत्रित कर बात करो।

Answer:

(क) किसी लोहे की चीज़ को घिसकर कर लगा दे या उस पर रगड़ दें। इससे डंक निकल जाता है। यदि नौसादर हो तो वो भी लगा सकते हैं या तुरंत डॉक्टर के पास जाएँ।

(ख) किसी को चोट लग जाए तो तुरंत डिटोल से धोकर पट्टी बाँध दे फिर तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएँ।

(ग) अगर आँख में कुछ पड़ जाए तो पलक उठाकर हिलाए या ठंडे पानी से धोएँ।

(घ) किसी की नाक से खून बहने लगे तो पीठ के बल लिटा कर सिर पीछे की तरफ़ थोड़ा झुका दें। सिर पर ठंडा पानी डालें। यदि फिर भी बंद न हो तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएँ।

कक्षा अध्यापक की सहायता लेकर डॉक्टर या नर्स को कक्षा में बुलाकर इन सब पर बातचीत की जा सकती है।

(नोट: इन सभी प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी कक्षा में हुई चर्चा के आधार पर करें।)

Question 1:

नारियल के खोल जैसी और कौन-सी चीज़ों में साँप छिप सकता था?

Answer:

साँप आँगन में पड़े टूटे-फूटे बर्तन-खिलौने, मिट्टी की घड़ोली, पेड़ की खो, झाड़ियों, पत्तियों की ढेरी इत्यादि में छिप सकता है।

Question 2:

वह खोल अहाते में कैसे पहुँचा होगा?

Answer:

नारियल निकाल कर खोल वहीं फेंक दिया गया होगा।

Question 1:

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उन शब्दों में से कुछ शब्द घर से संबंधित हैं। उन पर घेरा लगाओ।

अहाता	आँगन	बरामदा	ज़ीना	अटारी
आला	घेर	सीढ़ी	छत	सड़क
रसोई	छज्जा	दालान	अस्तबल	रहट
नहर	पुलिया	जोहड़	डाकघर	टाँड
	कमरा	मुँडेर		



Answer:

अहाता, आँगन, बरामदा, ज़ीना, अटारी, आला, सीढ़ी, छत, रसोई, छज्जा, दालान, टॉड, कमरा, मुँडेर।

Question 1:

नीचे लिखे वाक्यों का मतलब बताओ।

(क) साँप पास की झाड़ी में गायब हो गया।

.....

(ख) वह चट मुझे गोद में उठाकर भागे।

.....

(ग) अब बच्चा खतरे से बाहर है।

.....

(घ) नाना ने उसके लिए बहुत-सी चीज़ें भेंट में भेजीं।

.....

Answer:

(क) साँप पास की झाड़ी में चला गया।

(ख) वह जल्दी से मुझे गोद में लेकर भागे।

(ग) अब बच्चा ठीक है उसे कोई खतरा नहीं है।

(घ) नाना ने उसे बहुत सी चीज़ें उपहार स्वरूप दीं।

Question 1:

अलग-अलग निशानों से पता चलता है कि बात कैसे कही गई होगी। अब नीचे लिखे वाक्यों में सही निशान लगाओ। अब इन्हें बोलकर देखो।

।, !, ?

(क) नानी चीख उठी साँप

(ख) साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था

(ग) क्या तुम बाज़ार चलोगी

(घ) चुपचाप बैठो हिलना-डुलना मत

(ङ) तुम्हें यह कहानी कैसी लगी

(च) अहा कितनी मीठी है

Answer:



- (क) नानी चीख उठी साँप!
(ख) साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था।
(ग) क्या तुम बाज़ार चलोगी?
(घ) चुपचाप बैठो। हिलना-डुलना मत।
(ङ) तुम्हें यह कहानी कैसी लगी?
(च) अहा! कितनी मीठी है।

Question 1:

तुम लड़के को क्या कहोगे? कारण देकर बताओ।
निडर, नादान, होशियार, शरारती, डरपोक, शर्मीला।
(याद रखो वह खोल में साँप लेकर भागा था।)

Answer:

नादान, क्योंकि उसे साँप को पकड़ना एक खेल लग रहा था। साँप कितना खतरनाक होता है इसका उसे पता ही नहीं था।

Question 1:

साँप धीरे-धीरे रेंग रहा था।

यहाँ धीरे शब्द का दो बार इस्तेमाल किया गया है। ऐसे ही और कुछ शब्द लिखो और उनसे वाक्य बनाओ।

चलते-चलते
पीछे-पीछे
.....
.....
.....

Answer:

चलते-चलते वह चलते-चलते गिर गया
पीछे-पीछे तुम मेरे पीछे-पीछे कब आए?
आगे-आगे वह आगे-आगे भाग रहा था।
भाग-भाग भाग-भाग कर काम किया करो।
मोटे-मोटे यहाँ बड़े मोटे-मोटे मच्छर हैं।
घसीट-घसीट यह घसीट-घसीट कर क्यों चल रहा है?



CHAPTER - 13 मिर्च का मज़ा

Question 1:

काबुलीवाले को सब्जी बेचने वाली की भाषा अच्छी तरह समझ नहीं आती थी। इसलिए उसे अपनी बात समझाने में बड़ी मुश्किल हुई। चलो, देखते हैं तुम अपनी बात बिना बोले अपने साथी को कैसे समझाते हो? नीचे लिखे वाक्य अलग-अलग परिचियों में लिख लो। एक पर्ची उठाओ। अब यह बात तुम्हें अपने साथी को बिना कुछ बोले समझानी है—

1. मुझे बहुत सर्दी लग रही है।
2. बिल्ली दूध पी रही है, उसे भगाओ।
3. मेरे दाँत में दर्द है।
4. चलो, बाज़ार चलते हैं।
5. अरे, ये तो बहुत कड़वा है।
6. चोर उधर गया है, चलो उसे पकड़ें।
7. पार्क में चलकर खेलेंगे।
8. मुझे डर लग रहा है।
9. उफ़ ये बदबू कहाँ से आ रही है।
10. अहा! लगता है कहीं हलवा बना है।

Answer:

इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी अपने साथी विद्यार्थी की मदद से स्वयं करें।

Question 1:

काबुलीवाले ने कहा – अगर ये लाल चीज़ खाने की है, तो मुझे भी दे दो।

सब्जी बेचने वाली ने कहा – हाँ ये तो सब खाते हैं। ले लो।

इस तरह बेचारा काबुलीवाला मिर्च खा बैठा। तुम्हारे हिसाब से काबुलीवाले को मिर्च देखने के बाद क्या पूछना चाहिए था?

Answer:

काबुलीवाले को सब्जी वाले से पूछना चाहिए था कि ये क्या हैं? इन्हें कैसे खाया जाता है? इनका स्वाद कैसा होता है?

Question 1:

मुँह सारा ज़ल उठा और आँखों में ज़ल भर आया।



यहाँ जल शब्द को दो अर्थों में इस्तेमाल किया गया है।

जल – जलना, तीखा

जल – पानी

इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों के भी दो अर्थ हैं।

इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक-एक वाक्य बनाओ पर ध्यान रहे–

- वाक्य में वह शब्द दो बार आना चाहिए
- दोनों बार उस शब्द का मतलब अलग निकलना चाहिए। (जैसे ऊपर दिए गए वाक्य में जल)

हार
आना
उत्तर
फल
मगर
पर

Answer:

हार– जीत का हार पहनना चाहता था पर हार गया।
आना- चार आना लेकर जाओ और टॉफी लेकर जल्दी आना।
उत्तर- राजकुमार ने कहा इसका उत्तर, उत्तर दिशा में छिपा है।
फल- फल चुराकर तोड़ने का फल ठीक नहीं होता।
मगर- मैं नदी किनारे गया मगर वहाँ मगर नहीं मिले।
पर- यहाँ पर रखे मोर के पर गिनों।

Question 1:

कविता की वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखो जिनसे पता चलता है कि

(क) काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके से बोलता था।

.....

(ख) काबुलीवाला कंजूस था।

.....

(ग) मिर्च बहुत तीखी थी।

.....

(घ) काबुलीवाले को मिर्च के बारे में नहीं पता था।

.....

(ङ) काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च चाहिए थी।



Answer:

- (क) दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की
कुँजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-ज्यों कुछ समझाकर
(ख) जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा!
(ग) मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया।
(घ) लाल-लाल पतली छीमी हो चीज़ अगर खाने की।
(ङ) तो हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

Question 1:

- चवन्नी मतलब चार आना। अब बताओ –
चार आना मतलब 25 पैसे। अठन्नी मतलब आने।
तो एक रुपए में कितने पैसे? इकन्नी मतलब आना।
दुअन्नी मतलब आने।

Answer:

- एक रुपए में 25 पैसे के चार सिक्के (16 आने)
अठन्नी मतलब आठ आने।
इकन्नी मतलब एक आना।
दुअन्नी मतलब दो आने।

Question 1:

तुम बाज़ार गए। दुकानों में बहुत-सी चीज़ें रखी हैं। तुम्हें दूर से ही अपनी मनपसंद की चीज़ का दाम पता करना है, पर तुम्हें उस चीज़ का नाम नहीं पता। अब दुकानदार से दाम कैसे पूछोगे?



Answer:

हर चीज़ की ओर इशारा करके या उसे उठा कर पूछें कि इसका नाम या दाम कितना है?

Question 1:

कुंजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-ज्यों कुछ समझाकर

इस पंक्ति को ऐसे भी लिख सकते हैं –

बेचारा ज्यों-ज्यों कुछ समझाकर कुंजड़िन से बोला।

अब इसी तरह इन पंक्तियों को फिर से लिखो –

(क) हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की।

.....

(ख) वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते।

.....

(ग) जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा।

.....

(घ) एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी।

.....

Answer:



- (क) हमको फ़कत चार आने की तोल दो छीमियाँ।
(ख) वह मिर्च की छीमी को सिसियाते खाता ही रहा।
(ग) तू अपनी राह जा सिपाही मैं पैसा खाता हूँ।
(घ) लोग एक काबुलीवाले की कहानी कहते हैं।

Question 1:

काबुलीवाले ने मिर्च को स्वादिष्ट फल क्यों समझ लिया?

Answer:

काबुलीवाले ने ऐसी लाल मिर्च पहले नहीं देखी थी। वे मिर्चें गहरे लाल रंग थीं। वे दूर से देखने में स्वादिष्ट लग रही थीं। अतः काबुलीवाने ने उन्हें फल समझ लिया।

Question 2:

सब्ज़ी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होगी?

Answer:

सब्ज़ी बेचने वाली को पहले तो काबुलीवाले की बात ही नहीं समझ में आई। फिर उसने सोचा होगा कि इसे लाल मिर्च ही चाहिए होगी। अतः उसने काबुलीवाले को झोली भर मिर्च दे दी होगी।

Question 3:

सारी मिर्चें खाने के बाद काबुलीवाले की क्या हालत हुई होगी?

Answer:

सारी मिर्चें खाने के बाद काबुलीवाले की हालत बहुत खराब हो गई होगी। उसकी आँख, नाक तथा मुँह से पानी गिर रहा होगा। जीभ, गले और पेट में भयंकर जलन हो रही होगी। मिर्च के मारे चक्कर आ रहे होंगे। वह साथ में सी-सी भी कर रहा होगा।

Question 4:

अगले दिन सब्ज़ी वाली टमाटर बेच रही थी। क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा?

Answer:

अगले दिन काबुलीवाले ने टमाटर नहीं खरीदे होंगे क्योंकि वह डर गया था कि पता नहीं इसका स्वाद कैसा हो।

Question 1:

अपने मन से बनाकर एक कविता यहाँ लिखो।



.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

बारिश

रिमझिम-रिमझिम बारिश आई

बूंदों की लड़ियाँ हैं छाई

गिरती टप-टप ऐसी बूँदें

मोती झरते झप से जैसे-

मनभावन ये बारिश प्यारी

तन-मन को भिगाती प्यारी

मम्मी भीगी, पापा भीगे,

रस्ते में सभी चलते भीगे

लेकर कोई छतरी भागे,

नहीं मिले तो ऐसे ही भागे,

बारिश रानी आई तुम

मेरे मन को भाई तुम

अगले बरस जल्दी आना

गरमी दूर भगाकर जाना।

Question 1:



लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया। तुम्हारे मुँह में किन चीज़ों को देखकर या सोचकर पानी आ जाता है?

.....

.....

Answer:

रसगुल्ला, चॉकलेट, केक, आम, चाट, रसमलाई, खीर, हलवा इत्यादि को देखकर हमारे मुँह में पानी आ जाता है।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



The banner features a central illustration of an interview room. On the left, a clock shows 1:50. In the background, an interviewer sits at a desk with a laptop. In the foreground, three candidates (two women and one man) sit on a bench, waiting. The text 'KVS MOCK INTERVIEW' is prominently displayed in large, bold letters. Below it, a yellow button reads 'Registration Open'. The banner is framed by a border of Adhyayan Mantra logos and the text 'अध्ययन मंत्र'.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 14 सबसे अच्छा पेड़

Question 1:

तीनों भाई किस मौसम में घर की तलाश में निकले?

Answer:

तीनों गर्मी के मौसम में घर की तलाश में निकले।

Question 2:

तुम्हें कैसे पता चला?

Answer:

इस मौसम में आम की चर्चा की गई है जोकि गर्मी के मौसम का फल है। अतः हमने अंदाज़ा लगा लिया कि यह गर्मी का मौसम है।

Question 3:

कौन-सा महीना होगा?

Answer:

यह लगभग जुलाई का महीना होगा क्योंकि उस समय बारिश भी थी और गर्मी भी।

Question 4:

घर की तलाश पर निकलने से पहले वे कहाँ रहते होंगे?

Answer:

घर की तलाश में निकलने से पहले वह गुफाओं में या खानाबदोशों की तरह कहीं भी रह जाते होंगे।

Question 1:

इन मौकों पर तुम किस पेड़ के पत्ते का इस्तेमाल करोगी-

मेहमान को खाना खिलाने के लिए	
बारिश में भीगते समय छाते की तरह	
सीटी बजाने के लिए	
रंग बनाने के लिए	
गर्मी से परेशान होकर पंखा करने के	



लिए

Answer:

मेहमान को खाना खिलाने के लिए
बारिश में भीगते समय छाते की तरह
सीटी बजाने के लिए
रंग बनाने के लिए
गर्मी से परेशान होकर पंखा करने के लिए

केले के पत्ते का
केले और पाम के पत्ते का
आम के पत्ते का
टेसू के फूल का
नारियल के पत्ते का

Question 1:

तुम्हें अगर पेड़ लगाना हो तो तुम कौन-सा पेड़ लगाओगी?

तुम वही पेड़ क्यों लगाना चाहोगी?

मैं अपने बगीचे में का पेड़ लगाऊँगी क्योंकि

Answer:

मैं अपने बगीचे में आम का पेड़ लगाऊँगी क्योंकि इसके फल, पत्तों, छाल तथा लकड़ी का विभिन्न रूपों में प्रयोग किया जा सकता है।

Question 1:

यहाँ कुछ पत्तियों के बारे में कुछ वाक्य दिए गए हैं।

वाक्यों को सही चित्र से मिलाओ।

पत्ती पहचान पा रही हो तो उसका नाम भी लिख दो।

(क)	लंबी पतली पत्ती जो आगे से नुकीली है।	
(ख)	नीचे से गोल आगे जाकर नुकीली हो जाती है।	
(ग)	जिसके किनारे लहरदार हैं।	
(घ)	गोल पत्ती	



Answer:

(क)

लंबी पतली पत्ती जो आगे से नुकीली है। यह आम की पत्ती है।



(ख)

नीचे से गोल आगे जाकर नुकीली हो जाती है। यह पीपल की पत्ती है।



(ग)

जिसके किनारे लहरदार हैं। यह केले की पत्ती है।



(घ)

गोल पत्ती यह कमल की पत्ती है।

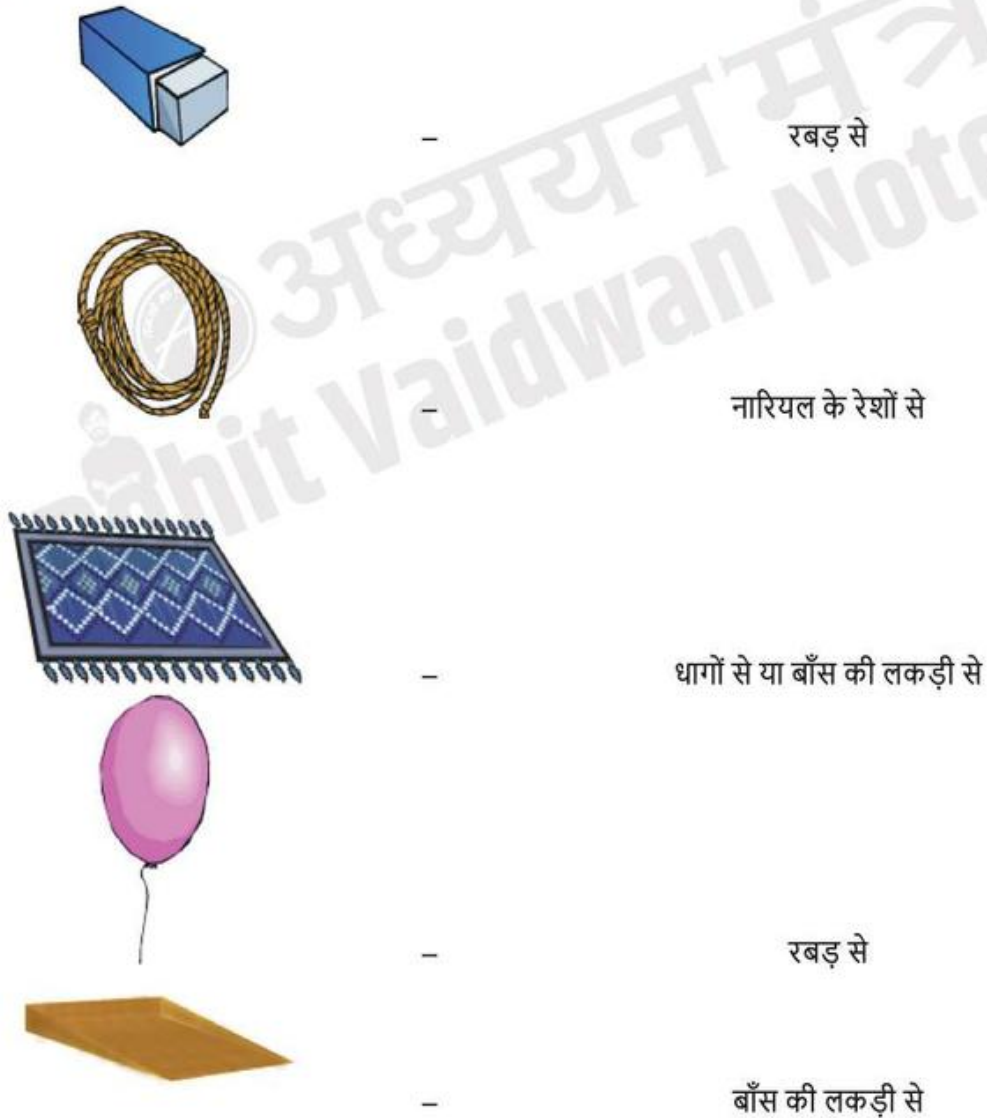


Question 1:

इनमें से कौन-सी चीज़ किससे बनी है?



Answer:





Question 1:

रबड़ के पेड़ की छाल पर चीरा लगाने से दूधिया रस निकलता है। पता करो किन पेड़ों या पौधों के पत्ते को तोड़ने पर दूधिया रस निकलता है। अब पत्तों को सुखाकर चिपकाओ।

- (क) जिनसे दूधिया रस निकलता हो।
(ख) जो चिकनी होती हों।
(ग) जिन पत्तियों की नसें उभरी हुई होती हैं।

Answer:

- (क) पीपल की टहनियों को काटने पर दूध जैसा निकलता है।
(ख) केला, मनीप्लान्ट
(ग) पान, पीपल
(नोट: इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं करें और पत्तियाँ एकत्र करके अपनी कॉपियों में लगाएँ।)

Question 1:

हम दाँतों को मंजन से माँजते हैं। इसीलिए मंजन को मंजन कहते हैं। अब सोचो और लिखो इनके नाम ये क्यों हैं?

दातुन
छलनी
मथनी

Answer:

- दातुन – इससे दाँत साफ़ होते हैं इसलिए इसका नाम दातुन है।
छलनी – इससे चीज़ें छानी जाती हैं। इसमें छेद होते हैं इसलिए इसे छलनी कहते हैं।
मथनी – इससे दूध दही मथा जाता है इसलिए इसका नाम मथनी है।

Question 1:

(क) सही जगह पर (✓) का निशान लगाओ।

	नारियल	आम	केला
सबसे घना			
सबसे ऊँचा			
चढ़ने में सबसे आसान			
सबसे मोटा तना			
सबसे बड़े पत्ते			
सबसे मीठा फल			



फल खाना सबसे आसान

Answer:

	नारियल	आम	केला
सबसे घना		✓	
सबसे ऊँचा	✓		
चढ़ने में सबसे आसान		✓	
सबसे मोटा तना		✓	
सबसे बड़े पत्ते	✓		✓
सबसे मीठा फल		✓	✓
फल खाना सबसे आसान		✓	✓

Question 2:

कुछ और फलों के नाम लिखो।

गुठली वाले	बिना गुठली वाले
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

गुठली वाले	बिना गुठली वाले
आम, खुबानी, आड़ू	केला, पपीता, खरबूजा
लीची, चीकू	सेब, अमरूद, तरबूज
आलू बुखारा, बेर	संतरा, मौसमी
जामुन	अनार

Question 1:

किन फलों को छिलके के साथ नहीं खा सकते?

Answer:

नारियल, अनार, संतरा, मौसमी, केला, पपीता, आम, तरबूज, खरबूजा इत्यादि फलों को छिलके के साथ नहीं खा सकते हैं।।



Chapter 1 कक्कू

प्रस्तुत कविता के कवि रमेशचंद्र शाह हैं।

कवि का जन्म उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 15 नवम्बर 1937 को हुआ था। इनकी प्रमुख रचनाओं में 'रचना के बदले', 'विनायक', आदि शामिल हैं।

इन्हें वर्ष 2014 में 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' दिया गया।

कविता का सारांश:

प्रस्तुत कविता में कक्कू (कोयल) नामक एक बालक का वर्णन किया गया है। कविता के प्रथम भाग में कवि कहता है कि कक्कू कोयल के समान बिल्कुल भी नहीं है। वह तो दिनभर केवल रोता रहता है। जिस कारण उसके दोस्त उसे सक्कू कहकर पुकारते रहते हैं।

* सक्कू

जो सिसकियाँ लेते हुए रोता है।

कविता के दूसरे भाग में कवि कहता है कि कोयल का स्वर तो बहुत सुरीला होता है लेकिन कक्कू तो जरा सा मजाक करने पर तुरंत ही गुस्सा करने लगता है। जिस कारण उसके दोस्त उसे भक्कू कहकर पुकारते रहते हैं।

* भक्कू

जो बहुत जल्दी भडक जाता है।

कविता के तीसरे भाग में कवि कहता है कि कोयल मीठा गीत गाती है लेकिन कक्कू तो हर बात में चिढ़ जाता है और बात बात पर झगड़ा करने लगता है। जिस कारण उसके दोस्त उसे झक्कू* कहकर पुकारते रहते हैं।

* झक्कू

जो हमेशा झगड़ा करता रहता है।

Chapter 2 - शेखीबाज मक्खी

- इस कहानी के लेखक योगेश जोशी हैं।
- इनका जन्म 3 जुलाई 1955 को गुजरात के महेसाणा में हुआ।
- वह गुजराती साहित्य परिषद के प्रकाशन परब के संपादक हैं।
- वे कवि होने के साथ साथ लघु कथाकार और उपन्यासकार भी हैं।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी एक शेखीबाज (अभिमानी) मक्खी की है।
- एक जंगल में एक शेर अपना भोजन करके आराम से सो रहा था। वह कई दिनों से नहाया नहीं था।
- तब एक मक्खी उड़ती हुई आई और उसके कान में भिन्न भिन्न करने लगी।



- शेर को इन आवाज से नींद नहीं आ रही थी। वह गुस्सा हो गया और मक्खी को भाग जाने के लिए कहा।
- वह मक्खी बड़ी घमंडी थी। उसने जंगल के राजा शेर को लड़ने की चुनौती दे दी।
- तभी शेर को गुस्सा आ गया। उसने कान के पास पंजा मारा, लेकिन मक्खी उड़ गयी और शेर का कान छिल गया।
- इस प्रकार खुद पर प्रहार करने के कारण शेर स्वयं ही घायल हो जाता और मक्खी उड़ जाती।
- अंत में शेर थक गया और उसने मक्खी के आगे हाथ जोड़ कर कहा कि तुम जीती।
- इस प्रकार मक्खी शेर को हरा कर अपने घमंड में चूर हो गयी।
- आगे जाकर उसे रास्ते में एक हाथी मिला। हाथी को उसने प्रणाम करने को कहा।
- हाथी ने अपना समय बर्बाद करने के बजाय अपनी सूँढ़ को उठाया। मक्खी को प्रणाम किया और आगे बढ़ गया।
- लोमड़ी यह सब दूर से देख रही थी। आगे मक्खी ने उसे भी प्रणाम करने को कहा।
- लोमड़ी चालाक थी। वह मक्खी को प्रणाम करके बोली कि आप धन्य हो। लेकिन मक्खी तो आपको गाली दे रही है। आप उसकी खबर ले लो।
- यह सुनकर मक्खी मक्खी के पास गई। वह मक्खी की ओर झपटी और मक्खी के बनाये जाल में फँस गयी।
- वह जितनी बाहर निकलने का प्रयास करती, उतना ही फँसती जाती। इस प्रकार मक्खी थककर हार गयी।
- मक्खी की ऐसी दुर्दशा देखकर लोमड़ी मुस्कराई और आगे बढ़ गयी।

नैतिक शिक्षा:

इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी खुद पर अभिमान या घमंड नहीं करना चाहिए।

Chapter 3 - चाँद वाली अम्मा

- इस कहानी की लेखिका तारा निगम है।
- वह एक प्रसिद्ध लघुकथाकार है।
- उन्होंने "माँ मैं गुडिया नहीं लूंगी" और "आना मेरे गाँव" जैसी कहानियाँ लिखी है।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में तारा निगम ने एक बूढ़ी अम्मा और आसमान के बारे में बताया है।
- कहानी में बताया गया है कि बहुत समय पहले एक बूढ़ी अम्मा अकेली रहती थी और अपने घर का सारा काम अकेले ही कर लेती थी।
- हर बार जब वह सुबह घर के आँगन में झाड़ू लगाने आती थी तो हमेशा आसमान उसकी कमर से टकरा जाता था।
- जब अम्मा उसे घूरती थी तो वह पीछे हट जाता था।
- इस प्रकार आसमान हमेशा अम्मा के साथ शरारत किया करता था।
- इसी बीच एक दिन जब अम्मा का किसी के साथ झगड़ा हो गया तो उस दिन वह बहुत गुस्से में थी।
- उस दिन जब आसमान अम्मा से शरारत करने लगा तो गुस्से में होने के कारण अम्मा उस पर झाड़ू मार दी।



- तब उस शरारती आसमान ने झाड़ू को पकड़ लिया और अम्मा को ऊपर खींचने लगा।
- अम्मा अब जमीन से ऊपर थी और बहुत डर रही थी।
- तभी अम्मा को बगल में चाँद दिखाई दिया और अम्मा झाड़ू के साथ चाँद पर बैठ गई।
- यह देखकर आसमान डर गया और भाग गया।
- अब अम्मा झाड़ू के साथ ही चाँद पर बैठी रह गई और तभी से अम्मा झाड़ू पकड़े चाँद पर बैठी हुई है।

Chapter 4 - मन करता है

- प्रस्तुत कविता के कवि सुरेन्द्र विक्रम है।
- इनका जन्म 1 जनवरी 1961 को उत्तर प्रदेश के बरोख में हुआ था।
- सुरेन्द्र विक्रम एक बालसाहित्यकार है।
- उनकी कविता 'उलझन' 25 भाषाओं में देश के बच्चों का ज्ञानवर्द्धन कर रही हैं।
- सुरेन्द्र विक्रम को बालसाहित्य रचनाओं के लिए कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में एक ऐसे बच्चे का वर्णन किया गया है जो बहुत कुछ बनना चाहता है।
- बालक का दिमाग बहुत चंचल और वह अपनी ही कल्पना में बहुत कुछ बनना चाहता है।
- कविता में कवि कहता है कि बालक का मन सूरज के समान बनकर आकाश में दौड़ लगाना चाहता है और चाँद के समान बनकर सितारों पर गर्व दिखाना चाहता है।
- बालक दादा के समान बनकर सभी को डटिना चाहता है। वह अपने पिता की तरह मूँछे भी रखना चाहता है।
- बालक तितली बनकर दूर-दूर तक उड़ना चाहता है और कभी-कभी कोयल बनकर मीठे- मीठे बोल सुनाना चाहता है।
- वह चिड़िया के समान बनकर चीं चीं चूँ चूँ करके शोर मचाना चाहता है।
- बालक कभी- कभी चर्खी लेकर पीली लाल पतंग उड़ाना चाहता है।
- इस प्रकार यह बालक बहुत सारी कल्पनाओं को लेकर अपने सपनों को पूरा करना चाहता है।

Chapter 5: बहादुर बित्तो

- प्रस्तुत कहानी पंजाब की एक लोक कथा पर आधारित है।
- इस कहानी में एक किसान हैं और उसकी पत्नी का नाम बित्तो है।
- कहानी में बित्तो की बहादुरी के बारे में बताया गया है।

कविता का सारांश:

- एक दिन किसान ने अपनी पत्नी से कहा जब मैं खेती कर रहा था तो वहाँ एक शेर आया।



- शेर ने किसान से कहा कि वह उसे अपना बैल खाने को दे वरना वह किसान को ही खा जाएगा ।
- यह बात सुनकर बित्तो ने अपनी बुद्धि लगाई और शेर से यह कहने को कहा कि उसके लिए एक ताजा मोटा घोड़ा लाया जाएगा ।
- इसके बाद बित्तो ने अपने सिर पर कपड़ा बांधा और हाथ में दरांती लेकर घोड़े पर बैठ गई।
- इसके बाद वह खेत में पहुंची और किसान से कहा कि तुमने तो चार शेर फंसाए थे लेकिन यहां सिर्फ एक ही हैं ।
- फिर बित्तो ने कहा कि इस एक शेर का ही नाशता कर लेते हैं।
- बित्तो की यह बात सुनकर शेर डर गया और वहां से भाग गया ।
- यह सब लोमड़ी ने देखा और शेर से कहा कि वह राक्षसी नहीं है ।
- इसके बाद शेर लोमड़ी की पूंछ के साथ अपनी पूंछ बांधकर वापस खेत गया ।
- उन्हें आता देखकर बित्तो ने लोमड़ी से कहा कि तुमने तो चार शेर लाने का वादा किया था लेकिन यह तो एक ही है ।
- यह बात सुनकर शेर बहुत ज्यादा डर गया और वहां से तुरंत भाग गया । इसके बाद वह वहां कभी नहीं लौटा
- अब किसान और उसका परिवार बहुत खुशी से रहने लगा था ।

Chapter 6: हमसे सब कहते

Chapter 6: हमसे सब कहते

- प्रस्तुत कविता के कवि निरंकार देव सेवक है।
- कवि का जन्म बरेली उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- कवि एक बाल साहित्यकार हैं । उन्होंने बहुत से शिशु गीत भी लिखे हैं।
- उन्होंने "दूध जलेबी", "माखन मिसरी", "रिमझिम " आदि कई कविताएं लिखी है ।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में एक बालक अपनी शिकायतों का वर्णन कर रहा है ।
- कविता में कवि ने उन्हीं शिकायतों को लिखा है कविता के प्रथम भाग में बालक अपनी शिकायतें बताता हुआ कहता है कि कोई भी सूरज के अपनी शिकायतें बताता हुआ कहता को रोशनी फैलाने को मना नहीं करता है और चांद को उसकी चांदनी बिखेरने को मना नहीं करता है ।
- कविता के दूसरे भाग में बालक शिकायत करता है कि हवा को घर के अंदर आने से कोई नहीं रोकता है और तेज बारिश होने पर भी बादल से कोई सवाल नहीं करता है ।
- कविता के तीसरे भाग में बालक प्रश्न पूछता हुआ कहता है कि जब इन सभी को नहीं रोका जाता है तो फिर भैया मुझे पास आने से क्यों रोकते हैं और मां घर में खिलौने फैलाने से मना क्यों करती हैं । पापा घर के अंदर खेलने से मना क्यों करते हैं ।
- अंत में बालक कहता है कि सभी लोगों का बस तो सिर्फ मेरे ऊपर ही चलता है । जो भी आता है वह डांट लगाता है ।



Chapter 7: टिपटिपवा

- इस कहानी की लेखिका गिरिजा रानी अस्थाना है।
- उन्होंने बच्चों के लिए 100 लघु कथाएँ लिखी हैं।
- उन्होंने हिंदी पुस्तक "दुश्मनी से दोस्ती तक" के लिए हिंदी अकादमी पुरस्कार जीता है उन्होंने "एक दोस्त सांप" कहानी भी लिखी है।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी उत्तर प्रदेश की एक लोक कथा पर आधारित है।
- इस कहानी में एक बुढ़िया का वर्णन किया गया है जो अपने पोते को सोते समय रोज रात को कहानी सुनाती है।
- कहानी में बताया गया है कि एक दिन गांव में बहुत तेज बारिश हुई जैसे पहले कभी नहीं हुई थी।
- तेज बारिश का पानी उस बुढ़िया के झोपड़ी में जगह-जगह से टपक रहा था। बुढ़िया इससे परेशान हो गई थी।
- उसका पोता कहानी सुनना चाह रहा था लेकिन बुढ़िया ने कहा कि सबसे पहले हमें टिपटिपवा से जान बचानी होगी।
- तब पोते ने पूछा कि टिपटिपवा का डर शेर और बाघ से भी बड़ा है। तो बुढ़िया ने कहा टिपटिपवा का डर इन दोनों से बहुत बड़ा।
- यह बात बुढ़िया की झोपड़ी के पीछे बैठा बाघ सुन रहा था। बाघ बुढ़िया की यह बात सुनकर वहां से डरकर भाग गया।
- उसी गांव में एक धोबी रहता था जिसका गधा सुबह से नहीं मिल रहा था। पत्नी के कहने पर वह पंडित जी के पास गया और अपनी परेशानी के बारे में बताया।
- धोबी की परेशानी को सुन कर पंडित जी ने गधे को तालाब के पास ढूंढने को कहा।
- जब धोबी तालाब के पास गया तो वहां ऊंची ऊंची खास के पीछे वह डरा हुआ छुपा हुआ था।
- वहां अंधेरा था। धोबी ने उसे डंडे से मारना शुरू किया।
- शेर डरा हुआ था उसने सोचा कि यही टिपटिपवा है।
- धोबी शेर को गधा समझ कर घर लाया और उसे बांध दिया।
- अगले दिन सुबह सभी ने देखा कि वह एक शेर है तो सभी डर गए।

Chapter 8 - बंदर बाँट

- इस कहानी के लेखक हरिवंश राय बच्चन हैं।
- हरिवंश राय बच्चन का जन्म 27 नवम्बर 1907 को उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- उन्होंने अनेक कविताएं और किताबें भी लिखी हैं।
- इन्हें पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी दो बिल्लियों और एक बंदर की है।



- इस कहानी में दो बिल्लियों की आपस में होने वाली लड़ाई और बंदर की रोटी खा जाने का वर्णन किया गया है।
- कहानी में एक सफेद बिल्ली और एक काली बिल्ली है।
- दोनों बिल्लियां बहुत भूखी है और आगे चलकर कुछ देर बाद उन्हें रोटी की गंध आती है।
- मेज पर उन्हें रोटी रखी हुई दिखाई देती है लेकिन सफेद बिल्ली रोटी लेने से डरती है काली बिल्ली उस रोटी को ले लेती है।
- तभी सफेद बिल्ली कहती है कि तुमने मेरे कहने पर ही वह रोटी उठाई है। काली बिल्ली कहती है कि इस पर मेरा हक है।
- इस प्रकार दोनों में झगड़ा शुरू हो जाता है।
- तभी एक बंदर आता है और उनका न्याय करने के लिए कहता है।
- बंदर सफेद बिल्ली से पूछता है कि तुमने रोटी दोनों आंखों से देखी है या एक आंख से। सफेद बिल्ली कहती है कि उसने दोनों आंखों से रोटी को देखा था।
- अब बंदर काली बिल्ली से पूछता है कि तुम दोनों टांगों से झपटी थी या एक टांग से। इसके बाद बंदर अपना तराजू निकालता है और तराजू के दोनों तरफ रोटी के दो टुकड़े करके रख देता है।
- तराजू के एक हिस्से में वजन ज्यादा और दूसरे में कम हो जाता है जिससे बंदर वजन बराबर करने के लिए रोटी खा जाता है।
- इस प्रकार बंदर बारी बारी से रोटी के दोनों टुकड़ों को पूरा खा जाता है और भाग जाता है।
- अंत में दोनों बिल्लियां पछताती हुई रह जाती हैं।

इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी से झगड़ना नहीं चाहिए।

Chapter 9. अकल बड़ी या भैंस

- प्रस्तुत कहानी में अकल बड़ी या भैंस का अच्छी प्रकार से वर्णन किया गया है।
- इस कहानी में एक पहलवान और एक आफ़ती नाम का व्यक्ति है।
- एक दिन पहलवान ने आफ़ती से कहा कि मैं तुमसे ज्यादा ताकतवर हूँ।
- तब आती ने पहलवान से उसकी ताकत के बारे में पूछा।
- जवाब में पहलवान ने कहा कि वह चट्टान को आसानी से उठाकर उछाल सकता
- इसके बाद दोनों शहर की चारदीवारी के पास चले जाते हैं।
- आफ़ती पहलवान से एक रुमाल को चारदीवारी के दूसरी तरफ फेंकने को कहता है।
- तब पहलवान खुद पर घमंड करता हुआ पूरी जोर के साथ रुमाल को फेंकता है। लेकिन रुमाल वहीं गिर जाता है और आफ़ती उस पर हंसने लगता है।
- इसके बाद आती रुमाल पर एक पत्थर बांधकर उसे एक ही बार में दीवार के दूसरी तरफ फेंक देता है।
- अंत में पहलवान अपना सिर खुजाता ही रह जाता है

नैतिक शिक्षा :

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि केवल शरीर से बलवान होने से कुछ नहीं होगा। हमें दिमाग से भी काम लेना होगा।



Chapter 10 - क्योंजीमल और कैसे - कैसलिया

- कहानी के लेखक सुबीर शुक्ला है।
- उन्होंने कई प्रकार की रचनात्मक कहानियां लिखी हैं।
- वे लेखक होने के साथ-साथ शिक्षाविद भी हैं।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में दो दोस्तों और उनके गुरु जी के बीच रोटी बनाने की विधि का वर्णन किया गया है।
- दो दोस्त हैं एक का नाम क्योंजीमल और दूसरे का नाम कैसलिया है।
- क्योंजीमल हमेशा क्यों क्यों करता रहता है और कैसलिया हमेशा कैसे-कैसे करता रहता है
- एक बार इन दोनों दोस्तों की मुलाकात इन के गुरुजी से हुई, गुरुजी साइकिल से गेहूं पिसाने जा रहे थे।
- गुरु जी को देखकर उन्होंने उनसे सवाल करने शुरू कर दिए।
- उन्होंने गुरुजी से पहला प्रश्न पूछा आप कहां जा रहे हो ?
- गुरुजी ने उत्तर में कहा मैं आटा पिसाने जा रहा हूं।
- उन्होंने गुरुजी से दूसरा प्रश्न पूछा आपको यह साइकिल कहां से मिली ?
- गुरुजी ने उत्तर में कहा कि मैं साइकिल शिवदास से लेकर आया हूं।
- उन्होंने तीसरा प्रश्न पूछा आप आटा पिसाने क्यों जा रहे हो ?
- गुरुजी ने उत्तर दिया कि मैं रोटी बनाने के लिए आटा पिसाने जा रहा हूं।
- उन्होंने गुरुजी से चौथा प्रश्न पूछा रोटी कैसे बनती है ?
- गुरुजी ने उत्तर दिया कि सबसे पहले रोटी को सानते हैं फिर बेलते हैं और इसके बाद उसे पका लेते हैं।
- उन्होंने पांचवा प्रश्न पूछा कि रोटी को सानते क्यों है ?
- गुरुजी ने उत्तर दिया कि आटे में थोड़ा पानी रहता है और आग में तपने पर यह पानी भाप बनकर रोटी को पका देता है।
- उन्होंने गुरुजी से छठा प्रश्न पूछा कि रोटी को सानते कैसे हैं।
- गुरुजी ने उत्तर दिया कि इसके लिए सबसे पहले परात में आटा निकालते हैं और उसमें चुटकी भर नमक मिलाते हैं और हाथ से धीरे-धीरे पानी डालते हुए इसे मिलाते हैं।
- उन्होंने सातवा प्रश्न पूछा कि आटे को परात में ही क्यों सानते हैं ?
- गुरुजी ने इसका उत्तर ना देकर कहा कि तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर देते रहने पर तो चक्की ही बंद हो जाएगी और यह कहकर गुरुजी चले गए।

Chapter 11- मीरा बहन और बाघ

- प्रस्तुत कहानी मीरा बहन पर लिखी गई है।
- कहानी में मीरा बहन की अहिंसा के बारे में बताया गया है।
- मीरा बहन का जन्म इंग्लैंड में हुआ था।



- वह गांधी जी के विचारों से प्रभावित थी इसलिए उन्होंने अपना परिवार छोड़कर गांधीजी के साथ काम करना शुरू कर दिया
- आजादी मिलने के बाद वह उत्तर प्रदेश के गेवली गांव में गोपाल आश्रम स्थापित करके वहां रहा करती थी।
- गांव में आसपास के जंगल से बाघ आने का बहुत खतरा होता था। बाघ कभी - कभी किसानों की पालतू जानवरों का शिकार कर लिया करता था।
- एक दिन बहुत परेशान होने के बाद वह मीरा बहन के पास गए।
- गांव के लोगों ने बाघ को फंसाने के लिए पिंजरा बनाया और उसके अंदर एक बकरी रख दी जिससे बाघ पिंजरे में फंस जाए
- अगली सुबह जब लोग वहां गए तो उन्होंने बाघ अंदर नहीं है।
- पाया कि पिंजरे का दरवाजा बंद है लेकिन पाया कि विका
- सब हैरान रह गए और सभी लोग मीरा बहन के पास गए।
- जब मीरा बहन ने उनकी समस्या सुनी तो कहा कि बाघ को धोखा नहीं देना था इसलिए दरवाजा मैंने ही बंद कर दिया था।

इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें हिंसा का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

Chapter 12 - जब मुझको साँप ने काटा

- कहानी के लेखक शंकर है
- उनका पूरा नाम मणि शंकर मुखर्जी है।
- उनका जन्म 7 दिसंबर 1933 को पश्चिम बंगाल में हुआ था
- वे लेखक होने के साथ-साथ एक उपन्यासकार भी हैं।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में लेखक ने अपने बचपन के दिन का वर्णन किया है।
- लेखक कहते हैं कि बचपन में उन्होंने एक साँप को नारियल के खोल में जाते हुए देखा।
- लेखक ने पत्थर का टुकड़ा लगाकर खोल को बंद कर दिया और अपनी नानी के पास गए।
- जब नानी को पता चला तो वह चिल्लाने लगी और नाना दौड़ते हुए बाहर आए।
- नाना ने तुरंत लेखक के हाथ से नारियल छीन कर फेंक दिया और कहा कि साँप बहुत खतरनाक होते हैं। इनके पास नहीं जाना चाहिए।
- इसके कुछ समय बाद ही लेखक एक बर्र को पकड़ने की कोशिश करने लगे। इस कारण बर्र ने उन्हें काट लिया। जिससे लेखक को बहुत दर्द होने लगा।
- नानी ने सोचा कि साँप ने काट लिया है। नाना ने तुरंत लेखक को गोद में ले लिया। बाग और धान के खेतों को पार करके वह झोपड़ी में पहुँचे जहाँ एक बूढ़ा आदमी खड़ा था।
- बूढ़ा आदमी लेखक को अंदर ले गया और पीतल के बर्तन में पानी लेकर मंत्र पढ़ने लगा।
- कुछ समय बाद लेखक का दर्द ठीक हो गया।



- बूढ़े आदमी ने अपनी ऊँगली पानी में धोई और लेखक को पानी पीने को दिया और कहा अब तुम खतरे से बाहर हो।
- सभी लोगो ने उस आदमी को धन्यवाद दिया। नाना ने उसे बहुत सारे उपहार भी दिए।

Chapter 13 - मिर्च का मजा

- प्रस्तुत कविता के कवि रामधारी सिंह दिनकर हैं।
- कवि का जन्म 23 सितंबर 1908 को बिहार में हुआ था।
- इनकी प्रमुख रचनाओं में 'परशुराम की प्रतीक्षा' शामिल हैं।
- इन्हें वीर रस का श्रेष्ठ कवि माना जाता है।
- उन्हें पद्मभूषण और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में कवि ने एक काबुलीवाले की प्रसिद्ध कहानी का वर्णन किया है। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं कि लोगो से उन्होंने एक काबुलीवाले के बारे में सुना है।
- कहानी के अनुसार एक काबुलीवाला था। उसने कभी लाल मिर्च देखी नहीं थी। लाल मिर्च को देखकर उसके मुंह में पानी आ गया था।
- काबुलीवाले ने सोचा कि यह जरूर कोई मौसमी फल होगा इसको खाने से ताकत आ जाएगी। यह सोचकर उसने एक कुंजड़िन को एक चवत्री देकर अपना झोला फैलाया।
- काबुलीवाले ने कुंजड़िन को कहा कि यह खाने की चीज़ है।
- कुंजड़िन उत्तर देती है कि यह तो सब खाते हैं।
- इसके बाद कुंजड़िन ने एक सेर लाल मिर्च से उसकी झोली भर दी।
- काबुलीवाला इस सस्ते सौदे से बहुत खुश था। इसके बाद वह नदी के किनारे बैठकर मिर्च खाने लगा।
- आगे कवि कहते हैं कि लाल लगती है। उसकी आँखों से मिर्च खाने के तुरंत बाद काबुलीवाले की जुबान जलने पानी आ जाता है।
- काबुलीवाला सोचता है कि उसने मिर्च खरीदने में पैसे खर्च किये थे। वह बिना पूरा पैसे वसूले उनको नहीं छोड़ सकता है।
- आँखों से आसू आने के बाद भी वह अपनी आँखें पोंछतेदांत पीसते, रोते और गुस्सा करते हुए लाल मिर्च को सी-सी करते हुए खाता जाता है।
- तभी एक सिपाही वहां आकर उसे लाल मिर्च नहीं खाने को कहता है।
- काबुलीवाला यह बात सुनकर चिढ़ जाता है और सिपाही को वहां से चले जाने को कह देता है।
- अंत में वह कहता है कि मैंने इन लाल छिमियों पर पैसा लगाया है इसलिए मैं इन्हें खत्म करूंगा।



Chapter 14- सबसे अच्छा पेड़

- प्रस्तुत कहानी तीन भाईयों की है।
- लेखक ने कहानी के माध्यम से पेड़ों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला।
- एक दिन सुबह तीनों भाई अपने लिए नए घर की खोज में निकल पड़ते हैं।
- आगे कुछ दूर चलने के बाद उन्हें एक आम का पेड़ दिखाई देता है और वे तीनों उस आम के पेड़ के नीचे आराम करने लगते
- तीनों बैठकर पेड़ के पके आम खाने लगते
- तभी बड़े भाई ने कहा कि मुझे तो यह जगह बहुत पसंद है और कहा कि आम के पेड़ से बढ़कर और कुछ नहीं हो सकता है।
- बड़े भाई ने उन दोनों को बताया कि जब आम कच्चे होंगे तो इसका अचार बना सकते हैं। पक जाने पर मीठे मीठे आम खा सकते हैं।
- इस प्रकार बड़े भाई ने आम के पेड़ के नीचे ही अपनी झोपड़ी बना ली और वहीं पर रहने लगा।
- बाकी के दोनो भाई आगे बढ़ गए। कुछ दूर चलते चलते आसमान में बादल छा गए।
- तभी उन्हें केले के कुछ पेड़ मिले। दोनों ने केले का पत्ता काट लिया। पत्ते को उन्होंने अपने सिर के ऊपर रख लिया। जिस कारण वे दोनों नहीं भीगे।
- कुछ देर बाद जब बारिश रुक गई तो दोनों ने केले के पत्ते पर खाना लेकर भरपेट खाना खाया। साथ ही केला भी खाया।
- तभी दूसरा भाई बोला कि मैं तो यही पर घर बनाऊंगा। मुझे तो केले का पेड़ बहुत अच्छा लगा। वह बोला हम केले खा सकते हैं। उनकी सब्जी बना सकते हैं। कुछ केले हम बेच सकते हैं और उन पैसों से चावल खरीद सकते हैं।
- इस प्रकार दूसरे भाई ने वही पर ही अपनी झोपड़ी बना ली।
- अब तीसरा भाई अकेला ही आगे बढ़ गया। कुछ दूरी पर उसे नारियल का एक पेड़ मिला।
- उसे बहुत प्यास लग रही थी। तभी एक नारियल ऊपर से नीचे गिर गया।
- उसने चाकू से नारियल की जटाएं साफ़ की और नारियल का मीठा पानी पी लिया।
- तीसरा भाई, वहां बैठकर सोचने लगा कि आम और केले का पेड़ बहुत अच्छा होता है।
- वह नीम के पेड़ के बारे में सोचते हुए कहता है कि नीम के पेड़ की दातुन अच्छी होती है। यदि कोई घर में बीमार हो तो लोग नीम की टहनियाँ दरवाजे पर लटका देते हैं।
- वह कहता है कि रबड़ का पेड़ होने से पेड़ की छाल में एक लम्बा चीरा लगा करके, दुधिया रस से रबड़ बनाया जा सकता है।
- नारियल के फल की जटाओं से रस्सियाँ बनायीं जा सकती हैं। इनसे चटाई भी बनती हैं। नारियल का पानी भी पिया जाता है। नारियल के गोले से तेल साबुन आदि बनाया जा सकता है।
- इस प्रकार तीसरा भाई मन में सोचते हुए कहता है कि मेरे लिए तो नारियल का पेड़ ही अच्छा है।
- तीसरा भाई नारियल के पेड़ के नीचे अपनी झोपड़ी बना लेता है और आनंद से रहने लगता है।

नैतिक शिक्षा:

इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि कोई पेड़ अच्छा या बुरा नहीं होता है। सभी पेड़ की अपनी अलग अलग खासियत होती है। उसी प्रकार सभी मनुष्यों की भी अलग अलग खासियत होती है।



अध्ययनमंत्र



LIKE



SHARE



SUBSCRIBE



Connecting Platforms



Portal: live.adhyayanmantra.com

Web: www.adhyayanmantra.com

 **Rohit Vaidwan Notes**



Important links available given below:

CHILD DEVELOPMENT & PEDAGOGY BOOK:

<https://amzn.to/3w44NqC>

Selection Book- CTET & STET Bilingual Solved Practice Sets for Paper-1

<https://amzn.to/3De7ycq>

KVS MASTER BOOK FOR PRT, TGT, PGT

<https://amzn.to/3eJfNng>

KVS PASSBOOK HINDI Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3H2TTXU>

KVS PASSBOOK ENGLISH Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3ixgPVa>

यह BOOKS आपके सभी { KVS EXAM } को ध्यान में रख कर बनाई गई है

Online Batch JOIN करने के लिए

Download
Adhyayan Mantra
ConnectedApp

Available on the
Google Play





अध्ययन मंत्र



Rohit Vaidwan Notes

Quick Revision

Topic: रिमझिम CLASS -4

Scan Me & Download
Rohit Vaidwan Notes



Available Platform



Rohit Vaidwan Notes

Connecting Platforms





Content

Class-4

Chapter	Name	Page No.
Chapter 1	मन के भोले -भाले बादल	02-6
Chapter 2	जैसा सवाल वैसा जवाब	07-10
Chapter 3	किरमिच की गेंद	11-16
Chapter 4	पापा जब बच्चे थे	17-22
Chapter 5	दोस्त की पोशाक	23-27
Chapter 6	नाव बनाओ नाव बनाओ	28-31
Chapter 7	दान का हिसाब	32-36
Chapter 8	कौन ?	37-39
Chapter 9	स्वतंत्रता की ओर	40-43
Chapter 10	थप्प रोटी थप्प दाल	44-48
Chapter 11	पढ़क्कू की सूझ	49-51
Chapter 12	सुनीता की पहिया कुर्सी	52-54
Chapter 13	हुदहुद	55-60
Chapter 14	मुफ्त ही मुफ्त (गुजराती लोककथा)	61-64

Disclaimer: The content team has done their best job of verify the questions, content and answers, but do not take any responsibility for its absolute accuracy.

Refrence: NCERT Text Books, Guide Books & Website (diffrent internet sources)



CHAPTER-1: मन के भोले-भाले बादल

Question 1:

कभी-कभी झिड़ी बन करके

बाढ़ नदी-नालों में लाते

(क) बादल नदी-नालों में बाढ़ कैसे लाते होंगे?

नहीं किसी की सुनते कुछ भी

ढोलक-ढोल बजाते बादल

(ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?

कुछ तो लगते हैं तूफानी

कुछ रह-रह करते शैतानी

(ग) बादल कैसी शैतानियाँ करते होंगे?

Answer:

(क) जब बादल अधिक बारिश करते हैं तो ज़्यादा पानी बरसने के कारण नदी-नालों में पानी अधिक भर जाता है। बादल इस तरह नदी-नालों में बाढ़ लाते होंगे।

(ख) बादलों के बार-बार टकराने से तेज आवाज़ होती है ऐसा लगता है मानों ढोल बज रहा है।

(ग) बादल कभी शान्त दिखाई देते हैं। कभी टकराकर ज़ोर-ज़ोर से गरजते हैं। कभी रिमझिम बारिश करते हैं। कभी तेज़ बारिश से नदी-नालों में बाढ़ ला देते हैं। बादल इसी प्रकार शैतानियाँ करते रहते हैं।

Question 1:

—	कैसा	कौन
सूरज-सी	चमकीली	थाली
चंदा-सा		
हाथी-सा		
जोकर-सा		
परियों-सा		
गुब्बारे-सा		
ढोलक-सा		



Answer:

-	कैसा	कौन
सूरज-सी	चमकीली	थाली
चंदा-सा	गोरा	मुखड़ा
हाथी-सा	भारी-भरकम	आदमी
जोकर-सा	हँसमुख	स्वभाव
परियों-सा	सुंदर	पंख
गुब्बारे-सा	फूला	पेट
ढोलक-सा	बजता	डिब्बा

Question 1:

- (क) तूफ़ान क्या होता है? बादलों को तूफ़ानी क्यों कहा गया है?
- (ख) साल के किन-किन महीनों में ज़्यादा बादल छाते हैं?
- (ग) कविता में 'काले' बादलों की बात की गई है। क्या बादल सचमुच काले होते हैं?
- (घ) कक्षा में बातचीत करो और बताओ की बादल किन-किन रंगों के होते हैं।

Answer:

- (क) जब नमी से युक्त गर्म हवाएँ बारिश के साथ तेज़ी से ऊपर की ओर जाती हैं, तब तूफ़ान की स्थिति बनती है। इसमें तेज़ हवाएँ चलती हैं, आकाश में गहरे काले बादल छा जाते हैं। उनके मध्य बिजली भी कड़कती है। इससे ही तूफ़ान पैदा होता है इसलिए बादलों को तूफ़ानी कहा गया है।
- (ख) जुलाई और अगस्त के महीने में ज़्यादा बादल छाते हैं।
- (ग) कुछ बादल काले दिखाई देते हैं, कुछ सफ़ेद और कुछ गहरे स्लेटी रंग के होते हैं। बादल, पानी की भाप से बनी बूंदों से बनते हैं। बादल सचमुच काले नहीं होते।
- (घ) बादल काले, गहरे स्लेटी और सफ़ेद रंगों के होते हैं। सूर्य की किरणों के कारण वे सुबह और शाम को लाल और केसरिया रंग के भी दिखाई देते हैं।

Question 1:

- (क) तरह-तरह के बादलों के चित्र बनाओ।

काले-काले डरावने
—



गुब्बारे-से गालों वाले
-
हल्के-फुल्के सुहाने
-

(ख) कविता में बादलों को 'भोला' कहा गया है। इसके अलावा बादलों के लिए और कौन-कौन से शब्दों का इस्तेमाल किया गया है? नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करो।

म ज़ि

शै तू

Answer:

(क) छात्र इसे स्वयं करें। इस प्रकार से चित्र बनाएँ-

काले-काले डरावने

गुब्बारे-से गालों वाले

हल्के-फुल्के सुहाने




(ख) म मतवाले जि जिंदी

शै शैतानी तू तूफानी

Question 1:

कुछ अपने थैलों से चुपके

झर-झर-झर बरसाते पानी

पानी के बरसने की आवाज़ है झर-झर-झर!

पानी बरसने की कुछ और आवाज़ें लिखो।

.....	
.....	
.....	

Answer:

टप-टप-टप

रिम-झिम

छप-छप-छप

टिप-टिप-टिप

छम-छम-छम

चट-चट-चट

Question 1:

बादलों की तरह पेड़ भी अलग-अलग आकार के होते हैं। कोई बरगद-सा फैला हुआ और कोई नारियल के पेड़ जैसा ऊँचा और सीधा।

अपने आसपास अलग-अलग तरह के पेड़ देखो। तुम्हें उनमें कौन-कौन से आकार दिखाई देते हैं? सब मिलकर पेड़ों पर एक कविता भी तैयार करो।

Answer:

छात्र ऐसे स्वयं कर सकते हैं-

जैसे –

लम्बा पेड़, छोटा पेड़

पतला पेड़, मोटा पेड़

फल देता, हमें प्यारा पेड़।

ऊँचा पेड़, नीचा पेड़



सूखा पेड़, हरा पेड़
छाया देता, अच्छा पेड़।

प्यारा पेड़, न्यारा पेड़
सबका पेड़, हमारा पेड़
हम सबका है, साथी पेड़।

-
-
-
-
-

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



The banner features a central illustration of an interview room with three people sitting on chairs and two people at a table. The text 'KVS MOCK INTERVIEW' is prominently displayed in large, bold letters. Below it, a yellow button says 'Registration Open'. The banner is framed by a border of small Adhyayan Mantra logos.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-2: जैसा सवाल वैसा जवाब

Question 1:

- (क) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों का क्या कोई और जवाब हो सकता है? अपने मन से सोचकर लिखो।
- (ख) अगर तुम ख्वाजा सरा की जगह पर होते तो बीरबल को हराने के लिए कौन-से सवाल पूछते।
- (ग) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देते। अगर तुम्हारा बस चले तो तुम कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहोगे?

Answer:

(क) हाँ, हो सकता है।

ख्वाजा सरा का पहला सवाल था, “संसार का केन्द्र कहाँ है?” इस सवाल का जवाब हो सकता है “हिमालय की सबसे ऊँची चोटी की सबसे ऊँची जगह ही संसार का केन्द्र है। ख्वाजा सरा नाप कर देख लें।”

दूसरा सवाल था, “आकाश में कितने तारे हैं?”

इसका उत्तर हो सकता है, “एक बोरी सरसों में जितने दाने हैं, आकाश में उतने ही तारे हैं। ख्वाजा सरा दानों को गिनकर देख सकते हैं।”

तीसरा सवाल था – “संसार की आबादी कितनी है?”

इसका उत्तर हो सकता है, “ख्वाजा के सिर और दाढ़ी में जितने बाल हैं, संसार की आबादी उतनी ही है। वह चाहें तो अपनी दाढ़ी और अपने सिर को मुँड़वाकर गिनती कर लें।”

(ख) अगर मैं ख्वाजा सरा की जगह पर होता तो बीरबल को हराने के लिए यह सवाल पूछता- “बादशाह का कहना है कि बीरबल मूर्ख है, उसे देश निकाला दे देना चाहिए। बादशाह ने झूठ बोला या सच?”

नोट – विद्यार्थी अपनी-अपनी रूचि के अनुसार अलग-अलग सवाल बनाएँ।

(ग) अगर मेरा बस चले तो मैं अपनी कार से पूरी दुनिया की सैर करूँ। संसार की तरह-तरह की चॉकलेट फ्रिज में रखकर समय-समय पर उसका आनन्द लूँ। सुपरमैन बन जाऊँ और संसार के सभी अपराधियों को पकड़कर जेल में कैद कर लूँ।

Question 1:

नीचे लिखे वाक्य पढ़ो-

- मैं बस में बैठकर स्कूल जाती हूँ।



- बस! अब रुक जाओ।
 - बस दो दिन की तो बात है। मैं आ जाऊँगी।
- ऊपर लिखे वाक्यों में बस शब्द के अर्थ अलग-अलग हैं।
अब इसी तरह चल शब्द से वाक्य बनाओ।
(संकेत चल, चल-चल, चला, चलें, चलना, चलती, चलो)

Answer:

बीच सड़क पर मत चल।
मैं तो चल-चल के थक गया।
तुम बैठो मैं तो चला।
चलो अब पढ़ाई करो।
अब हमें चलना चाहिए।
इसी को चलती का नाम गाड़ी कहते हैं।
कैसे चलें, राजीव तो आया ही नहीं।
यह फ़िल्म बहुत चलेगी।

Question 1:

एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल, दुनिया में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन है?"
बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढ़ाओ।

Answer:

एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "दुनिया में सबसे शक्तिशाली कौन है?" बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह गोद में बैठने वाला बच्चा।" अकबर ने कहा- "यह हो ही नहीं सकता।" इस पर बीरबल ने कुछ दिनों बाद एक छोटे से बच्चे को अनुमति माँग कर उनकी गोद में बिठा दिया। बच्चा खेलता रहा। वह कभी मारता, कभी जिद करता और कभी अकबर की मूँछ पकड़ता। इस पर बीरबल ने कहा- "देखा महाराज जो बच्चा गोद में है उसने आपकी मूँछ पकड़ ली जबकि ऐसा करने की किसी की हिम्मत नहीं है।" अकबर बीरबल की बुद्धिमानी पर बहुत खुश हुआ।

Question 1:

छात्र अपने मित्रों के साथ मिलकर इस विषय पर चर्चा करें।
नीचे लिखे मुहावरों का इस्तेमाल तुम कब-कब कर सकते हो? आपस में चर्चा करो। अब इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

- नाक-भौंह सिकोड़ना



- कलाई खुलना

Answer:

छात्र अपने मित्रों के साथ मिलकर इस विषय पर चर्चा करें। आप इनका प्रयोग वाक्यों में इस प्रकार कर सकते हैं-

- नाक-भौंह सिकोड़ना:- गीता का नाम सुनते ही नीना नाक भौंह सिकोड़ने लगती है।
- कलाई खुलना:- उसकी करतूत का पता लगते ही सबके सामने उसकी कलाई खुल गई।

Question 1:

बीरबल की चतुराई के किस्से बहुत मशहूर हैं।

(क) तुम भी बीरबल का एक ऐसा ही किस्सा ढूँढ़ो जिसमें वह अपने जवाबों से सबका मुँह बंद कर देता है।

(ख) बीरबल की तरह बहुत से अन्य व्यक्तियों की हाज़िरजवाबी के किस्से प्रसिद्ध हैं। उनके नाम पता करो।

Answer:

(क) एक बार अकबर ने ऐलान किया- "जो व्यक्ति सारी रात नंगे बदन इस नदी के पानी में खड़ा रहेगा उसे मेरी तरफ़ से भारी इनाम मिलेगा।" यह ऐलान सुनकर एक गरीब ब्राह्मण ऐसा करने के लिए तैयार हो गया। वह पूरी रात नंगे बदन नदी के ठंडे जल में खड़ा रहा। अगली सुबह उसने दरबार में अकबर से अपना इनाम माँगा। अकबर ने उससे पूछा- "तुम पूरी रात कैसे कड़कती ठंड में पानी में खड़े रहे। वह ब्राह्मण बोला- "राजन्! आपके महल में एक दीया जल रहा था। उसकी लौ को देखते हुए मैंने पूरी रात बिता दी।" इस पर अकबर बोला- "हे ब्राह्मण! फिर तो आप इनाम के हकदार नहीं हैं। उस दीये की ऊष्मा से ही आपको गरमी मिली है।" अतः अकबर ने इनाम देने से मना कर दिया।

बीरबल को यह अच्छा नहीं लगा। अगले दिन बीरबल ने अकबर व अन्य दरबारियों को खिचड़ी खाने का निमंत्रण दिया। सब सही समय पर पहुँच गए परन्तु बीरबल का कुछ पता नहीं था। भूख के मारे सबका बुरा हाल था। अकबर ने सिपाही से कहा- "जाओ! देखो बीरबल को इतनी देर क्यों हो रही है?" थोड़ी देर पश्चात सिपाही आया और बोला-

"जहाँपनाह! खिचड़ी पक रही है।" बहुत देर हो गई परन्तु खिचड़ी परोसी नहीं गई। अकबर ने इस बार फिर पूछा- "क्या बात है? देर क्यों हो रही है।" बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह! खिचड़ी पक रही है।" इस बार अकबर ने उसे देखने की इच्छा ज़ाहिर की। जब अकबर ने वहाँ जाकर देखा तो दूर ऊँचाई पर हाँडी लटक रही थी और उसके नीचे थोड़ी आग जल रही थी। अकबर को बहुत गुस्सा आया। उसने बीरबल से ऐसा करने का कारण पूछा। बीरबल ने कहा- "जहाँपनाह! जब दूर से आती दीये की रोशनी की ऊष्मा से ब्राह्मण को गरमी मिल सकती है तो यह खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती।" अकबर बीरबल की बुद्धिमानी पर खुश हुए और उस ब्राह्मण को बुला कर इनाम दिया।

(ख) तेलानीराम, मुल्ला नसीरुद्दीन, शेख चिल्ली आदि।

Question 1:

नीचे लिखे शब्दों की जगह और कौन-सा शब्द इस्तेमाल हो सकता है? खाली जगह में लिखो।

बुद्धिमान		मूर्ख	
अभिमान		विश्वास	
संसार		कोशिश	



Answer:

बुद्धिमान	अकलमन्द	मूर्ख	बेवकूफ़
अभिमान	घमण्ड	विश्वास	यकीन
संसार	दुनिया	कोशिश	प्रयत्न

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-3: किरमिच की गेंद

Question 1:

(क) दिनेश की माँ मशीन चलाते-चलाते बोलीं, "बेटा, कहाँ जा रहे हो?"

- दिनेश की माँ कौन-सी मशीन चला रही होंगी?
- तुमने इस मशीन को कहाँ-कहाँ देखा है?

(ख) दिनेश ने सारी सीताफल की बेल छान मारी।

- दिनेश क्या खोज रहा था?
- दिनेश को कैसे पता चला होगा कि क्यारी में वही चीज़ गिरी है?

(ग) दिनेश अच्छी तरह जानता था कि गेंद दीपक की नहीं है।

- दिनेश को यह बात कैसे पता चली कि गेंद दीपक की हो ही नहीं सकती?
- दीपक बार-बार गेंद को अपनी क्यों बता रहा होगा?

Auswer:

(क)

- दिनेश की माँ सिलाई मशीन चला रही होंगी।
- हमने इस मशीन को अपने घर, पड़ोसियों के घर व दर्ज़ी की दुकानों पर देखा है।

(ख)

- दिनेश क्रिकेट की गेंद खोज रहा था।
- दिनेश को क्यारी में किसी चीज़ के गिरने की आवाज़ सुनाई दी थी। उसने उससे अंदाजा लगाया कि यहाँ गेंद गिरी होगी।

(ग)

- दिनेश को जो गेंद मिली थी। वह नई चमचमाती गेंद थी। दीपक ने बताया कि पाँच महीने पहले उसकी गेंद खोई थी। इससे पता चला कि गेंद दीपक की नहीं थी।
- दीपक बार-बार गेंद को अपनी इसलिए बता रहा होगा क्योंकि वह गेंद लेना चाहता था।

Question 1:

(क) दीपक ने गेंद को अपना बताने के लिए उसके बारे में कौन-कौन सी बातें बताईं?



(ख) अगर दीपक और दिनेश गेंद के बारे में फ़ैसला करवाने तुम्हारे पास आते, तो तुम गेंद किसे देतीं? यह भी बताओ कि तुम यह फ़ैसला किन बातों को ध्यान में रखकर करतीं?

Answer:

(क) दीपक ने गेंद को अपना बताने के लिए निम्नलिखित बातें बताईं—

1. दीपक ने बताया कि गेंद पाँच महीने पहले खोई थी।
2. मेरी गेंद पर लाल रंग का ऐसा ही निशान था।
3. यह वह पापा से कहलवा सकता है कि गेंद मेरी है।
4. उसकी गेंद से ऐसे ही टप्पे की आवाज़ आती थी।

(ख) गेंद दिनेश को दी जानी चाहिए थी। उसने सच-सच बता दिया था जबकि दीपक झूठ बोल रहा था। दीपक की गेंद पाँच महीने पहले खोई थी जबकि दिनेश को मिली हुई गेंद नई थी।

Question 1:

गेंद स्कूटर के साथ कहीं चली गई।

उसके बाद गेंद के साथ क्या-क्या हुआ होगा? सोचकर बताओ।

Answer:

स्कूटरवाले ने अपने बच्चों को दे दी होगी। वे उससे खेले होंगे, हो सकता है कि गेंद खेल-खेल में खो गई हो, फट गई हो या अब भी उनके पास हो।

Question 1:

मान लो तुम्हारा कोई खिलौना घर में ही कहीं खो गया है। तुमने अपने साथियों को घर पर बुलाया है ताकि सब मिलकर उसे खोज लें। तुम अपने खिलौने की पहचान के लिए अपने साथियों को कौन-कौन सी बातें बताओगी? लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

मान लो मेरी गुड़िया खो गई है। उसे खोजने के लिए मैं उसके बालों का रंग, कपड़ों का रंग व डिज़ाइन, उसकी आँखों का रंग तथा उसकी अन्य विशेषताओं के बारे में बताऊँगी। इन जानकारियों से सबको उसे खोजने में सरलता होगी।



सामने की क्यारी में भिंडियों के ऊँचे-ऊँचे पौधे थे।

एक ओर सीताफल की घनी बेल फैली हुई थी।

सीताफल की बेल होती है और भिंडी का पौधा। बताओ और कौन-कौन सी सब्जियाँ बेल और पौधे पर लगती हैं?

बेल	पौधा
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

बेल	पौधा
सीताफल	भिंडी
लौकी	गोभी
तोरी	बैंगन
परवल	टमाटर
करेला	मिर्च

Question 1:

गेंदों के अनेक रंग-रूप होते हैं। अलग-अलग खेलों में अलग-अलग प्रकार की गेंदों का इस्तेमाल किया जाता है। नीचे दी गई जगह में खेलों के अनुसार गेंदों की सूची बनाओ।

क्रिकेट	किरमिच
.....	
.....	
.....	
.....	
.....	

Answer:

क्रिकेट	किरमिच
फुटबॉल	चमड़ा
हॉकी	रबड़
टेनिस	रबड़



वॉलीबाल

रबड़

Question 1:

दिनेश चिक सरकाकर बरामदे की ओर भागा।

(क) चिक पर्दे का काम करती है पर चिक और पर्दे में फ़र्क होता है। इन दोनों में क्या अंतर है? समूह में चर्चा करो।

इसी तरह पता लगाओ कि इन शब्दों में क्या अंतर है?

- टहनी-तना
- पेड़-पौधा
- घूँस-चूहा
- मुँडेर-चारदीवारी

(ख) चिक सरकंडे से भी बनती है और तीलियों से भी।

सरकंडे से और क्या-क्या बनता है? अपने आसपास पता करो और लिखो।

Answer:

(क)

1. चिक बाँस की तीलियों से बनता है जबकि पर्दा कपड़े से बनता है।
2. तना पेड़ का मोटा भाग होता है। टहनी पेड़ की डाली होती है जो तने से निकलती है। तना मोटा एवं टहनी पतली होती है।
3. पेड़ काफी बड़ा और सख्त होता है जबकि पौधा छोटा और कमज़ोर होता है। पेड़ की लकड़ी से फ़र्नीचर बनता है इसके विपरीत पौधे से लकड़ी नहीं मिलती।
4. घूँस चूहे की बड़ी प्रजाति है। चूहा इससे छोटा होता है। घूँस बिल में रहता है जबकि चूहे घरों में छिपे स्थानों पर रहते हैं।
5. छत के चारों ओर उठी दीवार के ऊपरी हिस्से को मुँडेर कहते हैं इसके विपरीत चार दीवारी घर के चारों ओर बनी होती है। मुँडेर की ऊँचाई कम होती है और चार दीवारी ऊँची होती है।

(ख)

सरकंडे से निम्नलिखित चीज़ें बनती हैं—

1. टोकरी
2. सूप
3. कलम
4. चटाई

Question 1:

मान लो तुम्हें अपने स्कूल में एक क्लब बनाना है जो स्कूल में खेल-कूद के कार्यक्रमों की तैयारी करेगा।

- इस क्लब में शामिल होने और इसको चलाने आदि के बारे में नियम सोचकर लिखो।



बताओ।

Answer:

• क्लब के नियम:-

1. खेल में रूचि रखने वाले बच्चे ही क्लब में शामिल होंगे।
2. समय अनुसार क्लब की बैठक में आना ज़रूरी है।
3. सब अपनी बातें बारी-बारी से बतायेंगे।
4. जब एक बोल रहा होगा सभी शान्तिपूर्वक सुनेंगे।
5. अनुशासन पालन ज़रूरी है।
6. क्लब के संचालक की सभी बात मानेंगे।
7. खेल-कूद के मसलों पर सभी मिलजुलकर फैसला करेंगे।

• हाँ, क्लब चलाने के लिए नियम बनाना और उसका पालन करना ज़रूरी है। यदि नियम नहीं होंगे तो क्लब में लड़ाई-झगड़े होंगे जिससे क्लब टूट जाएगा।

Question 1:

दिनेश ने तिमंज़िली इमारत की ओर देखा।

जिस इमारत में तीन मंज़िलें हों, उसे तिमंज़िली इमारत कहते हैं। बताओ, इन्हें क्या कहेंगे?

- जिस मकान में दो मंज़िलें हों।
- जिस स्कूटर में दो पहिए हों।
- जिस झंडे में तीन रंग हों।
- जिस जगह पर चार राहें मिलती हों।
- जिस स्कूटर में तीन पहिए हों।

Answer:

- जिस मकान में दो मंज़िलें हों।
- जिस स्कूटर में दो पहिए हों।
- जिस झंडे में तीन रंग हों।
- जिस जगह पर चार राहें मिलती हों।
- जिस स्कूटर में तीन पहिए हों।

दुमंजिला मकान।
दुपहिया स्कूटर।
तिरंगा झंडा।
चौराहा।
तिपहिया स्कूटर।

Question 1:

एक ही सब्ज़ी या फल के नाम अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग होते हैं। नीचे ऐसे कुछ नाम दिए गए हैं।

सीताफल	कांदा	बटाटा	अमरूद	तोरी	शरीफ़ा
--------	-------	-------	-------	------	--------



अध्ययन मंत्र



Join Now

Adhyayan Mantra अध्ययन मंत्र

काशीफल

बैंगन

नेनुआ

तरबूज

कुम्हड़ा

घीया

- बताओ कि तुम्हारे घर, शहर या कस्बे में इनमें से कौन-कौन से शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं?
- बाकी नामों का इस्तेमाल किन-किन स्थानों पर होता है? पता करो।

Answer:

1. सीताफल, अमरूद, तोरी, शरीफ़ा, बैंगन, तरबूज, घीया- दिल्ली
2. कांदा- गुजरात, मुम्बई।
3. काशीफल- उत्तर प्रदेश।
4. बटाटा- गुजरात, मुम्बई।
5. कुम्हड़ा- उत्तर प्रदेश, बिहार।
3. नेनुआ- बिहार।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER-4: पापा जब बच्चे थे

Question 1:

शुरू-शुरू में पापा चौकीदार बनना चाहते थे।

(क) चौकीदार रात को भी काम करते हैं। इसके अलावा और कौन-कौन से कामों में रात को जागना पड़ता है?

पापा कई तरह के काम करना चाहते थे।

(ख) क्या तुम किसी व्यक्ति को जानते हो जो एक से ज़्यादा तरह के काम करता है? उस व्यक्ति के बारे में बताओ।

Auswer:

(क) अस्पतालों में (डॉक्टर व नर्स), रेलवे स्टेशन तथा बस टर्मिनल में (रेलवे तथा बस कर्मचारी/वाहन चालक तथा कंडक्टर), पुलिस स्टेशन में (पुलिसवाले), बॉर्डर पर (फौजी) और कॉल-सेन्टर इत्यादि में रात को जागना पड़ता है।

(ख) इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं दें; जैसे-

हमारे यहाँ एक व्यक्ति काम करने आता है। वह सुबह अखबार व दूध बाँटता है। दिन में पेन्ट करने का काम करता है तथा शाम को पाँच बजे के बाद दुकान पर भी काम करता है।

Question 1:

(क) पापा ने जितने काम सोचे, उनमें से तुम्हें सबसे दिलचस्प काम कौन-सा लगता है? क्यों?

(ख) क्या तुम्हें भी घर में बताया जाता है कि तुम्हें बड़े होकर क्या काम करना है? कौन-कौन कहता है? क्या कहता है?

(ग) अपने मम्मी या पापा से पता करो कि वे जब बच्चे थे तब बड़े होकर क्या-क्या करने की सोचते थे।

(घ) अपने घर के किसी भी एक सदस्य से उसके काम के बारे में जानकारी हासिल करो।

- पता करो उनके काम को किस नाम से जाना जाता है?
- उस काम को अच्छी तरह करने के लिए कौन-कौन सी बातें मालूम होनी चाहिए?
- उन्हें अपने काम में किन बातों से परेशानी होती है?

Auswer:

(क) मुझे वायुयान चलाना सबसे दिलचस्प काम लगता है। वायुयान चलाते हुए मैं आसमान में उड़ने का मज़ा ले सकता हूँ और ऊपर से धरती, पर्वत, पेड़-पौधे, समुद्र, नदियाँ, झरनों का नज़ारा भी देख सकूँगा।

(ख) हाँ, मुझे घर में भी बताया जाता है कि बड़े होकर मुझे क्या बनना है? मम्मी कहती है, "डॉक्टर बनो" तथा पापा और दादा जी कहते हैं, "इंजीनियर बनो।"



(ग) मेरे पापा जब बच्चे थे, तब उन्हें क्रिकेट खेलने का काफ़ी शौक था। अतः वे बड़े होकर क्रिकेटर बनना चाहते थे। स्कूल में जब बच्चे टीचर का कहना मानते थे, तब पापा ने टीचर बनने की सोची। मम्मी बड़ी होकर अध्यापिका ही बनना चाहती थीं। आज वे अध्यापिका ही हैं।

(घ)

- मेरे अंकल एक ऑफ़िस में काम करते हैं। उन्हें वर्ल्क के नाम से जानते हैं।
- उस काम के लिए उन्हें हिन्दी-अंग्रेजी टाइपिंग आना, कंप्यूटर चलाना और तरह-तरह के पत्र लिखना आना चाहिए।
- जब वे किसी कार्य को कर रहे होते हैं और बीच में कोई दूसरा काम लेकर पहुँच जाता है, तब उन्हें परेशानी होती है। कभी-कभी फाइलें ढूढ़ने में भी परेशानी होती है।

Question 1:

अफ़सर के जाने के बाद पापा बहुत सोचते रहे। बताओ, वह क्या-क्या सोच रहे होंगे? सही (✓) का निशान लगाओ।

1. यह अफ़सर आखिर है कौन?
2. अब मैं रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकता।
3. कुत्ता बनना बड़ा कठिन काम है।
4. ये फ़ौजी अफ़सर मुझ पर हँसा क्यों नहीं, बाकी सब तो हँसते हैं।
5. इस अफ़सर को कुत्ता बनना नहीं आता। इसलिए मुझे बहका रहा है।
6.
7.

Answer:

1. यह अफ़सर आखिर है कौन? (X)
2. अब मैं रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकता। (✓)
3. कुत्ता बनना बड़ा कठिन काम है। (✓)
4. ये फ़ौजी अफ़सर मुझ पर हँसा क्यों नहीं, बाकी सब तो हँसते हैं। (✓)
5. इस अफ़सर को कुत्ता बनना नहीं आता इसलिए मुझे बहका रहा है। (X)
6. मुझे पता नहीं कि इंसान किसे कहते हैं। (✓)
7. मैं इंसान बनना चाहता हूँ। (✓)

Question 1:

पापा ने कहा, "अपना ठेला मैं स्टेशन के पास ही खड़ा करूँगा।"

(क) अगर तुम पापा की जगह होतीं तो ठेला कहाँ लगातीं? ऐसा तुमने क्यों तय किया?



(ख) अगर तुम रेल से सफ़र करोगी तो तुम्हें प्लेटफ़ॉर्म और रेलगाड़ी में कौन-कौन लोग नज़र आएँगे?

Answer:

(क) मैं ठेले को बाज़ार या बहुत ज़्यादा आबादी वाले स्थान पर लगाती क्योंकि वहाँ बिक्री ज़्यादा होती है।

(ख) अगर मैं रेल से सफ़र करती तो रेलगाड़ी में टिकट-चेकर, कुली, मुसाफ़िर, सिपाही तथा सामान बेचने वाले नज़र आएँगे।

Question 1:

पापा के पापा को दादा कहते हैं। इन्हें तुम अपने घर में क्या कहकर बुलाओगी?

पापा के पापा		माँ के पापा	
पापा की माँ		माँ की माँ	
पापा के बड़े भाई		माँ के भाई	
पापा की बहन		माँ की बहन	
पापा के छोटे भाई		बहन के पति	

Answer:

पापा के पापा	दादा	माँ के पापा	नाना जी
पापा की माँ	दादी जी	माँ की माँ	नानी जी
पापा के बड़े भाई	ताऊ जी	माँ के भाई	मामा जी
पापा की बहन	बुआ जी	माँ की बहन	मौसी जी
पापा के छोटे भाई	चाचा जी	बहन के पति	जीजा जी

Question 1:

पापा को वायुयान चालक बनने की सूझी। इसके बाद उन्होंने अभिनेता बनने की सोची। इसके अलावा वह जहाज़ी भी बनना चाहते थे।

ऊपर के वाक्यों में उन्होंने और वह का इस्तेमाल पापा की जगह पर हुआ है। हम अक्सर एक ही शब्द को दोहराने की बजाय उसकी जगह किसी दूसरे शब्द का इस्तेमाल करते हैं। मैं, तुम, इस भी ऐसे ही शब्द हैं।

(क) पाठ में से ऐसे शब्दों के पाँच उदाहरण छाँटो।

(ख) इनकी मदद से वाक्य बनाओ।

Answer:

(क)

1. पापा जब बच्चे थे, तो उनसे अक्सर पूछा जाता था।

2. उन्हें पक्का यकीन था कि बड़े होकर वह चौकीदार ही बनेंगे।



3. उनका जवाब हर बार अलग होता था।

4. यह सचमुच समस्या थी।

5. पापा ने पूछा, "मुझे तो नहीं पता।

(ख) उनसे- मैंने उनसे कुछ नहीं पूछा।

उन्हें- कल उन्हें घर आना है।

उनका- उनका खाना दे आओ।

यह- यह मेरा घर है।

उसे- उसे पढ़ना अच्छा लगता है।

मुझे- मुझे चाय दो।

मैं- मैं भी आऊँगा।

तुम- तुम यहाँ आओ।

इस- इस तरफ़ चलो।

Question 1:

सभी बच्चे और बड़े किसी न किसी काम में माहिर होते हैं। कोई साइकिल चलाने में होशियार होता है तो कोई चित्र बनाने में तेज़ होता है। तुम्हारे दोस्तों और परिवार में कौन किस काम में माहिर है? उनके नाम लिखो।

- | | |
|---|-------|
| • जो बढ़िया कहानी गढ़ सकते हैं | |
| • जो खूबसूरत कढ़ाई कर सकते हैं | |
| • जो कलाबाज़ियाँ खा सकते हैं | |
| • जो दूसरों की बढ़िया नकल उतार सकते हैं | |
| • जो हाथ से बढ़िया स्वेटर बुन सकते हैं | |
| • जो सबके सामने किसी चीज़ के बारे में दो मिनट तक बता सकते हैं | |
| • जो कठिन पहेलियाँ सुलझा सकते हैं | |
| • जो खुलकर ज़ोर से हँस सकते हैं | |
| • जो तरह-तरह की आवाज़ें बना सकते हैं | |
| • जो अंदाज़े से ही चीज़ों का सही माप या वज़न बता सकते हैं | |
| • जो बढ़िया अभिनय कर सकते हैं | |
| • जो बेकार पड़ी चीज़ों से सुंदर चीज़ें बना सकते हैं | |



तुम किन-किन चीज़ों में माहिर हो, यह भी बताओ।

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

इस प्रश्न के उत्तर में छात्र अपने दोस्त व परिवार वालों के नाम इस प्रकार लिख सकते हैं-

• जो बढ़िया कहानी गढ़ सकते हैं	दादी जी
• जो खूबसूरत कढ़ाई कर सकते हैं	दादी जी
• जो कलाबाज़ियाँ खा सकते हैं	मेरा दोस्त सौरभ
• जो दूसरों की बढ़िया नकल उतार सकते हैं	चाचा जी
• जो हाथ से बढ़िया स्वेटर बुन सकते हैं	दादी जी, माँ
• जो सबके सामने किसी चीज़ के बारे में दो मिनट तक बता सकते हैं	दादा जी, पापा
• जो कठिन पहेलियाँ सुलझा सकते हैं	दादा जी,
• जो खुलकर ज़ोर से हँस सकते हैं	दादा जी,
• जो तरह-तरह की आवाज़ें बना सकते हैं	चाचा जी
• जो अंदाज़े से ही चीज़ों का सही माप या वज़न बता सकते हैं	दादा जी, दादी
• जो बढ़िया अभिनय कर सकते हैं	चाचा जी
• जो बेकार पड़ी चीज़ों से सुंदर चीज़ें बना सकते हैं	भइया, दीदी, मैं

आप किस-किस में माहिर हैं। आप यह स्वयं लिख सकते हैं; जैसे-

ड्राइंग करने में, गिटार बजाने में, सितार बजाने में, गाने में, क्रिकेट खेलने में इत्यादि।

Question 1:

नीचे लिखी पंक्तियाँ पढ़ो। इन पंक्तियों के आधार पर बताओ कि तुम पापा के बारे में क्या सोचती हो?

(क) पापा के पास जवाब हमेशा तैयार होता था।

ऐसा लगता है कि पापा बहुत चतुर थे।

(ख) पापा का जवाब हमेशा अलग-अलग होता था।

ऐसा लगता है कि



- (ग) मैं छोटे बच्चों को मुफ्त में आइसक्रीम दिया करूँगा।
ऐसा लगता है कि
(घ) रात में करने के लिए होता ही क्या है? रात में मैं चौकीदारी करूँगा।
ऐसा लगता है कि

Answer:

- (क) पापा के पास जवाब हमेशा तैयार होता था।
ऐसा लगता है कि पापा बहुत चतुर थे।
(ख) पापा का जवाब हमेशा अलग-अलग होता था।
ऐसा लगता है कि पापा भ्रम में पड़ जाते थे।
(ग) मैं छोटे बच्चों को मुफ्त में आइसक्रीम दिया करूँगा।
ऐसा लगता है कि बच्चों को बहुत प्यार करते थे।
(घ) रात में करने के लिए होता ही क्या है? रात में मैं चौकीदारी करूँगा।
ऐसा लगता है कि पापा हमेशा काम करना चाहते थे।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-5: दोस्त की पोशाक

Question 1:

नसीरुद्दीन और जमाल साहब बनठन कर घूमने के लिए निकले।

- (क) तुम बनठन कर कहाँ-कहाँ जाते हो?
(ख) तुम किस-किस तरह से बनते-ठनते हो?

Answer:

- (क) मैं बनठन कर किसी पार्टी में, विवाह में, रिश्तेदारों के घर और बाज़ार घूमने जाता हूँ।
(ख) मैं स्नान करके नये कपड़े पहनता हूँ। बालों में कंघी करता हूँ। जूते पॉलिश करके ही पहनता हूँ। हाथ में घड़ी बाँधता हूँ। इस प्रकार से मैं बनता-ठनता हूँ।

Question 1:

- (क) तीसरे मकान से बाहर निकलकर जमाल साहब ने नसीरुद्दीन से क्या कहा होगा?
(ख) जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने क्यों नहीं जाना चाहते होंगे?
(ग) नसीरुद्दीन अपनी अचकन के बारे में हमेशा क्यों बताते होंगे?

Answer:

- (क) जमाल साहब ने अचकन के बारे में कोई भी बात करने के लिए मना किया होगा। उन्होंने कहा होगा, "तुमने उसका ज़िक्र क्यों किया। तुम्हारी बात से उन्हें पता चल गया होगा कि ज़रूर कोई न कोई राज़ है।"
(ख) जमाल साहब को लगता होगा कि यदि वे मामूली से कपड़ों में घूमेंगे, तो लोग उन्हें गरीब समझेंगे। लोग उनके बारे में यह भी सोचेंगे कि गरीब आदमी है इसलिए इसके पास अच्छे कपड़े नहीं हैं। ऐसा भी हो सकता है कि लोग उन्हें नसीरुद्दीन का नौकर ही न समझ लें। अतः जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने नहीं जाना चाहते होंगे।
(ग) नसीरुद्दीन मज़ाकिया इंसान थे। वे अपने दोस्त से अपनी अचकन के बारे में अकसर मज़ाक करते होंगे। वह दोस्त को यह समझाना चाहते होंगे कि आदमी अपनी पोशाक से नहीं, अपने गुणों से पहचाना जाता है।

Question 1:

कहानी के बारे में कोई पाँच प्रश्न बनाकर नीचे दी गई जगह में लिखो। कॉपी में उनके उत्तर लिखो।

-
-
-



.....

-
-
-

Answer:

प्रश्न-1 नसीरुद्दीन किससे मिलकर बहुत खुश हुआ?

उत्तर- नसीरुद्दीन अपने पुराने मित्र जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुआ।

प्रश्न-2 जमाल साहब ने घूमने जाने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर- जमाल साहब ने घूमने से मना कर दिया क्योंकि उनकी पोशाक मामूली-सी थी।

प्रश्न-3 नसीरुद्दीन ने अपने पड़ोसी को जमाल साहब की पोशाक के बारे में क्या बताया?

उत्तर- नसीरुद्दीन ने अपने पड़ोसी से कहा कि जमाल साहब ने मेरी अचकन पहन रखी है।

प्रश्न-4 नसीरुद्दीन ने हुसैन साहब से क्या कहा?

उत्तर- नसीरुद्दीन ने हुसैन साहब से कहा, “जमाल साहब मेरे पुराने मित्र हैं। उन्होंने जो अचकन पहनी है, वो उनकी अपनी है।”

प्रश्न-5 जमाल साहब ने नसीरुद्दीन को क्या समझाया था?

उत्तर- जमाल साहब ने नसीरुद्दीन को समझाया था कि पोशाक के बारे में कुछ न कहना ही अच्छा है।

Question 1:

जब जमाल साहब और नसीरुद्दीन हुसैन साहब के घर से बाहर निकले तो उन्होंने अपनी बेगम को नसीरुद्दीन और जमाल साहब से मुलाकात का किस्सा सुनाया। उन दोनों के बीच में क्या बातचीत हुई होगी? लिखकर बताओ।

बेगम- कौन आया था?

हुसैन साहब- नसीरुद्दीन अपने दोस्त के साथ आया था।

बेगम-

Answer:

बेगम- किस दोस्त के साथ?

हुसैन साहब- जमाल नाम का कोई पुराना दोस्त था। लेकिन नसीरुद्दीन कह रहा था कि जमाल ने अपनी ही अचकन पहन रखी है।



बेगम- (हँसती हुई) तब जरूर ही वह अचकन उसकी अपनी नहीं होगी।

हुसैन साहब- हाँ-हाँ उसने तो नसीरुद्दीन की ही अचकन पहन रखी थी। यह वही अचकन है, जो नसीरुद्दीन ने पिछले साल अपनी बहन की शादी में पहनी थी।

Question 1:

नसीरुद्दीन ने कहा, "चलो दोस्त, मोहल्ले में घूम आँ।"

जब नसीरुद्दीन अपने दोस्त से मिले, वे उसे अपना मोहल्ला दिखाने ले गए। जब तुम अपने दोस्तों से मिलते हो, तब क्या-क्या करते हो?

Answer:

मैं जब अपने दोस्तों से मिलता हूँ तो उनके साथ कार्टून फिल्में देखता हूँ, खूब खाता-पीता और खेलता हूँ।

Question 1:

नसीरुद्दीन की बात सुनकर जमाल साहब पर तो मानो घड़ों पानी पड़ गया।

(क) घड़ों पानी पड़ना एक मुहावरा है। इसका क्या मतलब हो सकता है? पता लगाओ। तुम इसका मतलब पता करने के लिए अपने साथियों या बड़ों से बातचीत कर सकते हो या शब्दकोश देख सकते हो।

(ख) इस मुहावरे को सुनकर मन में एक चित्र सा बनता है। तुम भी किन्हीं दो मुहावरों के बारे में चित्र बनाओ। कुछ मुहावरे हम दे देते हैं। तुम चाहो तो इनमें से कोई पसंद कर सकते हो-

- सिर मुंडाते ही ओले पड़ना
- ऊँट के मुँह में जीरा
- दीया तले अँधेरा
- ईद का चाँद

Answer:

(क) घड़ों पानी पड़ना- बहुत लज्जित होना।

(ख)





ऊँट के मुँह में जीरा

दीया तले अँधेरा

Question 1:

नसीरूद्दीन एक **भड़कीली अचकन** निकालकर लाए।

भड़कीली शब्द बता रहा है कि अचकन कैसी थी। कहानी में से ऐसे ही और शब्द छाँटो जो किसी के बारे में कुछ बताते हों। उन्हें छाँटकर नीचे दी गई जगह में लिखो।

देखें, कौन सबसे ज़्यादा ऐसे शब्द ढूँढ पाता है।

पुराना दोस्त		
.....		
.....		

भड़कीली, पुराना जैसे शब्द किसी के बारे में कुछ खास या विशेष बात बता रहे हैं। इसलिए इन्हें विशेषण कहते हैं।

Answer:

पुराना दोस्त, मामूली सी पोशाक, खास दोस्त, कई सालों, अन्य पड़ोसी, यह अचकन

Question 1:

पड़ोस के घर में जाकर नसीरूद्दीन पड़ोसी से मिले।

तुम अपने पड़ोसी बच्चों के साथ बहुत-से खेल खेलते हो। पर क्या तुम उनके परिवार के बारे में जानते हो?

चलो, दोस्तों के बारे में और जानकारी इकट्ठी करते हैं। यदि तुम चाहो तो उनसे ये बातें पूछ सकते हो-

घर में कुल कितने लोग हैं?

उनके नाम क्या हैं?

उनकी आयु क्या है?

वे क्या काम करते हैं?

इस सूची में तुम अपने मन से बहुत-से सवाल जोड़ सकते हो।

Answer:

अपने पड़ोसी, मित्रों, परिवारजनों से पूछकर जानकारी इकट्ठी करो।

Question 1:

इन शब्दों को बोलकर देखो। ये मिलती-जुलती आवाज़ वाले शब्द हैं। ज़रा से अंतर से भी शब्द का अर्थ बदल जाता है।



अध्ययन मंत्र



Join Now

Adhyayan Mantra अध्ययन मंत्र

नीचे इसी तरह के कुछ शब्दों के जोड़े दिए गए हैं। इन सबके अर्थ अलग-अलग हैं। इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो।

घड़ा – गढ़ा	घूम – झूम	राज – राज़
फ़न – फन	सजा – सज़ा	खोल – खौल

Answer:

घड़ा– कुम्हार **घड़ा** बनाता है।

गढ़ा– सुनार ने हार **गढ़ा**।

घूम– बूढ़े पार्क में **घूम** रहे हैं।

झूम– बच्चे पार्क में डान्स करके **झूम** रहे हैं।

राज– भारत में अंग्रेज़ों का **राज** रहा है।

राज़– घर के **राज़** कहीं नहीं बताने चाहिए।

फ़न– जोकर अपने **फ़न** में महिर होता है।

फन– हमले से पूर्व साँप अपना **फन** उठता है।

सजा– दीपावली में सारा शहर **सजा** होता है।

सज़ा– चोरी करने पर **सज़ा** हो जाती है।

खोल– दुकानदार ने दुकान **खोल** दी।

खौल– गुस्से के कारण रमन का खून **खौल** गया।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App





India's No.1

Teaching Institute

DSSSB | SUPER-TET

CTET & UPTET

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-6: नाव बचाओ नाव बनाओ

Question 1:

क्या कहते? मेरे क्या बस का?

(क) भैया ने क्या बहाना किया? क्यों?

.....

.....

बूँदों-लहरों लड़ती-बढ़ती

(ख) कौन बूँदों और लहरों से लड़ते हुए आगे बढ़ रही है?

.....

.....

गुल्लक भारी, अपनी खोलो।

(ग) किसकी गुल्लक भारी है? किसकी गुल्लक हल्की है?

.....

.....

Answer:

(क) भैया ने बहाना बनाया कि नाव बनाना मेरे बस का काम नहीं है। भैया को बाज़ार से कागज़ लाकर नाव बनाने में आलस आ रहा था।

(ख) कागज़ की नाव बूँदों और लहरों से लड़ती हुई आगे बढ़ रही थी।

(ग) भैया की गुल्लक भारी है और बच्चे की गुल्लक हल्की है।

Question 1:

एक बार फिर से कविता पढ़ो। इस कविता में एक नाव के बनने और पानी में सफ़र करने की कहानी छिपी है। मान लो तुम ही वह नाव हो। अब अपनी कहानी सबको सुनाओ।

शुरूआत हम कर देते हैं।

मैं एक नाव हूँ। मैं कागज़ से बनी हूँ। मुझे एक लड़के ने बनाया। उसका नाम तो मुझे नहीं पता पर

.....

.....

.....

.....



Answer:

मैं एक नाव हूँ। मैं कागज़ से बनी हूँ। मुझे एक लड़के ने बनाया। उसका नाम तो मुझे नहीं पता पर वह मुझे बनाने पर खुश हुआ। बारिश हो रही थी। उसने मुझे पानी में बहने के लिए छोड़ दिया। मैं बहते-बहते दूर निकल गई और आगे जाकर कुछ झाड़ियों में फँस गई। तबसे मैं यहीं हूँ। मैं पानी के कारण गल चूकी हूँ और कभी भी प्राण त्याग सकती हूँ।

Question 1:

- तुमने बरसात पर पहले भी कभी कोई कविता या लोकगीत सुना होगा। उसे नीचे दी गई जगह में लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

- इस कविता को पढ़ते समय तुम्हारे मन में कई चित्र आए होंगे। उनके बारे में बताओ या उनका चित्र बनाओ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

- बरखा रानी आओ तुम,
रिमझिम-रिमझिम बरसो तुम,
तपती धरती प्यासी बैठी,
उसकी प्यास बुझाओ तुम,
सरिता तुमसे रूठी बैठी,
देर लगी आने में कैसे,
जल्दी से पानी बरसाओ,



उसको पानी देती जाओ,

- छात्र स्वयं करें। जैसे-



Question 1:

पानी सचमुच खूब पड़ेगा।

सचमुच का इस्तेमाल करते हुए तुम भी दो वाक्य बनाओ।

(क)

(ख)

Answer:

(क) वह सचमुच बहुत भीग गया।

(ख) वह सचमुच ही चला गया।

Question 1:

घिर-घिर कर बादल छाया है,

सात समुंदर भर लाया है।

(क) पता करो, सात समुद्र कौन-कौन से होंगे जिनसे बादल पानी भरकर लाया है।

(ख) क्या सचमुच बारिश के बादल समुद्र से पानी लाते हैं? वे इतना सारा पानी कैसे लाते होंगे? आपस में बातचीत करके पता करो।

(तुम इस काम में बड़ों की या किताबों की मदद भी ले सकती हो।)

Answer:

(क) हिंद महासागर, प्रशांत महासागर, अन्ध (अटलांटिक) महासागर, उत्तरीध्रुव महासागर, दक्षिणीध्रुव महासागर, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी।

(ख) सूरज की गर्मी से समुद्रों का पानी भाप बन कर उड़ जाता है और ऊपर ठंडक पाकर बादलों में बदल जाता है। बादल फिर पानी बन कर बरसने लगते हैं।



Question 1:

(क) बरसात के दिनों में अक्सर घरों के दरवाज़े और खिड़कियों से पानी की बौछार आ जाती है। कभी-कभी छत से पानी टपकता है, सीलन भी आ जाती है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए तुम्हारे घर में क्या-क्या किया जाता है?

(ख) बारिश के मौसम में गलियों और सड़कों पर भी पानी भर जाता है। तुम्हारे मोहल्ले और घर के आस-पास बारिश आने पर क्या-क्या होता है? बताओ।

Answer:

(क) बरसात के दिनों में जब खिड़कियों और दरवाज़ों से पानी आता है, तो वे बंद कर दिए जाते हैं। टपकते पानी के लिए बाल्टी आदि लगाई जाती है। उनके ऊपर छज्जे बनाए जाते हैं। छत से टपकने वाले पानी को रोकने के लिए छत की मरम्मत कराई जाती है या उस पर प्लास्टिक की चादर बिछाई जाती है।

(ख) बारिश होने पर मोहल्ले में पानी भर जाता है। चारों तरफ कीचड़ ही कीचड़ हो जाता है। कचरा पानी पर तैरने लगता है। बच्चों के लिए यह मनोरंजन का समय होता है। वे इस पानी में खेलते हैं। जमे पानी के कारण आने-जाने में खासी परेशानी होती है। बारिश के कारण मच्छरों का आंतक हो जाता है।

Question 1:

(क) पिछले साल रिमझिम में तुमने पढ़ा था कि **बनाना** काम वाला शब्द होता है। काम वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं। इस कविता में ढेर सारी क्रियाएँ या काम वाले शब्द आए हैं। उन्हें छाँटो और नीचे लिखो।

.....	
.....	
.....	
.....	

(ख) तुमने जो क्रियाएँ छाँटी हैं, वर्णमाला के हिसाब से उनके आगे 1, 2, 3, आदि लिखकर उन्हें क्रम से लगाओ।

Answer:

(क) आना, घिरना, छाना, लाना, पड़ना, खोलना, लड़ना, बढ़ना, चलाना, छाना, लहराना, अड़ना, हर्षाना, पाना।

(ख) 1. अड़ना, 2. आना, 3. खोलना, 4. गढ़ना, 5. घिरना, 6. चलाना, 7. छाना, 8. टटोलना, 9. पड़ना, 10. बढ़ना, 11. भरना, 12. लड़ना, 13. लहराना, 14. लाना, 15. हर्षाना।



CHAPTER-7: दान का हिसाब

Question 1:

- (क) राजा किसी को भी दान क्यों नहीं देना चाहता था?
- (ख) राजदरबार के लोग मन ही मन राजा को बुरा कहते थे लेकिन वे राजा का विरोध क्यों नहीं कर पाते थे?
- (ग) राजसभा में सज्जन और विद्वान लोग क्यों नहीं जाते थे?
- (घ) संन्यासी ने सीधे-सीधे शब्दों में भिक्षा क्यों नहीं माँग ली?
- (ङ) राजा को संन्यासी के आगे गिड़गिड़ाने की ज़रूरत क्यों पड़ी?

Answer:

- (क) राजा बहुत कंजूस था। उसका मानना था कि यदि वह दान देगा, तो उसका राजकोष खाली हो जाएगा। अतः वह दान नहीं देना चाहता था।
- (ख) राजदरबार के लोग मन ही मन राजा को बुरा मानते थे। परन्तु वे जानते थे कि यदि वे राजा का विरोध करते हैं, तो वह उनको दण्ड देगा। दण्ड से बचने के लिए वे राजा का विरोध नहीं करते थे।
- (ग) राजसभा में सज्जन और विद्वान का आदर सत्कार नहीं होता था। इसलिए वे राजसभा में नहीं जाते थे।
- (घ) संन्यासी बहुत चतुर था। वह जानता था यदि वह सीधे-सीधे शब्दों में भिक्षा माँगता, तो राजा इतनी बड़ी रकम कभी नहीं देता। उसने इसलिए ऐसे तरीके से भिक्षा माँगी कि राजा मूर्ख बन गया और उसने बड़ी रकम को मामूली समझकर भिक्षा देना स्वीकार कर लिया।
- (ङ) राजा ने संन्यासी को भिक्षा देने का वचन दे दिया था। लेकिन भंडारी के अनुसार भिक्षा के रूप में राजकोष से दस लाख रुपये की रकम निकल जाने वाली थी। इससे राजा दिवालिया होने वाला था। राजा को अपना राजकोष बचाने के लिए संन्यासी के आगे गिड़गिड़ाना पड़ा।

Question 1:

- तुम नीचे दिए गए वाक्यों को किस तरह से कहोगे?
- (क) दान के वक्त उनकी मुट्ठी बंद हो जाती थी।
 - (ख) हिसाब देखकर मंत्री का चेहरा फीका पड़ गया।
 - (ग) संन्यासी की बात सुनकर सभी की जान में जान आई।
 - (घ) लाखों रूपए राजकोष में मौजूद हैं। जैसे धन का सागर हो।

Answer:

- (क) दान के समय वह हाथ खींच लेता था।
- (ख) हिसाब देखकर मंत्री की हवाईयाँ उड़ गई।



(ग) संन्यासी की बात सुनकर सबको चैन आया।

(घ) राजकोष में धन का सागर लहरा रहा है।

Question 1:

कभी-कभी कुछ इलाकों में बारिश बिल्कुल भी नहीं होती। नदी-नाले, तालाब सब सूख जाते हैं। फ़सलों के लिए पानी नहीं मिलता। खेत सूख जाते हैं। पशु-पक्षी, जानवर, लोग भूखे मरने लगते हैं। ऐसे समय में वहाँ रहने वाले लोगों को मदद की ज़रूरत होती है। तुम भी लोगों की मदद ज़रूर कर सकते हो। सोचकर बताओ तुम अकाल में परेशान लोगों की मदद कैसे करोगे?

Answer:

अकालग्रस्त लोगों की मदद करने के लिए हम अपनी कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी से धन एकत्र करेंगे। इस तरह हम अकालग्रस्त लोगों तक भोजन-पानी, दवाइयाँ व अन्य आवश्यक सामग्री पहुँचाने का प्रयास करेंगे।

Question 1:

(क) राजा राजकोष के धन का उपयोग किन-किन कामों में करता था?

• तुम्हारे घर में जो पैसा आता है वह कहाँ-कहाँ खर्च होता है? पता करके लिखो।

(ख) अकाल के समय लोग राजा से कौन-कौन से काम करवाना चाहते थे?

• तुम अपने स्कूल या इलाके में क्या-क्या काम करवाना चाहते हो?

Answer:

(क) राजा राजकोष का उपयोग निम्नलिखित कामों में करता था:-

(1) राजकाज के कामों के लिए।

(2) निजी उपयोग के लिए।

(3) महल के रख-रखाव के लिए।

(4) जनता (प्रजा) के लिए।

• हमारे घर में जो पैसा आता है, उसे हम अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए; जैसे:- रोटी, कपड़ा, टेलीफोन, बिजली के बिल, पढ़ाई-लिखाई, पूजा-पाठ, बीमारी, कहीं आना-जाना, घर का रख-रखाव इत्यादि कार्यों पर खर्च करते हैं।

(ख) अकाल के समय लोग चाहते थे कि राजा राजकोष में से दस हजार रुपये दे दे ताकि वे दूसरे देश से अनाज़ खरीद कर खा सकें और अपनी जान बचा सकें।

• मैं चाहता हूँ कि मेरे स्कूल में पार्क हो और एक अच्छी कैन्टीन हो, मेरे इलाके में भी बढ़िया-सा पार्क हो जहाँ अच्छे झूले लगे हों।



Question 1:

तुम्हारे विचार से राजदरबार में किसकी क्या-क्या ज़िम्मेदारियाँ होंगी?

- (क) मंत्री
- (ख) भंडारी

Answer:

(क) मंत्री राजा का दायँ हाथ होता है। वह राजा का सलाहकार होता है। उसकी सलाह से ही राज-काज ठीक से चलता है व प्रजा सुखी रहती है। दूसरे कर्मचारियों की नियुक्ति भी वह राजा के साथ मिलकर करता है।

(ख) भंडारी राजकोष अथवा खजाने की देखभाल करने वाला होता है। वह राजकोष का हिसाब-किताब रखता है। राजा के आदेश पर ही वह लेन-देन करता है।

Question 1:

सभी ने कहा, “हमारे महाराज कर्ण जैसे ही दानी हैं।” पता करो कि—

- (क) कर्ण कौन थे?
- (ख) कर्ण जैसे दानी का क्या मतलब है?
- (ग) दान क्या होता है?
- (घ) किन-किन कारणों से लोग दान करते हैं?

Answer:

(क) कर्ण कुंती व सूर्य के पुत्र थे। वह बहुत दानवीर थे।

(ख) कर्ण जैसे दानी का मतलब है, अपना सब कुछ दान में दे देना व किसी के माँगने पर कभी मना न करना।

(ग) किसी व्यक्ति द्वारा सहायता माँगे जाने पर उसे मनचाही वस्तु दे देना दान कहलाता है।

(घ) निम्नलिखित कारणों से लोग दान करते हैं:-

- (1) कुछ लोग दान पुण्य कमाने के लिए करते हैं।
- (2) कुछ लोग धर्म के नाम पर दान करते हैं।
- (3) कुछ लोग नाम कमाने के लिए दान करते हैं।
- (4) कभी-कभी किसी की मदद के लिए भी दान किया जाता है।

Question 1:

(क) राजा किसी को दान देना पसंद नहीं करता था।

तुम्हारे विचार से राजा सही था या गलत?

अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

(ख) राजा दान देने के अलावा और किन-किन तरीकों से लोगों की सहायता कर सकता था?



Answer:

(क) हमारे विचार से राजा गलत था क्योंकि मुसीबत के समय वह किसी की मदद नहीं करता था। वह राजकोष का उपयोग अपनी निजी ज़रूरतों के लिए करता था। यह गलत नहीं था।

(ख) राजा अनेक तरीकों से लोगों की मदद कर सकता था। भंडार से अनाज बँटवा सकता था। नए कुँए और नहर खुदवा सकता था। इससे लोगों को काम भी मिल जाता और भविष्य में अकाल की मार से बचा जा सकता था।

Question 1:

पूर्वी सीमा के लोग भूखे प्यासे मरने लगे।

(क) 'पूर्व' शब्द के दो अर्थ हैं

पूर्व-एक दिशा

पूर्व-पहले।

नीचे ऐसे ही कुछ और शब्द दिए गए हैं जिनके दो-दो अर्थ हैं। इनका प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य बनाओ।

जल
.....
मन
.....
मगर
.....

(ख) नीचे चार दिशाओं के नाम लिखे हैं।

तुम्हारे घर और स्कूल के आसपास इन दिशाओं में क्या-क्या है?

तालिका भरो –

दिशा	घर के पास	स्कूल के पास
पूर्व		
पश्चिम		
उत्तर		
दक्षिण		

Answer:

(क) जल-

- गर्म पानी गिरने से उसका पैर जल गया।
- समुद्र में चारों ओर जल ही जल है।



मन-

- उसके आने की खबर सुनकर मेरा **मन** खुश हो गया।
- बाज़ार से चार **मन** गेहूँ ले आओ।

मगर-

- इस नदी में बहुत तरह के **मगर** हैं।
- वह बहुत पढ़ा **मगर** पास न हो सका।

(ख) छात्र इसे स्वयं करें।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER-8: कौन ?

Question 1:

- (क) कविता पढ़कर बताओ कि यह शरारती जीव घर में कहाँ-कहाँ गया?
- (ख) किस तरह की चीज़ों का सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ?
- (ग) कविता में बहुत से नुकसान गिनाए गए हैं। तुम्हारे हिसाब से इनमें से कौन-सा नुकसान सबसे बड़ा है? क्यों?
- (घ) इस कविता में किसकी शैतानियों की बात कही गई है? तुमने कैसे अनुमान लगाया?

Answer:

- (क) यह शरारती जीव घर में हर जगह गया; जैसे- कपड़ों व पुस्तकों की अलमारी में, रसोईघर में, दीवार पर और जूते रखने की जगह पर कोने-कोने में गया।
- (ख) घर में अनाज, किताबों, चप्पल-जूतों आदि चीज़ों का बहुत नुकसान हुआ।
- (ग) इन सब नुकसानों में सबसे बड़ा नुकसान किताबों का है। क्योंकि इनके खराब होने से हम ज्ञान पाने से वंचित रह जाएंगे। पुरानी किताबें तो बाज़ार में भी नहीं मिल पातीं।
- (घ) इस कविता में चूहे की शरारतों की बात कही गई है क्योंकि चूहा ही कपड़ा, रस्सी व किताबें कुतरता है। रातभर घर में खुर-खुर करता है।

Question 1:

शरारती जीव ने बहुत सारी चीज़ों को कुतरा, बिखराया और काटा। अब तुम बताओ कि किन-किन चीज़ों को-

कुतरा जा सकता है	बिखराया जा सकता है	काटा जा सकता है
.....		
.....		
.....		

Answer:

कुतरा जा सकता है	बिखराया जा सकता है	काटा जा सकता है
कपड़ा	अनाज	रस्सी
कागज़	चीनी	कपड़ा
हल्का प्लास्टिक	नमक	तार
चमड़े से बनी चीज़ें	दूध	कबाड़



Question 1:

- (क) कबाड़ी क्या-क्या सामान खरीदते हैं?
(ख) तुम्हारे घर से सामान ले जा कर कबाड़ी उसका क्या करते हैं?
(ग) पता करो कि पुराना अखबार या रद्दी किस भाव से बिकते हैं?
(घ) अगर कबाड़ी तुम्हारे घर का कबाड़ न खरीदे तो क्या होगा?

Answer:

- (क) कबाड़ी पुराने अखबार, कॉपियाँ, किताबें, लोहा, प्लास्टिक इत्यादि चीज़ें खरीदते हैं।
(ख) कबाड़ी घरों से सामान ले जाकर फैक्टरियों में बेच देते हैं। वहाँ इन्हें रिसाइकिल करके फिर से चीज़ें बनाई जाती हैं।
(ग) पुराना अखबार दस रुपये किलो और रद्दी सात रुपये किलो के हिसाब से बिकते हैं।
(घ) अगर कबाड़ी कबाड़ न खरीदे तो घर कबाड़ से भर जाएगा या उसे इधर-उधर फेंकना पड़ेगा।

Question 1:

- (क) तुम्हारे घर में भी यदि यह शरारती जीव है या उसकी फ़ौज घुस गई है तो पता करो कि उससे कैसे निपटा जाता है।
(ख) इस शरारती जीव के अलावा और कौन-कौन से जीव तुम्हारे घर में घुस जाते हैं?

.....		
.....		
.....		

Answer:

- (क) हमारे घर में यह शरारती जीव जैसे चूहे घुस आए तो चूहे भगाने की दवाई डालेंगे या चूहेदानी का प्रयोग करेंगे। यदि इन सबसे भी काम न चले तो बिल्ली पाली जा सकती है।

(ख)

छिपकली	तिलचट्टे	चीटियाँ
मकड़ी	मच्छर	मक्खी
चिड़िया	कबूतर	खटमल

Question 1:

नीचे लिखी कविता की पंक्तियाँ पढ़ो। जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका अर्थ आपस में चर्चा करके बताओ।

- (क) कभी खलीता पर बन आती



अध्ययन मंत्र



Join Now

Adhyayan Mantra अध्ययन मंत्र

(ख) रोज़ टाँगता धो-धोकर मैं
कौन उठा ले जाता छत्रे
(ग) रोज़ रात-भर जगता रहता
खुर-खुर इधर-उधर है धाता

Answer:

(क) खलीता – थैली
(ख) छत्रे – छानने वाला कपड़ा।
(ग) धाता – दौड़ता।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

The banner features a central illustration of an interview room with three people sitting on chairs and two people at a desk. The text 'KVS MOCK INTERVIEW' is prominently displayed in large, bold letters. Below it, a yellow button says 'Registration Open'. The banner is framed by a border of small Adhyayan Mantra logos.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-9: स्वतंत्रता की ओर

Question 1:

इस कहानी को पढ़कर तुम्हें बापू के बारे में कई बातें पता चली होंगी। उनमें से कोई तीन बातें यहाँ लिखो।

-
-
-
-
-

Answer:

- गांधी जी सत्यवादी थे।
- गांधी जी अन्याय व हिंसा का विरोध अहिंसा से करते थे।
- गांधी जी चरखे पर सूत कातते थे।

Question 1:

धनी की माँ चूल्हा फूँक रही थीं।

धनी की माँ खाना पकाने के लिए चूल्हे का इस्तेमाल करती थीं। नीचे कुछ चित्र बने हैं। इनके नाम पता करो और लिखो।



- इनमें कौन-कौन से ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है?
- तुम्हारे घर में खाना पकाने के लिए इनमें से किसका इस्तेमाल किया जाता है?

Answer:

(क) स्टोव, चूल्हा, गैस स्टोव, अँगीठी।

स्टोव – मिट्टी का तेल।

चूल्हा – लकड़ी।

गैस स्टोव – गैस।



अंगीठी – कोयला।

(ख) हमारे घर में खाना पकाने के लिए गैस स्टोव का इस्तेमाल होता है।

Question 1:

(क) धनी ने गांधी जी से सुबह के समय बात करना क्यों ठीक समझा होगा?

(ख) धनी बित्री की देखभाल कैसे करता था?

(ग) धनी को यह कैसे महसूस हुआ होगा कि आश्रम में कोई योजना बनाई जा रही है?

Answer:

(क) धनी ने गांधी जी से सुबह के समय बात करना ठीक समझा होगा। सुबह के समय गांधी जी आश्रम में टहलते थे। उस समय उनके पास कोई काम नहीं होता था।

(ख) धनी बित्री को हरी-हरी घास खिलाता था। बर्तन में पानी पिलाता था। आश्रम में उसको लेकर घूमाता था। उसका पूरा-पूरा ख्याल रखता था।

(ग) आश्रम में सभी लोग गांधी जी के साथ बैठकर गंभीर बात कर रहे थे। गांधी जी उन्हें कुछ न कुछ निर्देश भी दे रहे थे। इन सब से धनी को लगा कि आश्रम में कोई योजना बनाई जा रही है।

Question 1:

नीचे कहानी में आए कुछ शब्द लिखे हैं। कक्षा में चार-चार के समूह में एक-एक चीज़ के बारे में पता करो-

स्वतंत्रता

सत्याग्रह

खादी

चरखा

तुम इस काम में अपने दोस्तों से, बड़ों से, शब्दकोश या पुस्तकालय से सहायता ले सकते हो। जानकारी इकट्ठा करने के बाद कक्षा में इसके बारे में बताओ।

Answer:

स्वतंत्रता – आज़ादी- भारत ने एक लंबे समय के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की थी। अंग्रेज़ों ने भारत पर कब्ज़ा करके इसे गुलाम बना लिया था। स्वतंत्रता पाने के लिए कई वीरों ने बलिदान दिया था, तब जाकर हमें 15 अगस्त 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी।

सत्याग्रह – सत्य के लिए आग्रह करना- गांधीजी ने सत्याग्रह आंदोलन के द्वारा अंग्रेज़ों का मुकाबला किया था। इसमें बिना खून-खराबे के सरकार का विरोध किया गया। इस आंदोलन ने अंग्रेज़ी सरकार की नींद उड़ा दी थी।

खादी – चरखे से बनाए धागे का मोटा कपड़ा- खादी सूत से बना वस्त्र होता है। गांधीजी ने खादी अपनाकर अंग्रेज़ी वस्त्रों का बहिष्कार किया था। उन्होंने भारत के लोगों को खादी अपनाने का आग्रह किया। इस तरह भारत के लघु उद्योगों को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया गया।

चरखा – सूत कातने का लकड़ी से बना यंत्र- चरखा लकड़ी से बना होता है। इससे सूत काता जाता है।

Question 1:

गांधी जी ने धनी से कहा, “क्या तुम आश्रम में ही रहकर मेरे लिए बित्री की देखभाल करोगे?”



धनी ने गांधी जी की बात मान ली।

जब गांधी जी दांडी यात्रा से लौटे होंगे, तब आश्रम में क्या-क्या हुआ होगा? आगे की कहानी सोचकर लिखो।

Answer:

गांधी जी दांडी यात्रा से लौटे, तो लोगों ने फूलों के हारों से उनका स्वागत किया। धनी ने भी उन्हें माला पहनाई। गांधी जी ने उसे गोद में उठा लिया। वह भागा-भागा गया और अपनी बकरी का दूध ले आया। इस पर हँसते हुए गांधी जी ने कहा, "चलते-चलते थक गया हूँ, अब ताकत लौट आएगी।" धनी ने खुश होकर कहा, "मैं सुबह शाम दूध लेकर आऊँगा, जिससे आप मेरी बिन्नी की तरह मोटे-ताज़े हो जाओगे। उसकी बात सुनकर सब हँस पड़े होंगे।

Question 1:

(क) धनी यात्रा पर जाने के लिए उत्सुक क्यों था?

- अगर तुम धनी की जगह होते तो क्या तुम यात्रा पर जाने की जिद करते? क्यों?

(ख) गांधी जी ने धनी को न जाने के लिए कैसे मनाया?

- क्या तुम गांधी जी के तर्क से सहमत हो? क्यों?

Answer:

(क) वह जानना चाहता था कि यह यात्रा महत्वपूर्ण है। वह देखना चाहता था कि इस यात्रा में क्या-क्या क्या होने वाला है? इसलिए धनी उत्सुक था।

- अगर हम धनी की जगह होते तो हम भी यात्रा पर जाने की जिद करते। देश के लिए कुछ करना हमारा भी कर्तव्य बनता है।

(ख) गांधी जी ने धनी को बिन्नी की देखभाल के लिए राजी करके मनाया।

- हाँ, हम गांधी जी के तर्क से सहमत हैं क्योंकि इतनी लंबी यात्रा बच्चे नहीं कर सकते। फिर बिन्नी केवल धनी के हाथों से ही खाना खाती थी इसलिए उसकी देखभाल ज़रूरी थी।

Question 1:

गांधी जी ने कहा, "जब मैं वापस आऊँगा तो मुझे खूब सारा दूध पीना पड़ेगा, जिससे कि मेरी ताकत लौट आए।"

बताओ, खूब सारी ताकत और अच्छी सेहत के लिए तुम क्या-क्या खाओगे-पिओगे?

चटपटी अंकुरित दाल	मीठा दूध
गर्म समोसे	रसीला आम
करारे गोलगप्पे	गर्मागर्म साग
कुरकुरी मक्का की रोटी	ठंडी
	आइसक्रीम
खुशबूदार दाल	रंग-बिरंगी
	टॉफी



मसालेदार अचार

ठंडा शरबत

Answer:

चटपटी अंकुरित दाल, मीठा दूध, कुरकुरी मक्का की रोटी, रसीला आम, गर्मागर्म साग, खुशबूदार दाल।

Question 1:

अभी तुमने जिन खाने-पीने की चीज़ों के नाम पढ़े, उनकी विशेषता बता रहे हैं ये शब्द-
चटपटी, मीठा, गर्म, ठंडा, कुरकुरी आदि
नीचे लिखी चीज़ों की विशेषता बताने वाले शब्द सोचकर लिखो-

.....	हलवा		पेड़		नमक		चीटी
.....	पत्थर		कुरता		चश्मा		झंडा

Answer:

मीठा	हलवा	घना	पेड़	सफेद	नमक	छोटी	चीटी
चिकना	पत्थर	लंबा	कुरता	मोटा	चश्मा	तिरंगा	झंडा

Question 1:

नीचे लिखे शब्दों में सही जगह पर • या — लगाओ।

धुआ
स्वतंत्र
बंदगोभी

कुआ
बाध
इतज़ार

फूक
मा
पसंद

कहा
गाव

Answer:

धुआँ, कुआँ, फूँक, कहाँ, स्वतंत्र, बाँध, माँ, गाँव, बंदगोभी, इतज़ार, पसंद।

Question 1:

धनी को बित्री की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी दी गई थी। इनकी क्या-क्या ज़िम्मेदारियाँ थीं?

- माँ
- पिता
- बिंदा



CHAPTER-10: थप्प रोटी थप्प दाल

Question 1:

नाटक का नाम थप्प रोटी थप्प दाल क्यों है?

तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

(क)

(ख)

Answer:

इस नाटक में पूरे समय बच्चे रोटी और दाल बनाने का खेल-खेलते हैं। इसलिए इसका नाम थप्प रोटी थप्प दाल दिया गया है।

शीर्षक:-

(क) आलसियों को सबक।

(ख) चोर बिल्ली।

Question 1:

थप्प रोटी थप्प दाल

‘थप्प’ शब्द से लगता है किसी तरह की आवाज़ है। आवाज़ का मज़ा देने वाले और भी बहुत से शब्द हैं जैसे- टप, खट।

ऐसे ही कुछ शब्द तुम भी लिखो।

.....
.....

.....
.....

Answer:

खर्
सर्
टन-टन
धम्म

फर्ट
कर
फटफट
छत्र

Question 1:

इस नाटक में बच्चे रोटी बनाने का खेल खेलते हैं। तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो, उनके नाम लिखो।



.....
.....

Answer:

अक्कड़-बक्कड़ आँख-मिचौली खो-खो रस्सी कूद

Question 1:

(क) नीना चुन्नू और टिकू से ही दाल क्यों बनवाना चाहती होगी?

(ख) बच्चों ने खाने-पीने की चीज़ें छींके में क्यों रखीं?

(ग) चुन्नू ने दाल को पहले खट्टा फिर मीठा क्यों बताया?

Answer:

(क) चुन्नू और टिकू न तो आग जलाना जानते थे और न ही दाल बनाना। नीना उन्हें परेशान करने व मज़े लेने के लिए उनसे दाल बनवाना चाहती होगी।

(ख) बच्चों ने खाने-पीने की चीज़ें छींके में इसीलिए रखीं ताकि कोई उन्हें खा न जाए।

(ग) चुन्नू ने मुन्नी और लड़कियों को चिढ़ाने के लिए पहले तो दाल को खट्टा बताया पर मुन्नी के गुस्से से देखने पर डर के मारे उसे मीठा बताया।

Question 1:

तुम्हारे घर में खाना कौन बनाता है? तुम खाना बनाने में क्या-क्या मदद करते हो? नीचे दी गई तालिका में लिखो।

खाना कौन बनाता है	मैं क्या मदद कर सकता हूँ	मैं क्या मदद करता हूँ
.....		
.....		
.....		
.....		

Answer:

खाना कौन बनाता है	मैं क्या मदद कर सकता हूँ	मैं क्या मदद करता हूँ
माँ	मैं छोटे बर्तन ला सकता हूँ।	मैं माँगने पर चीज़ें उठाकर देता हूँ।
दादी	बर्तन रसोईघर में रख सकता	कभी-कभी सब्जी धो देता हूँ।



ताईजी	चीज़ें दे सकता हूँ।	सबको रोटियाँ देता हूँ।
नौकरानी	सब्जी छील सकता हूँ।	खुद खाना माँग लाता हूँ।

Question 1:

इन बच्चों की जगह तुम होतीं तो खाने के लिए कौन से तीन पकवान बनातीं? उन्हें बनाने के लिए किन चीज़ों की ज़रूरत पड़ती? पता करो और सूची बनाओ।

पकवान का नाम	किन चीज़ों की ज़रूरत होगी
.....	
.....	
.....	

Answer:

पकवान का नाम	किन चीज़ों की ज़रूरत होगी
पूड़ी	आटा, घी, पानी
हलवा	सूजी, घी, चीनी, मेवा, पानी आदि
पनीर की सब्जी	पनीर, तेल, मसाले, नमक, टमाटर, प्याज़, लहसुन आदि

Question 1:

(क) सरला ने कहा— मैं दही का मट्ठा चला दूँगी।

दही का मट्ठा चलाने का मतलब है—

— दही बिलोना

— दही से लस्सी या छाछ बनाना

सरला को इस काम के लिए किन-किन चीज़ों की ज़रूरत होगी, उनके नाम लिखो।

(ख) बिलोना, घोलना, फेंटना

इन तीनों कामों में क्या फ़र्क है? बातचीत करो और पता लगाओ।

(ग) किन्हीं दो-दो चीज़ों के नाम बताओ जिन्हें बिलोते, घोलते और फेंटते हैं।

बिलोते
हैं



घोलते हैं
फेंटते हैं

(घ) सरला ने रई से मट्टा बिलोया।

रई को मथनी भी कहते हैं। रसोई के दूसरे बर्तनों को तुम्हारे घर की भाषा में क्या कहते हैं? कक्षा में इस पर बातचीत करो और एक सूची बनाओ।

Answer:

(क) दही का मट्टा चलाने का मतलब है- दही बिलोना। इस काम के लिए मटका, मथनी व दही कि ज़रूरत होती है।

(ख) बिलोना – रई या मथनी से बिलोया जाता है। इसमें मथनी को रस्सी की सहायता से लपेट लिया जाता है। अब रस्सी के सिरे को एक-एक करके खींचा जाता है। मथनी उसमें गोल-गोल घूमती है। इसे बिलोना कहते हैं।

घोलना – पानी व अन्य चीज़ों में नमक या शक्कर को मिलाते हैं, तो इसे घोलना कहा जाता है। इसे चम्मच के सहारे घोला जाता है।

फेंटना – पूरी तरह गोल-गोल घुमाना फेंटना कहलाता है। ऑमलेट बनाते समय जैसे कप या कटोरी में अण्डे को डालकर चम्मच की सहायता से फेंटा जाता है।

(ग) बिलोते हैंदही..... घोलते हैंशक्कर.....नमक..... फेंटते हैं
.....अंडे.....केक का घोल.....

(घ) छात्र स्वयं करें।

Question 1:

नाटक में बच्चों ने अपनी बात को कई बार कविता की तरह कहा है जैसे-

टिंकू ने पकाई बड़ियाँ,

चुन्नू ने पकाई दाल

टिंकू की बड़ियाँ जल गईं,

चुन्नू का बुरा हाल

अब तुम भी नीचे लिखी पंक्तियों में कुछ जोड़ो-

घंटी बोली टन-टन-टन

.....

कहाँ चले भई कहाँ चले

.....

रेल चली भई रेल चली

.....

कल की छुट्टी परसों इतवार



रोटी दाल पकाएँगे

Answer:

घंटी बोली टन-टन-टन

छुट्टी हुई चलो चलें फौरन

कहाँ चले भई कहाँ चले

सुबह-सुबह तुम कहाँ चले

रेल चली भई रेल चली

छुक-छुक करती रेल चली

कल की छुट्टी परसों इतवार

खेलने के ये हैं त्योहार

रोटी दाल पकाएँगे

मिलकर मौज़ उड़ाएँगे

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

India's No.1
Teaching Institute
DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET
Batch starts: 10th March



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-11: पढ़क्कू की सूझ

Question 1:

“पढ़क्कू की सूझ” कविता में एक कहानी कही गई है। इस कहानी को तुम अपने शब्दों में लिखो।

Answer:

एक दिन पढ़क्कू समझ नहीं पाया कि कोल्हू का बैल बिना चलाए कैसे घूमता है। उनको लगा मालिक ने बैलों को कोई तरीका सिखा रखा है। एक दिन उसने मालिक से पूछा, “तुम कैसे जान लेते हो कि तुम्हारा बैल घूम रहा है।” मालिक ने कहा, “उनके गर्दन में बंधी घंटी की आवाज़ से।” इस पर तर्क शास्त्री पढ़क्कू ने कहा, “कभी बैल अड़ गया तो तुम्हें उस दिन तेल नहीं मिलेगा।” पढ़क्कू की बात सुनकर मालिक हँसा और बोला, “तर्कशास्त्री पढ़क्कू बैलों को युक्तियों की बातें नहीं आती हैं क्योंकि उसने तर्क शास्त्र नहीं पढ़ा है।”

Question 1:

तीसरी कक्षा में तुमने रामधारी सिंह दिनकर की कविता ‘मिर्च का मज़ा’ पढ़ी थी। अब तुमने उन्हीं की कविता ‘पढ़क्कू की सूझ’ पढ़ी।

(क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर तुम्हें ज़्यादा मज़ा आया?

(चाहो तो तीसरी की किताब फिर से देख सकते हो।)

(ख) तुम्हें काबुली वाला ज़्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू? या कोई भी अच्छा नहीं लगा?

(ग) अपने साथियों के साथ मिलकर एक-एक कविता ढूँढ़ो। कविताएँ इकट्ठा करके कविता की एक किताब बनाओ।

Answer:

(क) हमें मिर्च का मज़ा कविता पढ़कर बहुत मज़ा आया। इसमें भोलेपन में काबुली वाले ने मिर्च को फल समझकर खा लिया था।

(ख) हमें काबुली वाला ज़्यादा अच्छा लगा। वह भोला और सीधा था।

(ग) सभी बच्चे एक-एक कविता ढूँढ़े फिर सब मिलाकर एक कविता की किताब बनाओ।

Question 1:

कोल्हू का बैल ऐसे व्यक्ति को कहते हैं जो कड़ी मेहनत करता है या जिससे कड़ी मेहनत करवाई जाती है।

मेहनत और कोशिश से जुड़े कुछ और मुहावरे नीचे लिखे हैं। इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

- दिन-रात एक करना
- पसीना बहाना



- एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना

Answer:

दिन रात एक करना – उसने प्रथम आने के लिए दिन रात एक कर दिया।

पसीना बहाना – उसने पसीना बहाकर पैसा कमाया है।

एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना – चोर को पकड़ने के लिए पुलिस ने एड़ी चोटी का ज़ोर लगा दिया।

Question 1:

(क) पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू क्यों पड़ा होगा?

(ख) तुम कौन-सा काम खूब मन से करना चाहते हो? उसके आधार पर अपने लिए भी पढ़क्कू जैसा कोई शब्द सोचो।

Answer:

(क) वह दिन-रात पढ़ता होगा इसलिए उसका नाम पढ़क्कू पड़ा होगा।

(ख) मैं चित्र बनाने का काम खूब मन से करना चाहता हूँ। इसीलिए चित्रकार कहलाना पसंद करूँगा।

Question 1:

हाँ जब बजती नहीं, दौड़कर तनिक पूँछ धरता हूँ

पूँछ धरता हूँ का मतलब है पूँछ पकड़ लेता हूँ।

नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो।

(क) मगर बूँद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे?

(ख) बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है।

(ग) सिखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढब है।

(घ) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे।

Answer:

(क) मगर क्या शाम तक भी तुम्हें एक बूँद तेल मिल पाएगी?

(ख) हमारा बैल अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है।

(ग) इसने बैल को कोई तरकीब सिखा रखी है।

(घ) जहाँ कोई बात नहीं होती, वहाँ भी नई बात बनाने लगते थे।

Question 1:

पढ़क्कू नई-नई बातें गढ़ते थे।

बताओ, ये लोग क्या गढ़ते हैं?



सुनार कवि
 लुहार कुम्हार
 ठठेरा लेखक

Answer:

सुनार गहना कवि कविता
 लुहार लोहे की चीज़ें कुम्हार मिट्टी के बर्तन
 ठठेरा धातु के बर्तन लेखक कहानी

Question 1:

नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ अक्षरजाल में खोजो-

ढब, भेद, गज़ब, मंतिख, छल

त	र्क	शा	स्त	म्र
रा	ज	त	क	ब
जू	स	री	मा	धो
रा	ज़	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़

Answer:

त	र्क	शा	स्त	म्र
रा	ज	त	क	ब
जू	स	री	मा	धो
रा	ज़	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़

ढब — तरीका
 गज़ब — कमाल
 छल — धोखा
 भेद — राज़
 मंतिख — तर्कशास्त्र



CHAPTER-12: सुनीता की पहिया कुर्सी

Question 1:

- सुनीता को सब लोग गौर से क्यों देख रहे थे?
- सुनीता को दुकानदार का व्यवहार क्यों बुरा लगा?

Answer:

- सुनीता अपने पैरों से नहीं चल सकती थी। वह अपनी पहिया कुर्सी पर बैठ कर चल रही थी इसीलिए सब उसे गौर से देख रहे थे।
- दुकानदार ने चीनी सुनीता के हाथ में देने की बजाय, उसकी गोद में डाल दी थी। सुनीता को दुकानदार की दया नहीं चाहिए थी। वह चाहती थी कि उसके साथ अन्य लोगों की तरह समान व्यवहार किया जाए। लेकिन दुकानदार उसके समान व्यवहार नहीं कर रहा था। अपाहिज समझकर वह दया दिखा रहा था। दुकानदार का यह व्यवहार सुनीता को उसकी कमी की याद दिला रहा था इसलिए उसे दुकानदार का व्यवहार बुरा लगा।

Question 1:

- सुनीता को सड़क की ज़िंदगी देखने में मज़ा आता है।
- (क) तुम्हारे विचार से सुनीता को सड़क देखना अच्छा क्यों लगता होगा?
- (ख) अपने घर के आसपास की सड़क को ध्यान से देखो और बताओ—
- तुम्हें क्या-क्या चीज़ें नज़र आती हैं?
 - लोग क्या-क्या करते हुए नज़र आते हैं?

Answer:

- (क) सुनीता अपने पैरों से चल नहीं सकती थी। इसलिए उसे सड़क की चीज़ें देखने में मज़ा आता था। सड़क पर उसे हर चीज़ चलती दिखाई देती थी। अतः उसे जब भी यह देखने का मौका मिलता, तो उसे अच्छा लगता था। अंदर रहकर जो अकेलापन व कमी वह महसूस करती थी। वह सड़क पर देखकर दूर हो जाता व उसका मन लग जाता था।
- (ख) अपने घर के आसपास की सड़कों पर हमें निम्न प्रकार की वस्तुएँ तथा कार्य करते लोग दिखाई देते हैं—
- पेड़-पौधे, बिजली के खम्भे, सड़क पर आती-जाती साइकिल, स्कूटर, मोटर-साइकिल, कारें, बसें और ट्रक इत्यादि दिखाई देते हैं।
 - लोग आते-जाते नींबू पानी पीते, गाड़ी ठीक करते हुए, गाड़ी रोककर फोन पर बात करते हुए, हेलमेट खरीदते हुए, बस स्टैंड पर बस का इंतज़ार करते हुए तथा सड़क पर चलते हुए नज़र आते हैं।

Question 1:



फ़रीदा की माँ ने कहा, "इस तरह के सवाल नहीं पूछने चाहिए।"

फ़रीदा पहिया कुर्सी के बारे में जानना चाहती थी पर उसकी माँ ने उसे रोक दिया।

- माँ ने फ़रीदा को क्यों रोक दिया होगा?
- क्या फ़रीदा को पहिया कुर्सी के बारे में नहीं पूछना चाहिए था? तुम्हें क्या लगता है?
- क्या तुम्हें भी कोई काम करने या कोई बात कहने से मना किया जाता है? कौन मना करता है? कब मना करता है?

Answer:

- फ़रीदा के प्रश्न सुनकर कहीं सुनीता को बुरा ना लग जाए इसलिए माँ ने फ़रीदा को प्रश्न पूछने से रोका होगा।
- फ़रीदा को इस विषय में नहीं पूछना चाहिए था। इससे सुनीता को बुरा लग सकता था।
- हाँ, मुझे मना किया जाता है। माँ मना करती है। जब मैं मिट्टी में खेलती हूँ, तो मुझे खेलने से मना किया जाता है।

Question 1:

(क) यदि सुनीता तुम्हारी पाठशाला में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी आएगी?

(ख) उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपनी पाठशाला में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?

Answer:

(क) सुनीता को पाठशाला के प्रार्थना सभा, कक्षा व कक्षा से इधर-उधर आने-जाने में परेशानी होगी। वह खेलकूद नहीं पाएगी। कुछ शैतान बच्चे उसका मज़ाक भी उड़ा सकते हैं।

(ख) कक्षाओं में आने-जाने का रास्ता ढलावदार होना चाहिए। विकलांगों वाले खेल कराए जाने चाहिए। ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि दूसरे बच्चे उनके साथ बराबरी का बर्ताव करें।

Question 1:

सुनीता के बारे में पढ़कर तुम्हारे मन में कई सवाल और बातें आ रही होंगी। वे बातें सुनीता को चिट्ठी में लिखकर बताओ।

Answer:

बी-38, विकास पुरी, नई दिल्ली। दिनांक:

प्रिय सुनीता, बहुत प्यार! तुम कैसी हो, मैंने तुम्हारे बारे में पढ़ा है। मैं तुम्हारी हिम्मत की सराहना करती हूँ कि तुम अपने काम स्वयं करती हो। तुम किसी पर निर्भर नहीं हो। मेरे मन में तुम्हें लेकर बहुत से प्रश्न उठते हैं। तुम जब औरों को खेलते हुए या दौड़ते हुए देखती हो, तो क्या सोचती हो? तुम खेल नहीं सकती। अतः तुम किस प्रकार के खेल खेलती हो? क्या तुम्हारे मित्र हैं? यदि हैं, तो क्या उन्हें तुम्हारे साथ असुविधा महसूस होती है? उस समय तुम क्या करती हो? सुनीता तुम्हारी तरह और भी ऐसे बच्चे हैं, जो सुन-बोल नहीं सकते या कुछ देख नहीं सकते। उनके लिए तुम क्या कहना चाहोगी? मेरे इन प्रश्नों का उत्तर अवश्य देना। यदि मेरा कोई प्रश्न तुम्हें दुखी करता हो, तो मुझे क्षमा करना और उसका उत्तर मत देना।

तुम्हारी सखी मोहना



Question 1:

सुनीता ने कहा, "मैं पैरों से चल ही नहीं सकती।"

(क) सुनीता अपने पैरों से चल-फिर नहीं सकती। तुमने पिछले साल पर्यावरण अध्ययन की किताब **आस-पास** में रवि भैया के बारे में पढ़ा होगा। रवि भैया देख नहीं सकते फिर भी वे किताबें पढ़ लेते हैं।

- वे किस तरह की किताबें पढ़ सकते हैं?
- उस तरह की किताबों के बारे में सबसे पहले किसने सोचा?

(ख) **आस-पास** में कुछ ऐसे लोगों के बारे में भी बात की गई है जो सुन-बोल नहीं सकते हैं।

- क्या तुम ऐसे किसी बच्चे को जानते हो जो सुन-बोल नहीं सकता?
- तुम उसे किस तरह से अपनी बात समझाते हो?

Answer:

(क)

- वे ब्रेल लिपि की किताबें पढ़ सकते हैं।
- इस प्रकार की किताब के बारे में लुई ब्रेल ने सोचा। उन्होंने इस तरह की किताबें सबसे पहले लिखीं। वे भी दृष्टिहीन थे। अतः उन्होंने इस प्रकार की किताब लिखकर दृष्टिहीन लोगों के जीवन की दिशा बदल दी। इस लिपि को इन्हीं का नाम दिया गया है।

(ख)

- मैं एक ऐसे बच्चे को जानती हूँ, जो सुन-बोल नहीं पाती उसका नाम नीतिका है।
- मैं उसे लिखकर तथा इशारों से अपनी बात समझाती हूँ।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER-13: हुदहुद

Question 1:

- (क) हुदहुद को कहीं 'हजामिन' चिड़िया और कहीं 'पदुबया' के नाम से पुकारते हैं। क्यों?
- (ख) हुदहुद की चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है। इस बात को ध्यान में रखकर बताओ-
- वे कैसा भोजन खाते होंगे?
 - चोंच से वे क्या-क्या काम ले सकते होंगे?

Answer:

- (क) हुदहुद को 'हजामिन' चिड़िया इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसकी चोंच नाखून काटने वाली नहरनी (नेल कर्टर) से बहुत मिलती है। पदुबया के नाम से इसलिए जाना जाता है क्योंकि यह दूब (घास) में से कीड़ा ढूँढ लेती है।
- (ख)
- वे छोटे-छोटे कीड़े-मकोड़े खाते होंगे।
 - वह अपनी चोंच का इस्तेमाल घास में से कीड़े-मकोड़े निकालने, घोंसला बनाने व लड़ाई करने में करते हैं।

Question 1:

पाठ में से ऐसे शब्दों की सूची बनाओ जो पक्षियों के लिए इस्तेमाल होते हैं।

जानती थी	पढ़कर मालूम हुआ	जानना चाहती हूँ	कैसे/कहाँ से पता लगाऊँगी?

पाठ पढ़ने के बाद अपनी कॉपी में एक तालिका तैयार करो और उस तालिका में मालूम की गई जानकारी लिखो।

Answer:



जानती थी	पढ़कर मालूम हुआ	जानना चाहती हूँ	कैसे/कहाँ से पता लगाऊँगी?
गिद्ध	हुदहुद	किन-किन पक्षियों की कलगी होती है?	अध्यापिका से पूछ कर।
पंख	कलगी	किस पक्षी की दुम कैसी होती है?	पुस्तकालय से उनके विषय में किताबों द्वारा।
चोंच	चोटी	उनका रंग व आकार कैसा होता है?	पक्षी संग्रहालय से।
दुम	—	अंडे कैसे-कैसे होते हैं?	नेट के द्वारा।
अंडे	—	वे क्या खाते हैं?	माता-पिता से पूछ कर।
घोंसला	—	वे कहाँ रहते हैं?	—

Question 1:

(क) अगर तुम्हें हुदहुद को पहचानने में किसी की मदद करनी है तो तुम उसे कौन-सी बातें बताओगे? चार-पाँच वाक्यों में लिखो।

(ख) अब कौवे या कबूतर को पहचानने के लिए चार-पाँच बिंदु लिखो। यह लिखने के लिए तुम्हें इन पक्षियों को कुछ समय तक बहुत गौर से देखना होगा।

Answer:

(क) हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले होते हैं उस पर सफ़ेद धारियाँ होती हैं। हुदहुद की गर्दन और कलगी बादामी रंग की होती है मगर कलगी के सिरे में काली-सफ़ेद धारियाँ बनी होती है। दुम का भीतरी हिस्सा सफ़ेद व बाहरी हिस्सा काला होता है। इसकी चोंच पतली लंबी व तीखी होती है।

(ख) कौवे- रंग काला, आकार बड़ा, काँव-काँव करके बोलता है, चोंच काली व लंबी होती है।

कबूतर- राख के रंग (ग्रे रंग) का होता है, उसमें गहरी ग्रे धारियाँ होती हैं, छोटा व गोल-मटोल होता है, उसकी चोंच छोटी व छोटा मुँह होता है, वह गुटरगूँ-गुटरगूँ करके बोलता है तथा कबूतर की अनेकों प्रजातियाँ होती है।

Question 1:

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से पक्षी पाए जाते हैं, उनके नामों की सूची बनाओ। तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के घर की भाषा में इन्हें क्या कहते हैं? जिन पक्षियों के नाम तुम्हें पता नहीं है, उनके नाम तुम्हें पता करने होंगे।

Answer:

पक्षियों के नाम – कौवा, कबूतर, तोता, बगुला, कोयल, मैना।



Question 1:

तुमने हुदहुद से जुड़ी एक कहानी पढ़ी है। उस कहानी को बातचीत के रूप में लिखो। नीचे हमने इस बातचीत को तुम्हारे लिए शुरू कर दिया है—

शाह सुलेमान— अरे भाई गिद्ध! ज़रा मेरी बात तो सुनो।

गिद्ध (उड़ते-उड़ते) — कहिए, मगर ज़रा जल्दी से।

शाह सुलेमान —

गिद्ध —

तुम अपने दोस्तों के साथ बातचीत को कक्षा में नाटक के रूप में प्रस्तुत कर सकते हो।

Answer:

शाह सुलेमान— अरे भाई गिद्ध! ज़रा मेरी बात तो सुनो।

गिद्ध (उड़ते-उड़ते) — कहिए, मगर ज़रा जल्दी से।

शाह सुलेमान— देखो मैं धूप से बेहाल हो रहा हूँ। तुम लोग अपने पंखों से ज़रा मेरे सिर पर छाया कर दो।

गिद्ध— हम तो इतने छोटे पक्षी हैं। हमारी गर्दन पर पंख भी नहीं हैं। हम छाया कैसे करें?

शाह सुलेमान— ठीक है। अरे! भाई हुदहुद यहाँ तो आना।

हुदहुद— कहिए महाराज! क्या बात है?

शाह सुलेमान— मैं तपती धूप से परेशान हूँ। क्या मेरी मदद कर सकते हो?

हुदहुद— क्यों नहीं बस कुछ समय दीजिए।

शाह सुलेमान— धन्यवाद मित्र! तुम्हारी वजह से मैं इस भयंकर गर्मी से बच पाया। माँगो क्या माँगते हो।

हुदहुद— आप अगर कुछ देना ही चाहते हैं, तो हमारी कलगी को सोने में बदल दीजिए।

शाह सुलेमान— मित्र तुमने अच्छी तरह से सोच लिया है। जानते हो इसके परिणाम भयंकर हो सकती हैं।

हुदहुद— हाँ बादशाह! बस आप हमारी इच्छा पूर्ण कर दीजिए।

शाह सुलेमान— जैसा तुम चाहते हो अल्ला वैसा करे।

कुछ समय बाद हुदहुद घबराता हुआ आता है।

हुदहुद— बादशाह! हमारी रक्षा करें। जब से हमारी सोने की कलगी आई है। हमारे ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मेरे सारे घरवाले मारे गए हैं।

शाह सुलेमान— मित्र मैंने तो पहले ही कहा था कि सोच-समझकर माँगना।

हुदहुद— क्षमा करें। मुझे यह नहीं मालूम था कि हमें इस प्रकार का कष्ट आ सकता है।

शाह सुलेमान— ठीक है मित्र! तुमने एक दिन मेरी सहायता की थी। अतः मैं तुम्हें इस वरदान से मुक्त करता हूँ।

हुदहुद— धन्यवाद बादशाह!

Question 1:

(क) हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है।

हुदहुद का रंग चटकीला बताया गया है। रंग कैसे हैं— यह बताने के लिए कुछ शब्दों का इस्तेमाल किया जा सकता है। जैसे, फीके रंग, चटकीले रंग आदि। बताओ कि ऐसे रंग किन-किन चीज़ों के होते हैं।

रंग का नाम	इस रंग की चीज़ों के नाम
गहरा.....	
फीका.....	



भड़कीला.....	
सुनहरा.....	

(ख) यूनी ने आसमानी रंग की कमीज़ पहनी है।

'आसमानी' रंग का नाम कैसे बना होगा? सोचो।

ऐसे ही कुछ और रंगों के नाम लिखो जो किसी चीज़ के नाम पर पड़े हैं।

.....	
.....	
.....	
.....	

(संकेत- फल, सब्ज़ी, पत्तों आदि के नामों पर)

Answer:

(क)

रंग का नाम	इस रंग की चीज़ों के नाम
गहरा	पतियाँ, बाल, कौवा, भालू
फीका	आसमान, मिट्टी, हाथी, ऊँट
भड़कीला	तोता, मोर, पलाश के फूल
सुनहरा	सोने से बनी वस्तुएँ

(ख) यूनी ने आसमानी रंग की कमीज़ पहनी है। यह रंग इसलिए आसमानी कहलाया क्योंकि आसमानी रंग आकाश (आसमान) का होता है।

ऐसे ही कुछ और रंगों के नाम इस प्रकार हैं-

रंग		वस्तुएं (चीज़)
बैंगनी रंग	•	बैंगन
सुनहरा रंग	•	सोना
रूपहला रंग	•	चाँदी
नारंगी रंग	•	नारंगी (संतरा)
चंपई रंग	•	चम्पा के फूल
बादामी रंग	•	बादाम
मेंहदी रंग	•	मेंहदी के पत्ते
स्लेटी रंग	•	स्लेट के पत्थर
धानी रंग	•	धनिया



सिंदूरी रंग	•	सिंदूर
जामुनी रंग	•	जामुन
नीला रंग	•	नीला थोथा
तांबई रंग	•	तांबा
कल्हई रंग	•	कल्हा
केसरी रंग	•	केसर

Question 1:

शाह की भेंट हुदहुदों के मुखिया से हुई।

- मुझे मेरी बहन ने एक बहुत सुंदर भेंट दी।
- ऊपर वाले वाक्य में भेंट का मतलब मुलाकात से है, नीचे वाले वाक्य में उपहार से। तुम भी कोई ऐसे चार शब्द सोचो जिनके दो मतलब निकलते हों। उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

- (क)
(ख)
(ग)
(घ)

Answer:

- (क) अंबर – वस्त्र – भगवान कृष्ण पीला अंबर पहनते हैं।
आकाश – अंबर पर अनेक तारे हैं।
- (ख) कलम – लेखनी – इसकी कलम सुन्दर है।
काटना – राजा ने चोर का सिर कलम करवा दिया।
- (ग) अर्थ – मतलब – इस शब्द का अर्थ बताओ।
धन – हर वस्तु के लिए अर्थ की आवश्यकता है।
- (घ) पत्र – चिट्ठी – मैंने माता को पत्र लिखा।
पत्ता – जमीन पर पत्र पड़े हैं।

Question 1:



अध्ययन मंत्र



Join Now

Adhyayan Mantra अध्ययन मंत्र

हुदहुद एक बहुत ही सुंदर पक्षी है।

हुदहुद और पक्षी, दोनों को ही हम संज्ञा कहते हैं।

अब नीचे दी गई तालिका को आगे बढ़ाओ।

हुदहुद	पक्षी
भारत	देश
अनार	फल
.....	
.....	

Answer:

हाथी
मुंबई
गंगा
हिमालय
इंद्र
रामायण

— जानवर
— शहर
— नदी
— पर्वत
— देवता
— पुस्तक

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

The banner features a central illustration of an interview room with a clock on the wall and three people sitting on chairs. The text 'KVS MOCK INTERVIEW' is prominently displayed in large, bold letters. Below it, a yellow button says 'Registration Open'. The banner is framed by a border of small Adhyayan Mantra logos.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER-14: मुफ्त ही मुफ्त

Question 1:

- (क) हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे। क्यों?
- (ख) हर जगह नारियल के दाम में फ़र्क क्यों था?
- (ग) क्या भीखूभाई को नारियल सच में मुफ्त में ही मिला? क्यों?
- (घ) वे खेत में बूढ़े बरगद के नीचे बैठ गए। तुम्हारे विचार से कहानी में बरगद को बूढ़ा क्यों कहा गया होगा?

Answer:

- (क) हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे क्योंकि वे कंजूस थे।
- (ख) हर जगह नारियल के दाम में फ़र्क था। नारियल बिकने के लिए बगीचे से बाहर आता है, तो उसमें अनेक लोगों का मेहनताना जुड़ता जाता है। इस कारणवश नारियल के दाम में फ़र्क आने लगता है।
- (ग) भीखूभाई को नारियल मुफ्त में नहीं मिला उसके लिए उन्हें मेहनत और परेशानी दोनों उठानी पड़ी। इस तरह मेहनताना उसकी कीमत से ज़्यादा ही था।
- (घ) बरगद का पेड़ बहुत पुराना पेड़ था इसलिए उसे बूढ़ा कहा गया होगा।

Question 1:

कहानी को पढ़कर तुम भीखूभाई के बारे में काफ़ी कुछ जान गए होंगे। भीखूभाई के बारे में कुछ बातें बताओ।

- (क) उन्हें खाने-पीने का शौक था।
- (ख)
- (ग)
- (घ)
- (ङ)

Answer:

- (क) उन्हें खाने-पीने का शौक था।
- (ख) वह बहुत कंजूस थे।
- (ग) वह लालची थे।
- (घ) वह बातें करने में चतुर थे।
- (ङ) अधिक खुश होने पर होश खो देते थे।



Question 1:

कहानी जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, कुछ चीज़ें बढ़ती हैं और कुछ घटती हैं। बताओ इनका क्या हुआ, ये घटे या बढ़े?

नारियल का दाम
भीखूभाई का लालच
रास्ते की लंबाई
भीखूभाई की थकान

Answer:

नारियल का दाम घटा।
भीखूभाई का लालच बढ़ा।
रास्ते की लंबाई बढ़ी।
भीखूभाई की थकान बढ़ी।

Question 1:

नाना-नानी पतीली-पतीला

ऊपर दिए गए उदाहरणों की मदद से नीचे दी गई जगह में सही शब्द लिखो।

काका		दर्ज़ी	
मालिन		टोकरी	
मटका		गद्दा	

Answer:

काका	<u>काकी</u>	दर्ज़ी	<u>दर्ज़िन</u>
मालिन	<u>माली</u>	टोकरी	<u>टोकरा</u>
मटका	<u>मटकी</u>	गद्दा	<u>गद्दी</u>

Question 1:

कहानी में नारियल वाले और भीखूभाई की बातचीत फिर से पढ़ो। अब इसे अपने घर की बोली में लिखो।

.....

.....

.....

.....



Answer:

विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर परिवार के बड़े लोगों की सहायता से करें।

Question 1:

“मंडी में कोलाहल फैला हुआ था। व्यापारियों की ऊँची-ऊँची आवाज़ें गूँज रही थीं।”

(क) मंडी में क्या-क्या बिक रहा होगा?

(ख) मंडी में तरह-तरह की आवाज़ें सुनाई देती हैं।

जैसे- ताज़ा टमाटर! बीस रूपया! बीस रूपया! बीस रूपया!

मंडी में और कैसी आवाज़ें सुनाई देती हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ग) क्या तुम अपने आसपास की ऐसी जगह सोच सकते हो, जहाँ बहुत शोर होता है। उस जगह के बारे में लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Answer:

(क) आलू, प्याज, टमाटर, गाजर, बंदगोभी, फूलगोभी, बैंगन, सीताफल, पालक, लौकी, परवल, शलगम, भिंडी, करेला, टिंडा, मिर्च, लहसुन, अदरक, नींबू, केला, संतरा, अंगूर, सेब, चीकू, पपीता, अमरूद आदि।

(ख) मीठी गाजर ले लो

आलू दस का ढाई

पाँच के पाव अदरक, मिर्ची



एक रूपये गड्डी पालक, मैथी, सरसों आदि।

(ग) मेरे घर के पास हर मंगलवार को बाजार लगता है, वहाँ बहुत शोर होता है। सड़क के दोनों किनारों पर दुकानें लगी होती हैं। दुकान वाले ज़ोर-ज़ोर से बोल-बोलकर ग्राहकों को बुलाते हैं। यह बाजार हर शाम को भी लगता है। लोगों की भीड़ और दुकानदारों की आवाजें सब कुछ मिलाकर बहुत शोर होता है।

Question 1:

(क) 'मुफ्त ही मुफ्त' गुजरात की लोककथा है। इस लोककथा के चित्रों में ऐसी कौन सी बातें हैं जिनसे तुम यह अंदाज़ा लगा सकते हो?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) गुजरात में किसी का आदर करने के लिए नाम के साथ बाई, बेन (बहन) जैसे शब्दों का प्रयोग होता है। तेलुगु में नाम के आगे 'गारू' और हिंदी में 'जी' जोड़ा जाता है।

तुम्हारी कक्षा में भी अलग-अलग भाषा बोलने वाले बच्चे होंगे! पता करो और लिखो कि वे अपनी भाषा में किसी को आदर देने के लिए किन-किन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।

.....

.....

.....

.....

Answer:

(क) इस चित्रकथा में भीखूभाई का पहनावा, पेड़-पौधे, ऊँट-घोड़े वाले, माली के वस्त्र, लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा तथा नाव के दृश्य इत्यादि से पता लगता है कि यह गुजरात की लोककथा है।

(ख) छात्र इसे स्वयं करें; जैसे—

बहन जी, सर, महाशय, श्रीमान जी, साहब, भाईसाहब, भइया जी, मैडम आदि शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।



Chapter 1 - मन के भोले-भाले बादल

कविता का सारांश

इस कविता में भिन्न-भिन्न प्रकार के बादलों का चित्रण किया गया है। कवि कहता है कि इन बादलों के बाल झुब्बरदार हैं और गाल गुब्बारे जैसा है। कुछ बादल जोकर की तरह तोंद फुलाए हैं कुछ हाथी से सँड़ उठाए हैं। कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले हैं और कुछ बादलों में परियों से पंख लगे हैं। ये सभी बादल आपस में टकराते रहते हैं और शेरों से मतवाले लगते हैं। कवि आगे कहता है कि कुछ बादल तूफानी हैं, और शैतान हैं। वे अपने थैलों से अचानक पानी बरसा देते हैं। ये बादल कभी किसी का कुछ नहीं सुनते हैं। रह-रहकर छत पर दिख जाते हैं और फिर तुरंत उड़ जाते हैं। कभी-कभी ये बादल जिद पर अड़ जाते हैं और इतना पानी बरसाते हैं कि नदी-नालों में बाढ़ आ जाती है। कवि कहता है कि इन सबके बावजूद ये बादल अच्छे लगते हैं। ये मन के भोले-भाले हैं।

Chapter 2 - जैसा सवाल वैसा जवाब

बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। इस कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फंसाने के तरीके सोचते रहते थे। ख्वाजा सरा, जो अकबर के एक खास दरबारी थे, अपनी बुद्धि और विद्या के आगे बीरबल को निरा बालक और मूर्ख समझते थे। एक दिन उन्होंने बीरबल को मूर्ख साबित करने की ठान ली। बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न उन्होंने सोचा। उन्हें पूरा भरोसा था कि ऐसे प्रश्नों के उत्तर: बीरबल कभी नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह के सामने उनकी (ख्वाजा सरा) अहमियत बढ़ जाएगी। ख्वाजा सरा सीधे अकबर के पास पहुंचे। उन्हें तीन सवाल देकर उन्होंने कहा कि उनके जवाब बीरबल से पूछे ताकि उसके दिमाग की गहराई का पता चले। ख्वाजा के अनुरोध पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा कि परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर: दे सकते हो? बीरबल तुरंत तैयार हो गए। ख्वाजा का पहला प्रश्न था- संसार का केन्द्र कहाँ है? इसके जवाब में बीरबल ने तुरंत जमीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर दिया, “यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचोंबीच पड़ता है।” ख्वाजा का दूसरा प्रश्न था - आकाश में कितने तारे हैं? बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा कि इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आकाश में हैं। बीरबल ने ख्वाजा साहब को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें इसमें कुछ संदेह दिखाई पड़ता है तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर सकते हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? बीरबल ने तपाक से जवाब दिया- जहाँपनाह! संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हर पल लोगों का मरना जीना लगा ही रहता है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक- ठीक संख्या बताई जा सकती है। ख्वाजा साहब बीरबल के उत्तरों से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने बीरबल से कहा कि ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा। बीरबल ने कहा कि ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। ख्वाजा साहब आगे कुछ नहीं बोले।



Chapter 3 - किरमिच की गेंद

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कहानी पढ़ रहा था कि तभी बगीचे में धम से किसी चीज के गिरने की आवाज हुई। दिनेश तुरंत बगीचे की ओर दौड़ पड़ा। वहाँ उसने भिंडियों के पौधों को उलटा-पलटा, सीताफल की बेल छान मारी, परन्तु उसे कुछ मिला नहीं। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते अचानक उसकी निगाह घूस के गड्ढे के ऊपर गई। वहाँ एक नई चमचमाती किरमिच की गेंद पड़ी थी। उसने इधर-उधर देखा। सभी घरों के दरवाजे और खिड़कियाँ बंद थे। इसलिए दिनेश को लगा कि हो सकता है यह गेंद बाहर से आई हो। तभी माँ की आवाज सुनकर वह गेंद उठा लिया और कमरे के अंदर आ गया। ठंडे फर्श पर बिछी चटाई पर लेटकर वह सोचने लगा- भले ही यह गेंद मोहल्ले में से किसी की न हो, किन्तु ईमानदारी इसी में है कि एकबार सबसे पूछ लिया जाए। गर्मी की छुट्टियाँ थीं। खेलने की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक क्लब बनाया हुआ था। शाम को सारे बच्चे यहीं एकत्रित हुए। दिनेश ने सबसे पूछा- मुझे एक गेंद मिली है। अगर तुममें से किसी की गेंद खो गई हो, तो वह गेंद की पहचान बताकर गेंद मुझ से ले सकता है। अनिल, सुधीर, दीपक सभी ने गेंद पर अपना अधिकार जताना शुरू किया। लेकिन दिनेश अच्छी तरह जानता था कि यह गेंद तीनों में से किसी की नहीं है। फिर भी दीपक बार-बार कहे जा रहा था-गेंद मेरी है और सिर्फ मेरी है। अनिल उसकी बात काटते हुए बोल पड़ा क्या सबूत है कि यह गेंद तेरी ही है? फिर दोनों में ठन गई। दिनेश ने देखा कि झगड़ा बढ़ रहा है। गेंद हथियाने के लिए दीपक सुधीर और सुनील का सहारा ले रहा है। वह जानता था कि यदि गेंद दीपक के पास चली गई तो ये तीनों मिलकर खेलेंगे। अंत में वह गेंद दिखा दिया लेकिन साथ में यह भी कहा कि जो पक्का सबूत देगा, वहीं गेंद ले जाएगा। गेंद देखते ही दीपक बोल पड़ा यही मेरी गेंद है। यह लाल रंग का निशान मेरी ही गेंद पर था। लेकिन उसकी बात पर किसी को भरोसा नहीं हो रहा था। दीपक क्रोध में आ गया। उसने कहा- मैं इसे सड़क पर फेंक दूंगा। और उसने जैसे ही गेंद को सड़क पर फेंकने के लिए हाथ उठाया कि अनिल और दिनेश ने उसे पकड़ लिया। वास्तव में दिनेश का मन सबके साथ मिलकर उस गेंद से खेलने को कर रहा था। इसलिए उसने सबसे कहा-झगड़ा बाद में कर लेंगे। अपने-अपने बल्ले ले आओ, पहले खेल लें। पाँच मिनट के भीतर ही खेल आरंभ हो गया। दिनेश बल्लेबाजी कर रहा था। अभी दो-चार बार ही खेला था कि वह गेंद जोर से उछली और दरवाज़ा पार कर सड़क पर जाते हुए एक स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गिरी। तेज़ी से चलते हुए स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई। बच्चे स्कूटर के पीछे भागे किन्तु जल्दी ही रुक गए। वे समझ गए कि स्कूटर के पीछे भागना बेकार है। फिर वे सभी ठहाका मारकर हँस पड़े।

Chapter 4 - पापा जब बच्चे थे

पापा जब छोटे थे तो उनसे अक्सर पूछा जाता था कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। पापा का जवाब कभी एक जैसा नहीं होता। शुरू-शुरू में वे चौकीदार बनना चाहते थे क्योंकि जब पूरा शहर सोता है तब चौकीदार जागता है। फिर उनकी नजर आइसक्रीम वाले पर गई और उन्होंने ठान लिया कि वे आइसक्रीम वाला बनेंगे। ठेले को लेकर घूमते हुए वे खूब आइसक्रीम खाएँगे। पापा के माता-पिता उनकी इस बात पर खूब हँसे। एक दिन पापा ने रेलवे स्टेशन पर शंटिंग करने वाले आदमी को देख लिया। फिर क्या था। उन्होंने कहना शुरू किया कि वे बड़े होकर रेलगाड़ी के डिब्बों की शंटिंग करेंगे। इसपर किसी ने उनसे पूछा- फिर आइसक्रीम बेचने के काम का क्या



होगा? पापा ने जवाब दिया कि वे शंटिंग करने वाला और आइसक्रीम बेचने वाला दोनों बनेंगे। जब उनसे पूछा गया कि वे दोनों काम एक साथ कैसे करेंगे तो पापा ने जवाब दिया कि वे सुबह में आइसक्रीम बेचा करेंगे और उसके बाद स्टेशन चले जाएंगे। कुछ देर डिब्बों की शंटिंग करने के बाद वे फिर आइसक्रीम बेचने आ आएंगे। कुछ देर आइसक्रीम बेचकर फिर स्टेशन चले जाएंगे। सभी हँस पड़े। लेकिन पापा गुस्सा हो गए।

एक दिन अचानक पापा को वायुयान चालक बनने की सूझी। इसके बाद उन्होंने अभिनेता बनने की सोची। इसके अलावा वे जहाजी और बरवाहा भी बनना चाहते थे। अंत में एकदिन उन्होंने तय कर लिया कि वह असल में कुत्ता बनना चाहते हैं। उन्होंने बहुत जल्दी भौंकना भी सीख लिया। लेकिन वह अपने पैर से कान के पीछे खुजाना नहीं सीख पाए। इसके लिए वे कुत्ते के पास जाकर बैठ गए। उसी समय एक अजनबी फौजी अफसर उधर से निकला। वह खड़ा होकर पापा को देखने लगा। फिर उसने पूछा- यह तुम क्या कर रहे हो? पापा ने जवाब दिया- मैं कुत्ता बनना सीख रहा हूँ। फौजी अफसर ने फिर सवाल किया- तुम कुत्ता बनना क्यों चाहते हो? तब पापा ने जवाब में कहा कि वह बहुत दिनों तक इंसान बनकर रह चुके हैं। इसपर फौजी अफसर ने उनसे पूछा- इंसान किसे कहते हैं? पापा ने कहा- आप ही बता दीजिए। इसके बाद अफसर यह कहकर चला गया कि इसके बारे में तुम स्वयं सोचो। पापा सोचने लगे। अचानक यह बात उनकी समझ में आ गई कि वह रोज़ रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकते। और अंत में उन्होंने तय कर लिया कि वे एक अच्छा इंसान बनेंगे।

Chapter 5 - दोस्त की पोशाक

नसीरुद्दीन अपने बहुत पुराने दोस्त जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए। कुछ देर गपशप करने के बाद, उन्होंने दोस्त के साथ मोहल्ले में घूमने की इच्छा जाहिर की। जमाल साहब ने जाने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वे इस मामूली सी पोशाक में लोगों से नहीं मिल सकते। इतना सुनना था कि नसीरुद्दीन तुरंत उनके लिए अपनी एक भड़कीली अचकन निकाल कर लाए और कहा- इसमें तुम खूब अच्छे लगोगे।

बनठन करके दोनों घूमने निकले। दोस्त को लेकर नसीरुद्दीन पड़ोसी के घर गए। पड़ोसी से अपने दोस्त का परिचय कराते हुए उन्होंने यह भी बता दिया कि दोस्त द्वारा पहनी हुई अचकन उनकी (नसीरुद्दीन) है। यह सुनकर जमाल साहब का मुँह बन गया। उन्होंने नसीरुद्दीन से कहा- क्या यह बताना जरूरी था कि यह अचकन तुम्हारी है? तुम्हारा पड़ोसी सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने कपड़े भी नहीं हैं। नसीरुद्दीन ने अपनी गलती स्वीकार कर ली।

अब नसीरुद्दीन अपने दोस्त को हुसैन साहब से मिलवाने ले गए। हुसैन साहब ने जब जमाल साहब के बारे में पूछा। तो नसीरुद्दीन ने कहा- जमाल साहब मेरे दोस्त हैं और इन्होंने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है। जमाल साहब फिर नाराज हो गए। उन्होंने नसीरुद्दीन से कहा कि पोशाक के बारे में कुछ नहीं कहना ही अच्छा है। अतः तुम इस विषय में चुप रहोगे।

नसीरुद्दीन जमाल साहब को लेकर आगे बढ़े और एक अन्य पड़ोसी से उनका परिचय करवाया ये हैं मेरे बहुत पुराने दोस्त, जमाल साहब। इन्होंने जो अचकन पहनी है उसके बारे में मैं कुछ नहीं बोलूंगा।



Chapter 6 - नाव बनाओ नाव बनाओ

कविता का सारांश

बरसात का मौसम है। बारिश होने वाली है एक बच्चा अपने भैया से नाव बनाने को कहता है। वह कहता है कि आकाश में बादल छाए हुए हैं। उनमें (बादलों में) सात समुद्र का पानी भरा है। अतः वह अपने भैया से रस का सागर भर कर लाने को कहता है। उसे लगता है कि बारिश खूब होने वाली है। इसलिए वह काफी उत्तेजित है। वह भैया से गुल्लक से पैसे निकालकर नाव बनाने के लिए रंग-बिरंगा कागज लाने को कहता है। वह पानी में नाव तैराएगा और खुब खुश होगा। लेकिन भैया को बारिश और नाव में कोई रुचि नहीं है। वे बोल पड़ते हैं कि यह सब मेरे बस का नहीं है। बच्चा समझ जाता है कि उसके भैया आलस में ऐसा कह रहे हैं। अतः वह उनसे आलस छोड़कर जल्दी आने का अनुरोध कर रहा है।

Chapter 7 - दान का हिसाब

एक राजा था। वह कपड़ों के ऊपर हजारों रुपये खर्च कर सकता था लेकिन दान नहीं दे सकता था। उसके राज दरबार में गरीबों, विद्वानों, सज्जनों की कोई पूछ नहीं होती थी। एक समय की बात है। उस देश में अकाल पड़ गया। पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे। राजा के पास खबर आई। लेकिन वह यह कहकर सहायता देने से इन्कार कर दिया कि यह तो भगवान की मार है, इसमें मेरा कोई हाथ नहीं है। जब लोगों ने बहुत बिनती की तो वह कहने लगा- लोग कभी अकाल से पीड़ित होंगे तो कभी भूकंप से। इन प्राकृतिक विपदाओं से प्रभावित लोगों की सहायता करते-करते सारा राजभंडार खत्म हो जाएगा। मैं दिवालिया हो जाऊँगा। राजा की बात सुनकर लोग निराश होकर चले गए। इधर अकाल का प्रकोप बढ़ता जा रहा था। न जाने कितने ही लोग भूख से मरने लगे। लोग फिर राजा के पास पहुंचे। उन्होंने बहुत विनती की। सिर्फ दस हजार में ही काम चलाने को कहा। लेकिन राजा ने उनकी एक नहीं सुनी। एक व्यक्ति से रहा नहीं गया। बोल पड़ा-महल में प्रतिदिन हजारों रुपये सुगंधित वस्त्रों, मनोरंजन और महल की सजावट में खर्च होते हैं। यदि इन रुपयों में से ही थोड़ा-सा धन पीड़ितों को मिल जाए तो उनकी जान बच जाएगी। यह सुनकर राजा को क्रोध आ गया। लोग डर गए और वहाँ से चले गए। उनके जाने के बाद राजा हँसते हुए बोला- इन छोटे लोगों के कारण नाक में दम हो गया है।

दो दिनों बाद राजसभा में एक बूढ़ा संन्यासी आया। उसने राजा को आशीर्वाद दिया और कहा- संन्यासी की इच्छा पूरी करो। जब राजा ने पूछा कि तुम्हें क्या चाहिए तो संन्यासी बोला- मैं राजकोष से बीस दिन तक बहुत मामूली शिक्षा प्रतिदिन लेना चाहता हूँ। मेरा भिक्षा लेने का नियम इस प्रकार है, मैं पहले दिन जो लेता हूँ, दूसरे दिन उसको दुगुना, फिर तीसरे दिन उसका दुगुना, फिर चौथे दिन तीसरे दिन का दुगुना। इसी तरह से प्रतिदिन दुगुना लेता जाता हूँ। भिक्षा लेने का मेरा यही तरीका है। वह आगे बोला- आज मुझे एक रुपया दीजिए, फिर बीस दिन तक दुगुने करके देते रहने का हुक्म दे दीजिए। राजा तैयार हो गया। उसने हुक्म दे दिया कि संन्यासी के कहे अनुसार बीस दिन तक राजकोष से उन्हें भिक्षा दी जाती रहे। संन्यासी खुश होकर घर लौट आया।

राजा के आदेशानुसार राज भंडारी संन्यासी को भिक्षा देने लगा। दो सप्ताह तक भिक्षा देने के बाद उसने हिसाब करके देखा कि दान में काफी धन निकला जा रहा है। वह चिंतित हो उठा। उसने यह बात मंत्री को बताई। मंत्री भी चिंता में पड़ गया। उसने भंडारी से बोला- यह क्या कर रहे हो! अभी से इतना धन चला गया है! तो फिर बीस



दिनों के अंत में कितने रुपये होंगे? उसने भंडारी को तुरंत हिसाब करने का आदेश दिया। भंडारी ने हिसाब करके बताया- दस लाख अड़तालीस हजार पाँच सौ पिचहत्तर रुपए। सुनते ही मंत्री घबरा गया। सभी उन्हें सँभालकर बड़ी मुश्किलों से राजा के पास ले गए। मंत्री ने राजा को बताया कि राजकोष खाली होने जा रहा है। जब राजा ने पूछा वह कैसे तो मंत्री ने कहा- महाराज, संन्यासी को आपने भिक्षा देने का हुक्म दिया है। मगर अब पता चला है कि उन्होंने इस तरह राजकोष से दस लाख रुपए झटकने का उपाय कर लिया है। राजा के होश उड़ गए। राजा के आदेश पर संन्यासी को तुरंत राजसभा में बुलाया गया। उसके आते ही राजा रोते हुए उसके पैरों पर गिर पड़ा। बोला- मुझे इस तरह जान-माल से मत मारिए। अगर आपको बीस दिन तक भिक्षा दी गई तो राजकोष खाली हो जाएगा। फिर राज-काज कैसे चलेगा! संन्यासी ने गंभीर होकर कहा- मुझे अकाल पीड़ितों के लिए केवल पचास हजार रुपए चाहिए। वह रुपया मिलते ही मैं समझूँगा कि मुझे पूरी भिक्षा मिल गई है। राजा ने रकम कम करने को कहा लेकिन संन्यासी अपने वचन पर डटा रहा। आखिरकार लाचार होकर राजकोष से पचास हजार रुपए संन्यासी को देने के बाद ही राजा की जान बची।

Chapter 8 - कौन ?

कवि बच्चों से पूछता है कि वह कौन-सा शरारती जीव है जो हमारा इतना ज्यादा नुकसान करता रहता है? कवि पूछता है कि किसने हमारे बटन कुतर दिया, किसने स्याही को बिखरा दिया, किसने पूरे घर में अनाज फैला दिया। कौन दोने में से मिठाई उठा ले गया, किसकी वजह से तस्वीर के दो टुकड़े हो गए। वह जीव इतना शरारती है कि कभी चप्पल कुतर देता है तो कभी जूता, कभी किताबों के जिल्द काट डालता है तो कभी कागज कुतर देता है। वह शरारती जीव रातभर जागता रहता है और कुछ-कुछ आवाज करके हमें भी सोने नहीं देता। कवि स्वयं उस जीव का नाम नहीं बताता है बल्कि बच्चों से उसका नाम पूछता है।

Chapter 9 - स्वतंत्रता की ओर

नौ साल का धनी अपने माता-पिता के साथ अहमदाबाद के पास महात्मा गाँधी के साबरमती आश्रम में रहता था। इस आश्रम में पूरे भारत से लोग रहने आते थे। गाँधीजी की तरह वे सब भी भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे थे। आश्रम में सबको कोई न कोई काम करना होता, जैसे खाना पकाना, बर्तन धोना, गाय और बकरियों का दूध दुहना आदि। धनी का काम था बित्री नाम की बकरी की देखभाल करना।

उस दिन जब धनी बित्री को घास खिला रहा था उस समय सभी गाँधीजी के कमरे में बैठकर कोई योजना बना रहे थे। धनी को सब बच्चा समझते थे लेकिन धनी का दावा था कि वह सबकुछ समझता है। वह बित्री को लेकर रसोईघर की ओर चला जहाँ उसकी माँ चूल्हा फेंक-फूँककर खाना पका रही थी। माँ ने उसे बताया कि वे सब यात्रा पर जा रहे हैं। धनी कुछ और जानने के लिए तुरंत पूछ बैठा-कहाँ की यात्रा पर जा रहे हैं? लेकिन माँ ने डाँटकर उसे वहाँ से भगा दिया। इसके बाद धनी सीधा बिंदा चाचा के पास गया जो खेत में आलू खोद रहा था। बिंदा चाचा ने उसे बताया- गाँधीजी और उनके कुछ साथी गुजरात में पैदल चलते हुए, दांडी नाम की जगह पर समुद्र के पास पहुँचेंगे और वहाँ नमक बनाएंगे। नमक के नाम पर धनी चौंक उठा। उसकी नजर में नमक जब दुकान में मिल रहा है तो उसे बनाने की जरूरत नहीं है। उसने बिंदा चाचा से पूछा- गाँधीजी नमक को लेकर



विरोध क्यों कर रहे हैं? यह तो समझदारी वाली बात नहीं है। इस पर बिंदा चाचा ने धनी को बताया कि सभी भारतवासी को, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो उसे नमक पर कर देना पड़ता है। और तो और ब्रिटिश सरकार की ओर से भारतीय लोगों को नमक बनाने की मनाही भी है। महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश सरकार को कर हटाने को कहा लेकिन उन्होंने यह बात ठुकरा दी। इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि वे दांडी चलकर जाएंगे और समुद्र के पानी से नमक बनाएंगे। इतना सुनते ही धनी कहने लगा तब तो गाँधीजी बड़े अक्लमंद हैं।

धनी ने मन-ही-मन निश्चय कर लिया कि वह भी दांडी जाएगा। दोपहर के समय वह सीधा अपने पिता के पास पहुँचा और अपना निर्णय उन्हें सुना दिया। पिताजी ने लाख समझाया लेकिन वह अपने निर्णय से नहीं हटा। फिर उन्होंने कहा- सिर्फ वे लोग जाएंगे जिन्हें महात्माजी ने खुद चुना है। इसपर धनी बोला- ठीक है मैं उन्हीं के पास जाऊँगा और उनसे अनुमति मागूँगा।

अगले दिन धनी सुबह-सुबह गाँधीजी को ढूँढ़ने निकला। वे गौशाला में गायों को देख रहे थे। फिर सब्जी के बगीचे में चले गए। अंत में, गाँधीजी अपनी झोंपड़ी की ओर चले। बरामदे में चरखे के पास बैठकर उन्होंने स्वयं धनी को पुकार लिया। खुशी-खुशी धनी उनके पास गया और हिम्मत करके उनसे पूछ ही लिया- क्या मैं आपके साथ दांडी चल सकता हूँ? गाँधीजी ने मुस्कुराते हुए कहा- तुम अभी छोटे हो, बेटा। सिर्फ तुम्हारे पिता जैसे नौजवान ही मेरे साथ दांडी की दूरी तय कर पाएँगे। इसपर धनी बोला- पर आप तो नौजवान नहीं हैं। आप नहीं थक जाएंगे? गाँधीजी सोचकर बोले- अगर तुम मेरे साथ जाओगे तो बिन्नी की देखभाल कौन करेगा? इतना चलने के बाद, मैं तो कमजोर हो जाऊँगा। इसलिए, जब मैं वापस आऊँगा तो मुझे खूब सारा दूध पीना पड़ेगा, जिससे कि मेरी ताकत लौट आए। धनी गाँधीजी की बात तुरंत समझ गया। उसने कहा- ठीक है, मैं आपके लिए बिन्नी की देखभाल करूँगा और आपका इंतजार भी।

Chapter 10 - थप्प रोटी थप्प दाल

पर्दा उठता है और बच्चे मंच पर खेलते हुए दिखाई देते हैं। अचानक मुन्नी अपने घर से भागी भागी वहाँ आती है और नीना से रोटी का खेल खेलने को कहती है। वह उसे बताती है कि उसने अपनी माँ से आटा, घी, दाल, दही, साग, चीनी मक्खन सब चीजें ले ली हैं और अब उसके साथ रोटी का खेल खेलेगी। नीना तैयार हो जाती है और उसके साथ बाकी बच्चे भी। बच्चों के बीच काम का बँटवारा होता है। टिकू को बाजार से साग-सब्जी लाने का काम मिलता है और चुन्नु को दाल बनाने का काम। सरला दही का मट्टा चलाएगी और तरला मुन्नी के साथ रोटी बनाएगी। टिकू ने बड़ियाँ पकाई और चुन्नु ने दाल पकाई। लड़कियाँ रोटी बनाने का अभिनय करती हैं। वे गाती हैं थप्प रोटी थप्प दाल, खाने वाले हो तैयार। अब सभी बच्चे मंच पर रोटी-दाल खाने का अभिनय करते हैं। वे आधा खाना खाते हैं और आधा बचाकर रखते हैं फिर सो जाते हैं। अचानक बिल्ली का प्रवेश होता है। वह म्याऊँ करके चारों ओर देखती है और छींके पर से मक्खन और रोटी लेने का अभिनय करती है। वह रोटी खाकर तुरंत भाग जाती है। ठीक उसी समय सरला जाग जाती है और मक्खन के बर्तन को खाली देखकर चिल्लाती है मक्खन-मलाई कहाँ गई? बच्चे कहते हैं - वह तो बिल्ली चट कर गई। सभी बच्चे बिल्ली की खोज में जुट जाते हैं। कुछ अंदर जाते हैं, कुछ बाहर आते हैं। कुछ रंगमंच पर सामने की ओर देखते हैं, कभी बैठकर नीचे झुककर देखने का अभिनय करते हैं। तभी तरला-सरला चीखकर कहती हैं- बिल्ली मिल गई। बिल्ली घबराई हुई-सी रंगमंच पर आती है और सभी उसे पकड़ लेते हैं। वे उसे हँसकर मारने का अभिनय करते हैं। बिल्ली, कहती है- अगर तुम सब लोग ऐसे ही टाँग पसारकर सो जाया करोगे तो मैं जरूर खाऊँगी। यह कहकर बिल्ली भागने की कोशिश करती है। सब बच्चे उसे घेर लेते हैं। तीन-चार बार ऐसा करने के बाद बिल्ली घेरा छोड़कर भाग जाती है। सारे बच्चे पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ पड़ते हैं।



Chapter 11 - पढ़क्कू की सूझ

एक पढ़क्कू व्यक्ति था। वह तर्कशास्त्र पढ़ता था। तेज बहुत था। जहाँ कोई भी बात न होती, वहाँ भी नई बात गढ़ लेता था। एक दिन की बात है। वह चिंता में पड़ गया कि कोल्हू में बैल बिना चलाए कैसे घूमता है। यह बहुत गंभीर विषय बन गया उनके लिए। सोचने लगे कि मालिक ने अवश्य ही उसे कोई तरकीब सिखा दी होगी। आखिरकार उसने मालिक से पूछ ही लिया कि बिना देखे तुम कैसे समझ लेते हो कि कोल्हू का तुम्हारा बैल घूम रहा है या खड़ा हुआ है। मालिक ने जवाब दिया- क्या तुम बैल के गले में बँधी घंटी नहीं देख रहे हो? जबतक यह घंटी बजती रहती है तबतक मुझे कोई चिंता नहीं रहती। लेकिन जैसे ही घंटी से आवाज आनी बंद हो जाती है मैं दौड़कर उसकी पूँछ पकड़कर एंठ देता हूँ। इसपर पढ़क्कू ने कहा- तुम तो बिल्कुल बेवक्फ जैसी बातें कर रहे हो। ऐसा भी तो हो सकता है कि किसी दिन तुम्हारा बैल खड़ा खड़ा ही गर्दन हिलाता रह जाए। तुम समझोगे कि बैल चल रहा है लेकिन शाम तक एक बूंद तेल भी नहीं निकल पाएगा। मालिक हँसकर पढ़क्कू से बोला- जहाँ से तुमने यह ज्ञान सीखा है वहीं जाकर उसे फैलाओ। यहाँ पर सब कुछ सही है क्योंकि मेरा बैल अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है।

Chapter 12 - सुनीता की पहिया कुर्सी

सुनीता जब सुबह उठी तो उसे याद आया कि आज बाजार जाना है। वह खुश हो गई। सुनीता आज पहली बार अकेले बाजार जाने वाली थी। उसने अपनी टांगों को हाथों से पकड़कर पलंग से नीचे लटकाया और चलने-फिरने वाली पहिया कुर्सी की मदद ली। वह अपने काम फुर्ती से निपटा ली और नाश्ता कर माँ से झोला और रुपए लेकर अपनी पहिया कुर्सी पर बैठ बाजार की ओर चल दी। आज छुट्टी का दिन है। हर जगह बच्चे खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वह उदास हो गई। वह भी उन बच्चों के साथ खेलना चाहती थी। रास्ते में कई लोग सुनीता को देखकर मुस्कुराए, जबकि वह उनको जानती तक नहीं थी। सुनीता हैरान थी यह सोचकर कि लोग उसको इस तरह क्यों देख रहे हैं। एक छोटी लड़की ने आखिर सुनीता से पूछ ही लिया- तुम्हारे पास यह अजीब सी चीज क्या है? सुनीता अभी जवाब दे ही रही थी कि उस लड़की की माँ ने गुस्से में आकर लड़की को सुनीता से दूर हटा दिया। माँ ने उसे समझाया तुम्हें इस तरह का सवाल नहीं पूछना चाहिए। सुनीता दुखी हो गई। उसने लड़की की माँ से कहा- मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ। सुनीता बाजार पहुँच गई। दुकान में घुसने के लिए उसे सीढ़ियों पर चढ़ना था। यह काम बहुत मुश्किल था। लेकिन अमित नाम के एक लड़के की मदद से वह सीढ़ियाँ चढ़ गई। उसने अमित को धन्यवाद दिया और कहा- अब मैं दुकान तक खुद पहुँच सकती हूँ। दुकान में पहुँचकर सुनीता ने एक किलो चीनी माँगी। दुकानदार जल्दी में था। उसने चीनी की थैली सुनीता की गोद में डाल दी। सुनीता गुस्सा हो गई। दूसरों की तरह वह भी अपने आप सामान ले सकती थी। उसे दुकानदार का व्यवहार अच्छा नहीं लगा। चीनी लेकर वह अमित के साथ बाहर निकल आयी। वह दुखी थी। उसने अमित से कहा- लोग मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि मैं कोई अजीबोगरीब लड़की हूँ। इसपर अमित ने कहा- शायद तुम्हारी पहिया कुर्सी के कारण ही वे ऐसा व्यवहार करते हैं। उसने सुनीता से पूछा- तुम इसपर क्यों बैठती हो? सुनीता ने जवाब दिया- मैं पैरों से नहीं चल सकती। इस पहिया कुर्सी के पहियों को घुमाकर ही मैं चल-फिर पाती हूँ। फिर भी मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ। अमित ने उसकी इस बात को स्वीकार नहीं किया। उसने कहा- मैं भी वे सारे काम कर सकता हूँ जो



दूसरे बच्चे कर सकते हैं। पर मैं भी दूसरे बच्चों से अलग हूँ। इसी तरह तुम भी अलग हो। सुनीता मानने को तैयार नहीं थी। अमित ने उसे फिर समझाया- हम दोनों बाकी लोगों से कुछ अलग हैं। तुम पहिया कुर्सी पर बैठकर चलती हो। मेरा कद बहुत छोटा है। सुनीता कुछ सोचने लगी। फिर वह अमित के साथ तेजी से सड़क पर आगे बढ़ गई। लोग उन दोनों को घूरते रहे लेकिन सुनीता को उनकी कोई परवाह नहीं थी।

Chapter 13 - हुदहुद

गर्मी के दिन थे। धूप में ही सुलेमान नाम के बादशाह आकाश में चलने वाले अपने उड़नखटोले पर बैठे कहीं जा रहे थे। शीघ्र ही वे धूप से परेशान होने लगे। उन्होंने गिद्धों से कहा- अपने पंखों से तुमलोग मेरे सिर पर छाया कर दो। गिद्धों ने बहाना बढ़ने पर सुलेमान की भेट हुदहुदों के मुखिया से हुई। उन्होंने उससे भी मदद माँगी। वह मदद देने को फौरन तैयार हो गया। अपने दल के सभी हुदहुदों को इकट्ठा करके बादशाह सुलेमान के ऊपर छाया कर दी। बादशाह सुलेमान उनपर बहुत प्रसन्न हुए। कहा- मैं तुम्हारी कोई इच्छा पूरी करूँगा। बताओ, तुम्हारी क्या इच्छा है? हुदहुदों के मुखिया ने कहा- महाराज! यह वरदान दीजिए कि हमारे सिर पर आज से सोने की कलगी निकल आए। सुलेमान ने प्रार्थना स्वीकार कर ली। सभी हुदहुदों के सिर पर सोने की कलगी निकल आई। लोगों ने जैसे देखा तीर से उन्हें मार-मारकर सोना इकट्ठा करने लगे। नतीजा यह हुआ कि हुदहुदों का वंश समाप्त होने पर आ गया। मुखिया घबरा गया। वह फौरन सुलेमान के पास पहुँचा और बोला- इस सोने की कलगी के कारण तो हमारा वंश ही समाप्त हो जाएगा। सुलेमान ने कहा- ठीक है आज से तुम्हारे सिर का ताज सोने का नहीं, सुंदर परों का हुआ करेगा। तभी से हुदहुदों के सिर पर यह ताज अर्थात् कलगी शोभा पा रहा है।

हुदहुद एक सुंदर पक्षी है। इसके शरीर का सबसे सुंदर भाग इसके सिर की कलगी होती है। इसका सारा शरीर रंग- बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले-काले होते हैं जिन पर मोटी सफेद धारियाँ बनी होती हैं। गर्दन का अगला हिस्सा बादामी रंग का होता है। चोटी भी बादामी रंग की होती है। मगर उसके सिरे काले और सफेद होते हैं। दुम का भीतरी हिस्सा सफेद और बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है। चोंच पतली, लंबी और तीखी होती है। इसकी चोंच नाखून काटने वाली 'नहरनी' से बहुत मिलती है और इसीलिए कहीं-कहीं इसे 'हजामिन' चिड़िया के नाम से जाना जाता है। बोलते समय यह तीन बार 'हुप- हुप- हुप' सा कुछ कहता है, इसीलिए इसे अंग्रेजी में 'हुपउ' कहा जाता है। हिंदी में इसे हुदहुद कहते हैं। दूब में कीड़ा हँढ़ने के कारण हमारे देश में कहीं-कहीं इसे 'पदुबया' भी कहते हैं और सुंदर कलगी की वजह से कुछ देशों में इसे 'शाह सुलेमान' कहकर पुकारते हैं। मादा हुदहुद तीन से दस तक अंडे देती है। जबतक बच्चे अंडे से बाहर नहीं निकल जाते, वह अंडों पर बैठी रहती है। नर वहीं भोजन लाकर उसे खिलाता है। हुदहुद देखने में तो सुंदर है परन्तु उसकी बोली में मिठास नहीं होती।



Chapter 14 - मुफ्त ही मुफ्त (गुजराती लोककथा)

भीखू भाई जरा कंजूस थे। एक दिन उनका मन नारियल खाने का हुआ। लेकिन इसके लिए न तो वे बाजार जाना चाहते थे न ही पैसे खर्च करना। वे सीधे खेत में जाकर बूढ़े बरगद के नीचे बैठ गए और सोचने लगे- क्या करूं? फिर उठे, घर आए, जूते पहने और छड़ी उठाकर बाजार निकल पड़े। केवल यह जानने के लिए नारियल आजकल कितने में बिक रहे हैं। बाजार में जब नारियल वाले ने पूछने पर बताया कि एक नारियल दो रुपये में है तो भीखू भाई की आँखें फैल गईं। उन्होंने कहा- बहुत ज्यादा है। एक रुपये में दे दो। नारियल वाला तैयार नहीं हुआ। भीखू भाई ने उससे पूछा- अच्छा तो बताओ, एक रुपये में कहाँ मिलेगा? नारियल वाले ने जब बताया कि मंडी में तब भीखू भाई फौरन उसी तरफ चल पड़े।

मंडी में व्यापारियों की ऊँची-ऊँची आवाजें गूँज रही थीं। भीखू भाई ने इधर-उधर देखा और बहुत जल्दी उन्हें नारियलवाला दिख गया। उन्होंने उससे एक नारियल का दाम पूछा। नारियल वाले ने कहा- सिर्फ एक रुपया में, जो चाहो ले जाओ। भीखू भाई ने उसकी तरफ पचास पैसे बढ़ाते हुए कहा- पचास पैसे काफी हैं। मैं इस नारियल को लेता हूँ और तुम, यह लो, पकड़ो पचास पैसा। नारियल वाले ने झट उनके हाथ से नारियल छीन लिया और कहने लगा हो सकता है। बंदरगाह पर तुम्हें पचास पैसे में मिल जाए।

भीखू भाई सागर के किनारे एक नाव वाले के पास दो चार नारियल पड़े देख उससे पूछ बैठे एक नारियल कितने में दोगे? नाव वाले ने जवाब दिया- पचास पैसे में। भीखू भाई हैरान रह गये। उन्होंने कहा- इतनी दूर से पैदल आया हूँ। पचास पैसे बहुत ज्यादा हैं। मैं तुम्हें पच्चीस पैसे दूंगा। नाव वाला तैयार नहीं हुआ। हाँ, उसने भीखू भाई को नारियल के बगीचे में जाने की सलाह दी।

भीखू भाई जब नारियल के बगीचे में पहुँच गए। वहाँ के माली को देखकर उससे पूछा- यह नारियल कितने पैसे में बेचोगे? माली ने जवाब दिया- बस पच्चीस पैसे का एक। भीखू भाई को पच्चीस पैसे भी ज्यादा लगे। उन्होंने माली से कहा- मैं बहुत थक गया हूँ। मेरी बात मानो, एक नारियल मुफ्त में ही दे दो। इसपर माली ने कहा- अगर मुफ्त नारियल चाहिये तो पेड़ पर चढ़ जाओ और जितने चाहो तोड़ लो। भीखू भाई बेहद खुश हुए। उन्होंने जल्दी-जल्दी पेड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया। बहुत जल्दी ऊपर चढ़ गए। फिर वे टहनी और तने के बीच आराम से बैठ गए और दोनों हाथों को आगे बढ़ाने लगे सबसे बड़े नारियल को तोड़ने के लिए। अचानक उनके पैर फिसल गए। उन्होंने एकदम से नारियल को पकड़ लिया। उनके दोनों पैर हवा में झूलते रह गए। उन्होंने माली से मदद की विनती की। माली मदद देने से मना कर दिया। तभी ऊँट पर सवार एक आदमी वहाँ से गुजरा। भीखू भाई ने उससे मदद माँगी। वह तैयार हो गया। ऊँट की पीठ पर खड़े होकर उसने भीखू भाई के पैरों को पकड़ लिया। ठीक उसी समय हरे-भरे पत्ते खाने की लालच में ऊँट ने गर्दन झुकाई और अपनी जगह से हट गया। नतीजा हुआ कि वह आदमी ऊँट की पीठ से फिसल गया। अपनी जान बचाने के लिए उसने भी भाई के पैरों को कसकर पकड़ लिया। इतने में एक घुड़सवार वहाँ आया। पेड़ से लटके दोनों जनों ने उससे मदद माँगी। घुड़सवार ने सोचा- मैं घोड़े की पीठ पर चढ़कर इनकी मदद कर देता हूँ। फिर वह घोड़े पर उठ खड़ा हुआ। लेकिन घोड़े ने भी वही किया जो ऊँट ने किया था। हरी घास के चक्कर में घोड़ा जरी आगे बढ़ा और छोड़ चला अपने मालिक को ऊँटवाले के पैरों से लटकते हुए। नारियल के पेड़ से अब तीन जने झूल रहे थे। घुड़सवार ने भीखू भाई से कहा- काका! काका: कसके पकड़े रहना। मैं आपको सौ रुपए दूंगा। इसके बाद ऊँटवाले ने कहा- मैं आपको दौ सौ रुपए दूंगा, लेकिन नारियल को छोड़ना नहीं। भीखू भाई सौ और दो सौ के चक्कर में कुछ ज्यादा ही खुश हो गए। खुशी से उन्होंने अपनी दोनों बाहों को फैला दिया। इतने में नारियल हाथ से छूट गया। परिणामस्वरूप घुड़सवार, ऊँटवाला और भीखू भाई तीनों जमीन पर धड़ाम से गिर पड़े। और दूसरे ही क्षण एक बहुत बड़ा नारियल भीखू भाई के सिर पर आ फूटा।



अध्ययन मंत्र



LIKE



SHARE



SUBSCRIBE



Connecting Platforms



Portal: live.adhyayanmantra.com

Web: www.adhyayanmantra.com

 **Rohit Vaidwan Notes**



Important links available given below:

CHILD DEVELOPMENT & PEDAGOGY BOOK:

<https://amzn.to/3w44NqC>

Selection Book- CTET & STET Bilingual Solved Practice Sets for Paper-1

<https://amzn.to/3De7ycq>

KVS MASTER BOOK FOR PRT, TGT, PGT

<https://amzn.to/3eJfNng>

KVS PASSBOOK HINDI Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3H2TTXU>

KVS PASSBOOK ENGLISH Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3ixgPVa>

यह BOOKS आपके सभी { KVS EXAM } को ध्यान में रख कर बनाई गई है

Online Batch JOIN करने के लिए

Download
Adhyayan Mantra
ConnectedApp

Available on the
Google Play





अध्ययनमंत्र



Rohit Vaidwan Notes

Quick Revision

Topic: रिमझिम CLASS -5

Scan Me & Download
Rohit Vaidwan Notes



Available Platform



Rohit Vaidwan Notes



CLASS-05 INDEX

CHAPTER NAME	PAGE NO.
Chapter 1 रखा की रस्सी.....	2-4
Chapter 2 फसलें का त्योहार.....	5-8
Chapter 3 खिलौनेवाला	9-16
Chapter 5 जहाँ चाह वहाँ राह.....	17-19
Chapter 6 चिट्ठी का सफर	20-21
Chapter 7 डाकिए की कहानी ,कंवरसिंह की जुबानी	22
Chapter 8 वे दिन भी क्या दिन थे.....	23-27
Chapter 9 एक माँ की बेबसी.....	28-32
Chapter 10 एक दिन की बादशाहत	33-36
Chapter 11 चावल की रोटियां	37-39
Chapter 12 गुरु और चेला.....	40-43
Chapter 13 स्वामी की दादी	44-47
Chapter 14 बाघ आया उस रात	48-50
Chapter 15 बिशन की दिलेरी	51-54
Chapter 16 पानी रे पानी	55-58
Chapter 17 छोटी-सी हमारी नदी.....	59-62
Chapter 18 चुनौती हिमालय की.....	63-66

Disclaimer: The content team has done their best job of verify the questions, content and answers, but do not take any responsibility for its absolute accuracy.

Refrence: NCERT Text Books, Guide Books & Website (diffrent internet sources)



CHAPTER - 1 (राख की रस्सी)

भोला-भाला

प्रश्न 1 . तिब्बत के मंत्री अपने बेटे के भोलेपन से चिंतित रहते थे

(क) तुम्हारे विचार से वह किन किन बातों के बारे में सोच कर परेशान होते थे |

उत्तर- हमारे विचार से वे सोचते होंगे कि उनका बेटा आगे चलकर अपना खर्चा कैसे चलाएगा और अपना जीवनयापन किस तरह करेगा |

(ख) तुम तिब्बत के मंत्री की जगह होती तो क्या उपाय करती |

उत्तर- मैं तिब्बत के मंत्री की जगह होती तो अपने बेटे को प्यार से समझाती |

शहर की तरफ

प्रश्न 1. “मंत्री ने अपने बेटे को शहर की तरफ खाना किया |”

(क) मंत्री ने अपने बेटे को शहर क्यों भेजा?

उत्तर- मंत्री ने अपने बेटे को शहर में दुनियादारी को समझाने के लिए भेजा था |

(ख) उसने अपने बेटे को भेड़ों के साथ शहर में ही क्यों भेजा?

उत्तर- उसने अपने बेटे को भेड़ों के साथ शहर में इसलिए भेजा क्योंकि वह उसे चतुर और समझदार बनाना चाहता था |

(ग) तुम्हारे घर के बड़े लोग पहले कहां रहते थे? घर में पता करो | कुछ तो आज पड़ोस में किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में पता करो, जो किसी दूसरी जगह जाकर बस गया हो | तो उनसे बातचीत करो रोज जानने की कोशिश करो की क्या अपने निर्णय से खुश है |

क्यों? एक पुरुष, एक महिला और एक बच्चे से बात करो | यही भी पूछो कि उन्होंने वह जगह क्यों छोड़ दी?

उत्तर- हमारे घर के बड़े लोग पहले गांव में रहते थे | मेरे पड़ोस में गांव से आकर रहने वाला एक बच्चा अपने निर्णय से खुश है क्योंकि यहां सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं | उस व्यक्ति ने वह स्थान कुछ परेशानियों के कारण छोड़ दिया | मेरे पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने पति की नौकरी छोड़ने के कारण पुरानी जगह छोड़ दी वहीं मेरे पड़ोस में रहने वाले एक अन्य बच्चे ने पुरानी जगह अपने मां बाप के साथ दूसरी जगह जाने के कारण छोड़ दी |

प्रश्न 2. ‘जौ’ एक तरह का अनाज है जिसे कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है | इसकी रोटी भी बनाई जाती है, सत्तू बनाया जाता है और सूखा भूनकर भी खाया जाता है | अपने घर में और अपने स्कूल में बातचीत करके कुछ और अनाज के नाम पता करो |

गेहूं जौ

.....

.....

उत्तर- गेहूं जौ बाजरा चना मक्का सोयाबीन



प्रश्न 3. गेहूं और जौ अनाज होते हैं और ये तीनों शब्द संज्ञा हैं। 'गेहूं' और 'जौ' अलग-अलग किस्म के अनाजों के नाम हैं इसलिए ये दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं। और 'अनाज' जातिवाचक संज्ञा है। इसी प्रकार 'स्मिझिम' व्यक्तिवाचक संज्ञा है और 'पाठ्यपुस्तक' जातिवाचक संज्ञा है।

(क) नीचे दी गई संज्ञाओं का वर्गीकरण इन दो प्रकार की संज्ञाओं में करो- लेह धातु शेरवानी भोजन ताँबा खिचड़ी शहर वेशभूषा
उत्तर- व्यक्तिवाचक संज्ञा – लेह, शेरवानी, ताँबा, खिचड़ी।
जातिवाचक संज्ञा – धातु, भोजन, शहर, वेशभूषा।

(ख) ऊपर लिखी हर जातिवाचक संज्ञा के लिए तीन-तीन व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ खुद सोचकर लिखो।

उत्तर- धातु – सोना, दाल, चावल

भोजन – रोटी, दाल, चावल।

शहर – दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता।

वेशभूषा – धोती, साड़ी, कमीज़।

तुम सेर, मैं सवा सेर

प्रश्न 1. इस लड़की का तो सभी लोहा मान गए। था न सचमुच नहले पर दहला! तुम्हें भी यही करना होगा।

तुम ऐसा कोई काम ढूँढो जिसे करने के लिए सूझाबूझ की जरूरत हो। उसे एक कागज में लिखो और तुम सभी अपने-अपने चिट को एक डिब्बे में डाल दो। डिब्बे को बीच में रखकर उसके चारों ओर गोलाई में बैठ जाओ। अब एक-एक करके आओ उस डिब्बे से एक चिट निकालकर पढ़ो और उसके लिए कोई उपाय सुझाओ। जिस बच्चे ने सबसे ज्यादा उपाय सुझाए वह तुम्हारी कक्षा का 'बीरबल' होगा।

उत्तर- अध्यापक ने कहा कि तुम पानी का पत्थर लेकर आओ। कुछ सोचने के बाद मैंने उनसे कहा कि फिर आपको उस पत्थर को आधे घंटे हाथ में रखना पड़ेगा अध्यापक ने मुझे हाँ कह दिया फिर मैं एक बर्फ का टुकड़ा ले आया और उन्हें दे दिया वह हैरान रह गए और मन ही मन सोचने लगे कि वह आधे घंटे हाथ में कैसे रखेंगे। छात्र अपनी सूझबूझ से कोई काम ढूँढकर खेल पूरा करें।

प्रश्न 3. मंत्री ने अपने बेटे से कहा “पिछली बार भेड़ों के बाल उतार कर बेचना मुझे जरा भी पसंद नहीं आया।” क्या मंत्री को सचमुच यह बात पसंद नहीं आई थी? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

उत्तर- ऐसा नहीं था कि उन्हें बात पसंद नहीं आई लेकिन मंत्री को पता चल गया था कि यह काम उन के बेटे का नहीं है। वैसे भी वह अपने बेटे को चलाक या होशियार बनाना चाहता था। इसलिए उसने ऐसा किया व बाद में उसने उस लड़की से अपने बेटे की शादी नहीं करवाई।

सिंग और जौ

प्रश्न- पहली बार में मंत्री के बेटे ने भेड़ों के बाल बेच दिए और दूसरी बार में भेड़ों के सींग बेच डाले। जिन लोगों ने यह चीजें खरीदी होगी, उन्होंने भेड़ों के बालों सींगों का क्या किया होगा? अपनी कल्पना से बताओ।

उत्तर- जिन लोगों ने यह चीजें खरीदी होगी उन्होंने भेड़ों के बालों से ऊँन के वस्त्र और सींगों से सजावटी सामान बनाया होगा।

बात को कहने के तरीके



प्रश्न 1. नीचे कहानी के कुछ उपाय दिए गए हैं | इन बातों को तुम किस तरह से कह सकते हो-

- (क) चैन से जिंदगी चल रही थी |
 - (ख) होशियारी उसे छूकर भी नहीं गई थी |
 - (ग) मैं इसका हल निकाल देती हूं |
 - (घ) उनकी अपनी चालाकी धरी रह गई |
- उत्तर- (क) जिंदगी आराम से कट रही थी |
- (ख) वह होशियार नहीं था |
 - (ग) मैं इसके लिए उपाय बता देती हूं |
 - (घ) उनकी अपनी चालाकी किसी काम नहीं आई |

प्रश्न 2. 'लोनपो गार का बेटा होशियार नहीं था |'

(क) 'होशियार' और 'चालाक' में क्या फर्क होता है? किस आधार पर किसी को तुम चालाक या होशियार कह सकती हो? इसी प्रकार 'भोला' और 'बुद्धू' के बारे में भी सोचो और कक्षा में चर्चा करो |

उत्तर- होशियारी से तात्पर्य है- समझदार होना | जबकि चालाक का अर्थ है- अत्यधिक चतुर होना | जो व्यक्ति दूसरों से काम निकलवाने के लिए तरह - तरह की बातें करता है, उसे हम चालाक कहते हैं | वही जो व्यक्ति समझदारी की बातें करता है उसे समझदार कहते हैं | इसी प्रकार 'भोला' का अर्थ है- सीधा-साधा होना जबकि बुद्धू का अर्थ - बेवकूफ है |

(ख) लड़की को तुम समझदार कहोगी या बुद्धिमान क्यों?

उत्तर- लड़की को हम बुद्धिमान कहेंगे क्योंकि अपनी बुद्धि के बल पर वह हर समस्या का समाधान आसानी से ढूंढ रही थी |

नाम दो

कहानी में लोनपो गार के बेटे और लड़की का कोई नाम नहीं दिया गया है | नीचे तिब्बत में बच्चों के नामकरण के बारे में बताया गया है | यह पस्चिय पढो और मनपसंद नाम छोटकर बेटे और लड़की को कोई नाम दो |

नमिया, डावा, मिगमार, लाखपा, नुखु, फू, दोरजे - ये क्या है? कोई खाने की चीजे या घूमने की जगहो के नाम | जी नहीं, ये है तिब्बती बच्चों की कुछ नाम | ये सारे नाम की तिब्बत में शुभ माने जाते हैं | 'नामिया' नाम दिया जाता है रविवार को जन्म लेने वाले बच्चों को | मानते हैं कि इस बच्चे को उस दिन के देवता सूरज जैसी शक्ति मिलेगी और जब जब उसका नाम पुकारा जाएगा, वह शक्ति बढ़ती जाएगी | सोमवार को जन्म लेने वाले बच्चों का नाम 'डावा' रखा जाता है यह लड़का लड़की दोनों का नाम हो सकता है | तिब्बती भाषा के डावा के दो मतलब होते हैं, सोमवार और चाँद | यानी डावा चाँद जैसी रोशनी फैलाएगी और अंधेरा दूर करेगी | तिब्बत में बुद्धू के स्त्री - पुरुष रूप नामकरण करते हैं खासकर दोलमा नाम बहुत मशहूर मिलता है | हम बुद्धि के इस्त्री रूप तारा का ही तिब्बती नाम है |

उत्तर- लोनपो गार के बेटे को हम 'नुखू' नाम देंगे | जबकि उस लड़की को 'डावा' नाम देंगे |



CHAPTER - 2 (फसलो का त्योहार)

मौसम का अंदाज

प्रश्न 1. “खिचड़ी में अइसन जाड़ा हम पहिले कब्बो न देखनी।” यहाँ तुम ‘खिचड़ी’ से क्या मतलब निकाल रही हो?
उत्तर- यहाँ खिचड़ी से मतलब मकर-संक्रांति से है।

प्रश्न 2. क्या कभी ऐसा हो सकता है कि सूरज बिल्कुल ही न निकले?

अगर ऐसा हो तो अपने साथियों के साथ बातचीत करके लिखो।

उत्तर- अगर सूरज न निकले तो चारो ओर अँधेरा रहेगा और ठंड भी अधिक हो जाएगी।

प्रश्न 3. बाहर देखने से समय का अंदाजा क्यों नहीं हो पा रहा था? जिनके पास घड़ी नहीं होती वे समय का अनुमान किस तरह से लगते हैं?

उत्तर- बाहर सूरज नहीं निकला था इसलिए समय का अंदाजा नहीं हो पा रहा था। जिसके पास घड़ी नहीं होती, वे समय का अनुमान सूरज को देखकर लगाते हैं।

तुम्हारी जुबान

प्रश्न-(क) “आज ई लोग के उठे के नईखे का?”

उत्तर- आज ये लोग क्या उठेंगे नहीं?

(ख) “जा भाग के देख कर के पत्ता आइल की ना?”

इन वाक्यों को अपने घर की भाषा में लिखो।

उत्तर- जा भागकर देख केले के पत्ते आए या नहीं।

भारत तेरे रंग अनेक

प्रश्न 1. विविधता हमारे देश की पहचान है। फसलों का त्योहार हमारे देश के विविध रंग-रूपों का एक उदाहरण है। नीचे विविधता के कुछ और उदाहरण दिए गए हैं। 5 - 5 बच्चों का समूह 1 - 1 उदाहरण ले और उस पर जानकारी इकट्ठी करें। (जानकारी चित्र, फोटोग्राफ, कहानी, कविता, सूचनापाक सामग्री के रूप में हो सकती है।) हर समूह इस जानकारी को कक्षा में प्रस्तुत करें। *भाषा *कपड़े *नया वर्ष *भोजन *लोक कला *लोक संगीत

उत्तर- भाषा - भारत में हर जगह पर विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन राष्ट्रभाषा के रूप में सारे भारत में हिंदी का ही प्रयोग होता है।

कपड़े - भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग - अलग तरह के कपड़े पहने जाते हैं।



नया वर्ष - भारत के अलग - अलग राज्य में नया वर्ष विभिन्न तरह से मनाया जाता है ।

भोजन - देश के अलग - अलग राज्य में विभिन्न तरह के भोजन मिलते हैं ।

लोक कला - भारत को अलग अलग राज्य में विभिन्न कलाएं विद्यमान हैं, जो भारत की संस्कृति को बनाए हुए हैं।

लोक संगीत - भारत में सभी राज्य के अलग - अलग लोकसंगीत हैं । छात्र स्वयं कक्षा में प्रस्तुत करें।

प्रश्न 2. तुम्हें कौन-सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है और क्यों? इस दिन तुम्हारी दिनचर्या क्या होती है?

उत्तर-हमें होली का त्योहार सबसे अच्छा लगता है क्योंकि इस दिन चारों ओर रंग ही रंग देखने को मिलते हैं।

इस दिन हम सुबह से ही जोश तथा उत्साह से भरे रहते हैं। गुजिया इस त्यौहार की मुख्य मिठाई है। जो लोग बड़े आनंद से खाते हैं।

अन्न के बारे में

प्रश्न-(क) फसल के त्योहार का 'तिल' का बहुत महत्व होता है। तिल का किन - किन रूपों में इस्तेमाल किया जाता है? पता करो?

उत्तर- तिल से विभिन्न प्रकार के पकवान तथा मिठाईयां बनाई जाती हैं। इससे तेल भी बनता है।

(ख) तुम जानती हो कि तिल से तेल बनता है? और किन चीजों से तेल बनता है और कैसे? हो सके तो तेल की दुकान में जाकर पूछो।

उत्तर- तिल के अतिरिक्त नारियल, सरसों, आंवला, मूंगफली, बादाम और फूलों से तेल बनता है। यह तेल मशीनों द्वारा निकाला जाता है।

किसान और चीजों का सफर

किसान और खेती हममें से बहुत से लोगों की जानी - पहचानी दुनिया का हिस्सा है नहीं है । विशेष रूप से शहर के ज्यादातर लोगों को या अहसास नहीं है कि हमारी जिंदगी किस हद तक इससे जुड़ी हुई है। देश के कई हिस्सों में आज किसानों को जिंदा रहने के लिए बहुत मेहनत और संघर्ष करना पड़ रहा है। अगर यह जानने की कोशिश करें कि हम दिन भर जो चीज खाते हैं वह कहां से आती है तो- किसानों की हमारी जिंदगी में भूमिका को हम समझ पाएंगे। आलू की पकौड़ी, बर्फी और आइसक्रीम इन तीन चीजों के बारे में नीचे दिए गए बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जानकारी इकट्ठी करो और 'मेरी कहानी' के रूप में चीज उसे लिखो।

* किन चीजों से बनती है।

* इन चीजों का जन्म कहां होता है?

* हम तक पहुंचने का उनका सफर क्या है?

* किन - किन हाथों से होकर हम तक पहुंचती है?

* हम इस पूरे सफर में किन लोगों की कितनी मेहनत लगती है?

* इन लोगों में से किसको कितना मुनाफा मिलता है?

अगले वर्ष कक्षा 6 में सामाजिक एवं राजनीतिक विषय के बारे में पढ़ोगी तो उपाय के सफर में शामिल लोगों की दिनचर्या पता करने का मौका भी मिलेगा।



उत्तर- * आलू की पकोड़ी आलू और बेसन से बनती है। बर्फी खोये से बनती है व आइसक्रीम दूध से बनती है।

* इन चीजों का जन्म किसानों के घरों में होता है।

* हम तक ये चीजें किसानों के बाद व्यापारियों के माध्यम से पहुंचती है।

* यह चीजें हम तक किसानों, व्यापारियों तथा दुकानदारों के हाथों से होकर पहुंचती है।

* इस पूरे कार्य में किसान तथा व्यापारियों की बहुत मेहनत लगती है।

* इन लोग में से किसानों को कम तथा व्यापारी को उनसे कुछ ज्यादा मुनाफा मिलता है।

खास पकवान

प्रश्न 1. 'गया' शहर तिलकुट के लिए भी प्रसिद्ध है। हमारे देश में छोटी - बड़ी ऐसी कई जगह है जो अपने खास पकवान के लिए मशहूर हैं। अपने परिवार के लोगों से पता करें उनके बारे में बताओ।

उत्तर-हमारे देश में मथुरा पेड़े के लिए, आगरा पेठे के लिए और हरियाणा घेवर के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 2. पिछले दो वर्षोंमें तुमने 'काम वाले शब्दों' के बारे में जाना।

इन शब्दों को क्रिया भी कहते हिया क्योंकि क्रिया का संबन्ध कोई काम 'करने' से है। नीचे खिचड़ी बनाने की विधि दी गई। इसमें बीच-बीच में कुछ क्रियाये छूट गई है। उचित क्रिया का प्रयोग करते हुए इसे पूरा करो।

छोंकना पीसना पकाना धोना परोसनाभूनना बंगाली 'खिचुरी' (5 व्यक्तियों के लिए)

सामग्रीमात्रा

अदरक 20 ग्राम

लहसुन 3 फाँके

इलायची के दाने 3 छोटी

दालचीनी $2\frac{1}{2}$ से.मी. का एक टुकड़ा

पानी 4 प्याले

मूँग दाल $1\frac{1}{2}$ प्याले

सरसों का तेल 3 बड़े चम्मच

तेज पत्ते 2

जीरा $1\frac{1}{2}$ छोटा चम्मच

प्याज बारीक कटा हुआ 1 मंझोल

चावल धुले हुए 1 प्याला

फूल गोभी बड़े-बड़े टुकड़ों में कटी हुई 200 ग्राम

आलू छीलकर चार-चार टुकड़ों में कटे हुए 2

मटर के दाने $1\frac{1}{2}$ प्याला

धनिया पिसा हुआ 1 बड़ा चम्मच



लाल मिर्च पिसी हुई $1\frac{1}{2}$ छोटा चम्मच

चीनी 1 चम्मच

घी 2 बड़े चम्मच

नमक और हल्दी अंदाज से

उत्तर-विधि – इलाइची, दालचीनी और लोंग में थोड़ा - थोड़ा पानी (एक छोटा चम्मच) डालते हुए पीस लो। अदरक और लहसुन को इकट्ठा पीसकर पेस्ट बनाओ। दाल को कढ़ाई में डालो और धीमी आंच पर सुनहरी भूरी होने तक भून लो अब दाल निकालकर पीस लो। तेल को कुकर में डालकर गर्म करो। तेल गर्म होने पर तेज पत्ते और जीरा डालो। जीरा जब चटकने लगे, तो प्याज डालकर सुनहरा भूरा होने तक भुनो। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट डाल कर कुछ मिनट तक भूनों। धुली हुई दाल, चावल और सब्जी डालों और अच्छी तरह मिलाओ। और शेष पानी (4 प्याले) डाल कर एक बार हिलाओ। कुकर बंद करो। तेज आँच पर पूर्ण प्रेशर आने दो। अब आँच तेज करके 4 मिनट तक पकाओ। भाप निकल जाने पर कुकर खोलो, मसालों का पेस्ट मिलाओ। खिचुरी घी, हींग, जीरा, साबुत लाल मिर्च से छौक कर परोसो।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र


अध्ययन मंत्र

India's No.1
Teaching Institute
DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET
Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER -3

Question 1:

तुम्हें किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे –

(क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठती हो?

(ख) माँ के अलावा घर में और कौन-कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?

Answer:

(क) जब मुझे अपनी मनपसंद वस्तुएँ नहीं मिलती हैं, तब मैं रूठ जाती हूँ।

(ख) माँ के अलावा घर के सभी सदस्य जैसे दादा-दादी, बड़े भाई-बहन आदि मुझे मनाते हैं।

Question 2:

हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।

Answer:

दशहरा और होली ऐसे त्योहार हैं, जिनमें बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल दिया जाता है। दशहरा में राम की जीत व होली में होलिका दहन की कहानी है।

दशहरा- इस दिन श्रीराम ने लंका के राजा रावण को मारकर अपनी पत्नी सीता को मुक्त करवाया था। रावण राक्षसों का राजा था। उसने समस्त भूमंडल पर अधिकार कर लिया था। स्वर्ग के देवता भी उसके कारागार में बंदी थे। देवता से लेकर मानव तक उसके अत्याचारों से परेशान थे। एक दिन राम की अनुपस्थिति में उसने बलपूर्वक सीता का हरण कर लिया। अतः राम ने सुग्रीव के साथ मिलकर लंका पर चढ़ाई की। युद्ध में रावण राम के हाथों मारा गया। राम ने पूरे भूमंडल को उसके अत्याचारों से मुक्त करवाया। दशहरा राम की रावण पर विजय और अधर्म पर धर्म की जीत की कहानी कहता है।

होली- होली के साथ अनेक दंत-कथाएँ जुड़ी हुई हैं। होली से एक दिन पहले पूर्णिमा की रात्रि को होली जलाई जाती है। कहा जाता है कि 'भक्त प्रह्लाद' के पिता राक्षस राज 'हिरण्यकश्यप' स्वयं को भगवान मानता था। वह विष्णु का परम विरोधी था। इसके विपरीत उनका पुत्र प्रह्लाद विष्णु भक्त था। उसने प्रह्लाद को विष्णु भक्ति करने से बहुत रोका परन्तु वे नहीं माने। अहंकारी हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के अनेक प्रयास किए परन्तु वे हर बार बच गए। हिरण्यकश्यप ने तंग आकर अपनी बहन होलिका से सहायता मांगी। होलिका अपने भाई की सहायता के लिए तैयार हो गई। होलिका को वरदान प्राप्त था कि उसे आग नहीं जला सकती है। होलिका प्रह्लाद को मारने की इच्छा लेकर चिता में जा बैठी। भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गए परन्तु होलिका जलकर भस्म हो गई। उसी दिन से होलिका दहन किया जाता है। होली भी अच्छाई पर बुराई की जीत के रूप में मनाई जाती है।

Question 3:

तुमने रामलीला के ज़रिए या फिर किसी कहानी के ज़रिए रामचंद्र के बारे में जाना-समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन-सी बातें अच्छी लगीं?

Answer:



हमें रामचंद्र की ये बातें अच्छी लगती हैं।- 1. रामचंद्र आज्ञाकारी पुत्र थे। 2. वे धर्म के मार्ग पर चलने वाले थे। 3. बड़ों का आदर करते थे। 4. सत्य के मार्ग पर चलते थे। 5. वचन के पक्के थे। 6. सच्चे मित्र थे। 7. वीर और साहसी थे।

Question 4:

नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो -

- (क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।
- (ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाज़ें लगा रहा है।
- (ग) मुझे कौन-सा खिलौना लेना चाहिए - उसमें माँ की सलाह चाहिए।
- (घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।

Answer:

(क) कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।

(ख) नए खिलौने ले लो भैया
ज़ोर-ज़ोर वह रहा पुकार।

(ग) कौन खिलौना लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार।

(घ) तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में
मनचाही चीज़ें देगा।

Question 5:

‘मूँगफली ले लो मूँगफली!

गरम करारी टाइम पास मूँगफली!’

तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाज़ें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली-मोहल्ले में ऐसे कौन-से फेरीवाले आते हैं और वे किस ढंग से आवाज़ लगाते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।

Answer:

हम आपको फेरीवालों द्वारा बोले जाने वाली तीन पंक्तियाँ दे रहे हैं। आप अपने यहाँ आने वाले फेरीवालों की आवाज़ों को सुनो और उनको लिखो। इस तरह अपना संग्रह बनाओ।



१. बढ़िया करारी गोला-गिरी!

मीठी-मज़ेदार गोला-गिरी!

२. दस रुपये के चार, दस रुपये के चार!

मन को भा जाएँ, ऐसे संतरे चार!

३. मीठा रसीला गन्ना ले लो!

फिर न मिलेगा गन्ना ले लो!

(नोट: इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं करें।)

Question 1:

(क) तुम यहाँ लिखे खिलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?

गेंद
रेलगाड़ी
बर्तन सेट

हवाई जहाज़
फिरकी
धनुष-बाण

मोटरगाड़ी
गुड़िया
बल्ला या कुछ और

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो?

Answer:

(क) मैं गुड़िया लेना पसंद करूँगी। मेरे पास पहले से ही ये सारे खिलौने हैं। एक गुड़िया नहीं थी इसलिए मैं गुड़िया लूँगी। उसे सजाऊँगी और उसके साथ खेलूँगी।

(ख) मैं अपने साथियों के साथ क्रिकेट, लूडो, पाला, व्यापार, पकड़म-पकड़ाई इत्यादि खेल खेलती हूँ।

(नोट: विद्यार्थी दोनों प्रश्नों के उत्तर स्वयं की समझ से दें।)

Question 2:

खिलौनेवाला शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

पानवाले की दुकान आज बंद है।

मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।

महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।

नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।

दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?

इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।

मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।

Answer:

पानवाला – जातिवाचक संज्ञा

दिल्लीवाली – व्यक्तिवाचक संज्ञा



- पाँच बजे वाली – विशेषण
- बोलने वाली – क्रिया
- दाढ़ीवाला – संज्ञा
- ऊपर वाले – क्रिया विशेषण
- रात वाली – विशेषण

Question 1:

क्या तुमने रामलीला देखी है? रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।

Answer:

इस प्रश्न का उत्तर छात्रों को स्वयं ही करना है। इसमें अभिनय करने के लिए कहा गया है। अतः इसे छात्रों को स्वयं ही करना पड़ेगा। हम आपको विषय बता सकते हैं। बच्चे भरत और राम मिलाप पर रामलीला का मंचन कर सकते हैं।

Question 1:

इस कविता में तीन नाम- राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।

(क) ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?

(ख) यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा।

इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?

(ग) इस कथा के कुछ संदर्भों की बात कविता में हुई है। अपने आस-पास पूछकर इनका पता लगाओ।

तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।

तुम कह दोगी वन जाने को हँसते-हँसते जाऊँगा।

Answer:

(क) ये तीनों पात्र "रामायण" के हैं। रामायण को रामचरितमानस के नाम से भी जाना जाता है।

(ख) इन पंक्तियों का कथा से संबंध है कि कविता का बच्चा अपनी माँ के पास रहना चाहता है। वह अपनी माँ को कौशल्या और स्वयं को रामचंद्र मानता है। रामचंद्र जी चौदह वर्षों के लिए अपनी माँ से दूर हो गए थे। परंतु बच्चा अपनी माँ से दूर नहीं जाएगा। वह कौशल्या के साथ ही रहेगा।

(ग) श्री रामचंद्र ने ऋषि मुनियों की तपस्या सफल कराने के लिए राक्षसों का वध किया।

रामचंद्र जी अपने माता-पिता की खुशी के लिए चौदह वर्षों के लिए वन में चले गए थे।



Question 1:

तुम्हें किसी-न-किसी बात पर रूठने के मौके तो मिलते ही होंगे –

(क) अक्सर तुम किस तरह की बातों पर रूठती हो?

(ख) माँ के अलावा घर में और कौन-कौन हैं जो तुम्हें मनाते हैं?

Answer:

(क) जब मुझे अपनी मनपसंद वस्तुएँ नहीं मिलती हैं, तब मैं रूठ जाती हूँ।

(ख) माँ के अलावा घर के सभी सदस्य जैसे दादा-दादी, बड़े भाई-बहन आदि मुझे मनाते हैं।

Question 2:

हम ऐसे कई त्योहार मनाते हैं जो बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल देते हैं। ऐसे त्योहारों के बारे में और उनसे जुड़ी कहानियों के बारे में पता करके कक्षा में सुनाओ।

Answer:

दशहरा और होली ऐसे त्योहार हैं, जिनमें बुराई पर अच्छाई की जीत पर बल दिया जाता है। दशहरा में राम की जीत व होली में होलिका दहन की कहानी है।

दशहरा- इस दिन श्रीराम ने लंका के राजा रावण को मारकर अपनी पत्नी सीता को मुक्त करवाया था। रावण राक्षसों का राजा था। उसने समस्त भूमंडल पर अधिकार कर लिया था। स्वर्ग के देवता भी उसके कारागार में बंदी थे। देवता से लेकर मानव तक उसके अत्याचारों से परेशान थे। एक दिन राम की अनुपस्थिति में उसने बलपूर्वक सीता का हरण कर लिया। अतः राम ने सुग्रीव के साथ मिलकर लंका पर चढ़ाई की। युद्ध में रावण राम के हाथों मारा गया। राम ने पूरे भूमंडल को उसके अत्याचारों से मुक्त करवाया। दशहरा राम की रावण पर विजय और अधर्म पर धर्म की जीत की कहानी कहता है।

होली- होली के साथ अनेक दंत-कथाएँ जुड़ी हुई हैं। होली से एक दिन पहले पूर्णिमा की रात्रि को होली जलाई जाती है। कहा जाता है कि 'भक्त प्रह्लाद' के पिता राक्षस राज 'हिरण्यकश्यप' स्वयं को भगवान मानता था। वह विष्णु का परम विरोधी था। इसके विपरीत उनका पुत्र प्रह्लाद विष्णु भक्त था। उसने प्रह्लाद को विष्णु भक्ति करने से बहुत रोका परन्तु वे नहीं माने। अहंकारी हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने के अनेक प्रयास किए परन्तु वे हर बार बच गए। हिरण्यकश्यप ने तंग आकर अपनी बहन होलिका से सहायता मांगी। होलिका अपने भाई की सहायता के लिए तैयार हो गई। होलिका को वरदान प्राप्त था कि उसे आग नहीं जला सकती है। होलिका प्रह्लाद को मारने की इच्छा लेकर चिता में जा बैठी। भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गए परन्तु होलिका जलकर भस्म हो गई। उसी दिन से होलिका दहन किया जाता है। होली भी अच्छाई पर बुराई की जीत के रूप में मनाई जाती है।

Question 3:

तुमने रामलीला के ज़रिए या फिर किसी कहानी के ज़रिए रामचंद्र के बारे में जाना-समझा होगा। तुम्हें उनकी कौन-सी बातें अच्छी लगीं?

Answer:

हमें रामचंद्र की ये बातें अच्छी लगती हैं।- 1. रामचंद्र आज्ञाकारी पुत्र थे। 2. वे धर्म के मार्ग पर चलने वाले थे। 3. बड़ों का आदर करते थे। 4. सत्य के मार्ग पर चलते थे। 5. वचन के पक्के थे। 6. सच्चे मित्र थे। 7. वीर और साहसी थे।



Question 4:

- नीचे दिए गए भाव कविता की जिन पंक्तियों में आए हैं, उन्हें छाँटो –
- (क) खिलौनेवाला साड़ी नहीं बेचता है।
- (ख) खिलौनेवाला बच्चों को खिलौने लेने के लिए आवाज़ें लगा रहा है।
- (ग) मुझे कौन-सा खिलौना लेना चाहिए – उसमें माँ की सलाह चाहिए।
- (घ) माँ के बिना कौन मनाएगा और कौन गोद में बिठाएगा।

Answer:

(क) कभी खिलौनेवाला भी माँ
क्या साड़ी ले आता है।

(ख) नए खिलौने ले लो भैया
ज़ोर-ज़ोर वह रहा पुकार।

(ग) कौन खिलौना लेता हूँ मैं
तुम भी मन में करो विचार।

(घ) तो कौन मना लेगा
कौन प्यार से बिठा गोद में
मनचाही चीज़ें देगा।

Question 5:

‘मूँगफली ले लो मूँगफली!
गरम करारी टाइम पास मूँगफली!’

तुमने फेरीवालों को ऐसी आवाज़ें लगाते ज़रूर सुना होगा। तुम्हारे गली-मोहल्ले में ऐसे कौन-से फेरीवाले आते हैं और वे किस ढंग से आवाज़ लगते हैं? उनका अभिनय करके दिखाओ। वे क्या बोलते हैं, उसका भी एक संग्रह तैयार करो।

Answer:

हम आपको फेरीवालों द्वारा बोले जाने वाली तीन पंक्तियाँ दे रहे हैं। आप अपने यहाँ आने वाले फेरीवालों की आवाज़ों को सुनो और उनको लिखो। इस तरह अपना संग्रह बनाओ।

१. बढ़िया करारी गोला-गिरी!

मीठी-मज़ेदार गोला-गिरी!

२. दस रुपये के चार, दस रुपये के चार!



मन को भा जाएँ, ऐसे संतरे चार!

३. मीठा रसीला गन्ना ले लो!

फिर न मिलेगा गन्ना ले लो!

(नोट: इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं करें।)

Question 1:

(क) तुम यहाँ लिखे खेलौनों में से किसे लेना पसंद करोगी। क्यों?

गेंद

हवाई जहाज़

मोटरगाड़ी

रेलगाड़ी

फिरकी

गुड़िया

बर्तन सेट

धनुष-बाण

बल्ला या कुछ और

(ख) तुम अपने साथियों के साथ कौन-कौन से खेल खेलती हो?

Answer:

(क) मैं गुड़िया लेना पसंद करूँगी। मेरे पास पहले से ही ये सारे खेलौने हैं। एक गुड़िया नहीं थी इसलिए मैं गुड़िया लूँगी। उसे सजाऊँगी और उसके साथ खेलूँगी।

(ख) मैं अपने साथियों के साथ क्रिकेट, लूडो, पाला, व्यापार, पकड़म-पकड़ाई इत्यादि खेल खेलती हूँ।

(नोट: विद्यार्थी दोनों प्रश्नों के उत्तर स्वयं की समझ से दें।)

Question 2:

खिलौनेवाला शब्द संज्ञा में 'वाला' जोड़ने से बना है। नीचे लिखे वाक्यों में रेखांकित हिस्सों को ध्यान से देखो और संज्ञा, क्रिया आदि पहचानो।

पानवाले की दुकान आज बंद है।

मेरी दिल्लीवाली मौसी बस कंडक्टर हैं।

महमूद पाँच बजे वाली बस से आएगा।

नंदू को बोलने वाली गुड़िया चाहिए।

दाढ़ीवाला आदमी कहाँ है?

इस सामान को ऊपर वाले कमरे में रख दो।

मैं रात वाली गाड़ी से जम्मू जाऊँगी।

Answer:

पानवाला – जातिवाचक संज्ञा

दिल्लीवाली – व्यक्तिवाचक संज्ञा

पाँच बजे वाली – विशेषण

बोलने वाली – क्रिया

दाढ़ीवाला – संज्ञा



ऊपर वाले – क्रिया विशेषण

रात वाली – विशेषण

Question 1:

क्या तुमने रामलीला देखी है? रामलीला की किसी एक लघु-कहानी को चुनकर कक्षा में अपनी रामलीला प्रस्तुत करो।

Answer:

इस प्रश्न का उत्तर छात्रों को स्वयं ही करना है। इसमें अभिनय करने के लिए कहा गया है। अतः इसे छात्रों को स्वयं ही करना पड़ेगा। हम आपको विषय बता सकते हैं। बच्चे भरत और राम मिलाप पर रामलीला का मंचन कर सकते हैं।

Question 1:

इस कविता में तीन नाम- राम, कौशल्या और ताड़का आए हैं।

(क) ये तीनों नाम किस प्रसिद्ध कथा के पात्र हैं?

(ख) यहीं रहूँगा कौशल्या मैं तुमको यहीं बनाऊँगा।

इन पंक्तियों का कथा से क्या संबंध है?

(ग) इस कथा के कुछ संदर्भों की बात कविता में हुई है। अपने आस-पास पूछकर इनका पता लगाओ।

तपसी यज्ञ करेंगे, असुरों को मैं मार भगाऊँगा।

तुम कह दोगी वन जाने को हँसते-हँसते जाऊँगा।

Answer:

(क) ये तीनों पात्र "रामायण" के हैं। रामायण को रामचरितमानस के नाम से भी जाना जाता है।

(ख) इन पंक्तियों का कथा से संबंध है कि कविता का बच्चा अपनी माँ के पास रहना चाहता है। वह अपनी माँ को कौशल्या और स्वयं को रामचंद्र मानता है। रामचंद्र जी चौदह वर्षों के लिए अपनी माँ से दूर हो गए थे। परंतु बच्चा अपनी माँ से दूर नहीं जाएगा। वह कौशल्या के साथ ही रहेगा।

(ग) श्री रामचंद्र ने ऋषि मुनियों की तपस्या सफल कराने के लिए राक्षसों का वध किया।

रामचंद्र जी अपने माता-पिता की खुशी के लिए चौदह वर्षों के लिए वन में चले गए थे।



CHAPTER - 5 (जहाँ चाह वहाँ राह)

जहाँ चाह वहाँ राह

प्रश्न 1. इला या इला जैसी कोई लड़की यदि तुम्हारी कक्षा में दाखिला लेती तो तुम्हारे मन में कौन-कौन से प्रश्न उठते?

उत्तर- यदि इला जैसी कोई लड़की हमारी कक्षा में दाखिला लेती तो हमारे मन में प्रश्न उठते कि ये काम कैसे करती होगी? इसे किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा?

प्रश्न 2. इस लेख को पढ़ने के बाद क्या तुम्हारी सोच में कुछ बदलाव आए?

उत्तर- इस लेख को पढ़ने बाद हमारी सोच में यह बदलाव आया कि हम अब अपाहिज लोगों को कमजोर नहीं समझेंगे और उन्हें भी हर काम करने में कुशल मानेंगे।

मैं भी कुछ कर सकती हूँ....

प्रश्न 1. यदि इला तुम्हारे विद्यालय में आए तो किन-किन कामों में परेशानी आयेगी?

उत्तर- यदि इला हमारे विद्यालय में आए तो उसे निम्नलिखित कामों में परेशानी आयेगी-

- (क) जल्दी-जल्दी लिखना।
- (ख) कोई खेल खेलना।
- (ग) कोई सामान उठाना।

प्रश्न 2. उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपने विद्यालय में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकते हो?

उत्तर- उसे इन कामों में परेशानी न हो इसके लिए हम विद्यालय में कुछ सहायक नियुक्त कर सकते हैं जो सभी कामों में इला जैसी छात्रों की सहायता करें।

प्यारी इला...

इला के बारे में पढ़कर जैसे भाव तुम्हारे मन में उठ रहे हैं उन्हें इला को चीड़ी लिखकर बताओ। चीड़ी की रूपरेखा नीचे दी गई है।

.....

.....

.....

प्रिय इला

.....

.....



.....

तुम्हारा/तुम्हारी

उत्तर- परीक्षा भवन, दिल्ली

18 मार्च, 2009

प्रिय इला,

मैं तुम्हारी स्थिति देखकर जितना सोचती हूँ उतनी ही पीड़ा का अनुभव करती हूँ। मैं सोचती हूँ कि तुम्हें कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा। मेरे मन में तुम्हारे लिए सच्ची सहानुभूति और प्रेम है। तुम्हारी जैसी साहसी लड़की को अपना मित्र बनाना चाहती हूँ।

तुम्हारा/तुम्हारी

क.ख.ग.

सवाल हमारे, जवाब तुम्हारे

प्रश्न 1. इला को लेकर स्कूल वाले चिंतित क्यों थे? क्या उनका चिंता करना सही था या नहीं? अपने उत्तर का कारण भी लिखो।

उत्तर- इला की सुरक्षा और उसके काम करने की गति को लेकर स्कूल वाले चिंतित थे। उनका चिंता करना सही था क्योंकि इला जैसे छात्र को इन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

प्रश्न 2. इला की कशीदाकारी में खास बात क्या थी?

उत्तर- इला की कशीदाकारी में लखनऊ और बंगाल की झलक थी। उसने कठियावाड़ी टाँकों के साथ-साथ अन्य कई टाँके इस्तेमाल किए थे। पतियों को चिकनकारी से सजाया था। डंडियों को कांथा से उभारा था। उसके डिजाइनों में नवीनता का मिश्रण देखने को मिलता था।

प्रश्न 3. सही के आगे(✓) क निशान लगाओ।

इला दसवीं की परीक्षा पास नहीं कर सकी क्योंकि...

- * परीक्षा के लिये उसने अच्छी तैयारी नहीं की थी।
- * वह परीक्षा पास करना नहीं चाहती थी।
- * लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न - पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।
- * उसको पढ़ी करना कभी अच्छा लगा ही नहीं।

उत्तर- इला दसवीं की परीक्षा पास नहीं कर सकी क्योंकि लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।

प्रश्न 4. क्या इला अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना सीख पाती, अगर उसके आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ कने का मौका नहीं देते?

उत्तर- अगर इला के आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ कने का मौका नहीं देते, तो इला अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना नहीं सीख पाती।



कशीदाकारी

प्रश्न 1.(क) इस पाठ में सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कई शब्द आए हैं। उनकी सूची बनाओ। अब देखो कि इस पाठ को पढ़कर तुमने कितने नए शब्द सीखे।

(ख) नीचे दी गई सूची में से किन्हीं दो से संबंधित शब्द (संज्ञा और क्रिया दोनों ही) इकट्ठा करो।

फुटबाल , बुने (ऊन) , बागबानी , पतंगबाजी

उत्तर-(क) पल्लू, टाँके, बेल-बूट, कढ़ाई, कशीदाकारी सुई, पिरोना, रेशम, परिधान।

(ख) बुनाई – ऊन, सिलाई, फंदे, एक घर, धागा, डिजाइन, फंदे डालना आदि।

पतंगबाजी – साड़ी, मांझा, पंग, चर्खी, कन्नी देना, उड़ाना आदि।

प्रश्न 2. एक सादा रुमाल लो या कपड़ा काटकर बनाओ। उस पर पाठ्यपुस्तक में(पृष्ठ संख्या- 46) दिए गए टाँको में से किसी एक टाँके का इस्तेमाल करते हुए बड़ों की मदद से कढ़ाई करो।

उत्तर- सभी छात्र/छात्राएँ अध्यापक की सहायता से स्वयं करें।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER - 6 (चिट्ठी का सफर)

चिट्ठी-पत्री

प्रश्न 1. गांधी जी को सिर्फ उनके नाम और देश के नाम के सहारे पत्र कैसे पहुँच गया होगा?

उत्तर- गांधी जी बहुत मशहूर व्यक्ति थे इसलिए उन तक उनके नाम और देश के नाम के सहारे पत्र पहुँच गया होगा।

प्रश्न 2. अगर एक पत्र में पते के साथ का नाम हो तो क्या पत्र जगह पर पहुँच जाएगा?

उत्तर- हाँ, पत्र ठीक जगह पर पहुँच जाएगा।

प्रश्न 3. नाम न होने से क्या समस्याएँ आ सकती हैं?

उत्तर- नाम न होने से पत्र किसका है ये पता लगाना थोड़ा मुश्किल होगा।

प्रश्न 4. पैदल हरकारों को किस-किस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता होगा?

उत्तर- पैदल हरकारों को कठिनाइयों से भरे रास्तों से जाना पड़ता होगा और उन्हें मौसम की मार भी सहन करनी पड़ती होगी।

प्रश्न 5. अगर तुम किसी को चिट्ठी लिख रहे हो तो पते में यह जानकारी किस क्रम में लिखोगे?

गली / मोहल्ले का नाम , घर का नंबर , राज्य का नाम , खंड का नाम , कस्बे / शहर / गाँव का नाम , जनपद का नाम नीचे दी गई जगह में लिखो।

.....
.....
.....
.....
.....

तुमने इस क्रम में ही क्यों लिखा?

उत्तर- 1. घर का नंबर

2. गली/मोहल्ले का नाम

3. खंड का नाम

4. कस्बे/शहर/गाँव का नाम

5. जनपद का नाम

6. राज्य का नाम

हमने पता इस क्रम में इसलिए लिखा क्योंकि पता लिखते समय छोटी भौगोलिक इकाई से बड़ी भौगोलिक इकाई की तरफ बढ़ते हैं।

प्रश्न 6. अपने घर पर कोई पुराना(या नया) पत्र ढूँढो। उसे देखकर नीचे लिखे प्रश्नों के जवाब लिखो-



(क) पत्र किसने लिखा?

(ख) किसे लिखा?

(ग) किस तारीख को लिखा?

(घ) यह पत्र किस डाकखाने में तथा किस तारीख को पहुँचा?

(ङ) यह उत्तर तुम्हें कैसे पता चला?

उत्तर-(क) पत्र हमारी बहिन ने लिखा।

(ख) पत्र हमारी दादी के लिए लिखा।

(ग) यह पत्र 26 फरवरी, 2008 को लिखा।

(घ) यह पत्र रोहिणी डाकखाने में 27 फरवरी, 2008 को पहुँचा।

(ङ) यह उत्तर हमें पत्र को देखकर पता चला।

प्रश्न 7. चिट्ठी भेजने के लिए आमतौर पर पोस्टकार्ड, अंतर्देशीय पत्र या लिफाफा इस्तेमाल किया जाता है। डाकघर जाकर इनका मूल्य पता करके लिखो-

उत्तर- पोस्टकार्ड – पचास पैसे अंतर्देशीय पत्र - चार-पाँच रूपए लिफाफा - पाँच रूपए

प्रश्न 8. डाकटिकट इकट्ठा करो। एक रूपये से लेकर दस रूपये तक के डाक टिकटों को क्रम में लगाकर कॉपी पर चिपकाओ। इकट्ठा किए गए डाकटिकट पर अपने साथियों के साथ चर्चा करो।

उत्तर- छात्र डाक टिकट इकट्ठे कर स्वयं चिपकाए।

शब्दकोश

नीचे शब्दकोश का एक अंश दिया गया है जिसमें 'संचार' शब्द का अर्थ भी दिया गया है।

संगीतज्ञ – संगीत जाने वाला, संगीत की कला में निपुण।

संग्रह – पु. 1. जमा करना, इकट्ठा करना, एकत्र करना।

प्र. दीपक आजकल पक्षियों के पंखों का संग्रह करने लगे हैं।

2. इकट्ठी की हुई चिजों का समूह या ढेर, संकलन; जैसे टिकट - संग्रह, निबंध - संग्रह आदि।

संचार - पु. 1. किसी सन्देश को दूर तक या बहुत - से लोगो तक पहुँचाने की क्रिया या प्रणाली, कम्युनिकेशन।

उ. टेलीफोन, टेलीविज़न, सेटेलाइट आदि। संचार के माध्यमों से दुनिया आज छोटी हो गई है।

2. किसी चीज का प्रवाह, चलना, फैलना; जैसे - शरीर में रक्त का संचार, विद्युत् का संचार।

प्रश्न -(क) बताओ की कौन-सा अर्थ पाठ के संदर्भ में ठीक है।

(ख) इन पन्ने को दया से देखो और बताओ के शब्दकोश में दिए गए शब्दों के साथ क्या-क्या जानकारी दी गई होती है?

उत्तर-(क) किसी सन्देश को दूर तक या बहुत-से लोगो तक पहुँचाने की क्रिया या प्रणाली, कम्युनिकेशन पाठ के संदर्भ में ठीक है।

(ख) शब्दकोश में दिए गए शब्दों के साथ उसका अर्थ, वाक्य प्रयोग, लिंग, वचन, पुरुष आदि व्याकरण जानने वाले भागों की जानकारी दी गई होती है।



CHAPTER - 7 (डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की जुबानी)

प्रश्न 1. डाकिए का क्या नाम था?

उत्तर- डाकिए का नाम कँवरसिंह था।

प्रश्न 2. डाकिया कहाँ का रहने वाला था?

उत्तर- डाकिया हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव का रहने वाला था।

प्रश्न 3. कँवरसिंह के परिवार में कौन-कौन सदस्य थे।

उत्तर- कँवरसिंह के परिवार में चार बच्चे थे।

प्रश्न 4. डाक सेवक को क्या-क्या करना पड़ता है?

उत्तर- डाक सेवक को चिट्ठियाँ, रजिस्टरी-पत्र, पार्सल, बिल, बुढ़ें लोगो को पेंशन आदि बाँटने गाँव-गाँव जाना पड़ता है।

प्रश्न 5. भारतीय डाक सेवा की क्या विशेषता है?

उत्तर- भारतीय डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे सस्ती डाक सेवा है।

प्रश्न 6. पहाड़ी क्षेत्रों में डाकिए को किन कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है?

उत्तर- पहाड़ी क्षेत्रों में डाकिए को मीलों पैदल चलना, बर्फबारी में फसने जैसी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है।

प्रश्न 7. कँवरसिंह को कौन-सा पुरस्कार मिला?

उत्तर- कँवरसिंह को 'बेस्ट पोस्टमैन' का पुरस्कार मिला।

प्रश्न 8. यह पुरस्कार उन्हें कब मिला?

उत्तर- यह पुरस्कार उन्हें सन् 2004 में मिला।



CHAPTER - 8 (वे दिन भी क्या दिन थे)

सोचो

प्रश्न 1. कुम्मी के हाथ जो किताब आई थी वह कब छपी होगी?

उत्तर- कुम्मी के हाथ जो किताब आई वह आज के जमाने की छपी हुई होगी।

प्रश्न 2. रोहित ने कहा था, “कितनी पुस्तकें बेकार जाती होगी। एक बार पढ़ी और फिर बेकार हो गई”। क्या सचमुच में ऐसा होता है?

उत्तर- हाँ, सचमुच ऐसा ही होता है। कई पुस्तकें एक बार पढ़कर फेंक दी जाती हैं और वे बेकार हो जाती हैं।

प्रश्न 3. कागज के पत्रों की किताब और टेलीविजन के पर्दे पर चलने वाली किताब। तुम इनमें से किसको पसंद करोगे? क्यों?

उत्तर- हम कागज के पत्रों की किताब को पसंद करेंगे क्योंकि वह हमेशा हमारे पास रहेगी और उसे पढ़ने तथा इधर-उधर ले जाने में भी आसानी रहेगी।

प्रश्न 4. तुम कागज पर छपी किताबों से पढ़ते हो। पता करो कि कागज से पहले की छपाई किस-किस चीज पर हुआ करती थी ?

उत्तर- कागज से पहले की छपाई लकड़ी, पत्तों तथा धातु के बने पत्रों पर होती थी।

प्रश्न 5. तुम मशीन की मदद से पढ़ना चाहोगे या अध्यापक की मदद से? दोनों के पढ़ाने में किस-किस तरह की आसानियाँ और मुश्किलें हैं?

उत्तर- हम अध्यापक की मदद से पढ़ना चाहेंगे। अध्यापक बच्चों को आसानी से समझा लेते हैं। लेकिन कई बार अध्यापक बच्चों को कुछ विषय नहीं समझा पाते हैं। वहीं मशीन से पढ़ाई में बच्चों को समझने में मुश्किल होगी। लेकिन मशीनी पढ़ाई से सभी विषयों की जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

“ वे दिन भी क्या दिन थे!”

प्रश्न - बीते दिनों की प्रशंसा में कहीं जाने वाली यह बात तुमने कभी कभी किसी - से - सुनी है ? अपने बीते दिनों के बारे में सोचो और बताओ कि उन में से किस समय के बारे में तुम “ वे दिन भी क्या दिन थे !” कहना चाहोगे?

उत्तर- जब हम छोटे थे तब सभी हम से बहुत प्यार करते थे। साथ ही हमारी सभी इच्छाएं माता-पिता द्वारा पूरी की जाती थी। उन्हीं दिनों के लिए हमें कहना चाहिए कि “वे दिन भी क्या दिन थे”!

कल, आज और कल

प्रश्न 1. परेशान 1967 में हिंदी में छपी इस कहानी में कल्पना की गई है कि सालों बाद स्कूल की जगह मशीनें ले लेगी। तुम भी कल्पना करो कि बहुत सालों बाद यह कैसी होगी-



- पेन , घड़ी , टेलीफोन / मोबाइल , टेलीविजन
- कोई और चीज के बारे में तुम सोचना चाहो.

उत्तर- पेन - बहुत साल बाद पेन लेजर किरनों वाले हो सकते हैं जिनसे दूर से भी लिखा जा सकता है।

- घड़ी - बहुत सालों बाद घड़ी कंप्यूटर के माध्यम से चलेगी तथा उनमें सुइयाँ भी नहीं होंगी।
- टेलीफोन / मोबाइल - बहुत सालों बाद टेलीफोन/मोबाइल का आकर काफी छोटा हो जाएगा और इसमें सुविधायें भी होंगी।
- टेलीविजन - बहुत सालों बाद टेलीविजन काफी पतले आकर के आने लगेंगे। यह दीवार पर ही लटके जा सकेंगे।
- रसोईघर का सामान - आने वाले समय में रसोई घर में इस्तेमाल होने वाला सामान काफी आधुनिक होगा। इनमें बहुत सी चीजें बिजली से चलने वाली होंगी।

प्रश्न 2. नीचे कुछ वस्तुओं के नाम दिए गए हैं। बड़ों से पूछ कर पता करो कि बीस साल पहले इनकी क्या कीमत थी और अब इनका कितना दाम है?

आलू , लड्डू , शक्कर , दाल , चावल , दूध

.....
.....

उत्तर-

वस्तु	बीस साल पहले की कीमत	आज का इनका दाम
आलू	1-2 पैसे कि.ग्रा.	10-15 रुपए कि.ग्रा.
लड्डू	4-5 पैसे कि.ग्रा.	60-70 रुपए कि.ग्रा.
शक्कर	1-2 पैसे कि.ग्रा.	17-18 रुपए कि.ग्रा.
दाल	4-5 पैसे कि.ग्रा.	35-40 रुपए कि.ग्रा.
चावल	3-4 पैसे कि.ग्रा.	20-30 रुपए कि.ग्रा.
दूध	2-3 पैसे कि.ग्रा.	20-26 रुपए कि.ग्रा.

प्रश्न 3. आज हमारे कई काम कम्प्यूटर की मदद से होते हैं। सोचो और लिखो कि अपने व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में हम कम्प्यूटर का इस्तेमाल किन-किन उद्देश्यों के लिए करते हैं?

उत्तर-

व्यक्तिगत	सार्वजनिक
मनोरंजन	रेल, बस टिकटों की बिक्री में
हिसाब-किताब	सार्वजनिक जानकारीयाँ प्राप्त करने में



पढ़ाई-लिखाई	विभिन्न उद्योगों की जानकारी
विभिन्न जानकारीयाँ प्राप्त करना	सूचनाएँ प्रसारित करने में
फोटोग्राफी	नौकर से संबंधित

प्रश्न- जानकारी देने या लेने के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। हम जो कुछ सोचते या महसूस करते हैं उसे अभिव्यक्त करने या बताने के भी कई ढंग हो सकते हैं। बॉक्स में ऐसे कुछ साधन दिए गए हैं। उनका वर्गीकरण करके नीचे दी गई तालिका में लिखो।

सन्देश	अभिनय	रेडिओ	नृत्य के हव-भाव
फ़ोन	विज्ञापन	नोटिस	संकेत-भाषा
चित्र	मोबाइल	टी.वी.	मोबाइल सन्देश
फैक्स	इन्टरनेट	तार	इशतहार

ऊपर लिखी चीजें एकतरफा भी हो सकती हैं और दो तरफा भी। जिन चीजों के जरिए इकतरफा संप्रेषण होता है उनके आगे (→) का निशान लगाओ। दो तरफा संवाद की चीजों के आगे (↔) का निशान लगाओ।

उत्तर-

जानकारी	भावनाएँ
→सन्देश, →चित्र, →फैक्स, →विज्ञापन →नोटिस, ↔टी.वी. →इशतहार	↔फ़ोन, ↔अभिनय, →मोबाइल, ↔तार, ↔मोबाइल सन्देश, →संकेत-भाषा, →नृत्य के हाव-भाव

तुम्हारी डायरी

प्रश्न - डायरी लिखना एक निजी काम या शौक है। तुम अपनी डायरी किसी और को पढ़ने को देते हो या नहीं यह तुम्हारी अपनी मर्जी है। कई व्यक्तियों ने अपनी डायरियाँ छपवाई भी है ताकि अन्य लोग उन्हें पढ़ सकें। ऐसी कोई डायरी खोज कर पढ़ो और उनका कोई अंश कक्षा में सुनाओ।

उत्तर - छात्र पुस्तकालय से प्राप्त कर डायरी पढ़कर कक्षा में सुनाएँ।

प्रश्न- अपनी डायरी बनाओ और उसमें खुद से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें लिखो।

उत्तर - मैं पांचवीं कक्षा में पढ़ता हूँ। मुझे पढ़ना-लिखना बहुत अच्छा लगता है। इसलिए मुझे सभी बहुत प्यार करते हैं। मैं पढ़ाई के साथ खेल-कूद में भी आगे रहता हूँ। मैं अपने से बड़ों का आदर व छोटों से प्यार करता हूँ। सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना मेरी आदत है। मैं रोज सुबह ईश्वर की वंदना और गुरुजनों को प्रणाम करता हूँ। (छात्र स्वयं अपनी डायरी बनाएं)

प्रश्न - डायरी में तुम अपने स्कूल के बारे में क्या करना चाहोगे?

उत्तर - डायरी में हम अपने स्कूल की गुण विशेषता और यहां होने वाली पढ़ाई के बारे में लिखना चाहेंगे।



कल्पना करो

प्रश्न- दोस्तों के साथ बात करके अंदाजा लगाओ कि 50 साल बाद इसमें क्या-क्या बदल जाएगा-

- फिल्मों में
- गाँव की हालत में.....
- तुम्हारी परिचित किसी नदी में.....
- स्कूल में

उत्तर- फिल्मों में आधुनिकता अधिक प्रयोग की जाने लगेगी। व यह कम समय की हो जाएगी।

गाँव की हालत में काफी सुधर हो जाएँगे। गाँव में सभी सुविधाएँ उपलब्ध होने लगेंगी।

हमारी परिचित नदी में जलस्तर कम हो जाएगा और इसका पानी भी दूषित हो जाएगा।

स्कूल काफी विकसित हो जाएँगे और कॉपी पर काम कम हो जाएगा।

था, है, होगा

प्रश्न 1. असीमोव की कहानी 2155 यानी भविष्य में आने वाले समय के बारे है। फिर भी कहानी में 'थे' का इस्तेमाल हुआ है जो बीते समय के बारे में बताता है। ऐसा क्यों है?

उत्तर- कहानी में 'थे' शब्द का इस्तेमाल भूतकाल की घटनाओं को बताने के लिए किया गया है क्योंकि यह कहानी भविष्य के आधार पर लिखी गई है।

प्रश्न 2. (क) 'जब मुझे बहुत डर लगा था...' 'मैं जब छोटा था...' इस शीर्षक से जुड़े किसी अनुभव का वर्णन करो।

उत्तर - जब मैं बहुत छोटा था तो मैं कमरे में अकेला नहीं रहता था क्योंकि एक बार मैं कमरे में अकेला था तब एक अजीब सी आवाज सुनाई दी जिससे मुझे बहुत डर लगा। तभी से मैं अंधेरे कमरे में अकेले नहीं रहता।

(ख) तुम्हें 'मैं' शीर्षक से एक अनुच्छेद लिखना है। अपने स्वभाव, अच्छाइयों, कमियों, पसंद - नापसंद के बारे में सोचो और लिखो। या किसी मैच का आँखों देखा हाल ऐसे लिखो मानो वह अभी तुम्हारी आँखों के सामने हो रहा है।

उत्तर - मैं सीधा-सादा लड़का हूँ व अपने से बड़ों की सभी बातें मानता हूँ। साथ ही उनका आदर-सम्मान भी करता हूँ। लेकिन मैं थोड़ा जिद्दी भी जरूर हूँ। मुझे बाजार का खाना-पीना बहुत पसंद है। साथ ही मुझे खेलना बहुत अच्छा लगता है। लेकिन मुझे घर में अकेले रहना बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

मैच का आँखों देखा हाल

दर्शकों की मैदान में भीड़ है। बल्लेबाज गेंद खेलने के लिए बिल्कुल तैयार खड़ा है। इधर गेंदबाज गेंद लेकर भागने लगा। गेंदबाज ने जैसे ही गेंद फेंकी बल्लेबाज ने एक जोरदार हिट लगाया। गेंद सीमा रेखा की तरफ जा रही है और ये चार रन। इसके साथ ही बल्लेबाजी करने वाली टीम ने मैच जीत लिया। सभी खिलाड़ी दोड़ते आए और अपने बल्लेबाज की पीठ थपथपाने लगे।

(ग) अगली छुट्टियों में तुम्हें नानी के पास जाना है। वहाँ तुम क्या - क्या करोगे, कैसे वक्त बिताओगे - इस पर एक अनुच्छेद लिखो।

उत्तर - मैं अपनी नानी के घर जाऊँगा। वहाँ मैं खेतों और बागों में घूमूँगा। मैं अपने नाना-नानी के साथ बहुत सारी बातें करूँगा। मैं



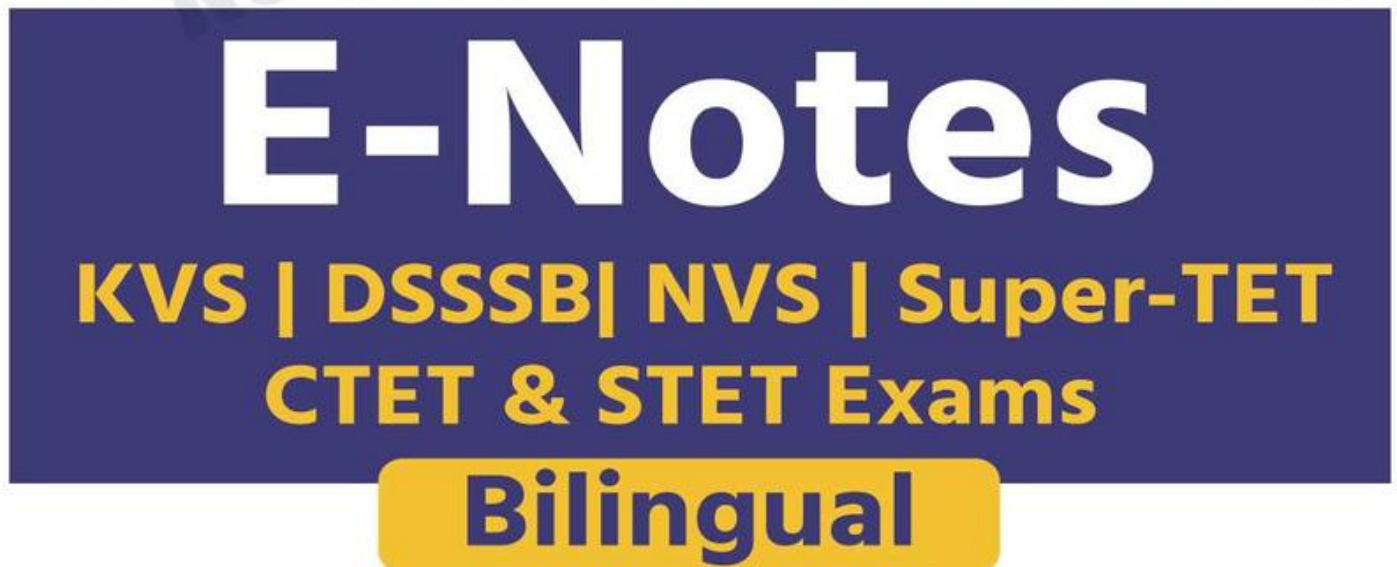
बकरी, गाय, भैंस आदि जानवर के साथ भी खेलूंगा। घोड़े की सवारी के अलावा मैं गांव में मिलने वाली मिठाइयों तथा दूसरी खाने-पीने की चीजों का भरपूर आनंद लूंगा।
तुमने जो 3 अनुच्छेद लिखे हैं उनमें से पहले का संबंध उनसे है जो बीत चुका है। दुसरे में अभी की बात है और तीसरे में बाद में घटने वाली घटना का वर्णन है। इन अनुच्छेद में इस्तेमाल किए गए क्रियाओं को ध्यान से देखो। यह बीते हुए, अभी के और बाद के समय के बारे में बताती है।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App





CHAPTER - 9 (एक माँ की बेबसी)

कविता से

प्रश्न 1. यह बच्चा कवि के पड़ोस में रहता था, फिर भी कविता 'अदृश्य पड़ोस' से शुरू होती है। इसके कई अर्थ हो सकते हैं, जैसे-

(क) कवि को मालूम नहीं था कि वह बच्चा ठीक ठीक किस घर में रहता था।

(ख) पड़ोस में रहने वाले बाकी बच्चे एक-दूसरे से बात करते थे, पर यह बच्चा बोल नहीं पाता था इसलिए पड़ोसी होने के बावजूद वह दूसरे बच्चों के लिए अनजाना था।

इन दो में से कौन-सा अर्थ तुम्हें ज्यादा सही लगता है? क्या कोई और अर्थ भी हो सकता है?

उत्तर- रतन नामक गंगा बच्चा कवि के पड़ोस में रहता था फिर भी कविता 'अदृश्य पड़ोस' से शुरू होती है क्योंकि पड़ोस में रहने वाले बाकी बच्चे एक दूसरे से बात करते थे पर वह बच्चा बोल नहीं सकता था। इसलिए पड़ोसी होने के बावजूद वह दूसरे बच्चों के लिए अनजान था।

इसका दूसरा अर्थ यह भी हो सकता है कि कवि ने उस बच्चे को पहली बार देखा हो जब वह खेलने आया।

प्रश्न 2. 'अंदर की छटपटाहट' उसकी आंखों में किस रूप में प्रकट होती थी?

(क) चमक के रूप में

(ख) डर के रूप में

(ग) जल्दी घर लौटने की इच्छा के रूप में

उत्तर- जल्दी घर लौटने के रूप में

तरह - तरह की भावनाएं

प्रश्न 1. नीचे लिखी भावनाएं कब या कहाँ महसूस होती हैं?

(क) 'छटपटाहट'

• अधीरता - कहीं जाने की जल्दी हो और जाना संभव न हो जैसे - स्कूल की छुट्टी में अभी काफी देर हो, घर पर ऐसा कोई मेहमान आने वाला हो जिसे तुम बहुत पसंद हो

• इच्छा - किसी चीज को पाने की इच्छा हो पर वह तुरंत न मिल सकती हो जाए जैसे भूख लगी है, पर खाना तैयार न हो।

• संदेश - हम कोई संदेश देना चाहते हैं पर दूसरे समझ नहीं पा रहे हो जैसे शिक्षक से कहना हो कि घंटी बज गई है अब पढ़ना बंद करें पर उन्हें घंटी सुनाई न दी हो।

इनमें से कौन सा इस बच्चे पर लागू होता है?

(ख) घबराहट

हमें जब किसी बात की आशंका हो तो घबराहट महसूस होती है। जैसे -



- (क) अंधेरा होने वाला है और हम घर से काफी दूरी अकेले हो
(ख) समय हमें कोई काम पूरा कर लेना हो - जैसे परीक्षा में देखा जाता है
(ग) यह डर हो कि दूसरे के मन में क्या चल रहा है।
जैसे - पापा को मालूम चल गया हो कि काँच का गिलास तुमसे टूटा है।

उत्तर-(क) इन भावनाओं में से छटपटाहट तब होती है जब हमारी इच्छा के अनुसार कोई कार्य नहीं होता है। जबकि घबराहट कोई गलत काम करने या डर के कारण होती है। ये भावनाएँ घर, स्कूल आदि में महसूस होती हैं।
इनमें से संदेश का संदर्भ बच्चे पर लागू होता है क्योंकि यह बच्चा मुँह से कुछ नहीं बोल सकता और अपना संदेश दूसरो तक पहुँचाने लिए इशारे का प्रयोग करता है। लेकिन इसके इशारे किसी को समझ नहीं आते इसलिए बच्चा छटपटाता रहता है।

प्रश्न 2. जो बच्चा बोल नहीं सकता, वह किस किस बात की आशंका से 'घबराहट' महसूस कर सकता है?

उत्तर- जो बच्चा बोल नहीं सकता वह इस आशंका से 'घबराहट' महसूस कर सकता है कि अन्य लोग उसकी बात समझ पाएँगे और अगर उसने अपनी बात दूसरे लोगों को समझानी है तो वह किस प्रकार से समझाएगा।

प्रश्न 3. 'थोड़ा घबराते भी थे हम उससे क्योंकि वह समझ नहीं पाते थे उसकी घबराहट को'

- रतन क्या सोचकर घबराता होगा?

उत्तर- रतन अपनी बात इशारों से समझाता था। लेकिन जब उसकी बात अन्य लोग नहीं समझ पाते थे, तब वह घबराता होगा।

- दोस्तों से पूछकर पता करो, कौन क्या सोच को लोग इस काम को करने से घबराता है? कारण भी पता करो।

दोस्त /सहेली का नाम	किस बात से घबराता है	घबराने का कारण

उत्तर-

दोस्त/सहेली का नाम	किस बात से घबराता है	घबराने का कारण
विनीत	अँधेरे से	कहीं अँधेरे में कोई आ न जाए।
प्रिय	बीमारी से	बहुत सी दवाइयाँ खानी पड़ेंगी।
रजत	ऊँचाई से	कहीं गिर न जाऊँ
अविनाश	पानी से	कहीं डूब न जाऊँ।
अक्षित	आग से	खी जल न जाऊँ

भासा के रंग



प्रश्न 1. कवि ने इस बच्चे को 'टूटे खिलौने' की तरह बताया | जब कोई खिलौना टूट जाता है तो वह उस तरह के कम नहीं कर पाटा जिस तरह से पहले करता था | संदर्भ के अनुसार खली स्थान भरो |

खिलौना	टूटने का कारण	नतीजा
लूडो		
गाड़ी	पहिया निकल जाने पर	चल नहीं पाती
गुड़िया	सीटी निकल जाने पर	
गेंद		
जोकर	चाबी निकल जाने पर	

उत्तर-

खिलौना	टूटने का कारण	नतीजा
लूडो	गत्ता गीला हो जाने पर	खेल नहीं सकते
गाड़ी	पहिया निकल जाने पर	चल नहीं पाती
गुड़िया	सीटी निकल जाने पर	बज नहीं पाती
गेंद	पिचक जाने पर	उछल नहीं पाती
जोकर	चाबी निकल जाने पर	चल नहीं पाता

प्रश्न 2. 'बेबस' शब्द 'बे' और 'वश' को जोड़कर बना है | यहाँ बे का अर्थ 'बिना' है | नीचे दिए शब्दों में यही 'बे' छिपा है इस सूची में तुम और कितने शब्द जोड़ सकती हो?

बेजान	बेचैन		
बेसहारा	बेहिसाब		

उत्तर-

बेजान	बेचैन	बेईमान	बेकार	बेनाम
बेसहारा	बेहिसाब	बेखौफ़	बेघर	बेचारा

देखने के तरीके

प्रश्न 1. इस कविता में देखने से संबंधित कई शब्द आए हैं | ऐसे छह शब्द छाँटकर लिखो |

उत्तर- अदृश्य, देखना, इशारे, आंखें, निहारती, झलकती |

प्रश्न 2. "मां की आंखों में झलकती उसकी बेबसी"

आंखें बहुत कुछ कहती है | वह तरह-तरह के भाव लिए होती है | नीचे ऐसी कुछ आंखों का वर्णन है इसमें कौन-सी नजरें तुम



पहचानते हो-

- सहमी नजरें
- प्यार भरी नजरें
- क्रोध भरी आँखें
- उनींदी आँखें
- शरावती आँखें
- डरावनी आँखें

उत्तर- हम इन सभी नजरों को पहचानते हैं जैसे सहमी नजरें, प्यार भरी नजरें, क्रोध भरी आँखें, उनींदी आँखें, शरावती आँखें, डरावनी आँखें।

प्रश्न 3. नीचे आँखों से जुड़े कुछ मुहावरे दिए गए हैं। तुम इनका प्रयोग किन संदर्भों में करोगे?

- आँख दिखाना
- नजर चुराना
- आँख का तारा
- नजरे फेर लेना
- आँखों पर पर्दा पडना

उत्तर-

मुहावरे	वाक्य प्रयोग
आँख दिखाना	मुझे आँखें मत दिखाओ।
नजर चुराना	गलती करोगे, तो नजरे चुरानी पड़ेगी।
आँख का तारा	क्षितिज अपने माँ-बाप की आँख का तारा है।
नजरे फेर लेना	अपना काम निकते ही तुम मुझ से नजरें फेरने लगे हो।
आँखों पर पर्दा पडना	पुलिस गलत काम देख फिर भी आँख पर पर्दा डाले बैठी है।

माँ

“याद आती रतन से अधिक

उसकी माँ की आँखों में झलकती उसकी बेबसी”

प्रश्न 1. रतन की माँ की आँखों में किस तरह की बेबसी झलकती होगी?

उत्तर- रतन की माँ की आँखों में अपने बच्चे के न बोलने की बेबसी झलकती होगी। माँ को यह बेबसी ने बोलने से उसके बच्चे को पीड़ा के कारण होती होगी।

प्रश्न 2. अपनी माँ के बारे में सोचते हुए नीचे लिखे वाक्य को पूरा करो-



- (क) मेरी मां बहुत खुश होती है जब.....
 (ख) मां मुझे इसलिए डांटती है क्योंकि.....
 (ग) मेरी मां चाहती है कि मैं.....
 (घ) माँ उस मैं बहुत बेबस होती है जब.....
 (ङ) मैं चाहती / ता हूँ कि मेरी मां.....
 उत्तर-(क) मेरी मां बहुत खुश होती है जब मैं पढ़ाई करता हूँ
 (ख) मेरी माँ इसलिए डांटती है क्योंकि मैं शरारती हूँ।
 (ग) मेरी मां चाहती है कि मैं बड़ा होकर डॉक्टर बनूँ।
 (घ) माँ उस समय बहुत बेबस हो जाती है जब मैं घर देर से पहुंचता हूँ।
 (ङ) मैं चाहती/ता हूँ कि मेरी मां का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहे।

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App

 अध्ययन मंत्र
  अध्ययन मंत्र
  अध्ययन मंत्र

India's No.1

Teaching Institute

DSSSB | SUPER-TET

CTET & UPTET

Batch starts: 10th March

 अध्ययन मंत्र
  अध्ययन मंत्र
  अध्ययन मंत्र

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 10 (एक दिन की बादशाहत)

कहानी की बात

प्रश्न 1. अब्बा ने क्या सोचकर आरिफ़ की बात मान ली?

उत्तर- अब्बा ने यह सोचकर आरिफ़ की बात मान ली कि रोज सभी इन बच्चों पर हुक़्म चलाते हैं। क्यों न एक दिन के लिए ये हक़ इन्हें भी दे दिया जाए।

प्रश्न 2. वह एक दिन बहुत अनोखा था जब बच्चों को बड़ों के अधिकार मिल गए थे। वह दिन बीत जाने के बाद इन्होंने क्या सोचा होगा-

*आरिफ़ ने , *अम्मा ने , *दादी ने

उत्तर- * आरिफ़ ने सोचा होगा कि यह दिन कितना आनंददायक था। काश ऐसा दिन रोज़ आए।

* अम्मा ने सोचा होगा कि बच्चों को थोड़ी-बहुत आज़ादी जरूर देनी चाहिए और इनकी भावनाओं को समझना चाहिए।

* दादी ने सोचा होगा कि हम प्रतिदिन इन बच्चों को कितना कष्ट देते हैं।

तुम्हारी बात

प्रश्न 1. अगर तुम्हें घर में एक दिन के लिए सारे अधिकार दे दिए जाएँ तो तुम क्या-क्या करोगी?

उत्तर- अगर हमें घर में एक दिन के लिए सारे अधिकार दे दिए जाएँ तो हम अपने मन की सभी इच्छाओं को पूरा करना चाहेंगे जैसे- मनपसंद चीज़ें बनाकर खाएँगे, खूब खेलेंगे।

प्रश्न 2. कहानी में ऐसे कई काम बताए गए हैं जो बड़े लोग आरिफ़ और सलीम से करने के लिए कहते थे। तुम्हारे विचार से उनमें से कौन - कौन से काम उन्हें बिना शिकायत किए कर देने चाहिए थे और कौन - कौन से कामों के लिए मना कर देना चाहिए।

उत्तर - आरिफ़ और सलीम को रात में जल्दी सोना है, सुबह जल्दी उठना, धीमी आवाज़ में गाना, बाहर नहीं जाना, शोर ना करना, खुद नहा लेना, कम घूमना-फिरना आदि काम बिना शिकायत किए कर लेने चाहिए थे। वहीं उन्हें सादा नाश्ता करने, बेकार खाना खाने, बेकार कपड़े पहनने, जैसे कामों के लिए मना कर देना चाहिए था।

तरकीब

“ दोनों घंटों बैठकर इन पाबंदियों से बच निकलने की तरकीबें सोच कर रहे थे। ”

प्रश्न 1. तुम्हारे विचार से वे कौन - कौन सी तरकीबें सोचते होंगे?

उत्तर - 1. काश हमें कोई ऐसी जगह मिल जाए, जहां कोई डाँटे नहीं।

2. हमें भी बड़ों को डाँटने का अधिकार मिल जाए।

3. हम जल्दी से बड़े हो जाए।



प्रश्न 2. कौन सी तरकीब से उनकी इच्छा पूरी हो गई थी?

उत्तर - उन्होंने बड़ों के सभी अधिकार मांग लिए थे और बड़ों को छोटी की तरह रहने के लिए कहा था, जिससे उनकी इच्छा पूरी हो गई थी।

प्रश्न 3. क्या तुम उन दोनों को इस तरकीब से भी अच्छी तरकीब सुझा सकते हो?

उत्तर - इससे अच्छा था कि उन दोनों को अपनी कुछ आदतों का सुधार कर लेना चाहिए था।

अधिकार की बात “.....आज तो उनके सारे अधिकार छीने जा चुके हैं।”

प्रश्न 1. अम्मी के अधिकार किसने छीन लिए थे?

उत्तर- अम्मी के अधिकार आरिफ और सलीम ने छीन लिए थे।

प्रश्न 2. क्या उन्हें अम्मी के अधिकार छिनने चाहिए थे?

उत्तर- अम्मी के अधिकार उन्हें नहीं छिनने चाहिए थे। लेकिन अम्मी को भी उनकी भावनाओं को समझना चाहिए था।

प्रश्न 3. उन्होंने अम्मी के कौन-कौन से अधिकार छीने होंगे?

उत्तर- उन्होंने अम्मी से डाँटने, सुबह जल्दी उठाने, अपनी पसंद का खाना बनवाने जैसे अधिकार छीने होंगे।

बादशाहत

प्रश्न 1. ‘बादशाहत’ क्या होती है? चर्चा करो।

उत्तर- किसी क्षेत्र, राज्य या देश आदि पर शासन कर पूरा अधिकार जमाना तथा अपनी मनमर्जी करना बादशाहत होती है।

प्रश्न 2. तुम्हारे विचार से इस कहानी का नाम ‘एक दिन का बादशाहत’ क्यों रखा गया है? तुम भी अपने मन से सोचकर कहानी को कोई शीर्षक दो।

उत्तर- आरिफ़ तथा सलीम दोनों को एक दिन के लिए बड़ों के सभी अधिकार दिए गए थे। इसलिए कहानी का नाम ‘एक दिन की बादशाहत’ रखा गया है। कहानी का अन्य शीर्षक “बच्चों का बचपन” भी हो सकता है।

प्रश्न 3. कहानी में उस दिन बच्चों को सारे काम करने पड़े थे। ऐसे में कौन एक दिन का असली “बादशाह” बन गया था?

उत्तर- कहानी में उस दिन बच्चों को सारे बड़ों वाले काम करने पड़े थे। ऐसे में बच्चे एक दिन के लिए असली बादशाह बन गए थे क्योंकि उस दिन उन्हें सभी अधिकार प्राप्त थे।

तर माल

“रोज़ की तरह आज वह तर माल अपने पास न रख सकती थी।”



प्रश्न 1. कहानी में किन-किन चीजों को तर माल कहा गया है।

उत्तर- कहानी में अंडे और मक्खन जैसी चीजों को तर माल कहा गया है।

प्रश्न 2. इन चीजों के अलावा और किन-किन चीजों को 'तर माल' कहा जा सकता है?

उत्तर- इन चीजों के अलावा हलवा-पूरी, खीर, मिठाइयाँ, पकवान आदि चीजों को तर माल कहा जा सकता है।

प्रश्न 3. कुछ ऐसी चीजों के नाम भी बताओ, जो तुम्हें 'तर माल' नहीं लगतीं।

उत्तर- चावल, दाल कुछ सब्जियाँ, दलिया, दूध, रोटी हमें तर माल नहीं लगतीं।

प्रश्न 4. इन चीजों को तुम क्या नाम देना चाहोगी? सुझाओ।

उत्तर- इन चीजों को हम 'खाद्य पदार्थ' नाम देना चाहेंगे।

मनपसंद कपड़े

“बिल्कुल इसी तरह तो आरिफ़ और सलीम से उनकी मनपसंद कमीज़ उतरवा कर निहायत बेकार कपड़े पहनने का हुक्म लगाया करती हैं।”

प्रश्न 1. तुम्हें भी अपना कोई खास कपड़ा सबसे अच्छा लगता होगा। उस कपड़े के बारे में बताओ। वह तुम्हें सबसे अच्छा क्यों लगता है?

उत्तर- मुझे अपनी एक रेशमी पैंट और कमीज़ बहुत अच्छी लगती है क्योंकि इसका रंग और चमक बहुत ही अच्छा है। साथ ही इसका कपड़ा भी बहुत मुलायम और आरामदायक है।

प्रश्न 2. कौन-कौन सी चीज़ें बिल्कुल बेकार लगती हैं?

(क) पहनने की चीज़ें

(ख) खाने - पीने की चीज़ें

(ग) करने के काम

(घ) खेल

उत्तर- (क) पहनने की चीज़ें- पुराने कपड़े, फीके रंगों के कपड़े आदि।

(ख) खाने - पीने की चीज़ें - अधिक मीठी चीज़ें, तीखी चीज़ें, खट्टी चीज़ें, घटिया और नकली पेय प्रदार्थ आदि।

(ग) करने के काम - सुबह जल्दी उठाना, अधिक पढ़ना, टी.वी. देखना।

(घ) खेल - शतरंज, बर्फ़ का खेल, घुड़सवारी।

हल्का-भारी



प्रश्न (क) “इतनी भारी साड़ी क्यों पहनी?

यहाँ पर ‘ भारी साड़ी ’ से क्या मतलाब है?

- साड़ी का वजन ज्यादा था।
- साड़ी पर बड़े - बड़े नमूने बने हुए थे।
- साड़ी पर बेल - बूटों की कढ़ाई थी।

उत्तर- साड़ी पर बेल-बूटों की कढ़ाई थी।

(ख) *भारी साड़ी , *भारी अटैची , *भारी काम , *भारी बारिश

ऊपरी ‘भारी’ विशेषण का चार अलग-अलग संज्ञाओं के साथ इस्तेमाल किया गया है। इन चारों में ‘भारी’ का अर्थ एक-सा नहीं है। इनमें क्या अंतर है?

उत्तर- *भारी साड़ी में ‘भारी’ विशेषण अधिक महँगी या अधिक कढ़ैदार साड़ी के लिए प्रयोग किया गया है।

* भारी अटैची में ‘भारी’ विशेषण वजनदार चीज के लिए प्रयोग किया गया है।

* भारी काम में ‘भारी’ विशेषण मुश्किल काम के लिए प्रयोग किया गया है।

* भारी बारिश में ‘भारी’ विशेषण अधिक के लिए प्रयोग किया गया है।

(ग) ‘भारी’ की तरह हल्का का भी अलग-अलग अर्थों में इस्तेमाल करो।

उत्तर- हल्का कपड़ा, हल्का काम, हल्का लड़का, हल्का डिब्बा, हल्का बर्तन।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557

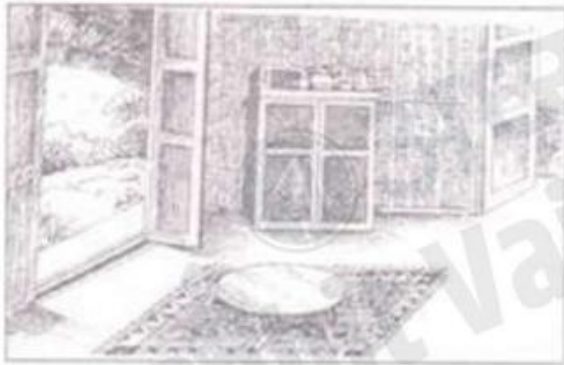


CHAPTER - 11 (चावल की रोटियाँ)

मंच और मंचन

एक सादा कमरा, दीवारों पर बाँस की चटाइयाँ | एक दीवार के सहारे मांस रखने की अलमारी | अलमारी के ऊपर एक रेडियो, चाय की केतली कुछ कप और खाली गुलाबी फूलदान रखा है | कमरे के बीच फर्श पर एक चटाई बिछी है जिसके ऊपर कम ऊँचाई वाली गोल मेज रखी है | दो दरवाजे | एक दरवाजा पीछे की ओर खुलता है दूसरे किनारे की ओर | पंक्षियों के चहचहाने के साथ - साथ पर्दा उठता है | दूर कहीं मुर्गा बांग देता है | कुत्ता भौंकता है | कहीं प्रार्थना की घंटियाँ बजती हैं | कोको आता है, जम्हाई लेकर अपने को सीधा करता है।

ऊपर लिखी पंक्तियों में कोको के घर में एक कमरे का वर्णन किया गया है | दरअसल नाटक के लिए मंच सज्जा कैसी हो यह निर्देश उसके लिए है | तुम इस वर्णन को पढ़कर मंच का एक चित्र बनाओ जो ठीक वैसा ही होना चाहिए जैसा कि बताया गया है।
उत्तर-



नाटक की बात

प्रश्न 1 . नाटक में हिस्सा लेने वालों को पात्र कहते हैं | जिन पात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है उन्हें 'मुख्य पात्र' | और जिनकी भूमिका ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती उन्हें 'गौण पात्र' कहते हैं | बताओ इस नाटक में कौन - कौन मुख्य और गौण पात्र कौन हैं?
उत्तर - नाटक में कोको, मिमि और तिन सौ मुख्य पात्र हैं। वही नीनी और उ बा तुन गौण पात्र हैं।

प्रश्न 2. पात्रों को जो बात बोलनी होती है उसे संवाद कहते हैं | क्या तुम किसी एक परिस्थिति के लिए संवाद लिख सकती हो ? (इसके लिए तुम टोलियों में भी काम कर सकती हो |) उदाहरण के लिए ; खो - खो या कबड्डी जैसा कोई खेल - खेलते समय दूसरे दल के खिलाड़ियों से बहस।

उत्तर- पहले दल के सदस्य - तुम्हारे खिलाड़ी आउट है।

दूसरे के दल के सदस्य - किस तरह आउट है?



पहले दल के सदस्य - क्योंकि इसकी साँस टूट गई थी।
दूसरे दल के सदस्य - नहीं, इससे पहले यह अपने पाले में आ गया था।
पहले दल के सदस्य - तुम झूठ बोल रहे हो।
दूसरे दल के सदस्य - बहस मत करो और खेल शुरू करो।

प्रश्न 3. क्या कभी आपने कोई चीज या बात दूसरों से छिपाई है या छिपाने की कोशिश की है उस समय क्या - क्या हुआ था?
उत्तर - एक बार मेरा एक मित्र मुझसे कहानियों की पुस्तक मांगने आया। मैं उसे पुस्तक नहीं देना चाहता था। इसलिए मैंने वह पुस्तक तकिए के नीचे छुपा दी। लेकिन वह वही पर बैठ गया। तब मैंने चुपके से पुस्तक निकाल कर मेज की दरार में रख दी। कुछ समय बाद मेरा मित्र दरार खोलने लगा। तब मैंने उसे बड़ी मुश्किल से बहाना बना कर उसे बाहर भेजा।

प्रश्न 4. कहते हैं, एक झूठ बोलने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। क्या तुम्हें कहानी पढ़कर ऐसा लगता है? कहानी की मदद से इस बात समझाओ।

उत्तर- हाँ, हमें कहानी में ऐसा लगता है कि एक झूठ बोलने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं। नीनी और मिमि से चावल की रोटियाँ बचाने के लिए कोको झूठ बोलता है। इसके लिए वह रेडियो के खराब होने, अपना पेट भरा होने, मुँह हाथ धोने, कमरे में चूहा होने, रोटियाँ खा लेने तथा मां को एलर्जी होने जैसे झूठ बोलता है।

एक चावल कई-कई रूप

प्रश्न 1. कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रखी थी। भारत के विभिन्न प्रांतों में चावल अलग - अलग तरीके से इस्तेमाल किया जाता है - भोजन के हिस्से की रूप में भी, नमकीन और मीठे पकवान के रूप में भी। तुम्हारे प्रांत में चावल का इस्तेमाल कैसे होता है ? घर में बातचीत करके पता करो एक तालिका बनाओ। कक्षा में अपने दोस्तों की तालिका के साथ मिलान करो तो पाओगे की भाषा, कपड़ों और रहन - सहन के साथ - साथ खान - पान की दृष्टि से भी भारत अनूठा है।

उत्तर - प्रांत दिल्ली

चावल का प्रयोग : भोजन के लिए, मीठे पकवान बनाने के लिए, नमकीन पकवान बनाने के लिए, रोटियाँ इटली डोसा बनाने के लिए, खिचड़ी बनाने के लिए।

प्रश्न 2. अपनी तालिका में से चावल से बनी कोई एक खाने चीज बनाने की विधि पता करो और उसे नीचे दिए गए बिंदुओं के साथ से लिखो

*** सामग्री, *तैयारी, *विधि**

उत्तर- खीर

सामग्री - चावल, दूध, चीनी, मेवे।

तैयारी - चावल साफ करना, धोना, मेवों को बारीक काटना।

विधि - 1. पहले दूध आँच पर कढ़ाई में रखें। 2. फिर कुछ देर के बाद चावल डाल दें। 3. कुछ देर हिलाते रहें और पकने दें। 4. अब उसमें चीनी डाल दें। 5. कटे मेवे भी डाल दें। 6. अब गर्मागर्म परोसें।

प्रश्न 3. “कोको के माता-पिता धान लगाने के लिए खेतों में गए।”



“कोको की माँ ने उसके लिए चावल की रोटियां बनाई।”

एक ही चीज़ के विभिन्न रूपों के अलग-अलग नाम हो सकते हैं। नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। उनमें अंतर बताओ।

*चावल - *धान - *भात - *मुरमुरा - *चिउड़ा

उत्तर- चावल – धान से निकला हुआ दाना चावल कहलाता है।

धान - छिलका चढ़ा चावल धान कहलाता है।

भात - पके हुए चावल को भात कहते हैं।

मुरमुरा - धान को भुनकर मुरमुरे बनाए जाते हैं।

चिउड़ा - धान को भिगोकर पिसने से चिउड़ा बनता है।

*साबुत दाल - *धूली दाल - *छिलका दाल

उत्तर- साबुत दाल - बिना छिलका उतारे या बिना टूटी दाल साबुत दाल कहलाती है।

धूली दाल - बिना छिलके की दाल को धूली दाल कहते हैं।

छिलका दाल - टूटी हुए लेकिन छिलके वाली को छिलका दाल कहते हैं।

*गेहूँ - *दलिया - *आटा - *मैदा - *सूजी

उत्तर- गेहूँ - गेहूँ के साबुत दानों को गेहूँ कहते हैं।

दलिया - गेहूँ को मोटा-मोटा पीसकर दलिया बनाया जाता है।

आटा - गेहूँ को पीसकर आटा बनाया जाता है।

मैदा - गेहूँ को बारीक पीसकर मैदा बनाया जाता है।

सूजी - जौ आदि अनाज से बना आटा सूजी कहलाता है।

के, में, ने, को, से..

“कोको की माँ ने कल दुकान से एक फूलदान खरीदा था।”

प्रश्न - ऊपर लिखे वाक्य में जिन शब्दों के नीचे रेखा खींची है वे वाक्य में शब्दों का आपस में संबंध बताते हैं। नीचे एक मजेदार किताब “अनारको के आठ दिन” का एक अंश दिया गया है। उसके खाली स्थानों में इस प्रकार के सही शब्द लिखो।

अनारको एक लड़की है। घर लोग उसे अन्नो कहते हैं। अन्नो नाम छोटा जो है, सो उस हुक्म चलाना आसान होता है।

अन्नो, पानी ले आ, अन्नो धूप में मत जाना, अन्नो बाहर अंधेरा-कहीं मत जा, बारिश भीगना मत, अन्नो! और कोई बाहर

घर में आए तो घरवाले कहेंगे ये हमारी अनारको है, प्यार से हम इसे अन्नो कहते हैं। प्यार हूँ-ह-ह!

आज अनारको सुबह सोकर उठी तो हाँफ रही थी। रात सपने बहुत बारिश हुई। अनारको याद किया और उसे लगा,

आज सपने में जितनी बारिश हुई उतनी तो पहले के सपनों कभी नहीं हुई। कभी नहीं। जमकर बारिश हुई थी आज

..... सपने और जमकर उसमें भीगी थी अनारको। खूब उछली थी, कुदी थी, चारों तरफ पानी छिटकाया था और खूब-खूब भीगी थी।

उत्तर- के, से, में, से, में, ने, के, में, के, में।



CHAPTER - 2 (गुरु और चेला)

टके की बात

प्रश्न 1. टका पुराने ज़माने का सिक्का था। अगर आजकल सब चीज़ें एक रुपया किलो मिलने लगे तो उससे किस तरह के फ़ायदे और नुक़सान होंगे?

उत्तर- अगर आजकल सब चीज़ें एक रुपया किलो मिलने लगे, तो इससे सारी जनता को फ़ायदा होगा क्योंकि उन्हें सभी चीज़ें एक रुपया किलो में मिलने लगेंगी। लेकिन वहाँ दुकानदारों तथा विक्रेताओं को नुक़सान होगा क्योंकि उन्हें हर चीज़ एक रुपया किलो बेचनी पड़ेगी जिससे उन्हें कोई फ़ायदे नहीं होगा।

प्रश्न 2. भारत में कोई चीज़ खरीदने-बेचने के लिए 'रुपये' का इस्तेमाल होता है और बांग्लादेश में 'टके' का। 'रुपया' और 'टका' क्रमशः भारत और बांग्लादेश की मुद्राएँ हैं। नीचे लिखे देशों की मुद्राएँ कौन-सी हैं?

सऊदी अरब, जापान, फ़्रांस, इटली, इंग्लैंड

उत्तर-

देश	सऊदी अरब	जापान	फ़्रांस	इटली	इंग्लैंड
मुद्राएँ	दीनार	येन	यूरो	यूरो	पौंड-स्टर्लिंग

कविता की कहानी

प्रश्न 1. इस कविता की कहानी अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर- यह कहानी अंधेर नगरी के गुरु और चेले से शुरू होती है। दोनों एक साथ ही आते हैं। लेकिन वहाँ पहुँचने पर उन्हें पता चलता है कि यह अंधेर नगरी है और यहाँ का राजा बिल्कुल मुर्ख है। यह सुनकर गुरु अपने चेले को उस नगरी से फ़ौरन वापस चलने को कहता है। लेकिन चेला वापस जाने से इंकार कर देता है कारण नगरी में हर चीज़ एक टके की मिलती थी।

तब गुरु अकेला ही वहाँ से चला जाता है और चेला वहीं रह कर खाने-पीने का आनंद लेने लगा उस नगरी में खीरा, ककड़ी, रबड़ी, मलाई जैसी चीज़ें टका सेर मिलती थी। कुछ दिन बाद नगरी की एक दीवार गिर जाती है। तब राजा इसके दोषी को पकड़ने का हुक्म देता है। दोषी के रूप में सिपाही, कारीगर, भिंती, मशकवाले, मंत्री सबको पकड़ कर लाया जाता है। बाद में दोषी के रूप में मंत्री को फांसी देने का आदेश होता है। लेकिन उसकी मोटी गरदन नहीं थी इसलिए मंत्री को फांसी नहीं दी जाती और चेले को फांसी देने के लिए लाया जाता है। तब चेला आपने गुरु को याद करता है और गुरु आकर अपनी चालाकी से चेले को फांसी से बचा लेता है साथ ही मुर्खता के कारण राजा स्वयं ही फांसी पर चढ़ जाता है। मुर्ख राजा के मरने से सारी प्रजा खुश हो जाती है।

प्रश्न 2. क्या तुमने कोई और ऐसी कहानी या कविता पढ़ी है जिसमें सुझबुझ से बिगड़ा काम बना हो, उसे अपनी कक्षा में सुनाओ।

उत्तर- खरगोश और शेर



जंगल में एक शेर रहता था। वह मांस खाता था। उसने खरगोश को खाने के लिए अपने पास बुलाया। पहले तो खरगोश वहाँ जाने से डर रहा था। लेकिन फिर भी हिम्मत करके शेर के पास चला गया। जब शेर ने पूछा कि तुम देर से क्यों आए हो तो उसने कहा कि महाराज रास्ते में मुझे आपसे बड़ा शेर मिल गया था। उसी ने मुझे रोक लिया था। यह सुनकर शेर को बहुत गुस्सा आया। उसने खरगोश को वह स्थान दिखाने को कहा, जहाँ उसे बड़ा शेर मिला था।

खरगोश उसे अपने साथ एक कुएं के पास ले गया और कुएं की तरफ इशारा किया। शेर ने जब कुएं में नीचे की ओर देखा, तो उसे अपनी परछाई दिखाई दी। वह उसे दूसरा शेर समझने लगा और गुस्से में दहाड़ने लगा। उसकी आवाज कुएं में गूंज कर वापस आई, तो उसने सोचा ये तो दूसरा शेर दहाड़ रहा है। गुस्से में वह उस पर झपटा और नीचे कुएं में गिर गया। इस प्रकार खरगोश ने होशियारी से अपनी जान बचा ली।

प्रश्न 3. कविता को ध्यान से पढ़कर 'अंधेर नगरी' के बारे में कुछ वाक्य लिखो। (सड़के, बाजार, राजा का राजकाज)

उत्तर- अंधेर नगरी के बारे में कुछ वाक्य-

- (क) अंधेरी नगरी की सड़के चमकदार थी।
- (ख) अंधेरी नगरी में सभी चीजें टके सेर भाव में मिलती थी।
- (ग) अंधेरी नगरी में कोई नियम नहीं था।
- (घ) अंधेर नगरी में किसी के दोष की सजा किसी को मिलती थी।
- (ङ) अंधेरी नगरी में खूब बारिश होती थी और बिजली चमकती थी।

प्रश्न 4. क्या ऐसे देश को 'अंधेरी नगरी' कहना ठीक है? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।

उत्तर- हां, ऐसे देश को 'अंधेर नगरी' कहना ठीक है क्योंकि यहां की शासन व्यवस्था और सजा देने का तरीका गलत था। चारों ओर अज्ञानता का वातावरण था। यहां का राजा महामूर्ख था।

कविता की बात

प्रश्न 1. "प्रजा खुश हुई जब मरा मुर्ख राजा।"

(क) अंधेर नगरी की प्रजा राजा के मरने पर खुश क्यों हुई?

उत्तर- अंधेर नगरी की प्रजा राजा के मरने पर इसलिए खुश हुई क्योंकि उस राजा की राज प्रणाली ठीक नहीं थी।

(ख) यदि वे राजा से परेशान थे तो उन्होंने उसे खुद क्यों नहीं हटाया? आपस में चर्चा करो।

उत्तर- प्रजा ने राजा को खुद इसलिए नहीं हटाया क्योंकि उस समय राजा का महत्व सबसे अधिक था। राजा ही राज्य का मुखिया होता था तथा उसी का ही हुक्म चलता है।

प्रश्न 2. "गुरु का कथन झूठ होता नहीं है।"

(1) गुरु जी ने क्या बात कही थी?

उत्तर- गुरुजी ने कहा था कि यह मुहूर्त फाँसी पर चढ़ने के लिए शुभ है।



(2) राजा यह बात सुनकर फाँसी पर लटक गया। तुम्हारे विचार से गुरुजी ने जो बात कही, वह सच थी।

उत्तर- राजा गुरुजी की बात सुनकर फाँसी पर लटक गया। लेकिन गुरुजी ने जो बात कही थी वह सच नहीं थी।

(3) गुरुजी ने यह बात कहकर सही किया या गलत? आपस में चर्चा करो।

उत्तर- गुरुजी ने यह बात कहकर सही किया क्योंकि इस झूठ से उन्होंने अपने बेगुनाह चले की जान बचाई थी।

अलग तरह से

• अगर कविता ऐसे शुरू हो तो आगे किस तरह बढ़ेगी?

थी बिजली और उसकी सहेली थी बदली

.....

.....

.....

उत्तर- थी बिजली और उसकी सहेली थी बदली,

बरसता था पानी चमकती थी बिजली

गरजते थे बादल दमकती थी बिजली,

थी बरसात गहरी, धमकती थी बिजली।

क्या होता यदि

प्रश्न 1. मंत्री की गर्दन फंदे के बराबर की होती?

उत्तर- तो मंत्री को फाँसी पर चढ़ा दिया जाता।

प्रश्न 2. राजा गुरुजी की बातों में न आता?

उत्तर- राजा गुरुजी की बातों में न आता तो चले को फाँसी पर चढ़ा दिया जाता।

प्रश्न 3. अगर संतरी कहता कि “दीवार इसलिए गिरी क्योंकि पोली थी” तो महाराज किस-किस को बुलाते? आगे क्या होता?

उत्तर- अगर संतरी कहता कि दीवार इसलिए गिरी क्योंकि पोली थी तो महाराज कारीगर, भिस्ती और मशकवाले को बुलाते। फिर शायद वह इन सबको फाँसी की सजा देने की आज्ञा दे देते।

शब्दों की छानबीन

प्रश्न 1. नीचे लिखे वाक्य पढ़ो। जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उन्हें आजकल कैसे लिखते हैं, यह भी बताओ।

(क) न जाने की अंधेर हो कौन छन में!

(ख) गुरुजी ने कहा तेज़ ग्वालिन न भग री!

(ग) इसी से गिरी, यह न मोटी घनी थी!

(घ) ये गलती न मेरी, यह गलती बिरानी!



(ङ) न ऐसी महूरत बनी बढ़िया जैसी

उत्तर-(क) छन - क्षण

(ख) भग - भाग

(ग) घनी - गहरी

(घ) बिरानी - परायी

(ङ) महूरत - मुहूर्त

प्रश्न 2. चमाचम थी सड़कें.. इस पंक्ति में 'चमाचम' शब्द आया है। नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और दिए गए वाक्यों में ये शब्द भरो-
पटापट चकाचक फटाफट चटाचट झाकाझक खटाखट चटपट

- आँधी के कारण पेड़ से फल गिर रहे हैं।
- हंसा अपना सारा काम कर लेती है।
- आज रहमान ने सारे लड्डू खा डाले।
- उस भुक्खड़ ने सारे लड्डू खा डाले।
- सारे बर्तन धुलकर हो गए।

उत्तर- आँधी के कारण पेड़ से पटापट फल गिर रहे हैं।

- हंसा अपना सारा काम फटाफट कर लेती है।
- आज रहमान ने चकाचक सारे लड्डू खा डाले।
- उस भुक्खड़ ने चटपट सारे लड्डू खा डाले।
- सारे बर्तन धुलकर झाकाझक हो गए।

For Any Teaching Exams E-Notes Download Rohit Vaidwan Notes App

E-Notes

**KVS | DSSSB | NVS | Super-TET
CTET & STET Exams**

Bilingual



CHAPTER - 13 (स्वामी की दादी)

कहानी से

प्रश्न 1. “सच? राजम बड़ा बहादुर लड़का है।” स्वामी को क्यों लगा कि दादी ने यह बात उसे खुश करने के लिए कही?

उत्तर- दादी ने यह बात उसे खुश करने के लिए कही लेकिन स्वामी को ऐसा इसलिए लगा क्योंकि दादी राजम को अच्छी तरह नहीं जानती थी।

प्रश्न 2. मैडल से चूड़ियाँ बनवा लेने पर दादी ने बुआ को महामूर्ख क्यों माना?

उत्तर- मैडल से चूड़ियाँ बनवा लेने पर दादी ने बुआ को महामूर्ख इसलिए माना क्योंकि वह मैडल स्वामी के दादा जी को एम.ए. करने पर मिला था। वह उनकी सफलता की निशानी था। लेकिन बुआ ने उसे तुड़वाकर चूड़ियाँ बनवा ली थी।

प्रश्न 3. पाठ के आधार पर दादी या स्वामी के स्वभाव, आदतों आदि के बारे में तुम्हें क्या पता चलता है? किसी एक के बारे में दस-बारह वाक्य लिखो।

उत्तर- स्वामी एक छोटा-सा बच्चा है। वह अपनी दादी के साथ रहकर बहुत खुश है और दादी से बहुत प्यार करता है। वह अपने दोस्त की बातें अपनी दादी को बड़ा-चढ़ा कर कर बताता है। लेकिन बाद में जब वह उसकी बातों पर ध्यान नहीं देती इसलिए उसे गुस्सा आता है। उसे पुरानी बातें सुनना अच्छा लगता है। वह दादी को अपनी बातें ध्यान से सुनने के लिए कहता है। लेकिन स्वयं उनकी बात ध्यान से नहीं सुनता।

तुम्हारी समझ से

प्रश्न 1. स्वामी ने राजम को ‘ऊंची चीज’ माना। क्या तुम स्वामी के राय से सहमत हो? अपने उत्तर के कारण लिखो।

उत्तर - हां, हम भी स्वामी की राय से सहमत हैं क्योंकि राजम के पास पुलिस की वर्दी थी। उसके पिता पुलिस के अधीक्षक थे। राजम पढ़ने-लिखने में बहुत होशियार था और उसने शेर को भी मारा था।

प्रश्न 2. स्वामी का अपनी दादी के साथ कैसा रिश्ता था? तीन - चार वाक्य में लिखो।

उत्तर - स्वामी का अपनी दादी के साथ प्यार-भरा रिश्ता था। स्वामी अपनी दादी की गोद में स्वयं को सुरक्षित महसूस करता था। साथ ही अपनी दादी के साथ बहुत खुश रहता था।

कहानी हो तुम

प्रश्न 1. (क) “ स्वामीनाथन के दादा रौबदार सब - मजिस्ट्रेट थे।”

किसी व्यक्ति का रौब किन बातों से पता चलता है?

उत्तर - किसी व्यक्ति का रौब उसके पद, उसके व्यक्तित्व और अन्य लोगों में उसके आदर-सम्मान से पता चलता है।



(ख) क्या तुम्हारे आस-पास कोई रौबदार व्यक्ति है? शब्दों के जरिए उसका खाका खींचो।

उत्तर - हमारे घर के पास एक रौबदार अंकल है। वह पुलिस में है। उनकी मूंछे बड़ी-बड़ी हैं उनका शरीर भी काफी मजबूत है। उनकी आवाज बहुत बुलंद है और वे सदा खुश रहते हैं सभी लोग अंकल का सम्मान करते हैं।

प्रश्न 2. “स्वामीनाथन दादी के पास बहुत प्रसन्न और सुरक्षित महसूस कर रहा था।” तुम कब असुरक्षित महसूस करते हो?

उत्तर- जब हम अकेले हों या अपने माता-पिता से दूर हों, उस समय हम असुरक्षित महसूस करते हैं।

प्रश्न 3. तुम इन हालात में कैसा महसूस करती हो-

(क) दोस्त के घर में

(ख) जब तुम पहली बार किसी के घर जाती हो

(ग) रेलगाड़ी या बस में किसी सफ़र पर

(घ) जब तुम मुख्याध्यापक के कमरे में जाती हो

उत्तर - (क) दोस्त के घर में हम बहुत खुशी महसूस करते हैं।

(ख) जब हम पहली बार किसी के घर जाते हैं, तो हम थोड़ा-सा अजीब महसूस करते हैं।

(ग) रेलगाड़ी या बस में सफ़र करते समय हम बहुत ही खुश होते हैं।

(घ) जब हम मुख्याध्यापक के कमरे में जाते हैं, तो हम थोड़ा-बहुत डर जरूर लगता है।

पता करो

प्रश्न 1. सब-मजिस्ट्रेट कौन होता है? क्या वह पुलिस विभाग में होता है?

उत्तर- सब मजिस्ट्रेट एक जज होता है। वह पुलिस विभाग में नहीं होता है।

प्रश्न 2. तुम्हारा घर या स्कूल किस थाने में आता है? थाने में कौन-कौन से पद होते हैं? उन व्यक्तियों के नाम भी पता करो जो इन पदों पर हैं। नीचे दी गई तालिका में इकट्ठा की गई जानकारी को दर्ज करो।

थाने का नाम-	
पद	व्यक्ति का नाम

उत्तर- हमारा घर थाना रोहिणी में आता है। थाने में एस.एच.ओ., इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर, हवलदार, सिपाही आदि पद होते हैं।

थाने का नाम-	



पद	व्यक्ति का नाम
एस.एच.ओ	श्री वी.के.सिंह
इंस्पेक्टर	श्री राजवीर राठी
सब-इंस्पेक्टर	श्री वी.के.शर्मा
हवलदार	श्री सुखवीर सिंह
सिपाही	किशनपाल मीणा

दादी का बक्सा

“उसका (दादी) सामान था- पाँच दरियाँ, तीन चादरें,..... लकड़ी का एक छोटा बक्सा जिसमें तांबे के सिक्के, इलायची, लॉग, और सुपारी पड़े थे।”

प्रश्न 1. दादी अपने बक्से में इलायची, लॉग और सुपारी क्यों रखती होंगी?

उत्तर- दादी अपने बक्से में इलायची, लॉग और सुपारी खाने के लिए रखती होंगी।

प्रश्न 2. क्या तुम्हारे घर में इसका इस्तेमाल होता है किन किन तरह से होता है।

उत्तर - हमारे घर में इसका इस्तेमाल होता है। इसका इस्तेमाल चाय में तथा अलग-अलग पकवान बनाने में होता है।

प्रश्न 3. तांबे के सिक्के बनाने के लिए किस किस धातु का इस्तेमाल होता है?

उत्तर - तांबे के सिक्के बनाने के लिए तांबे तथा लोहे का इस्तेमाल होता है।

प्रश्न 4. सिक्के कौन कौन सी धातु के बने होते हैं

उत्तर - सिक्के तांबे, सोने, चांदी, लोहे, पीतल, गिल्ट आदि धातुओं द्वारा बने हो सकते हैं।

शब्दों की बात

नीचे पहले स्तंभ के रेखांकित विशेषणों के शब्दों का वाक्य में प्रयोग करो | तुम एक से अधिक वाक्यों का सहारा भी ले सकती हो।

उलजुलूल कल्पना , चेतावनी,

रुखा स्वर मिठास

खूंखार डाकू समर्थन

उत्तर - (क) तुम उलजुलूल मत बोलो, इसलिए मैंने पहले ही चेतावनी दी थी।

(ख) आज रुखा भोजन कर लो। कल तुम्हें मिठास से भरपूर भोजन मिलेगा।

(ग) मलखान सिंह एक खूंखार डाकू है मैं तुम्हारी इस बात का समर्थन करता हूँ।

नीचे कहानी से कुछ वाक्यों के अंश दिए गए हैं | इनमें जिन शब्दों के नीचे खींची है , उनका लिंग पहचानो और लिखो।

पुलिस की वर्दी

काफी बड़ा दफ्तर



तांबे के सिक्के

अपने सारे सामान

दसवां हिस्सा

उस जैसे महामूर्ख

उत्तर - वर्दी - स्त्रीलिंग, दफ्तर - पुलिंग, सिक्का - पुलिंग, सामान - पुलिंग, हिस्सा - पुलिंग, महामूर्ख - पुलिंग।

अध्ययन मंत्र
Vaidwan Notes

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र



अध्ययन मंत्र

India's No.1
Teaching Institute

**DSSSB | SUPER-TET
CTET & UPTET**

Batch starts: 10th March

Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 14 (बाघ आया उस रात)

बात-बात में

“वो इधर से निकला, उधर चला गया”

प्रश्न- (क) यह बात कौन किसे बता रहा होगा?

उत्तर- यह बात बेटू छोटू को बता रहा होगा।

(ख) तुम्हें यह उत्तर कविता की किन पंक्तियों से पता चला?

उत्तर- हमें यह उत्तर कविता की निम्नलिखित पंक्तियों से पता चला

‘पाँच-साला बेटू ने हमें फिर से आगाह किया।’

खबर तेंदुए की

प्रश्न- (क) कक्षा 2 की रिमज़िम के अखबार में छपा समाचार दिया गया है। साथ में उस समाचार के आधार पर लिखिए कहानी भी दी गई है उसे एक बार फिर से पढ़ो।

उत्तर- (क) छात्र कक्षा 2 की पुस्तक से कहानी पढ़ें।

(ख) अब ‘बाघ आया उस रात’ कविता के आधार पर एक ‘समाचार’ लिखो।

उत्तर- हिमाचल प्रदेश: कल रात हिमाचल प्रदेश के पपलाह गांव में एक बाघ आ गया। जिसे कारण गांव में अफरातफरी मच गई- लेकिन बाघ जल्दी ही वहां से चला गया। वह बाघ इससे पहले भी गांव में नदी के पास अपनी बाघिन और बच्चों के साथ देखा गया था। बाघ के गांव में इस तरह आने से डर का माहौल बन गया है। लोग शाम हो ते ही अपने घरों दरवाजे बंद कर लेते हैं।

(ग) तेंदुए और बाघ में क्या अंतर है? पता करो। इस काम के लिए तुम बड़ों से बातचीत भी कर सकते हो।

उत्तर- तेंदुए और बाघ का रंग कुछ अलग होता है। उनकी दौड़ने की गति में भी कुछ अंतर होता है। तेंदुआ कुछ छोटा होता है, जबकि बाघ उससे बड़ा होता है।

उस रात

इस कविता में एक ऐसी रात की बात की गई है जिस रात को कुछ अनोखी घटना घटी थी।

प्रश्न- (क) उस रात को कौन सी अनूठी बात हुई थी?

उत्तर- उस रात को गांव में बाघ आ गया था।

(ख) तुम्हारे विचार से क्या यह बात सचमुच अनूठी है? क्यों?

उत्तर- हाँ, यह बात सचमुच में अनूठी है क्योंकि ये जानवर जंगल में रहते हैं और उनका गांव में आना अनूठी बात है।



(ग) उस रात को और क्या क्या हुआ आपने दोस्तों से बातचीत करके लिखो।

उत्तर- उस रात को बाघ आने से गांव में हडबड़ी मच गई होगी। लोग बाग को भगाने के लिए इकट्ठा हो गए होंगे। साथ ही डर के मारे समूह बना कर घूम रहे होंगे। बच्चों को घरों के अंदर बंद कर दिया गया होगा।

बाघ के काम

“बाघ कहीं काम नहीं करता, न किसी दफ्तर में, न कॉलेज में”

प्रश्न- बाघ दिन भर क्या-क्या करता होगा? कहाँ-कहाँ जाता होगा? अपने साथियों के साथ मिलकर जानकारी एकत्रित करो। फिर चर्चा करके उस पर एक चित्रात्मक पुस्तक तैयार करो। इसे तुम अपने पुस्तकालय में भी रख सकते हो।

उत्तर- बाघ दिन भर जंगल में घूमता रहता होगा और शिकार करता होगा। वह जंगल के साथ-साथ पहाड़ों, झरनों तथा नदी पर जाता होगा। छात्र स्वयं चर्चा करके एक चित्रात्मक पुस्तक तैयार करे।

आँखें फैलाकर

वो इधर से निकला उधर से चला गया

वो आँखें फैलाकर बतला रहा था।

प्रश्न- नीचे आँख से जुड़े कुछ और मुहावरे दिए गए हैं, वाक्यों में इनका इस्तेमाल करो।

आँख लगाना, आँख दिखाना, आँख मूँदना, आँख बचाना, आँखें भर आना, सिर आँखों पर बैठाना

उत्तर- आँख लगना –(नींद आना)- कहानी सुनते-सुनते विशाखा की आँख लग गई।

आँख दिखाना –(डराना)- मां ने बच्चे को गलती करने पर आँख दिखाई।

आँख मूँदना –(ध्यान न देना)- हमें गलत काम को देखकर आँखें नहीं मूँदनी चाहिए, बल्कि उन्हें रोकना चाहिए।

आँख बचाना –(चुपचाप निकलना)- उधार के रुपए लौटाने के डर से मनोज आँखें बचा कर निकल रहा था।

आँखें भर आना –(पीड़ा पहुंचना)- एक कबूतर को मरते देख मेरी आँखें भर आई

सिर आँखों पर बैठाना –(बहुत इज्जत देना) ट्वेंटी20- वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम को लोगों ने सिर आँखों पर बिठा लिया।

शब्दों की दुनिया

प्रश्न- (क) पाँच साला बिट्टू ने हमें फिर से आगाह किया। ‘आगाह किया’ का मतलब क्या हो सकता है?

- सचेत किया _____
- मनोरंजन किया _____
- बताया _____
- समझाया _____

उत्तर- सचेत किया

(ख) कविता में इनमें से कौन सा भाव झलकता है?

उत्तर- कविता में इनमें से सचेत करने का भाव झलकता है।



(ग) किन किन पंक्तियों/शब्दों से यह भाव व्यक्त हो रहे हैं?

*आश्चर्य, *डर *अविश्वास

उत्तर- आश्चर्य – “वो इधर से निकला

उधर चला गया SS”

डर – “आप रात को बाहर निकलो!”

अविश्वास – “न किसी दफ्तर में

न कॉलेज में SS”

(घ) जब हम कविता के जरिए कोई बात कहते हैं तो आमतौर पर शब्दों के कर्म को बदल देते हैं

• जैसे कविता का शीर्षक “ बाघ आया उस रात ” गद्य में “ उस रात बाघ आया ” होगा | ऐसा क्यों किया जाता होगा?

• इस किताब की दूसरी कविताएँ भी पढ़ो शब्दों के क्रम में आए बदलाव पर गौर करो | ऐसे ही कुछ वाक्यों की सूची बनाओ |

• क्या शब्दों के क्रम में बदलाव अखबार की खबरों में भी आता है ? पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या - 116 पर बने कोलाज को देखो और बताओ |

उत्तर- ऐसा कविता में लय-तुक तथा प्रवाह लाने के लिए किया जाता है |

• अन्य कविताओं में शब्दों के क्रम में आए बदलाव-

(अ) सीटी भी है कई तरह की |

(आ) हैं छोटी-छोटी तलवार |

(इ) थोड़ा घबराते भी थे हम उससे |

(ई) गुरु एक थे और थे एक चेला |

(उ) टके सेर मिलती थी राबड़ी मलाई |

उत्तर- हा, शब्दों के क्रम में बदलाव अखबार की खबरों में भी आता है | जैसे-

(अ) किस तरह के बच्चे होते हैं अच्छे |

(आ) अठारह घंटे की देरी से चल रही रेलगाड़ियाँ |

(इ) कोहरे के असर से मंद पड़ी ट्रेन व् बसें |

(ई) स्वीपर कर रहे डॉक्टर का काम |

(उ) इस बार कठिन होगा बच्चों को रिझाना |



CHAPTER - 15 (बिशन की दिलेरी)

कहानी से

प्रश्न 1. “जी हाँ, हमारे पास लाइसेंस वाली बंदूकें हैं। सरपंच माधोसिंह भी हमें जानता हैं।” शिकारियों ने कर्नल साहब से क्या सोच कर ऐसा कहा होगा?

उत्तर- शिकारियों ने सोचा होगा कि कर्नल साहब हमें डाँटेंगे इसलिए उन्होंने ऐसा कहा होगा।

प्रश्न 2. बिशन घायल तीतर को क्यों बचाना चाहता था?

उत्तर- बिशन घायल तीतर को इसलिए बचाना चाहता था क्योंकि उसे शिकारियों द्वारा तीतरों को मारना बहुत बुरा लगता था। वैसे भी वह जानता था कि शिकारी इस तीतर को खेत में ढूँढ़ नहीं पाएँगे और घायल तीतर यहीं तड़प-तड़पकर अपने प्राण त्याग देगा।

प्रश्न 3. घायल तीतर को बचाने के लिए उसे किस तरह की परेशानियाँ हुईं?

उत्तर- उसे काँटेदार झाड़ियों के रास्ते से जाना पड़ा। वह घुटनों के बल चल रहा था जिस कारण उसके हाथ-पाँव में काँटे भी चुभ गए थे। वह काफी देर तक दौड़ता रहा, जिससे उसकी कमीज़ पसीने से गीली व फट भी गई थी।

प्रश्न 4. घायल तीतर अगर तुम्हें मिला होता, तो तुम उसे पालते या अच्छा होने पर छोड़ देते? क्यों?

उत्तर- घायल तीतर अगर हमें मिला होता तो हम उसे अच्छा होने पर छोड़ देते क्योंकि सभी पशु-पक्षियों को स्वतंत्र रहने का अधिकार है। सभी पक्षी स्वतंत्र रहकर ही खुश रहते हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1. इन वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो-

- सुबह की हलकी धूप में खेत सुन्दर दिख रहे थे।
- वह इतना तेज़ चल रहा था मानो उसके पंख लगे हुए थे।

उत्तर- सुबह की हलकी धूप में खेत सुन्दर दिख रहे थे।

- इतना तेज़ चल रहा था कि जैसे उसके पंख लगे हुए हों।

प्रश्न 2. “तीतर स्वेटर में फँस गया तो बिशन ने उसे पकड़ लिया और अपने सीने से चिपका लिया।”

ऊपर लिखे वाक्य में ‘उसे’ शब्द का इस्तेमाल ‘तीतर’ के लिए किया गया है। एक ही संज्ञा का बार-बार इस्तेमाल करने की बजाय उसकी जगह पर कुछ खास शब्दों का प्रयोग किया जाता है। ऐसे शब्दों को सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम छाँटकर लिखो।

(क) मास्टर साहब ने अप्पाराव को पास बुलाकर कहा, कल घर आना। (मेरे, अपने, तुम)

(ख) सेंटीला घर नागालैंड के किस शहर में हैं? (तुम)

(ग) सुधा ने बुआ से पूछा, पापा कितने बड़े हैं? (आप)



- (घ) मोहन को समझ में नहीं आ रहा कि क्या करना चाहिए ? (वह)
(ङ) विमल ने अफसर को याद दिलाया कि चार बजे बैठक में जाना है । (आप, वह)
उत्तर- (क) अपने, तुम, मेरे
(ख) तुम्हारा
(ग) अपनी, आपसे
(घ) उसे
(ङ) अपने, उन्हें

प्रश्न 3. इन वाक्यों को पूरा करो-

- (क) वह इतना धीरे चल रहा था , मानो.....
(ख) रात में चमकते तारे ऐसे दिख रहे थे , मानो
(ग) तुम तो मंगल ग्रह के बारे में ऐसे बता रहे हो ,मानो
(घ) बिल्ली चूहे को ऐसी ललचाई नज़रों से देख रही थी , मानो
उत्तर- (क) वह इतना धीरे चल रहा था, मानो चींटी चल रही हो ।
(ख) रात में चमकते तारे ऐसे दिख रहे थे, मानो आकाश में तारों की चादर बिछी हो ।
(ग) तुम तो मंगल ग्रह के बारे में ऐसे बता रहे हो, मानो तुम मंगल ग्रह पर जाकर आए हो ।
(घ) बिल्ली चूहे को ऐसी ललचाई नज़रों से देख रही थी, मानो अभी खा जाएगी ।

फसलों के इर्द-गिर्द

प्रश्न 1. इस कहानी में सेबों के खेत और सीढ़ीनुमा खेत का जिक्र आया है। अनुमान लगाकर बताओ कि यह कहानी भारत के किस भौगोलिक क्षेत्र की होगी और वहाँ सीढ़ीनुमा खेती क्यों की जाती होगी?

उत्तर- यह कहानी भारत के उत्तरी भाग की होगी। वहाँ सीढ़ीनुमा खेती समतल भूमि के अभाव के कारण की जाती है। हिमाचल या कश्मीर ही ऐसे भाग हैं। वैसे भी इन क्षेत्रों में भारी वर्षा और बर्फबारी के कारण सीढ़ीनुमा खेत बनाए जाते हैं। जिससे पानी फसलों को नष्ट ना कर सके।

प्रश्न 2. “ सेबों के बाग में कीटनाशक दवा का छिड़काव हो रहा था। ”

यों तो कीटनाशक से दवाएँ फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीड़ा लगने से बचाती है , पर

(क) ये कीटनाशक दवाएँ कीड़ों को नष्ट करती है । इससे इनका सेवन करने से क्या हमें भी नुकसान होगा? पता करो और कक्षा में बातचीत करो ।

उत्तर - फलों, सब्जियों और अनाज की फसलों को कीड़े से बचाने के लिए कीटनाशक दवाएँ छिड़की जाती हैं। ये कीटनाशक दवाएँ कीड़ों को नष्ट करती हैं। लेकिन इनमें जहर की मात्रा बहुत ही कम होती है। इसलिए उनके सेवन से नुकसान नहीं होता है। लेकिन फिर भी वह कीटनाशक हमारे पाचन तंत्र पर थोड़ा-बहुत प्रभाव डालते हैं। इसलिए इसके सेवन से पहले अच्छे से धोना चाहिए।

(ख) ऐसे में फलों और सब्जियों का इस्तेमाल करने से पहले किन - किन बातों का ध्यान रखना जरूरी होगा?



उत्तर - फलों और सब्जियों को कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया जाता है। इसलिए फलों और सब्जियों को खाने से पहले अच्छी तरह से धोना चाहिए। सब्जियों को पका कर खाना चाहिए। कटी हुई सब्जियों या फलों को नहीं खाना चाहिए।

तुम्हारे आस-पास

प्रश्न 1. कर्नल दत्ता ने घायल तीतर को गेंदे की पत्तियों का रस पिलाने के लिए कहा। पत्तों का इस्तेमाल कई कामों के लिए होता है। नीचे लिखी पत्तियों का इस्तेमाल किसलिए होता है?

तुलसी, नीम, मीठा नीम, आम, अमरुद, तेजपत्ता, केला, सागवान

उत्तर- तुलसी - पूजा-पाठ करने तथा चाय में डालने में प्रयोग होती है।

नीम - फोड़े-फूँसी पर लगाने तथा दवाइयों में प्रयोग होता है।

मीठा नीम - (करी पत्ता) सब्जियाँ व दाल बनाने में प्रयोग होता है।

आम - पूजा-पाठ और हवन आदि में प्रयोग होता है।

अमरुद - दवाइयों में प्रयोग होता है।

तेजपत्ता - सब्जी में डालने तथा मसाला बनाने में प्रयोग होता है।

केला - पूजा-पाठ तथा भोजन करने में प्रयोग होता है।

सागवान - दोने-पत्तल बनाने तथा कपड़ों की रंगाई में प्रयोग होता है।

प्रश्न 2. “कर्नल साहब के कहने पर बिशन दौड़कर ‘दवाइयों का बक्सा’ ले आया।” इसे तुम ‘प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स /फर्स्ट एड बॉक्स’ के नाम से जानते होंगे।

(क) इस बक्से में क्या-क्या चीजें होती हैं?

उत्तर- इस बक्से में कपड़ों की पट्टी, रुई, डेटॉल, कटने- छिलने की दवाई, कैंची, चिमटी आदि चीजें होती हैं।

(ख) इसका इस्तेमाल कब-कब किया जाता है?

उत्तर- इसका इस्तेमाल मामूली चोट लगाने या छोट-मोटे उपचार के लिए किया जाता है।

प्रश्न 3. तुमने पर्यावरण अध्ययन में पढ़ा होगा कि पहाड़ी क्षेत्रों में आमतौर पर छतें, ढलावदार बनाई जाती हैं। सोचकर बताओ की ऐसा क्यों किया जाता है?

उत्तर- पहाड़ी क्षेत्रों में आमतौर पर छतें ढलावदार बनाई जाती हैं क्योंकि इन क्षेत्रों में बर्फ आदि पड़ती रहती हैं जो समतल छत होने पर उसमें जमा हो सकती है। जिससे मकान गिरने का खतरा हो सकता है। इसके साथ ही ये ढलावदार छतें तेज बारिश के लिए भी उपयुक्त हैं।

पहाड़ी इलाका

प्रश्न- इस कहानी में पहाड़ी, घाटी शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। पहाड़ी इलाके से जुड़े हुए और शब्द सोचकर लिखो। जैसे- ढलान, चट्टान आदि।



उत्तर- ढलान, चट्टान, टेढ़ा-मेढ़ा, कंटीला, संकरा, पथरीला, ऊँचा-नीचा, कठोर शुष्क, खुला, बर्फीला, चट्टानी, असमतल, सीढ़ीनुमा, पगडंडी, झाड़ी, छप्पर, बर्फबारी, चोटियाँ आदि।

तितर

प्रश्न 1. पहेली –

तीतर के दो पीछे तीतर,,

तीतर के दो आगे तीतर

बोलो कितने तीतर?

उत्तर- तीन तीतर।

प्रश्न 2. तीतर का फोटो दिया गया है। गौर से देखो और उसका वर्णन करो। चौथी में तुम यह कर चुके हो।



उत्तर- तीतर एक छोटा-सा पक्षी होता है। यह दिखने में बहुत ही सुंदर ही लगता है। इसके छोट-छोटे पंख होते हैं। यह फुदक-फुदक कर चलता है और हल्की उड़ान भी भरता है। यह एक साथ झुण्ड में रहते हैं तथा लड़ने में तेज होते हैं।

प्रश्न 3. तीतर के बारे में और जानकारी इकट्ठा करो। जैसे- तीतर का घोंसला, वह क्या खाता है आदि।

उत्तर- तीतर छोटे-छोटे तिनकों से अपना घोंसला बनाता है। वह हरी-हरी पत्तियाँ, छोट-मोटे कीड़े तथा फल-फूल खाता है। यह दिखने में भूरे रंग का होता है और बहुत अच्छा लगता है। ये आपस में लड़ाई भी करते हैं। गाँव में तीतर की लड़ाई कराई जाती है। कुछ लोग इसका माँस भी खाते हैं।



CHAPTER - 16 (पानी रे पानी)

तुम्हारे आस-पास

अपने आस-पास के बड़ों से पूछकर पता लगाओ-

प्रश्न 1. तुम्हारे घर में पानी कहाँ से आता है?

उत्तर- हमारे घर में पानी दिल्ली जल बोर्ड की सप्लाई से आता है। दिल्ली जल बोर्ड नदियों नालों के पानी को साफ़ करके सप्लाई करता है।

प्रश्न 2. तुम्हारे घर का मैला पानी बहकर कहाँ जाता है?

उत्तर- हमारे घर का मैला पानी बहकर नालियों में जाता है।

प्रश्न 3. (क) तुम्हारे इलाके में धरती के अन्दर का पानी कितने फीट या कितने हाथ नीचे है?

उत्तर- हमारे इलाके में धरती के अन्दर का पानी 20-25 फीट नीचे है।

(ख) आज से पन्द्रह वर्ष पहले यह कितना नीचे था?

उत्तर- आज से पंद्रह वर्ष पहले यह पानी 10-15 फीट नीचे था।

अनुमान लगाओ

पाठ के आधार पर बताओ-

प्रश्न 1. अपने घर के नल के पाइप में मोटर लगवाना दूसरों का हक छीनने के बराबर है। लेखक ऐसा क्यों मानते हैं?

उत्तर- लेखक अपने घर के नल के पाइप में मोटर लगवाना दूसरों का हक छीनने के बराबर इसलिए मानते हैं, क्योंकि इससे मोटर लगाने वाले घर को पूरा पानी मिलता है। लेकिन दूसरों को पानी की कमी हो जाती है।

प्रश्न 2. बड़ी संख्या में इमारतें बनने से बाढ़ और अकाल का खतरा कैसे पैदा होता है?

उत्तर- बड़ी संख्या में इमारतें बनाने के लिए मनुष्य ने समंदर, नदी-नालो आदि का भराव किया तथा अंधाधुंध वन काटे जिससे बाढ़ और अकाल का खतरा पैदा होता है।

प्रश्न 3. धरती की गुल्लक किन - किन सा धनों से भरती है?



उत्तर- धरती की गुल्लक नदी-नालों, तालाबों तथा झीलों से भरती है।

यदि हाँ तो.....

प्रश्न 1. क्या तुम्हारे इलाके में कभी बाढ़ आई है? यदि हाँ, तो उसके बारे में लिखो।

उत्तर- हमारे इलाके में बहुत पहले बाढ़ आई थी जिसके बारे में हमें हमारे दादाजी बताते हैं। वह बताते हैं कि उस समय चारों ओर पानी ही पानी फैल गया था। लोगों के घर-बार बह गए थे। साथ ही लोगों को दैनिक जरूरत की चीजें मिलने में बहुत कठिनाई आई थी।

प्रश्न 2. क्या तुम्हारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है? यदि हाँ, तो बताओ कि कैसे तुम्हारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है?

उत्तर- हाँ, हमारे घर में पानी कुछ ही घंटों के लिए आता है। इस कारण हमारे परिवार की दिनचर्या नल में पानी आने के साथ बँधी होती है। हमें सुबह-सुबह जल्दी उठकर पानी भरना पड़ता है। जब तक पानी न आ जाए तब तक हमने अन्य काम नहीं कर पाते हैं। कई बार जब पानी कुछ देरी से आता है, तो हमें बैठकर पानी का इंतजार करना पड़ता है।

प्रश्न 3. क्या तुम्हारे मोहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है? यदि हाँ, तो बताओ कि तुम्हारे घर में रोज औसतन कितने लीटर पानी खरीदा जाता है? इस पर कितना खर्चा होता है?

उत्तर- हाँ हमारे मोहल्ले में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को पानी खरीदना पड़ता है। हमारे घर में रोज पीने के लिए 20 लीटर पानी खरीदा जाता है। इस पर लगभग 500 रुपए महीने का खर्चा होता है।

संकट क्यों?

प्रश्न 1. पाठ में पानी के संकट के किन प्रमुख कारणों की बात की गई है?

उत्तर- पाठ में पानी के संकट के लिए प्रमुख कारण नदी-नालों तथा तालाबों को कूड़े-कचरे से भरने की बात की गई है।

प्रश्न 2. पानी के संकट का एक और मुख्य कारण पानी की फ़िजूलखर्ची भी है। कक्षा में पाँच-पाँच के समूह में बातचीत करो और बताओ कि आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए तुम क्या-क्या उपाय कर सकते हो?

उत्तर- अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में पानी की बचत करने के लिए हम निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं-

(क) हम आवश्यकतानुसार पानी का प्रयोग करें।

(ख) कभी भी नल को खुला ना छोड़ें।

(ग) कपड़े धोने, बर्तन धोने तथा साफ-सफाई में कम-से-कम पानी का प्रयोग करें।

(घ) पानी को व्यर्थ न बहाएँ।



प्रश्न 3. जितना उपलब्ध है, उससे कहीं ज्यादा खर्च करने से पानी का संकट उत्पन्न होता है। क्या यही बात हम बिजली के संकट में के बारे में भी क्या सकते हैं?

उत्तर- हाँ, यही बात हम बिजली के संकट के बारे में भी कह सकते हैं। क्योंकि किसी भी वस्तु की उपलब्धता से ज्यादा प्रयोग उसकी कमी का कारण बन सकता है।

पानी का चक्कर-भाषा का चक्कर

प्रश्न 1. पानी की समस्या या बचत से संबंधित पोस्टर और नारे तैयार करो। यह काम तुम चार-चार के समूह में कर सकते हो।

उत्तर- पानी की समस्या या बचत से संबंधित नारे इस प्रकार हो सकते हैं—

(क) जल बचाओ, जीवन बचाओ।

(ख) जल ही जीवन है।

(ग) पानी की बूँद-बूँद कीमती है।

(घ) पानी को बकार न बहाओ।

ये है बड़ा अनमोल इसे बचाओ।

पोस्टर- जल बचाओ, जीवन बचाओ



प्रश्न 2. “पानी की बर्बादी, सबकी बर्बादी” इस नारे में ‘बर्बादी’ शब्द का एक अर्थ है या दो अलग अर्थ है? सोचो।

उत्तर- इस नारे में ‘बर्बादी’ शब्द के दो अर्थ हैं। पहला पानी का बर्बाद होना तथा दूसरा इसकी कमी से सबको होने वाली परेशानियाँ।



प्रश्न 3. पानी हमारी जिंदगी में महत्वपूर्ण तो है ही, मुहावरों की दुनिया में हम उसकी जगह खास जगह है। पानी से संबंधित कुछ मुहावरे इकट्ठा करो और उनका उचित संदर्भ में प्रयोग करो।

उत्तर- पानी - पानी होना -(शर्मिदा होना)- अपना झूठ पकड़े जाने पर सोनू पानी-पानी हो गया।

आँख का पानी मरना -(बेशर्म होना)- तुम यह गलत काम कर रहे हो। क्या तुम्हारी आँख का पानी मर गया है?

पानी फिरना -(नष्ट होना)- सेबों की फसल खराब हो जाने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया।

मुँह में पानी आना -(लालच आ जाना)- तरह-तरह की मिठाइयों को देखकर मुँह में पानी आना स्वाभाविक है।

Regarding Interview Follow Adhyayan Mantra (अध्ययन मंत्र) YouTube Channel



The banner features a central illustration of an interview room with a desk, chairs, and a clock. To the right, three people are sitting on a bench, waiting. The text 'KVS MOCK INTERVIEW' is prominently displayed in large, bold letters. Below it, a yellow button says 'Registration Open'. The banner is framed by a border of small Adhyayan Mantra logos.

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 17 (छोटी-सी हमारी नदी)

तुम्हारी नदी

प्रश्न 1. तुम्हारी देखी हुई नदी भी ऐसी ही है या कुछ अलग है? अपनी परिचित नदी के बारे में छुटी हुई जगहों पर लिखो -

..... सी हमारी नदी धार

गामीयों में , जाते पर

उत्तर- उजली सी हमारी नदी तेज इसकी धार

गर्मियों में इसके पानी में घुसकर जाते पार

प्रश्न 2. कविता में दी गई बातों के आधार पर अपनी परिचित नदी के बारे में बताओ-

*धार, *पाट, *बालू, *कीचड़, *किनारे, *बरसात में नदी

उत्तर- धार - हमारी परिचित नदी की धार कुछ धीमी हो गई है।

पाट - हमारी परिचित नदी की पाट ढालू है।

बालू - इस नदी में बहुत-सा बालू है।

कीचड़ - इस नदी के किनारों पर कीचड़ और रेत भी है।

बरसात में नदी - बरसात में इस नदी में पानी अधिक भर जाता है।

प्रश्न 3. तुम्हारी परिचित नदी के किनारे क्या-क्या होता है।

उत्तर- हमारी परिचित नदी के किनारे लोग पूजा - पाठ करते हैं। कुछ लोग मछलियां पकड़ते हैं। बच्चे यहाँ नहाते हैं तथा दूसरें लोग अपने-अपने अन्य काम करते हैं। जैसे कपड़े धोना आदि।

प्रश्न 4. तुम जहाँ रहते हो, उसके आस-पास कौन-कौन सी नदियाँ हैं। वे कहाँ से निकलती है और कहाँ तक जाती है? पता करो।

उत्तर- हमारे आस-पास गंगा, यमुना नामक दो नदियाँ हैं। ये हिमालय पर्वत से निकलकर समुद्र में मिलती हैं।

कविता के बाहर

प्रश्न 1. इस किताब में नदी का जिक्र और किस पाठ में हुआ है? नदी के बारे में क्या लिखा है?

उत्तर- इस किताब में नदी का जिक्र 'नदी का सफर' पाठ में हुआ है। जिसमें नदी के उद्गम, मुहाने, जलप्रपात, उसके मार्ग, गति तथा उससे बनने वाली घाटियों का वर्णन किया गया है।

प्रश्न 2. नदी पर कोई और कविता खोजकर पढ़ो और कक्षा में सुनाओ।

उत्तर- बहता जल



नदी का जल
बहता कलकल
है ये बिल्कुल स्वच्छ और निर्मल
बच्चे नहाते इसमें हर पल
कहीं उछलकर
कहीं मचलकर
बहती रहती है समतल

प्रश्न 3. नदी में नहाने के बारे में तुम्हारा क्या अनुभव है?

उत्तर- नदी में नहाने के बाद एक अलग ही ताजगी मिलती है। नदी में नहाकर हर प्रकार की थकावट मिट जाती है और शरीर में चुस्ती और फुर्ती आ जाती है।

प्रश्न 4. क्या तुमने कभी मछली पकड़ी है अपने अनुभव साथियों के साथ बाँटो।

उत्तर- नदी के किनारे हम घूमने गए थे। वहाँ हमने एक मछुआरे से काँटा लेकर मछली पकड़ी। हमें मछली पकड़ना बहुत अच्छा लगा। लेकिन हमने मछली पकड़ने के बाद उसे वापस नदी में छोड़ दिया, मछुआरा मछली माँगता रहा पर हमने उसे नहीं दी क्योंकि हम उसे मारना नहीं चाहते थे।

यह किसकी तरह लगते हैं?

प्रश्न 1. नदी की टेढ़ी-मेढ़ी धार?

उत्तर- नदी की टेढ़ी-मेढ़ी धार साँप की तरह लगती है।

प्रश्न 2. किचपिच-किचपिच करती है मैना?

उत्तर- किचपिच-किचपिच करती मैना नन्ही-सी चिड़िया जैसी लगती है।

प्रश्न 3. उछल-उछल के नदी में नहाते कच्चे-बच्चे?

उत्तर- उछल-उछल के नदी में नहाते कच्चे-बच्चे मेंढकों की तरह लगते हैं।

कविता और चित्र

· कविता से पहले पद को दुबारा पढ़ो | वर्णन पर ध्यान दो | इसे पढ़कर जो चित्र तुम्हारे मन में उभरा उसे बनाओ | बताओ चित्र में तुमने क्या - क्या दर्शाया?

उत्तर-



प्रश्न 1. इस कविता के पद में कौन-कौन से शब्द तुकांत हैं? उन्हें छाँटो।

उत्तर- इस कविता के पद में निम्नलिखित शब्द तुकांत हैं-

धार-पार, चालू-ढालू, नाम-धाम, दार-सियार, वन-सघन, लें-ढालें, नहाना-छाना, रेती-देती, उतराती-दंताती, कोलाहल-चंचल, रोला-टोला।

प्रश्न 2. किस शब्द से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे?

उत्तर- 'पार जाते ढोर डंगर' से पता चलता है कि नदी के किनारे जानवर भी जाते थे।

प्रश्न 3. इस नदी के तट की क्या खासियत थी?

उत्तर- इस नदी की खासियत ये है कि इसके तट ऊँचे थे।

प्रश्न 4. अमराई दूजे किनारे चल देतीं।

कविता की ये पंक्तियाँ नदी किनारे का जीता - जगता वर्णन करती हैं। तुम भी निम्नलिखित में से किसी एक का वर्णन अपने शब्दों में करो-

- हफ्ते में एक बार लगाने वाला हाट
- तुम्हारे शहर या गाँव की सबसे ज्यादा चल - पहल वाली जगह
- तुम्हारे घर की खिड़की या दरवाजे से दिखाई देने वाला बाहर का दृश्य
- ऐसी जगह का दृश्य जहाँ कोई बड़ी इमारत बन रही हो

उत्तर- हफ्ते में एक बार लगाने वाला हाट

हमारे घर के पास मंगलवार के दिन बाज़ार हर सप्ताह लगता है। इसमें कपड़े, खिलौने, सब्जियाँ तथा अन्य जरूरी सामान मिलता है। हम अपने माता-पिता के साथ बाज़ार घूमने जाते हैं। बाज़ार में काफी भीड़ होती है। सभी लोग यहाँ अपनी जरूरत की चीज़ें खरीदते हैं। इससे बाज़ार लगाने वाले कई लोगों का जीवन चलता है।

प्रश्न 5. तेज़ गति शोर मोहल्ला धूप किनारा घना

ऊपर लिखे शब्दों के लिए कविता में कुछ खास शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। उन शब्दों को नीचे दिए अक्षरजाल में ढूँढो।

घा	म		वे	
			ग	



		दे		
	रो	ला		पा
स	घ	न		ट

उत्तर- तेज गति - वेग

शोर - रोला

मोहला - टोला

धूप - घाम

किनारा - पाट

घना - सघन

For Any Online Teaching Course Download Adhyayan Mantra Connected App





India's No.1

Teaching Institute

DSSSB | SUPER-TET

CTET & UPTET

Batch starts: 10th March





Registration Open

For Registration: Call or Whatsapp: 95556 95557



CHAPTER - 18 (चुनौती हिमालय की)

कहाँ क्या है

प्रश्न 1. (क) लद्दाख जम्मू-कश्मीर राज्य में है। पाठ्यपुस्तक में दिए गए भारत के नक्शे में ढूँढो कि लद्दाख कहाँ है और तुम्हारा घर कहाँ है?

(ख) अनुमान लगाओ कि तुम जहाँ रहते हो वहाँ से लद्दाख पहुँचने में कितने दिन लग सकते हैं। और वहाँ किन-किन जरियों से पहुँचा जा सकता है?

(ग) किताब के शुरू में तुमने तिब्बती लोककथा 'राख की रस्सी' पढ़ी थी। पाठ्यपुस्तक में दिए गए नक्शे में तिब्बत को ढूँढो।

उत्तर- (क) लद्दाख - * (मानचित्र में देखें)

हमारा घर - ● (मानचित्र में देखें)

(ख) हम दिल्ली में रहते हैं। यहाँ से लद्दाख पहुँचने में दो-तीन दिन लग सकते हैं। वहाँ रेल, बस तथा वायुयान द्वारा जाया जा सकता है।

(ग) तिब्बत - ■ (मानचित्र में देखें)



वाद-विवाद

प्रश्न 1. (क) बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़ों के उदास और फीके लगाने की क्या वजह हो सकती थी?

उत्तर- बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़ों के उदास और फीके लगाने की वजह वहाँ दूर-दूर तक किसी का न होना हो सकती है।

(ख) बताओ ये जगहें कब उदास और फीकी लगती हैं और यहाँ कब रौनक होती है?

घर बाज़ार स्कूल खेत



उत्तर- घर - जब घर के सभी सदस्य बाहर चले जाते हैं तो घर उदास और फीका लगता है। लेकिन जब घर के सभी सदस्य घर में होते हैं तब घर में रौनक होती है।

बाजार - जब बाजार बंद होने लगता है तो वह उदास और फीका लगता है। लेकिन जब बाजार में लोग खरीदारी करने आते हैं तो वहाँ रौनक होती है।

स्कूल - जब स्कूल की छुट्टी हो जाती है तो स्कूल उदास हो फीका लगता है। लेकिन जब बच्चे स्कूल में आते हैं तो वहाँ और रौनक होती है।

खेत - जब खेत में फसल नहीं लहराती है, तो खेत उदास और फीके लगते हैं। लेकिन जब यहाँ फसल लहराती है, तब वहाँ रौनक होती है।

प्रश्न 2. 'जवाहरलाल को इस कठिन यात्रा के लिए तैयार नहीं होना चाहिए।' तुम इससे सहमत हो तो भी तर्क दो, नहीं हो तो भी तर्क दो। अपने तर्कों को तुम कक्षा के सामने प्रस्तुत कर सकते हो।

उत्तर- जवाहरलाल को इस कठिन यात्रा के लिए तैयार नहीं होना चाहिए था क्योंकि उनके पास इस खतरनाक रास्तों पर चलने के लिए पर्याप्त सामान न था। लेकिन उनमें जोश भरपूर था जिसकी जरूरत दुर्गम यात्रा में पड़ती है।

प्रश्न 1. तुम मिलकर पहाड़ों का एक कोलाज बनाओ। इसके लिए पहाड़ों से जुड़े विभिन्न तस्वीर इकट्ठा करो- पर्वतारोहण, चट्टान, पहाड़ों के अलग-अलग नजारे, चोटी, अलग-अलग किस्म के पहाड़ अब इन्हें एक बड़े से कागज पर पहाड़ के आकार में चिपकाओ। यदि चाहो तो ये कोलाज तुम अपनी कक्षा के एक दीवार पर भी बना सकते हो।

उत्तर- कोलाज

'कोलाज' उस तस्वीर को कहते हैं जो कई तस्वीरों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर एक कागज पर चिपका कर बनाई जाती है।



प्रश्न 2. अब इन चित्रों पर आधारित शब्दों का एक कोलाज बनाओ। कोलाज में ऐसे शब्द हों जो इन चित्रों का वर्णन कर पा रहे हों या मन में उठने वाली भावनाओं को बता रहे हों।

अब इन दोनों कोलाजों कक्षा में प्रदर्शित करो।

उत्तर- चित्र में कुछ लोग रस्सी आदि के सहारे पहाड़ों पर चढ़ रहे हैं। कुछ पहाड़ बिल्कुल पथरीले दिखाई दे रहे हैं तो कुछ बर्फ से ढके हुए हैं। कई पहाड़ों पर तरह-तरह के पेड़ भी उगे हुए हैं कुछ पहाड़ बहुत ही ऊँचे हैं जिन पर चढ़ना अत्यंत मुश्किल है। ये पहाड़



दिखने में बड़े ही सुंदर लग रहे हैं।

तुम्हारी समझ से

प्रश्न 1. इस वृत्तांत को पढ़ते-पढ़ते तुम्हें अपनी कोई छोटी या लंबी यात्रा याद आ रही हो तो उसके बारे में लिखो।

उत्तर- एक बार मैं अपने गाँव गया था जो कि हिमाचल प्रदेश के ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों के बीच कल्पा में है। मैं गाँव जाने के लिए सुबह रेलगाड़ी में बैठ गया। आधा सफर तो सही कट गया। लेकिन जैसे गाड़ी शिमला पहुँची। उसके आगे रास्ते बहुत ही खतरनाक हो गए। सड़कों के दोनों तरफ ऊँचे-ऊँचे पहाड़ दिखाई देने लगे। रात के समय में यह पहाड़ और भी भयानक लग रहे थे। हमारी बस भी घुमावदार रास्तों पर धीरे-धीरे चल रही थी। दूसरे दिन शाम के समय हम अपने गाँव पहुँचे तब सूरज छिप रहा था। बर्फ से ढके पहाड़ सूरज के प्रकाश में सोने की तरह प्रतीत हो रहे थे।

प्रश्न 2. जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा क्यों छोड़ना पड़ा?

उत्तर- जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा इसलिए छोड़ना पड़ा क्योंकि आगे का मार्ग और अधिक खतरनाक था। साथ ही उनके पास इन रास्तों पर जाने संबंधित सामान भी नहीं था।

प्रश्न 3. जवाहरलाल, किशन और कुली सभी रस्सी से क्यों बँधे थे?

उत्तर- जवाहरलाल, किशन और कुली सभी रस्सी से इसलिए बँधे थे कि अगर वह कहीं पहाड़ पर से गिर जाए तो रस्सी का सहारा लटक जाएँगे।

प्रश्न 4. (क) पाठ में नेहरू जी ने हिमायल से चुनौती महसूस की। कुछ लोग पर्वतारोहण को क्यों करना चाहते हैं?

उत्तर- कुछ लोग पर्वतारोहण मनोरंजन और शौक के लिए करना चाहते हैं। साथ ही आज पर्वतारोहण कुछ लोगों की जीविका का साधन भी बन चुका है।

(ख) ऐसे कौन-कौन से चुनौती भरे काम हैं जो तुम करना पसंद करोगे?

उत्तर- हम निम्नलिखित चुनौती भरे काम करना पसंद करेंगे-

(अ) विद्यालय में पढ़ाई में प्रथम आना।

(आ) विभिन्न खेलों में पुरस्कार जीतना।

(इ) तैराकी सीखना।

(ई) कुछ अन्य भाषाओं का ज्ञान सिखाना।

(उ) मुसीबत में लोगों की मदद करना।

बोलते पहाड़

प्रश्न 1. ● उदास फीके बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़

हिमालय की दुर्गम पर्वतमाला मुँह उठाए चुनौती दे रही थी।

“उदास होना” और “चुनौती देना” मनुष्य के स्वभाव है। यहाँ निर्जीव पहाड़ ऐसा कर रहे हैं। ऐसे और भी वाक्य हैं। जैसे- बिजली चली गई।



चांद ने शरमाकर अपना मुँह बादलों के पीछे कर लिया।

इस किताब के दूसरे पाठों में ऐसे वाक्य ढूँढो।

उत्तर- (क) उन्होंने साड़ी की शिकने दुरुस्त की।

(ख) पूरे दस दिन हो गए सूरज लापता है।

(ग) गोलियों की आवाज से पूरी घाटी गूँज गई।

(घ) फसल तैयार खड़ी थी।

(ङ) हम भी बीच-बीच में अपनी पतंगों को सुस्ताने का मौका देते हुए मटर और प्याज छिलने बैठ जाते।

एक वर्णन ऐसा भी

पाठ में तुमने जवाहरलाल नेहरू की पहाड़ी यात्रा के बारे में पढ़ा। नीचे एक और पहाड़ी इलाके का वर्णन किया गया है जो प्रसिद्ध कहानीकार निर्मल वर्मा की किताब 'चीड़ों पर चाँदनी' से लिया गया है। इसे पढ़ो और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो।

“क्या यह शिमला है - हमारा अपना शहर - या हम भूल से कहीं और चले आए हैं? हम नहीं जानते कि पिछले बार जब हम बेखबर सो रहे थे, बर्फ चुपचाप गिर रही थी।

खिड़की के सामने पुराना, चिर-परिचित देवदार का वृक्ष था, जिसकी नंगी शाखों पर रुई के मोटे-मोटे गालों से बर्फ चिपक गई थी। लगता था जैसे वह सांता-क्लोस हो, एक रात में ही जिसके बाल सन-से सफेद हो गए हैं.....। कुछ देर बाद धूप निकल आती है - नीले चमचमाते आकाश के नीचे बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ धूप सेकने के लिए अपना चेहरा बादलों के बाहर निकाल लेती हैं।”

प्रश्न- (क) ऊपर दिए पहाड़ के वर्णन और पाठ में दिए गए वर्णन में क्या अंतर है?

उत्तर- ऊपर दिए गए पहाड़ के बंधन में पेड़ों का भी जिक्र है। लेकिन पाठ में उजाड़ चट्टानों का वर्णन है।

(ख) कई बार निर्जीव चीजों के लिए मनुष्यों से जुड़ी क्रियाओं, विशेषण आदि का इस्तेमाल होता है, जैसे- पाठ में आए दो उदाहरण 'उदास फीके, बर्फ से ढके चट्टानी पहाड़' या “सामने एक गहरी खाई मुँह फाड़े निकलने के लिए तैयार थी।” ऊपर लिखे शिमला के वर्णन में ऐसे उदाहरण ढूँढो।

उत्तर- (क) बर्फ चुपचाप गिर रही थी।

(ख) जिसकी नंगी शाखों के रुई के मोटे-मोटे गालों-सी चिपक गई थी।

(ग) नीले चमचमाते आकाश के नीचे बर्फ से ढकी हुई पहाड़ियाँ धूप सेकने के लिए अपना चेहरा बादलों से बाहर निकाल लेती हैं।



Chapter 1 - राख की रस्सी

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में तिब्बत की लोककथा का वर्णन किया गया है। जिसमें तिब्बत के बत्तीसवें राजा "सौनगवसैन गांपो" के मंत्री "लोनपो गार" और उनके बेटे का जिक्र किया गया है।
- लोनपो गार अपनी चालाकी और हाज़िरजवाबी के लिए मशहूर थे।
- हाज़िरजवाबी - तुरंत उत्तर देने में माहिर
- लेकिन इसके विपरीत उनका बेटा सीधा सादा और शान्त स्वभाव का था।
- लोनपो गार को हमेशा अपने बेटे के लिए चिंता रहती थी।
- उसने अपने बेटे को समझदार और होशियार बनाने के लिए उसे तरह-तरह की जिम्मेदारी सौंपी ताकि बेटे को दुनियादारी की समझ हो जाए
- एक दिन उसने अपने बेटे को सौ भेड़ें बिना मारे या बेचे शहर लेकर जाने को कहा और इन्हें सौ जौ के बोरो के साथ वापस आने को कहा।
- मंत्री का बेटा सौ भेड़ों को लेकर शहर की ओर रवाना हुआ। लेकिन उसके पास सौ जौ के बोरे खरीदने के लिए खरीदने के लिए रुपये नहीं थे।
- अचानक उसके सामने एक लड़की आकर खड़ी हो गई और उसने उसकी चिंता का कारण पूछा। मंत्री के बेटे ने उसे सब कुछ बता दिया।
- वह लड़की बहुत होशियार थी। उसने भेड़ों के बाल उतारकर बाजार में बेच दिए और उससे मिले रुपयों से सौ जौ के बोरे खरीद लिए।
- इसके बाद वह लड़का वापस घर लौट गया। लेकिन पिताजी उससे खुश नहीं हुए।
- दूसरे दिन लोनपो गार ने अपने बेटे को फिर से उन्हीं भेड़ों के साथ शहर भेजा और भेड़ों के साथ सौ बोरे जौ के लाने को कहा।
- मंत्री का बेटा उदास होकर वापस शहर पहुँचा और उसी लड़की से दुबारा मिला।
- लड़की ने फिर से उसकी समस्या सुनकर भेड़ों के सींग काटकर बाजार में बेच दिए और उनसे मिले रुपयों से सौ बोरे जौ के खरीदकर मंत्री का बेटा वापस घर लौट गया।
- इसके बाद घर आकर मंत्री के बेटे ने अपने पिता को सारी बात बता दी।
- अब लोनपो गार ने अपने बेटे को उस लड़की से यह कहने को कहा कि उसे नौ हाथ लंबी राख की रस्सी बनाने को कहो।
- उसका बेटा लड़की के पास गया और उसे सारी बात बता दी।
- लड़की ने एक शर्त रखी कि उसके पिता को उस रस्सी को गले में पहनना होगा।
- लोनपो गार को लगा कि ऐसी रस्सी बनाना ही संभव नहीं है इसलिए उसने उस लड़की की शर्त मान ली।
- अगले दिन लड़की ने नौ हाथ की रस्सी लेकर उसे पत्थर की सिल पर रखकर जला दिया। रस्सी के जलने के बाद उसी के आकार की राख बच गई और लड़की ने उसे सिल समेत लोनपो गार के पास ले जाकर उसे पहनने को कहा।
- लोनपो गार राख की रस्सी देखकर दंग रह गए और लड़की की समझदारी को देखकर प्रभावित हो गए और अपने बेटे की शादी उससे करा दी।



Chapter 2 - फसलों के त्यौहार

पाठ का सारांश:

- प्रस्तुत पाठ में देश के अलग अलग हिस्सों में फसलों के त्योहारों को मनाने के बारे में बताया गया है।
- हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में फसलों से संबंधित त्योहारों का अपना ही महत्व होता है। सबके मनाने का तरीका भी भिन्न होता है
- पाठ के अनुसार सर्दी का मौसम है और दस दिनों से सूरज नहीं उगता है। लोग रजाई से नहीं निकल रहे हैं।
- मकर संक्रांति का त्योहार आ जाता है। लेकिन फिर भी सभी लोग नहा-धोकर एक कमरे में इकट्ठा हो जाते हैं। दादा, चाचा और पापा ने सफेद चकाचक धोती और कुर्ता पहन रखी है।
- मचिया पर खादी की सफेद साड़ी पहने हुए दादी बैठी हुई हैं और उनके बाल सफेद *सेमल की रुई के समान दिख रहे हैं

मचिया- छोटी खाट।

सेमल - एक तरह का रूईदार वृक्ष।

- दादी के सामने केले के पत्तों पर तिल, गुड़, चावल आदि रखे हुए
- दादी सभी को इन्हें बारी-बारी से छूने और प्रणाम करने के लिए कहती है और बाद में इन्हें दान दे दिया जाता है।

मकर संक्रांति का त्योहार-

- इसे जनवरी मध्य से अप्रैल मध्य तक अलग-अलग समय में मनाया जाता है।
- इस दिन सब लोग फसल की अच्छी पैदावार और फसलों के घर में आ जाने की खुशी मनाते हैं।
- इस दिन चूड़ा-दही और खिचड़ी खाने का रिवाज होता है। इस दिन तिल, गुड़ और चीनी के तिलकुट भी खाए जाते हैं जो बड़े स्वादिष्ट लगते हैं।
- मकर संक्रांति के त्योहार के अलग अलग नाम-
- प्रायः इसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार तीनों में मकर संक्रांति या कभी कभी तिल संक्रांति के नाम से जाना जाता है।
- असम में इसे बीहू के नाम से जाना जाता है।
- केरल में ओणम के नाम से जाना जाता है।
- तमिलनाडु में यह पोंगल के नाम से जाना जाता है।
- पंजाब में यह लोहड़ी के नाम से जाना जाता है।
- झारखंड में सरहुल के नाम से जाना जाता है।
- गुजरात में इसे पतंग का पर्व के रूप में मनाया जाता है।

झारखंड में मकर संक्रांति-

- वहाँ की जनजातियाँ इसे अलग-अलग समय पर मनाती हैं।
- संथाल लोग फरवरी-मार्च में और ओरांव लोग इसे मार्च-अप्रैल में मनाते हैं।
- इस दिन आदिवासी साल वृक्ष और धान की भी पूजा करते हैं।
- स्त्री-पुरुष मिलकर रातभर नाचते और गाते हैं।
- इस धान को लोग अगली फसल में आशीर्वाद के रूप में बोते हैं।



तमिलनाडु में मकर संक्रांति-

- इसे वहां 'पोंगल' के नाम से जाना जाता है।
- इस दिन खरीफ की फसलें चावल, अरहर, मसूर आदि कटकर घरों में पहुँचती हैं और लोग नए धान कूटकर चावल निकालते हैं।
- लोग घर में मिट्टी का नया मटका लाकर इसमें नए चावल, दूध और गुड़ डालकर उसे पकने के लिए धूप में रख देते हैं।
- दूध में उफान आते ही सभी लोग एक स्वर में गाना गाने लगते हैं।

गुजरात में मकर संक्रांति-

- गुजरात में इसे पतंग का पर्व के रूप में मनाया जाता है।
- इस दिन प्रत्येक गुजराती पतंग उड़ाते हैं और हजारों-लाखों पतंगों से आसमान ढक जाता है।

उत्तराखंड में मकर संक्रांति-

- उत्तराखंड में कुमाऊँ मंडल इसे 'घुघुतिया' के रूप में मनाते हैं।
- इस दिन आटे और गुड़ को गूँथकर पकवान बनाया जाता है।
- बच्चे पक्षियों को पकवान खिलाते हुए उनके लिए गीत गाते हुए प्रार्थना करते हैं।

Chapter 3 - खिलौनेवाला

कवियित्री का परिचय:

- प्रस्तुत कविता की कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान है।
- कवियित्री का जन्म 16 अगस्त 1904 को इलाहाबाद में हुआ था।
- इनकी अधिकांश कहानियां नारी पर केंद्रित हैं।
- वे एक लोकप्रिय कथाकार के रूप में जानी जाती हैं।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में एक बालक के मन में खिलौने वाले को देखकर आने वाले उत्साह के बारे में बताया गया है।
- कविता के पहले भाग के माध्यम से कवियित्री बताना चाहती हैं कि जब एक बालक खिलौनेवाला देखता है तो बहुत उत्साहित हो जाता है।
- वह अपनी माँ से कहता है कि आज खिलौनेवाला तरह-तरह के खिलौने लेकर आया है। उसके पास पिंजड़े में बंद हरा-हरा तोता और एक पैसे वाली छोटी-सी मोटर गाड़ी है जो सर सर सर करके चलती जाती है।
- कविता के दूसरे भाग में बालक कहता है कि आज खिलौनेवाले के पास कई तरह की सीटियाँ, चाभी से चलने वाली सुन्दर रेल और एक गुड़िया है जिसके कानों में बालियाँ हैं। उसके पास छोटा टी-सेट और छोटे छोटे लोटा थाली भी रखे हुए हैं।
- कविता के तीसरे भाग में बालक कहता है कि आज खिलौनेवाले के पास नए-नए खिलौने हैं। उसके पास छोटे-छोटे धनुष बाण और तलवार है। मुन्नू खिलौनेवाले से गुड़िया और मोहन मोटरगाड़ी खरीदता है। सरला अपनी माँ से साड़ी खरीदने के लिए कहती है। यह बालक अपनी माँ से कहता है कि साड़ियाँ तो कपड़े बेचनेवाले रखते हैं।
- कविता के इस भाग में बालक अपनी माँ से चार पैसे ले लेता है। वह खिलौना लेने के बारे में सोचता हुआ माँ से कहता है कि वह ये सारे खिलौने न लेकर तलवार और तीर कमान लेना चाहता है। वह जंगल जाकर भगवान राम की तरह ताड़का को मारना चाहता है।



- कविता के इस भाग में बालक असुरों को जंगल से मार भगाना चाहता है जिससे तपस्वी साधु आसानी से यज्ञ कर सके। इस प्रकार वह रामचन्द्र और उसकी माँ को कौशल्या बनाना चाहता है।
- वह आगे कहता है कि अगर उसकी माँ उसे बन जाने का आदेश देगी तो वह खुशी-खुशी वन भी चला जाएगा। लेकिन बालक दुखी भी हो जाता है और कहता है कि वह जंगल में अकेले नहीं रह सकता। वह कहता है कि जंगल में जाने पर उसे पैसे देने वाला, मनाने वाला और गोद में बिठाकर मनचाही चीजें दिलाने वाला कोई नहीं होगा।

Chapter 4 - नन्हा फनकार

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में एक दस साल के बच्चे केशव के बारे में बताया गया है।
- केशव एक होनहार बालक था। केशव पत्थर की नक्काशी करने का काम सीख रहा था और उसे लगता था कि वह एक दिन अपने पिता की तरह सारी बारिकियाँ सीखकर उन्हें उकेर पाने में जरूर सफल होगा।
- केशव के जन्म से पहले ही उसके माता पिता गुजरात से आगरा में आकर बस गए थे। केशव का जन्म आगरा में ही हुआ था।
- बादशाह अकबर उस समय आगरे का किला बनवा रहे थे और केशव के पिता वहीं पर काम करते थे। लेकिन अब वह सीकरी में रहता था।
- एक दिन जब नन्हा केशव अपना काम कर रहा था। तभी बादशाह अकबर उसके पास आकर खड़े हो गए और उसके द्वारा बनाई हुई घंटियों की तारीफ करने लगे।
- बादशाह अकबर ने सफेद * अँगरखा और पायजामा पहना हुआ था। उनके बाल लंबे थे जो गहरे लाल रंग की पगड़ी में अच्छी तरह से ढंके हुए थे।
- अँगरखा- कोट जैसा घुटने तक का एक पहनावा।
- केशव ने उन्हें नहीं पहचाना लेकिन समझ गया कि वह कोई बड़े आदमी है।
- तभी एक पहरेदार आकर बताता है कि वह बादशाह अकबर हैं और वह उनसे अदब से बात करे। अदब-सम्मान
- केशव डर गया और उसके हाथ से * छेनी नीचे गिर गई। वह जल्दी से उठा और बादशाह को झुककर सलाम किया।
- छेनी - पत्थर को काटने का लोहे का औज़ार
- अकबर ने केशव के सामने नक्काशी सीखने की इच्छा ज़ाहिर की। इतने में केशव तुरंत छेनी और हथौड़ा लेकर आया और बादशाह को काम करना सिखाने लगा।
- बादशाह नन्हें केशव के पास जमीन पर बैठ गए। केशव अब बादशाह अकबर को काम सिखाने लगा।
- उनकी जरा सी गलती पर केशव को गुस्सा आ जाता था।
- केशव के काम करने के अंदाज को देखकर अकबर ने कहा एक दिन तुम बड़े *फनकार बनोगे।
- *फनकार - किसी कला में माहिर
- आगे अकबर ने उसे बताया कि जब वे लोग आगरा में आकर रहने लगेंगे, तब वे एक कारखाना बनवाएंगे और उस समय सबसे बढ़िया फ़नकार और शिल्पकार को कारखाने में रखा जाएगा।
- यह सुनकर केशव खुश हुआ और उसे लगा कि कारखाना खुलने पर उसे काम जरूर मिलेगा।



- इसके बाद रात हो गई और केशव ने अपने पिता से जाकर पूछा कि बादशाह अकबर सीकरी में शहर क्यों बनवा रहे हैं।
- पिता ने उसे बताया कि जब बादशाह की कोई संतान नहीं थी। तब वे सीकरी में ख्वाजा सलीम चिश्ती के पास आए और उनके आशीर्वाद से बादशाह को तीन-तीन संतानें हुईं।
- उन संतानों के नाम शाहजादा सलीम, मुराद और दनियाल था।
- तब अकबर ने ख्वाजा सलीम चिश्ती के सम्मान में सीकरी में एक नगर बसा दिया। और अपने एक बेटे का नाम सलीम रख दिया।

नैतिक शिक्षा:

- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें हमेशा कुछ नया सीखने के लिए तैयार रहना चाहिए।

Chapter 5 - जहाँ चाह वहाँ राह

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में इला सचानी नाम की एक लड़की के बारे में बताया गया है जिसका हाथ काम नहीं करता। कहानी में उसके दृढ़ इच्छाशक्ति और हौसले का वर्णन किया गया है।
- इला सचानी छब्बीस साल की है। वह गुजरात के सूरत जिले में रहती है। वह अपने दोस्तों के साथ खेलने में खूब मजे करती, पर उसके हाथ काम नहीं करते। इससे बाद भी वह नहीं घबराती है।
- वह हाथ से करने वाले सभी कामों को पैरों से करने की कोशिश करती रहती है। वह भोजन करना, दूसरों के बाल बनाना, फर्श बुहारना, कपड़े धोना, तरकारी काटना, तख्ती पर लिखना आदि सारे काम पैरों से करना सीख चुकी है।
- इला ने एक स्कूल में दाखिला भी ले लिया है। वहाँ भी सभी लोग उसकी फुर्ती को देखकर हैरान रह जाते हैं।
- इला दसवीं की परीक्षा पास नहीं कर पाई क्योंकि वह दिए गए समय में लिखने का काम पूरा नहीं कर पाई थी। उसे यह पता नहीं था कि परीक्षा में उसके लिए लिखने का काम कोई दूसरा इंसान कर सकता है। उसे इस बात का बहुत अफ़सोस है।
- इला की माँ और दादी कशीदाकारी करती थीं। एक दिन इला ने भी * कशीदाकारी करने की ठान ली।
- वह पैरों से दोनों अंगूठों के बीच सुई थामकर कच्चा रेशम पिरोने जैसा कठिन काम कर लेती थी।
- * कशीदाकारी- कपड़े पर कढ़ाई करना
- पन्द्रह - सोलह साल की उम्र में इला ने काठियावाड़ी कशीदाकारी में महारत हासिल कर ली थी।
- एक दिन उसके द्वारा बनाए गए कपड़ों की प्रदर्शनी लगी। इनमें काठियावाड़ के साथ-साथ लखनऊ और बंगाल की भी झलक दिखाई दी थी। उसने पत्तियों को चिकनकारी से और डंडियों को कांथा से उभारा था। पशु-पक्षियों की आकृतियों को अच्छे से उकेरा था।
- इला की आँखों में चमक दिखाई देती है। इस प्रकार इला अपंग होते हुए भी बहुत से लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

नैतिक शिक्षा:

- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कठिनाइयों का डटकर सामना करना चाहिए।



Chapter 6 - चिट्ठी का सफ़र

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में चिट्ठियों के महत्व और उसके ऐतिहासिक सफ़र का वर्णन किया गया है।
- जब टेलीफोन या तकनीकी यंत्र नहीं हुआ करता था, तब चिट्ठी ही दूरसंचार का महत्वपूर्ण साधन हुआ करती थी
- चिट्ठियों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। जब पत्र लिखा जाता है तब पत्र को लिखने के बाद उस पर डाक टिकट लगाया जाता है और उस पर घर का नंबर, गली-मोहल्ले का नाम, फिर गाँव, कस्बे, शहर का नाम लिखा जाता है। इस पर पिनकोड भी लिखा जाता है जिससे कर्मचारियों को इसे तुरंत पहुँचाने में मदद मिलती है।
- इस पिनकोड की शुरुआत डाकतार विभाग के द्वारा 15 अगस्त 1972 को हुई थी।
- पिन या PIN का पूर्ण मतलब Postal Index Number होता है। यह पिनकोड हर स्थान के लिए 6 अंकों का होता है। हर अंक का एक खास स्थानीय अर्थ होता है।
- पुराने समय में कबूतरों के द्वारा संदेश भेजे जाते थे। इसके बाद पैदल चलकर लोगों तक चिट्ठी पहुँचाई जाने लगी।
- राजा-महाराजाओं के पास खुद के घुड़सवार # हरकारे होते थे। इनको डाकू, लुटेरों या जंगली जानवरों से डाक की रक्षा भी करनी होती थी
*हरकारे - पत्र ले जाने वाले।
- संचार में परिवर्तन आने से अब डाक विभाग पत्र को मनीआर्डर, ई-मेल, बधाई कार्ड आदि से लोगों तक पहुँचाने में सक्षम है।
- 'गिरहबाज' या 'हूमर' नामक कबूतर की प्रजाति के द्वारा ही संदेश को भेजा जाता था। इन कबूतरों का जीवनकाल 15 से 20 साल तक का होता है।
- उड़ीसा पुलिस आज भी हूमर कबूतरों का इस्तेमाल राज्य के कई दुर्गम इलाकों में संदेश पहुँचाने के लिए करती है। कबूतरों की यह संदेश सेवा बेहद सस्ती है और उन पर खास खर्च नहीं आता है।

Chapter 7 - डाकिए की कहानी कँवरसिंह की जुबानी

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में लेखिका 'प्रतिमा शर्मा' ने डाकिये कँवरसिंह के साथ बातचीत का वर्णन किया है।
- लेखिका ने लिखा है कि शिमला की माल रोड पर जनरल पोस्ट ऑफिस है। सुबह के 11:30 बज रहे हैं। उसी पोस्ट ऑफिस के एक कमरे में डाक छांटने का काम चल रहा है। जहाँ दो पैकर और तीन महिला डाकिया फटाफट डाक छांटने का काम कर रहे हैं।
- वहीं पर सरकार से पुरस्कार प्राप्त करने वाले डाकिया कँवर सिंह जी से लेखिका की बात चीत होती है
- बातचीत में कँवरसिंह जी लेखिका से अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक परिचय का अनुभव साझा कर रहे होते हैं।
- कँवरसिंह बताते हैं कि वह हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के नेरवा गाँव के निवासी हैं। उनकी उम्र पैंतालीस साल है। उनके चार बच्चे हैं। जिनमें तीन लड़कियाँ और एक लड़का शामिल है।



- उनकी दो लड़कियों की शादी हो चुकी है। पहाड़ी और बर्फीला इलाका होने के कारण उनके गाँव में अभी तक बस नहीं पहुँच पाती वहाँ पैदल चलकर ही पहुँचा जा सकता है।
- कँवरसिंह के बच्चे गाँव से पाँच किलोमीटर दूर के स्कूल में पढ़ने जाते हैं।
- कँवरसिंह बताते हैं कि वह पहले भारतीय डाक सेवा में ग्रामीण डाक सेवक थे लेकिन अब वे पैकर के पद पर काम कर रहे हैं।
- इसके बाद कँवर सिंह बताते हैं कि वे चिट्ठियाँ, रजिस्टरी पत्र, पार्सल, बिल, बूढ़े लोगों की पेंशन आदि छोड़ने गाँव-गाँव जाते हैं।
- वह कहते हैं कि संदेश पहुँचाने का सबसे बड़ा साधन डाक ही है।
- इसके बाद लेखिका कहती हैं कि हमारे देश की डाक सेवा आज भी दुनिया में सबसे बड़ी और सस्ती डाक सेवा है।
- कँवरसिंह बताते हैं कि उन्हें लोगों तक मनीआर्डर पहुँचाने, नियुक्ति पत्र का रजिस्टरी पत्र पहुँचाने और पेंशन पहुँचाने पर लोगों का खुशी भरा चेहरा देखने को मिलता है।
- कँवरसिंह ने सबसे पहले लाहौल स्पीति जिले के किब्बर गाँव में तीन साल नौकरी की और इसके बाद पाँच साल तक काज़ा में और पाँच साल तक किन्नौर जिले में नौकरी की थी।
- कँवरसिंह कहते हैं कि किन्नौर और लाहौल स्पीति हिमाचल प्रदेश के बहुत ठंडे तथा ऊँचे जिले हैं जहाँ डाक पहुँचाने के लिए लगभग 26 किलोमीटर रोजाना चलना पड़ता था।
- कँवरसिंह बताते हैं कि पैकर को काम के हिसाब से वेतन बहुत कम दिया जाता है।
- अंत में लेखिका ने कँवर सिंह से काम के दौरान हुई किसी घटना का जिक्र करने को कहा।
- कँवरसिंह ने एक घटना का जिक्र किया करते हुए बताया कि जब उनका तबादला शिमला के जनरल पोस्ट ऑफिस में हुआ था। तब उन्हें रात के समय रेस्ट हाउस और पोस्ट ऑफिस की चौकीदारी का काम दिया गया था।
- कँवरसिंह ने 29 जनवरी 1998 की घटना बताते हुए कहा कि रात के लगभग साढ़े दस बजे किसी ने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा खोलने पर पाँच-छह लोग अंदर घुस आए और उन्हें पीटने लगे। इसमें उनका सिर फट गया और वह बेहोश हो गए।
- उनके चिल्लाने की आवाज़ सुनकर उनका 17 साल का बेटा और आफिस के दूसरे लोगो ने दरवाजे का शीशा तोड़कर उन्हें शिमला के इंदिरा गाँधी मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में भर्ती कराया। और तब से उनकी एक आँख से उन्हें दिखाई नहीं देता है।
- इस बात के लिए कँवरसिंह को सरकार ने 2004 में डाक की चीज़ें बचाने के लिए 'बेस्ट पोस्टमैन' का इनाम दिया। इस इनाम में 500 रुपये और प्रशस्ति पत्र दिया गया।
- अंत में कँवरसिंह बेहद गर्व से कहते हैं कि मैं बेस्ट पोस्टमैन हूँ।

नैतिक शिक्षा:

- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने सभी काम ईमानदारी के साथ करना चाहिए।

Chapter 8 - वे दिन भी क्या दिन थे

लेखक परिचय:

- इस कहानी के लेखक 'आइज़क असीमोव' है।
- इनका जन्म सन 1920 में हुआ था।



- इनकी सबसे मशहूर श्रृंखला “ फाउंडेशन” है।
- इनको सबसे अच्छी नोवल के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में लेखक ने भविष्य में होने वाली तकनीकी बदलावों का रोचकता के साथ वर्णन किया है।
- कुम्मी और रोहित नाम के दो बच्चे हैं। कुम्मी ने अपनी डायरी में 17 मई 2155 की रात को लिखा है कि रोहित को आज एक पुस्तक मिली है। जो बहुत पुरानी थी।
- कुम्मी के दादा ने उसे बताया कि उनके ज़माने में कहानियाँ कागज पर छपती थीं और पढ़ी जाती थीं।
- पुस्तक में पेज हुआ करते थे, जिनपर कहानियाँ छपी होती थी।
- रोहित ने कहा कि तब तो टेलीविजन ही अच्छा है। जिसमें पुस्तक नई की नई रहती है।
- कुम्मी ने जब रोहित से उस पुस्तक के बारे में पूछा तो रोहित जवाब दिया कि यह घर में रखे एक पुराना डिब्बे से मिली है। उस पुस्तक में स्कूल के बारे में लिखा था।
- लेखक कहना चाह रहे हैं कि अब इस समय हर विद्यार्थी के घर में एक मशीन होती है। बच्चे इस मशीन के सामने बैठकर याद करना, गृहकार्य पूरा करके दिखाना जैसे काम कर लेते हैं। वही मशीन बच्चों की परीक्षा भी लेती है।
- कुम्मी ने रोहित को मशीन से जुड़ी एक घटना के बारे में बताया कि एक बार जब उससे भूगोल में गलतियाँ होने लगीं थीं। तब एक आदमी ने आकर मशीन की गति को कुछ धीमी कर दिया था जिससे कुम्मी से गलतियाँ होना बंद हो गया था।
- इसके बाद रोहित ने कुम्मी को बताया कि पहले के जमाने में मशीन की जगह अध्यापक होते थे। जो बच्चों को सारे विषय समझाते, गृहकार्य देते और प्रश्न पूछते थे।
- यह सुनकर कुम्मी और उत्सुक हो गई। और आगे रोहित ने कहा कि बच्चे स्कूल जाकर पढ़ाई किया करते थे। एक ही उम्र के सभी बच्चे एक साथ बैठते और पढ़ाई किया करते थे।
- कुम्मी और अधिक जानना चाहती थी लेकिन उसकी माँ ने उसे बुला लिया और दोनों अपने-अपने घर की ओर रवाना हो गए।
- कुम्मी जैसे ही घर पहुँची अंदर मशीन आगे की पढ़ाई कराने को तैयार थी। मशीन से आवाज आती है- सबसे पहले तुम्हें गणित सीखना है और कल का होमवर्क भी प्रस्तुत करना है।
- कुम्मी ने अपना काम पूरा कर लिया लेकिन कुम्मी को मशीनी की पढ़ाई से ज्यादा बेहतर पुराने जमाने का स्कूल लगता है।

Chapter 9 - एक माँ की बेबसी कविता

कवि परिचय:

- प्रस्तुत कविता के कवि ‘कुँवर नारायण’ हैं।
- इनका जन्म 19 सितंबर 1927 को उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- इनकी प्रमुख रचनाओं में “ चक्रव्यूह” और “ कोई दूसरा नहीं शामिल” हैं।
- इन्हें ज्ञानपीठ और पद्म भूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में कवि ने रतन नाम के एक लड़के के बारे में बताया है और उसकी माँ की बेबसी का चित्रण किया है



- कविता के प्रथम भाग में कवि कहते हैं कि उनके पड़ोस में रतन नाम का लड़का रहता था, जो बोल नहीं पाता था। वह रोज उन सभी के साथ खेलने आया करता था। वह अपंग होते हुए भी एक बच्चा ही था। लेकिन वह उनसे अलग और उनके लिए एक अजूबा था।
- कविता के दूसरे भाग में कवि कहते हैं कि सभी बच्चे रतन से घबराते भी थे। उसकी बातों को इशारों में समझना आसान नहीं होता था। उसकी सही हुई आँखों में जो बैचेनी रहती थी, उसे कोई भी समझ नहीं पाते थे।
- कविता के तीसरे भाग में कवि कहते हैं कि जब तक रतन खेलता था तो उसकी माँ उसके पास ही बैठी रहती थी और अपनी नज़र हमेशा रतन पर रखा करती थी।
- कवि उन दिनों छोटे बच्चे थे तब वह उसकी माँ की बेबसी को नहीं समझ पाए थे। अब उनको सबकुछ समझ आने लगा है।
- कवि को रतन याद है लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें माँ की बेबसी याद आती है, जो हमेशा अपने बेटे की सुरक्षा और भविष्य को लेकर परेशान रहती थी।

Chapter 10 - एक दिन की बादशाहत

लेखक परिचय:

- इस कहानी के लेखिका 'जीलानी बानो' है।
- इनका जन्म 14 जुलाई 1936 में हुआ था।
- इनकी पुस्तकों का भाषा अनुवाद भी किया जाता है।
- इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में दो बच्चे आरिफ़ और सलीम की एक दिन की बादशाहत का खूबसूरत चित्रण किया गया है।
- दो बच्चे आरिफ़ और सलीम अपने माता पिता द्वारा हर बात पर टोके जाने से परेशान थे। कभी अम्मी और कभी दादी द्वारा टोका जाता था। उन्हें हर वक्त पाबंदी में रहने को मजबूर रहना पड़ता था। बच्चों की अपनी मर्जी कभी नहीं चलती थी।
- एक दिन बच्चों को एक तरक़ीब सूझी और दोनों ने अब्बा के पास जाकर कहा कि एक दिन के लिए उन्हें बड़ों के सारे अधिकार दे दिए जाएँ और सब बड़े छोटे बन जाएँ
- अब्बा उनकी बात मान लेते हैं और एक दिन के लिए सारे अधिकार देने की बात कह देते हैं।
- अगले दिन सुबह सबसे पहले आरिफ़ ने अम्मी को जल्दी उठकर खाना बनाने को कहा। इसके बाद उसने दादी को हरीरा पीने से टोक दिया।
- बाद में खानसामे को आदेश देकर उसने अपने सामने अंडे और मक्खन रखवाया और घर के बाकी सदस्यों को दलिया और दूध बिस्कुट देने को कहा।
- इसके बाद आरिफ़ और सलीम ने खाने खाते हुए अम्मी को टोका और सलीम ने जबरदस्ती उन्हें गुसलखाने में भेज दिया।
- इसके बाद सलीम ने अब्बा को कपड़े मैले होने पर टोका और जल्दी ऑफिस जाने को कहा।
- बाद में खानसामा रज़िया को उन्होंने आदेश दिया कि आज आलू, गोश्त, कबाब, मिर्ची का सालन बनेगा। सलीम तुरंत आगे बढ़ा और अम्मी को कहा कि आज गुलाब जामुन, गाजर का हलवा और मीठे चावल बनाओ।



- जब दादी बात कर रही थी तो आरिफ ने दादी को भी टोक दिया।
- भाईजान ने शाम को दोस्तों के साथ फिल्म देखकर देर से आने की बात कही तो आरिफ ने आँखें निकालकर उन्हें धमकाया और जाने से मना कर दिया।
- इसके बाद सलीम ने आपा को भी टोका और सफेद वॉयल की साड़ी पहनने को कहा और उनकी नकल भी करने लगा।
- इस तरह आदेश देते-देते एक दिन की बादशाहत खत्म हो गई थी। अगली सुबह सलीम की आँख खुली तो उसने देखा कि आपा नाश्ते की मेज सजाए उन दोनों के उठने का इंतज़ार कर रही थी। अम्मी खानसामे को हर खाने के साथ एक मीठी चीज़ बनाने का आदेश दे रही थी और सभी का बर्ताव बदल सा गया था। सभी को समझ आ गया था कि हुक्म देना आसान होता है मगर उसका मार कर पालन करना उतना ही मुश्किल होता है।

Chapter 11 - चावल की रोटियां

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में 'कोको' नाम का आठ वर्ष का एक बर्मी लड़का है। जो मोटा है।
- उसके तीन बर्मी दोस्त हैं नीनी, तिन सू और मिमि।
- नीनी नौ साल और तिन सू आठ साल का है।
- जबकि मिमि सात साल की बर्मी लड़की है।
- और उबा तुन दुकान का प्रबंधक है।
- एक दिन कोको अपने माता-पिता के खेत पर चले जाने के बाद उठता है। कोको की माँ ने उसके लिए चावल की चार रोटि बनाई अलमारी है।
- कोको को चावल की रोटियाँ बहुत पसंद हैं। लेकिन जब कोको खाने के लिए बैठता है। उसी समय दरवाजा खटखटाने की आवाज आती है और वह पहले रोटियों को छिपा देता है।
- दरवाजे पर नीनी होता है। नीनी उसके पास रेडियो पर परीक्षा संबंधी सूचना के बारे में जानकारी लेने आता है। कोको बहाना बनाता है कि उसका रेडियो खराब हो गया है।
- इसके बाद नीनी तिन सू के घर चला जाता है।
- जब वह फिर से चावल की रोटियाँ लेकर खाने के लिए बैठता है तो इस बार मिमि आ जाती है। कोको फिर रोटियाँ छिपाने के बाद दरवाजा खोलता है।
- मिमि उसे बताती है कि वह उसकी माँ से मिली थीं और उसे चावल की रोटियों के बारे में पता है।
- कोको कहता है कि मैंने सारी रोटियाँ खा ली। मिमि की माँ ने उसे चार केले के पापड़ दिए थे। मिमि एक पापड़ उठाकर कोको से चाय माँगती है और कोको उसे बताता है कि चाय अलमारी पर रखी है।
- इसके बाद मिमि खुद चाय पीने लगती है और कोको से कहती है कि तुम्हारा पेट बहुत भरा हुआ है।
- इस बार वापस दरवाजा खुलता है और इस बार तिन सू होता है। वह गेंदे के फूलों का गुच्छा लाता है।
- मिमि और तिन सू केले का पापड़ और एक कप चाय पीते हैं।
- इसके बाद तिन सू फूलदान में फूल लगाने के लिए बढ़ता है तो कोको उसे रोक देता है।
- इस बार वापस दरवाजा खुलता है अब उबा तुन आए हैं।
- वह कोको से गुलाबी फूलदान की जगह नीला फूलदान बदलने की बात कहता है और वह गुलाबी फूलदान उठा लेता है और उसकी जगह नीला फूलदान रख देता है।



- फूलदान के साथ कोको की चावल की रोटियाँ भी चली जाती है जिससे वह बहुत दुखी हो जाता है
- नैतिक शिक्षा:
- इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें झूठ नहीं बोलना चाहिए और मिल बाटकर खाना चाहिए

Chapter 12 - गुरु और चेला

कवि परिचय:

- प्रस्तुत कविता के कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' हैं।
- इनका जन्म 22 फरवरी 1906 को उत्तर प्रदेश में हुआ था।
- इनकी रचनाओं में राष्ट्रीयता की भावना पाई जाती है।
- इनकी प्रमुख रचनाओं में दूधबतासा, भैरवी आदि शामिल हैं।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में कवि ने एक मूर्ख राजा से जनता कि बचाव का चित्रण किया है।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि एक गुरु और उनका एक चेला था। दोनों के पास पैसा नहीं था। एक दिन दोनों कहीं घूमने निकल पड़ते हैं और चलते-चलते किसी नगर में पहुँच जाते हैं। उस नगर के रास्ते चमक रहे होते हैं।
- तभी उन्हें एक मग लिन दिए जा उससे उस नगरी के बारे में उसके सिर पर एक घड़ा था। गुरु और वहाँ के राजा के बारे में पूछते हैं।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि ग्वालिन उत्तर में कहती है कि यह अंधेर नगरी है और इसका राजा मूर्ख है। वह कहती है यहाँ सब कुछ * टके सेर मिलता है। यह सुनकर गुरु घबरा जाते हैं और उनका मन वहाँ से चले जाने को कहता है।
- टके सेर बहुत कम दाम
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि गुरु, चेले को भी वहाँ से चलने को कहते हैं। गुरुजी वहाँ से चले जाते हैं और चेला वहीं अकेला रह जाता है।
- कवि कहते हैं कि उस मूर्ख राजा के अंधेरी नगरी में सबकुछ टके सेर ही मिलता था। और इसी बात का फायदा उठाकर चेला खूब रबड़ी मलाई खा लेता है। कवि कहते हैं कि उस साल उस नगर में खूब बारिश हुई थी। खूब बिजली चमकती थी और खूब बादल गरजते थे।
- कवि कहते हैं कि बारिश के कारण राज्य की एक दीवार गिर गई थी। राजा तुरंत वहाँ पहुँच गया और संतरी को बुलाकर उससे दीवार गिरने का कारण पूछा। संतरी ने जवाब दिया कि दीवार कमजोर बनी थी इसीलिए गिर गई। इसमें उसकी कोई गलती से नहीं है। इसमें कारीगर की गलती है।
- तभी कारीगर को फ़ौरन बुलाया गया। राजा ने कारीगर को सजा देने का आदेश दे दिया। तब कारीगर ने कहा इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। इसमें *भिशती की गलती है।
- भिशती - ढोने का काम करने वाले
- तब राजा ने हुक्म दिया कि भिशती को फ़ौरन बुलाकर उसे फाँसी पर चढ़ा दिया जाए। भिशती ने भी अपना बचाव किया और *मशक की गलती बताई।
- मशक- चमड़े की थैली बनाने वाला
- मशक भी अपना बचाव करता है और मंत्री की गलती बताता है। वह कहता है कि उन्होंने ही मुझे बड़े जानवर का चमड़ा दिलवाया था।



- मंत्री को बुलाकर उसे फांसी पर चढ़ाया जाता है लेकिन मंत्री बहुत दुबला पतला होता है। इस लिए राजा किसी मोटे आदमी को लाने का आदेश देता है।
- संत्री मोटा गर्दन वाले आदमी को ढूंढने निकल पड़ता है और उसे चेला मिल जाता है। चेले को राजा के दरबार ले जाया जाता है।
- राजा उसे फांसी पर चढ़ाने का आदेश दे देता है। चेला राजा के सामने आखिरी बार अपने गुरु से मिलने की इच्छा रखता है।
- इसके बाद गुरु को राज दरबार बुलाया जाता है। गुरु और चेला आपस में कुछ बात करते हैं और झगड़ा शुरू कर देते हैं और दोनों ही फांसी पर चढ़ने की बात कहते हैं।
- राजा उनके झगड़े का कारण पूछता है तब गुरु बताते हैं कि यह इस समय जो फांसी पर चढ़ेगा वह चक्रवर्ती बन जाएगा।
- राजा गुरु की बात सुनकर फांसी पर चढ़ जाते हैं और पूरी जनता खुश हो जाती है

Chapter 13 - स्वामी की दादी

लेखक परिचय:

- इस कहानी के लेखक आर के नारायण स्वामी है।
- इनका जन्म 10 अक्टूबर 1906 को हुआ था।
- "मालगुडी का आदमखोर" उनकी प्रमुख रचना है।
- इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में स्वामीनाथन और उसकी दादी के बीच आपसी प्रेम का चित्रण किया गया है।
- स्वामीनाथन की दादी एक छोटी सी कोठरी में रहती थीं। उनके पास पाँच दरियाँ, तीन चादरें, पाँच तकियों वाला भारी भरकम बिस्तर और दो बक्से थे
- एक दिन रात को खाना खाने के बाद स्वामीनाथन अपनी दादी की गोद में सिर रखकर उनसे बातें कर रहा था। उसने अपनी दादी को अपने दोस्त राजम और मणि की कहानी सुनाई। उसने बताया कि राजम के पिता पुलिस अधीक्षक हैं।
- इसके बाद दादी भी अपनी पुरानी कहानी बताने लगती है। उन्होंने स्वामीनाथन को बताया कि उसके दादा रौबदार सब-मजिस्ट्रेट थे और उनसे बड़े से बड़ा डाकू भी बहुत डरते थे।
- इसके बाद स्वामीनाथन दादी को राजम के बारे में बताने लगा। स्वामीनाथन ने बताया कि राजम को गणित में 100 में से 90 अंक मिलते हैं
- फिर वापिस दादी ने स्वामीनाथन के दादाजी के बारे में उसे बताया कि वे कम समय में सभी सवालों का जवाब दे देते थे और उन्हें एम. ए. पास करने पर उनको बड़ा मेडल मिला था। जिसकी बुआ ने चूड़ियाँ बनवा ली थी।
- अब स्वामीनाथन राजम के बारे में दादी को सुनाने लगता है। वह कहता है कि एक दिन राजम और उसके पिता जंगल गए थे। उन पर दो शेर झपट गए और एक शेर ने पीछे से हमला करके उसके पिता को गिरा दिया था और दूसरा शेर राजम का पीछा कर रहा था। अंत में राजम ने किसी झाड़ी में छिपकर शेर को गोली से मार दिया।
- दादी ने कहा कि राजम सचमुच एक अच्छा लड़का है, स्वामीनाथन ऐसा सुनकर खुश हो गया।



- उसके बाद दादी उसे हरिशंकर की कहानी सुनाने लगीं। तभी स्वामीनाथन सो गया और इसके बाद दादी भी सो गई।

नैतिक शिक्षा:

- इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें बुजुर्गों का सम्मान और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

Chapter 14 - बाघ आया उस रात

कवि परिचय:

- प्रस्तुत कविता के कवि 'नागार्जुन' है।
- इनका जन्म 30 जून 1911 को हुआ था।
- इनकी रचनाएँ मैथिली और संस्कृत में भी पाई जाती हैं।
- इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में कवि ने जंगल में रहने वाले बाघ के खौफ को बताया है।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि एक छोटा बच्चा बाघ के बारे में बताता है कि एक बाघ इधर से निकलकर उधर चला गया था। वह अपने बाबा को कहता है कि बाघ उस रात को आया था इसलिए आप रात को बाहर मत निकलना। बच्चा कहता है कि वह बाघ झरने के पास ही रहता है और उसके दो बच्चे हैं। बाघिन सारा दिन पहरा देती है और बाघ कभी सोता या कभी बच्चों के साथ खेलता रहता है।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि एक दूसरा बालक कहता है कि बाघ कोई काम नहीं करता है। वह ऑफिस, कॉलेज या स्कूल भी नहीं जाता है।
- इसके बाद पाँच साल का बेटा उन्हें सावधान करता है कि कोई भी रात को बाहर से होकर बाथरूम मत जाना क्योंकि हो सकता है कि बाघ आ जाए।

Chapter 15 - बिशन की दिलेरी

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में लेखिका ने सभी पक्षियों की सुरक्षा के बारे में वर्णन किया है।
- एक दस वर्षीय बालक बिशन सुबह सुबह घर से बाहर निकला था। वह रोज कर्नल दत्ता के फार्म हाउस पर उनकी पत्नी से पढ़ने जाता था।
- एक दिन उसे गोली चलने की आवाज़ सुनाई दी और दो-तीन गोलियाँ एकसाथ चलीं। गोलियों की आवाज़ सुनकर बिशन डर गया और पेड़ों के पीछे छिप गया। तभी कुछ समय बाद उसे एक और गोली चलने की आवाज़ सुनाई दी।
- बाद में बिशन को गोली चलने की वजह समझ में आ गई कि जब फसल पक जाती है, तब तीतर गेहूँ के खेतों में आया करते हैं। और शिकारी उनका शिकार करने चले आते हैं।
- यह सब सोचता हुआ बिशन दुखी हो गया और खेतों के किनारे-किनारे से चलने लगा।



- उसने शिकारियों को सबक सिखाने का निर्णय ले लिया था। आगे चलकर उसकी नज़र एक घायल तीतर पर पड़ गई। उसने तीतर को अपनी स्वेटर में फँसया और उसे सीने से लगाया।
- वह तीतर को लेकर पहाड़ी की ओर दौड़ पड़ा। तभी शिकारी ने उसे देख लिया और उसे रूकने को कहा।
- बिशन बहुत डर गया था फिर भी वह तेजी से भागने लगा। वह खेतों के काँटेदार झाड़ियों वाले छोटे रास्ते जाने लगा और उसके हाथ पैर पर काँटों की बहुत-सी खरोंचें उभर आई थीं।
- इसके बाद बिशन कर्नल दत्ता के फार्म हाउस पहुँचा। वहाँ कर्नल दत्ता के अल्सेशियन कुत्ता भौंक रहा था। बिशन ने तीतर को सुरक्षित स्थान पर छिपा दिया और खुद छत पर चिमनी के पीछे छिपकर बैठ गया।
- शिकारी कर्नल दत्ता के नजदीक पहुँचे और उनसे तीतर के बारे में पूछने लगे
- कर्नल साहब ने गुस्से में आकर उन्हें डाटा और उनकी बातें सुनकर शिकारी वहाँ से चले गए।
- इसकी बात बिशन तीतर को कर्नल दत्ता की पत्नी के पास लेकर जाता है और वहाँ उसका उपचार किया जाता है
- अंत में बिशन दलिया खाकर अपने घर की ओर चल देता है

नैतिक शिक्षा:

- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी भी पशु या पक्षी को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए। उनके साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए।

Chapter 16 - पानी रे पानी

लेखक परिचय:

- इस कहानी के लेखक अनुपम मिश्र हैं।
- इनका जन्म महाराष्ट्र के वर्धा में हुआ था।
- 'राजस्थान की रजत बूँदें' उनकी प्रमुख रचना में से एक है।
- इन्हें मध्य प्रदेश सरकार के चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में लेखक ने पानी के महत्व पर प्रकाश डाला है।
- लेखक कहते हैं कि हम सभी ने भूगोल की किताब में जल चक्र के बारे में पढ़ा है।
- हमारे घरों, स्कूलों, दफ्तरों, कारखानों आदि में नलों के माध्यम से पानी हर समय नहीं आता है। लोगो को पानी के लिए बाल्टियाँ, बर्तन लेकर नलों पर इकट्ठा होना पड़ता है।
- आजकल लोग पानी की परेशानी से बचने के लिए घरों में ही पाइप लगाकर पानी खींचने लगे हैं।
- देश के बड़े-बड़े शहरों में भी पानी की बहुत कमी है। हमारे देश के कई हिस्सों में गर्मी में अकाल और बरसात में बाढ़ की स्थिति बन जाती है।
- आगे लेखक कहते हैं कि जिस तरह हम अपनी जरूरत के लिए गुल्लक में पैसा जमा करते हैं। उसी तरह हमें पानी को धरती की गुल्लक छोटे-बड़े तालाब, झील आदि में जमा करना चाहिए।
- इनमें जमा पानी ज़मीन के नीचे धीरे-धीरे रिसकर, छनकर जमा हो जाता है। इससे हमारे भूजल स्तर में बढ़ोतरी होती है।
- लेकिन आजकल तालाबों को समतल बनाकर वहाँ मकान, बाज़ार, स्टेडियम बना दिया जाता है। हमारी इस गलती के कारण आज हमें पानी की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस गलती के कारण गर्मी के दिनों में भी सभी नल सूखे पड़े हैं।



- हमें इन समस्याओं से बचने के लिए अपने आसपास के तालाबों की और नदियों आदि की देखभाल अच्छे ढंग से करनी होगी।

नैतिक शिक्षा:

- इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें पानी को बर्बाद नहीं करना चाहिए। हमें बरसात के पानी का भंडारण करना चाहिए।

Chapter 17 - छोटी सी हमारी नदी

कवि परिचय:

- प्रस्तुत कविता के कवि रविंद्र नाथ ठाकुर हैं।
- कवि का जन्म 7 मई 1861 को हुआ था।
- वे एक लेखक, कवि, नाटककार, संगीतकार और चित्रकार भी हैं।
- उन्हें साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

कविता का सारांश:

- प्रस्तुत कविता में कवि ने एक नदी और उसकी खूबसूरती का वर्णन किया है।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि नदी छोटी है और इसकी धार टेढ़ी-मेढ़ी है। गर्मी के मौसम में यहाँ घुटने तक पानी भर जाता है जिसे आदमी, जानवर या बैलगाड़ी आसानी से पार कर लेते हैं। नदी के किनारे बहुत ऊँचे हैं। इसके तली में कीचड़ भी नहीं है। रात्रि के वक़्त सियार हुआँ-हुआँ करता रहता है।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि नदी के दूसरे किनारे पर आम और ताड़ के पेड़ लगे हुए हैं। जिसकी छाया में ब्राह्मण टोला रहता है। छोटे बच्चे नहाते हुए मछलियाँ पकड़ते हैं। घर की औरतें नदी से रेत ले जाकर लोटा - थाली माँजती हैं और कपड़े धोती हैं। सभी अपने घर को चल देती हैं।
- कविता के इस भाग में कवि कहते हैं कि जब आषाढ़ का महीना आता है और वर्षा होती है। तब नदी पानी से भर जाती है और इसकी तेज धार से कलकल की आवाज़ आने लगती है। नदी के दोनों तरफ़ के वनों में खूब कोलाहल मच जाता है। लोगों में खुशियों की लहर दौड़ जाती है।

Chapter 18 - चुनौती हिमालय की

कहानी का सारांश:

- प्रस्तुत कहानी में लेखिका ने कश्मीर की ऊँची, खूबसूरत वादियों और हिमालय की चोटी तक का बेहतरीन सफ़र का वर्णन किया है।
- कहानी के अनुसार जवाहरलाल मातायन तक पहुँचे ही थे। वहाँ एक नवयुवक कुली ने उन्हें बताया कि उस पहाड़ के पीछे अमरनाथ की गुफा है। तभी किशन ने उस कठिन रास्ते से जवाहरलाल और उनके भाई को जाने से आगाह किया।
- वह आठ मील दूर थी। जवाहरलाल अपने चचेरे भाई के साथ कश्मीर घूमने निकले थे।
- वे दोनों जोज़ीला पास से होकर लद्दाखी इलाके की ओर चले आए थे। दोनों सफ़र की मुश्किल के बारे में सुनकर जोर भी ज्यादा उसुक हो गए उनके साथ कुली, किशन जोर उसकी बेटी भी उसके साथ जाने को तैयार हो गई थी।



- अगले दिन सुबह जवाहरलाल तैयार होकर बाहर आ गए। वहाँ दूर-दूर तक कोई वनस्पति नहीं थी और सर्द हवाएँ चल रही थी। जवाहरलाल ने हथेलियाँ आपस में रगड़ी और कमर में रस्सी लपेटकर चलने को तैयार हो गए। गाइड के रूप में किशन उनके साथ था।
- जवाहरलाल ने पहाड़ी रास्तों पर चलना शुरू कर दिया था। रास्ता सुनसान थी और चारों तरफ पथरीली चट्टानें और सफेद बर्फ दिख रही थी।
- ऊपर चढ़ने के साथ-साथ सभी को साँस लेने में दिक्कत होने लगी थी। कुली के नाक खून बह रहा था। उसे ऐसा देखकर जवाहरलाल ने उसका उपचार कर दिया।
- कुछ देर आगे चलने के बाद बर्फ गिरने लगी। सभी बहुत थक गए थे।
- सुबह के चार बजे से चढ़ाई करते-करते दिन के बारह बजे तक उन्होंने लगभग सोलह हजार फीट की ऊँचाई पूरी कर ली थी लेकिन अभी भी अमरनाथ की गुफा का कुछ पता नहीं चल पा रहा था। परेशानियाँ बढ़ता देखकर कुली ने उन्हें वापस कैम्प में चलने की सलाह दी। किन्तु, जवाहरलाल नहीं रुके।
- आगे उन्हें गहरी खाइयाँ, बर्फ से ढंके गड्ढे और फिसलन मिली। जिसमें उनका पैर धँस रहा था। जवाहरलाल को यह चुनौतीपूर्ण काम करने में मजा आ रहा था।
- तभी अचानक एक बड़ी खाई में जवाहरलाल लड़खड़ाकर गिर गए। रस्सी के सहारे ही वह वहाँ लट के और उन्होंने रस्सी को कसकर पकड़ लिया।
- जवाहरलाल ने खाई की दीवार से उभरी चट्टान को मजबूती से पकड़ लिया और पथरीले धरातल पर पैर जमा लिए। इसके बाद सभी की कोशिश से वे ऊपर पहुँच गए।
- आगे की खाइयाँ गहरी और चौड़ी थी इसलिए जवाहरलाल को अमरनाथ तक का सफर अधूरा छोड़कर वापस लौटना पड़ा।

नैतिक शिक्षा:

- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कठिनाइयों को देखकर घबराना नहीं चाहिए बल्कि उनका डटकर सामना करना चाहिए



अध्ययनमंत्र



LIKE



SHARE



SUBSCRIBE



Connecting Platforms



Portal: live.adhyayanmantra.com

Web: www.adhyayanmantra.com

 **Rohit Vaidwan Notes**



Important links available given below:

CHILD DEVELOPMENT & PEDAGOGY BOOK:

<https://amzn.to/3w44NqC>

Selection Book- CTET & STET Bilingual Solved Practice Sets for Paper-1

<https://amzn.to/3De7ycq>

KVS MASTER BOOK FOR PRT, TGT, PGT

<https://amzn.to/3eJfNng>

KVS PASSBOOK HINDI Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3H2TTXU>

KVS PASSBOOK ENGLISH Edition for KVS PRT EXAM with Paper-2

<https://amzn.to/3ixgPVa>

यह BOOKS आपके सभी { KVS EXAM } को ध्यान में रख कर बनाई गई है

Online Batch JOIN करने के लिए

Download
Adhyayan Mantra
ConnectedApp

Available on the
Google Play

